3 राजधानी
पर्चा लीकः यूपीपीएससी की परीक्षा नियंत्रक गिरफ्तार

8 अभिमत
मोदी ब्रांड का असाधारण विस्तार

12 विदेश
भारतीय विमानों के लिए बंद रहेगा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र

14 स्पोर्ट्स
बोर्ड ने रिंकू को तीन महीने के लिए निलंबित किया

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 9 अंक 220
लखनऊ, शुक्रवार, 31 मई, 2019
पृष्ठ 16 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

बड़े फिल्मकारों को महिला केंद्रित फिल्में बनानी चाहिए: कैटरीना

विविध-16

आन-बान और शान के साथ फिर प्रधानमंत्री बने मोदी

भाजपा अध्यक्ष अमित शाह की सरकार में एंट्री, राजनाथ सिंह की नंबर टू पोजीशन बरकरार

उषा श्रीवास्तव। नई दिल्ली

- कुल 58 मंत्रियों ने ली पद व गोपनीयता की शपथ
- पूर्व विदेश सचिव एस जयशंकर सबसे चौकाने वाला नाम
- जेटली, सुषमा, मेनका, राधामोहन, महेश शर्मा, राज्यबर्द्धन, अनुप्रिया मंत्रिमंडल में शामिल नहीं

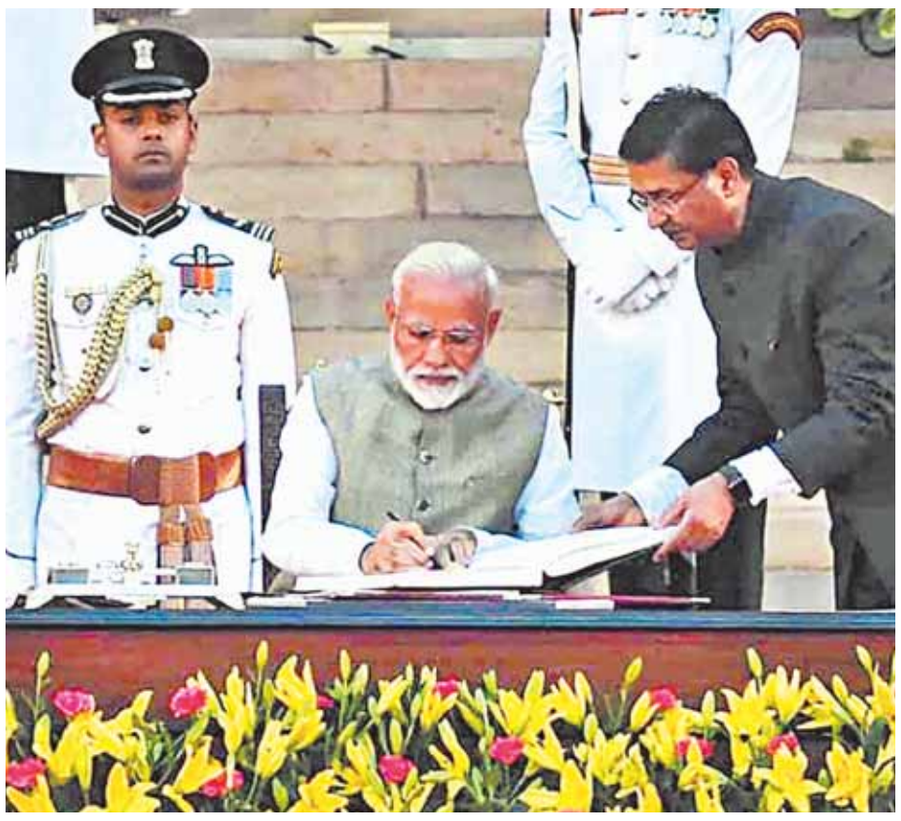

नई दिल्ली में राष्ट्रपति भवन में शपथ लेने के बाद हस्ताक्षर करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

केंद्र में मोदी सरकार का दूसरा कार्यकाल गुरुवार को पूरी आन - बान और शान के साथ शुरू हो गया। हाल में संपन्न लोकसभा चुनावों में भाजपा के खाते में लगातार दूसरी बार अभूतपूर्व जीत दर्ज कराकर नया इतिहास रचने वाले नरेंद्र मोदी ने आज एक बार फिर देश के 15वें प्रधानमंत्री के रूप में शपथ ग्रहण की। राष्ट्रपति भवन के प्रांगण में आयोजित भव्य समारोह में गणमान्य विदेशी अतिथियों और नामचीन हस्तियों समेत करीब आठ हजार लोग मौजूद थे जो राष्ट्रीय राजनीति को नई दिशा देने वाले इस मौके के गवाह बने। सफेद कुर्ते पायजामे और ग्रे रंग की जैकेट पहने मोदी जब शपथ लेने मंच पर पहुंचे तो समूचा प्रांगण हर-हर महादेव के नारों से गूंज उठा। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने उन्हें पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हिंदी में शपथ ली। बाद में उन्होंने ट्वीट किया कि भारत की सेवा करने का सम्मान मिला।

प्रधानमंत्री मोदी के बाद पिछली सरकार में गृह मंत्री रहे राजनाथ सिंह ने शपथ ली और पहली बार सरकार का हिस्सा बने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने राजनाथ के बाद शपथ ग्रहण की। पीएम के बाद राजनाथ सिंह के शपथ ग्रहण करने के साथ ही सरकार में नंबर टू कौन होगा, इसे लेकर जारी अटकलों पर विराम लग गया। दरअसल अमित शाह के कैबिनेट में आने के पुष्ट संकेत मिलने के बाद से यह धारणा बना ली गई थी कि उनका स्थान मोदी के बाद होगा जबकि राजनाथ तीसरे नंबर पर चले जाएंगे लेकिन, आज स्थिति शीशे की तरह साफ हो गई है। मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में सबसे अच्छे परफॉरमर माने गए नितिन गडकरी ने चौथे नंबर पर शपथ ली यानी टॉप-4 में जगह सुरक्षित। प्रधानमंत्री मोदी के साथ 24 कैबिनेट, 9 राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार और 24 राज्य मंत्रियों समेत कुल 58 लोगों ने मंत्री पद की शपथ ली। कैबिनेट मंत्रियों में सबसे चौंकाने वाला नाम पूर्व विदेश सचिव एस जयशंकर का है जिन्हें प्रधानमंत्री की तरफ से दिया गया बड़ा सरप्राइज माना जा रहा है।

भाजपा को स्पष्ट बहुमत मिलने के बावजूद, प्रधामंत्री मोदी ने राजग के घटक दलों को इस बार भी मंत्रिमंडल में उचित प्रतिनिधित्व दिया है। लोजपा, शिवसेना, अकाली दल से क्रमशः रामविलास पासवान, अरविंद सावंत, हरसिमरत कौर ने मंत्री पद की शपथ ली हालांकि बिहार में साझा सरकार चली रही जनता दल यू ने अंतिम समय पर सरकार से बाहर रहने का फैसला लिया। जद यू की तरफ से कोई भी शाम को प्रधानमंत्री आवास नहीं पहुंचा जहां पीएम मोदी ने भावी मंत्रियों को चाय पर मिलने को बुलाया था। जिन्हें दूसरी बार मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है उनमें सुषमा स्वराज, मेनका गांधी, राज्यवर्द्धन सिंह राठौड़, डॉ. महेश शर्मा, राधामोहन सिंह, शिव प्रताप शुक्ला, सत्यपाल सिंह, अनुप्रिया पटेल शामिल हैं। 2014 में विदिशा (मप्र)से सांसद चुनी गईं सुषमा स्वराज पिछली सरकार में विदेश मंत्री थीं लेकिन, इस बार सेहत का हवाला देकर उन्होंने चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। सुषमा मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में तो शामिल हुईं लेकिन उन्होंने मंत्री पद की शपथ नहीं लीं यानी वह मोदी सरकार 2 का हिस्सा नहीं होंगी। बेहद बीमार चल रहे पूर्व वित्त मंत्री अरुण जेटली ने भी मंगलवार को पीएम को खत लिखकर मंत्री नहीं बनाए जाने का अनुरोध किया था। इस तरह, मोदी सरकार की दूसरी पारी में अटल-आडवाणी युग के साक्षी रहे भाजपा के दो प्रमुख चेहरे सुषमा और जेटली नहीं दिखाई देंगे यानी नई मोदी सरकार में नए वित्त और विदेश मंत्री होंगे। प्रधानमंत्री मोदी के साथ आज 24 जिन 24 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली उनमें राजनाथ सिंह, अमित शाह, नितिन गडकरी, सदानंद गौड़ा, निर्मला सीतारमण, रामविलास पासवान, नरेंद्र सिह तोमर, रविशंकर प्रसाद, हरसिमरत कौर बादल, पूर्व विदेश सचिव एस जयशंकर, थावर चंद गहलोत, रमेश पोखरियाल निशंक, अर्जुन मुंडा, स्मृति ईरानी, डॉ. हर्षवर्द्धन, प्रकाश जावड़ेकर, पीयूष गोयल, धर्मेंद्र प्रधान, मुख्तार अब्बास नकवी, डॉ. महेन्द्र नाथ पांडे, गजेन्द्र सिंह शेखावत, गिरिराज सिंह, अरविंद सावंत, प्रह्लाद जोशी शामिल हैं। 2014 में मोदी की पहली सरकार ने 23 कैबिनेट मंत्रियों ने शपथ ली थी। संतोष कुमार गंगवार, राव इंद्रजीत सिंह, श्रीपद नायक, डॉ. जितेन्द्र सिंह, किरेन रिजिजू, प्रहलाद पटेल, राजकुमार सिंह, हरदीप सिंह पुरी, मनसुख लाल मंडाविया ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के तौर पर शपथ ली।

केंद्र सरकार में राज्य मंत्री के तौर पर शपथ लेने वालों में फग्गन सिंह कुलस्ते, अश्विनी कुमार चौबे, अर्जुन राम मेघवाल, वी के सिंह, कृष्ण पाल गुर्जर, रावसाहेब दादाराव दानवे, गंगापुरम किशन रेड्डी, पुरुषोत्तम रूपाला, रामदास अठावले, साध्वी निरंजन ज्योति, बाबुल सुप्रियो, संजीव कुमार बालियान, संजय धोत्रे, अनुराग सिंह ठाकुर, सुरेश अंगड़ी, नित्यानंद राय, रतन लाल कटारिया, बी मुरलीधरन, रेणुका सिंह सरूता, सोम प्रकाश, रामेश्वर तेली, प्रताप चंद्र सारंगी, कैलाश चौधरी और देवश्री चौधरी शामिल हैं। नए भारत के निर्माण और भारत को विश्व की बड़ी ताकत बनाने का संकल्प लिए पूरी शिद्दत से आगे बढ़ते प्रधानमंत्री मोदी ने अपने (शेष पेज 10)

सुषमा ने प्रधानमंत्री मोदी का किया धन्यवाद

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भाजपा के नेतृत्व वाली नई राजग सरकार में कई दिग्गज नेताओं के मंत्रिमंडल में शामिल नहीं होने वाली सूची में सुषमा स्वराज एक बड़ा नाम हैं। विदेश मंत्री के रूप में देश की जनता की सेवा का अवसर देने के लिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का शुक्रिया अदा किया। शपथ ग्रहण समारोह खत्म होने के एक घंटे बाद स्वराज ने ट्वीट किया कि वह प्रार्थना करती हैं कि मोदी सरकार अपना दूसरा कार्यकाल गौरव के साथ पूरा करें। उन्होंने ट्विटर पर हिंदी में लिखा, प्रधानमंत्री जी - आपने 5 वर्षों तक मुझे विदेश मंत्री के तौर पर देशवासियों और प्रवासी भारतीयों की सेवा करने का मौका दिया और पूरे कार्यकाल में व्यक्तिगत तौर पर भी बहुत सम्मान दिया। मैं आपके प्रति बहुत आभारी हूँ। हमारी सरकार बहुत यशस्विता से चले, ईश्वर से मेरी यही प्रार्थना है। स्वराज ने खराब स्वास्थ्य का हवाला देते हुए लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का निर्णय किया था।

नड्डा को मिल सकती है भाजपा की कमान

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

जेपी नड्डा

- अमित शाह के सरकार में जाने के बाद उनके उत्तराधिकारी को लेकर अटकलें तेज
- महासचिव भूपेन्द्र यादव भी दौड़ में शामिल

भाजपा के चाणक्य कहलाने वाले अमित शाह आज कैबिनेट मंत्री की शपथ लेकर मोदी सरकार 2 में शामिल हो गए। संगठन से सरकार में जाने से पहले शाह ने जीत का मंत्र देकर भाजपा को सफलता की नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का काम किया। उनकी जिताऊ रणनीति के ही दम पर लगातार दो आम चुनावों में पार्टी को स्पष्ट बहुमत मिला और वह पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, ओडिशा जैसे राज्यों में भी उपस्थिति दर्ज कराने में कामयाब रही जो उसके लिए अभेद्य माने जाते थे। अब जबकि अमित शाह मोदी सरकार में अहम जिम्मेदारी संभालने जा रहे हैं, तब यह यक्ष प्रश्न खड़ा हो गया है कि उनका उत्तराधिकारी कौन होगा। कौन होगा भाजपा का नया अध्यक्ष?

शाह के सरकार में जाने की सुगबुगाहट के साथ ही नए भाजपा अध्यक्ष को लेकर कयास तेज हो गए थे। पार्टी अध्यक्ष की दौड़ में पूर्व केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा और महासचिव भूपेंद्र यादव के नाम सबसे आगे चल रहे हैं। नड्डा के आज शपथ नहीं लेने के बाद उनके सिर पर अध्यक्ष का ताज रखे जाने की संभावना और प्रबल बताई जा रही है। जेपी नड्डा संगठन के आदमी रहे हैं और मोदी एवं शाह के भरोसेमंद भी। वह अनुभवी होने के साथ गुटबाजी से दूर रहने वाले नेता के रूप में जाने जाते हैं। दूसरी ओर, महासचिव भूपेंद्र यादव हैं जिन्होंने तमाम राज्यों के प्रभारी के रूप में सफल पारी खेली है। भूपेंद्र यादव पर अमित शाह बहुत भरोसा करते हैं और उन्हें पार्टी ने जो भी जिम्मा दिया उसे उन्होंने सौ फीसदी पूरा किया। अच्छी परफॉरमेंस का उनका रिकॉर्ड उन्हें पार्टी अध्यक्ष पद की दौड़ में बनाए हुए है। तीसरा नाम धर्मेंद्र प्रधान का चल रहा था लेकिन आज उनके मंत्री पद की शपथ लेने के साथ यह अपने-आप रेस से बाहर हो गया।

सूत्रों ने नड्डा अथवा भूपेंद्र यादव को अध्यक्ष बनाए जाने की संभावना जताते हुए कहा कि आने वाले दिनों में पश्चिम बंगाल और दिल्ली विधानसभा के चुनाव होने वाले हैं। इन दोनों राज्यों में जीत हासिल करना भाजपा के एजेंडे में सबसे ऊपर है लिहाजा मोदी व शाह उसे ही संगठन की कमान सौंपेंगे जो इस कसौटी पर खरा उतरने में सक्षम होगा। हालांकि, सूत्रों ने यह भी कहा कि अध्यक्ष कोई भी बने परंतु डोर तो अमित शाह के हाथ में ही रहेगी। शाह ने पिछली बार से भी ज्यादा बड़ी जीत पार्टी के खाते में दर्ज कराई है। (शेष पेज 10)

मोदी मंत्रिमंडल

नरेंद्र मोदी-प्रधानमंत्री

कैबिनेट मंत्री

1. राजनाथ सिंह
2. अमित शाह
3. नितिन गडकरी
4. डी वी सदानंद गौड़ा
5. निर्मला सीतारमण
6. राम विलास पासवान
7. नरेन्द्र सिंह तोमर
8. रविशंकर प्रसाद
9. हरसिमरत कौर
10. थावर चंद गहलोत
11. डॉ. एस जयशंकर
12. रमेश पोखरियाल निशंक
13. अर्जुन मुंडा
14. स्मृति ईरानी
15. डॉ. हर्षवर्धन
16. प्रकाश जावड़ेकर
17. पीयूष गोयल
18. धर्मेंद्र प्रधान
19. मुख्तार अब्बास नकवी
20. प्रह्लाद जोशी
21. डॉ. महेन्द्र नाथ पांडे
22. अरविंद सावंत
23. गिरिराज सिंह
24. गजेन्द्र सिंह शेखावत

राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)

1. संतोष कुमार गंगवार
2. राव इंद्रजीत सिंह
3. श्रीपद एसो नायक
4. डॉ. जितेन्द्र सिंह
5. किरेन रिजिजू
6. प्रह्लाद पटेल
7. राजकुमार सिंह
8. हरदीप सिंह पुरी
9. मनसुख लाल मंडाविया

राज्य मंत्री

1. फग्गन सिंह कुलस्ते
2. अश्विनी कुमार चौबे
3. अर्जुन राम मेघवाल
4. वीके सिंह
5. कृष्ण पाल गुर्जर
6. रावसाहेब दादाराव दानवे
7. गंगापुरम किशन रेड्डी
8. पुरुषोत्तम रुपाला
9. राम दास अठावले
10. साध्वी निरंजन ज्योति
11 बाबुल सुप्रियो
12 संजीव कुमार बालियान
13 संजय धोत्रे
14. अनुराग सिंह ठाकुर
15. सुरेश अंगड़ी
16. नित्यानंद राय
17. रतन लाल कटारिया
18. बी मुरलीधरन
19. रेणुका सिंह सरुता
20. सोम प्रकाश
21. रामेश्वर तेली
22. प्रताप चंद्र सारंगी
23. कैलाश चौधरी
24. देवश्री चौधरी

जदयू ने लिया बाहर रहने का फैसला

- सांकेतिक प्रतिनिधित्व मंजूर नहीं पर पार्टी रहेगी राजग के साथ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नई कैबिनेट में नीतीश कुमार की जदयू का कोई नेता शामिल नहीं हुआ। भाजपा ने राजग के अपने सहयोगी दलों को एक-एक मंत्री बनाने का प्रस्ताव दिया था, जो जदयू को पसंद नहीं आया।

पीएम मोदी के दूसरी बार शपथ लेने से ठीक पहले जदयू प्रमुख और बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने साफ कह दिया कि उनकी पार्टी केंद्र सरकार में शामिल नहीं होगी। उन्होंने यह भी कहा है कि इसमें नाराजगी की कोई बात नहीं है और हम राजग के साथ पूरी मजबूती से खड़े हैं। जदयू के वरिष्ठ नेता केसी त्यागी ने कहा कि हम न तो असंतुष्ट हैं और न ही नाराज हैं, लेकिन हमारे पार्टी से कोई भी मंत्री नहीं बनेगा। त्यागी ने कहा, सरकार में शामिल होने के लिए हमारी पार्टी को भाजपा से आमंत्रण मिला था। लेकिन यह सांकेतिक प्रतिनिधित्व जैसा था। उन्होंने कहा कि जदयू में इस सांकेतिक प्रतिनिधित्व को लेकर सहमति नहीं है।

लिहाजा हम (जदयू) मंत्रिपरिषद में शामिल नहीं हो रहे हैं। जदयू के वरिष्ठ नेता ने कहा, जदयू राजग का हिस्सा बनी रहेगी। उन्होंने कहा कि हमें इसे लेकर कोई नाराजगी नहीं है। गौरतलब है कि बिहार में जदयू भाजपा की मुख्य सहयोगी पार्टी रही है। लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 17 सीट और जदयू ने 16 सीटों पर जीत दर्ज की थी। बताया जा रहा है कि जदयू कैबिनेट में दो पद चाह रही थी। नीतीश कुमार भाजपा के एकमात्र सहयोगी थे, जिन्होंने भाजपा अध्यक्ष अमित शाह से बुधवार को व्यक्तिगत रूप से मुलाकात की थी।

नए केंद्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक आज होने की संभावना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

नए केन्द्रीय मंत्रिमंडल की पहली बैठक शुक्रवार की शाम को होने की संभावना है। आधिकारिक सूत्रों ने यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि अब कोई निश्चित एजेंडा नहीं है और इसमें संसद का सत्र आहूत करने की संभावित तारीख तय की जा सकती है। लोकसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाई जानी है। प्रधानमंत्री आने वाले दिनों में विभिन्न कैबिनेट समितियों जैसे सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति, संसदीय मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति और राजनीतिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति पर भी निर्णय लेंगे।

मोदी कैबिनेट में इस बार भी उत्तर प्रदेश का दबदबा कायम

अभिषेक रंजन। लखनऊ

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मंत्रिमंडल के गठन से यह स्पष्ट हो गया कि भाजपा ने यूपी में जातीय समीकरण को बेहतर बनाया है। अगर अनुसूचित जाति को छोड़ दिया जाए तो हर जाति के लोगों का प्रतिनिधित्व इस मंत्रिमंडल में दिखता है। इस बात की भी संभावना है कि आगे मंत्रिमंडल विस्तार के जरिए यूपी से अनुसूचित जाति को भी मौका मिल सकता है। मोदी की कैबिनेट में इस बार उप्र से 10 चेहरों को जगह दी गई है। 2014 में भाजपा को 71 सीटें मिली थी और इस बार के 62 सीटें मिली हैं। माना जा रहा है कि भविष्य में होने वाले मंत्रिमंडल विस्तार में यूपी से अन्य जातियों को भी मौका मिल सकता है। ठाकुर, ब्राह्मण, कुर्मी, लोध, मुस्लिम और जाट जातियों की भागीदारी के जरिए सामाजिक समीकरण को और बेहतर करने की कोशिश की है।

बरेली से आठ बार से सांसद संतोष गंगवार इस बार भी कैबिनेट मंत्री नहीं बन पाए। हालांकि उन्हें राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है। इस बार सुल्तानपुर से सांसद बनी और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी को भी मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किया गया है। माना जा रहा है कि उन्हें पार्टी किसी अन्य बड़े पद पर सुशोभित कर सकती है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की कैबिनेट में लखनऊ से राजनाथ सिंह और अमेठी से स्मृति ईरानी को कैबिनेट मंत्री के रूप में जगह मिली है। राजनाथ सिंह लखनऊ में पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय (शेष पेज 10)

भाजपा को मिलेगा नया प्रदेश अध्यक्ष

लखनऊ। बीजेपी के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पाण्डेय को कैबिनेट मंत्री बनाकर भाजपा ने संकेत दिया कि बीजेपी का अगला प्रदेश अध्यक्ष पिछड़ी जाति से हो सकता है। जातीय समीकरण को देखते हुए महेंद्र नाथ पांडे से पहले मौजूदा डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य अध्यक्ष थे तब उनके नेतृत्व में भाजपा यूपी से 71 लोकसभा सीटों जीती थी। ऐसे में एक बार फिर भाजपा जातीय गणित को मजबूत करने के लिए सवर्ण के बजाय अन्य बिरादरियों पर अपना ध्यान फोकस करेगी। केशव मौर्य, कैबिनेट मंत्री स्वतंत्र देव सिंह, राज्यमंत्री महेंद्र सिंह, पूर्व केंद्रीय मंत्री मनोज सिन्हा को भी यह जिम्मेदारी मिल सकती है।

कैबिनेट में आए चौंकाने वाले और नए चेहरे

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूसरी कैबिनेट में कई दिग्गज नेता जगह नहीं बना पाए तो कई नए और चौंकाने वाले चेहरों को मंत्री पद मिला है। मत्रिमंडल में जगह पाने वाले नए चेहरों में सबसे बड़ा नाम भाजपा अध्यक्ष अमित शाह का है। पूर्ण बहुमत के साथ पूरे पांच साल का कार्यकाल पूरा करने वाली पिछली भाजपा सरकार में भी वह मंत्री नहीं बने थे बल्कि संगठन में रहकर दूसरी बार पार्टी को सत्ता में लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

इनके अलावा, पूर्व विदेश सचिव एस जयशंकर समेत अनुराग ठाकुर, संजीव बालियान, रमेश पोखरियाल तथा प्रताप चंद्र सारंगी ऐसी ही शख्सियतें हैं जो पहली बार सरकार में मंत्री बनाए गए हैं। देश के प्रमुख सामरिक विश्लेषकों में से एक दिवंगत के . सुब्रमण्यम के पुत्र जयशंकर ऐतिहासिक भारत-अमेरिका परमाणु समझौते के लिए बातचीत करने वाली भारतीय टीम के एक प्रमुख सदस्य थे। अनुभवी राजनयिक 64 वर्षीय जयशंकर चीन और अमेरिका के साथ बातचीत में भारत के प्रतिनिधि थे।

वर्ष 1977 बैच के आईएफएस अधिकारी जयशंकर ने लद्दाख के देपसांग और डोकलाम गतिरोध के बाद चीन के साथ संकट को हल करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसी तरह एक और नौकरशाह और पंजाब के फगवाड़ा से दो बार विधायक रहे सोम प्रकाश पहली बार लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए और नरेंद्र मोदी सरकार के दूसरे कार्यकाल में राज्य मंत्री बनाए गए हैं। केंद्र में मंत्री पद की बृहस्पतिवार को शपथ लेने वाले प्रकाश पंजाब में होशियारपुर (सुरक्षित) सीट से निर्वाचित हुए (शेष पेज 10)

लोकसभा की अस्थाई अध्यक्ष बन सकती हैं मेनका गांधी

नई दिल्ली। भाजपा की वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री मेनका गांधी 17वीं लोकसभा में अस्थाई अध्यक्ष (प्रो-टर्म स्पीकर) बन सकती हैं। सूत्रों ने बताया कि आठ बार की सांसद मेनका को यह महत्वपूर्ण जिम्मेदारी दी जा सकती है। इस बार वह उत्तर प्रदेश की सुल्तानपुर लोकसभा सीट से निर्वाचित हुई हैं। मेनका इससे पहले की मोदी सरकार में महिला एवं बाल विकास मंत्री थीं। लोकसभा का अस्थाई अध्यक्ष सदन के नवनिर्वाचित सदस्यों को शपथ दिलाता है। उसी के तहत ही लोकसभा अध्यक्ष का चुनाव भी होता है।

सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा 2019 में चयन प्रक्रिया पूरी करने की छूट मिली, अंतिम परिणाम की घोषणा पर रोक खबर पेज 3 पर

केंद्रीय योजनाओं की रफ्तार बढ़ाने का मास्टर प्लान तैयार

बीजेपी की प्रचंड जीत में योगी बने गेम चेंजर, अपने ढाई साल के कार्यकाल में केंद्र की योजनाओं को तेजी से जमीन पर मूर्तरूप देने की रणनीति ने अहम किरदार निभाया

अभिषेक रंजन। लखनऊ

लोकसभा चुनाव में भाजपा की जीत में केंद्र सरकार की योजनाओं की अहम भागीदारी तो रही ही साथ ही योगी सरकार द्वारा उन योजनाओं को अपने ढाई साल के कार्यकाल में तेजी से जमीन पर मूर्तरूप देने की रणनीति ने भी अहम किरदार निभाया। इसमें प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन, आयुष्मान भारत योजना और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना, सौभाग्य योजना, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना, ऋण मोचन योजना, गन्ना मूल्य भुगतान जैसी करीब एक दर्जन से अधिक योजनाएं रहीं। अब सरकार का आगे मास्टर प्लान इन्हीं योजनाओं को 2021 दिसंबर तक तेजी से अवशेष और अधिक से अधिक वंचितों तक पहुंचाने का है।

लोकसभा चुनाव के परिणाम कई बातों के लिए हमेशा याद रखे जाएंगे। उप्र को लेकर बीजेपी ने तमाम कयासों को गलत साबित करते हुए बड़ी जीत हासिल की है। इन सबके बीच बीजेपी की जीत के सबसे बड़े कारक मोदी सरकार की योजनाओं के लाभार्थियों की रही जिन्होंने जाति-धर्म को दरकिनार कर भाजपा को वोट दिया। प्रदेश की योगी सरकार ने बीते दो सालों में तीव्र गति से केंद्र की योजनाओं का लाभ समाज के हर तबके तक पहुंचाया है। इस चुनाव में यह सिद्ध हुआ कि व्यवस्थित तरीके से लागू की गई योजनाओं के लाभार्थी बाद में वोट में तब्दील जरूर होते हैं। यही कारण रहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, बीजेपी अध्यक्ष अमित शाह, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, बीजेपी के सभी बड़े नेताओं ने अपनी जनसभाओं के माध्यम योजनाओं के आंकड़ों का वज्र बनाकर विपक्ष पर तीखा हमला किया। मोदी जहां अपनी जनसभाओं के माध्यम से कांग्रेस के 55 साल बनाम अपने पांच साल के कार्यकाल की तुलना करने की बात कर रहे थे तो वहीं योगी भी अपने दो साल का रिपोर्ट कार्ड जनता के बीच रख रहे थे। पूरे चुनाव में अगर देखा जाए तो उप्र की पूरी जिम्मेदारी योगी पर ही थी। इसलिए सपा सरकार के समय की कानून-व्यवस्था, प्रदेश में होने वाले दंगे, बसपा सरकार के समय का भ्रष्टाचार और कांग्रेस के मुस्लिम तृष्टिकरण और आतंकवाद पर लचीले रवैये को योगी मुददा बनाने से नहीं चूके। पश्चिम उप्र की चुनावी जनसभाओं में योगी ने प्रदेश की कानून-व्यवस्था के लिए उठाए गए कदम के असर का जिक्र किया तो जनता का भरोसा सरकार पर हुआ। जो यह बताने के लिए काफी था कि वर्षों से सत्ता के संरक्षण प्राप्त अपराधियों से पीड़ित उप्र की जनता को प्रदेश का नया माहौल पसंद आ रहा है।

केंद्र सरकार की योजनाओं को योगी ने बेहतर तरीके से यूपी में लागू किया। दो साल के कार्यकाल में प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी में और ग्रामीण के तहत उप्र के 24 लाख गरीब परिवारों को मकान देने में सफल रही जबकि सपा सरकार में मात्र 83 हजार आवास की मंजूर हो पाए थे। इसी प्रकार से बसपा और सपा सरकार के दौरान दिए गए बिजली कनेक्शन और योगी सरकार में दिए गए कनेक्शन के आंकड़े जनसभाओं में गिनाए गए।

यूपी में केंद्र की योजनाओं की स्थिति

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी-ग्रामीण के तहत अब तक 24 लाख से अधिक परिवारों को योजना के तहत घर दिया गया है। स्वच्छ भारत मिशन के तहत 2.70 करोड़ शौचालयों का निर्माण किया गया। आयुष्मान भारत योजना के तहत यूपी के 1.18 करोड़ परिवारों को गोल्डन कार्ड जारी किए गए हैं। इस योजना से वंचित रह गए 56 लाख लोगों को मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत जोड़ा गया है। सौभाग्य योजना के तहत रिकार्ड समय में एक करोड़ से अधिक परिवारों को बिजली कनेक्शन दिया गया। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत प्रदेश के 1 करोड़ 14 लाख किसानों को दो हजार रुपए की दो किस्तें भेजी गईं। ऋण मोचन योजना के तहत 86 लाख से अधिक लघु एवं सीमांत किसानों की कर्ज माफी की गई। प्रदेश के गन्ना किसानों को 66 हजार करोड़ रुपए का गन्ने मूल्य का भुगतान किया गया। कानून-व्यवस्था को लेकर योगी सरकार के कार्यकाल में 3539 मुठभेड़ में 8135 अपराधियों को गिरफ्तार किया गया। 75 दुर्दांत अपराधी मारे गए। 2764 इनामी अपराधी गिरफ्तार किए गए। 13886 अपराधी स्वयं जमानत निरस्त कराकर न्यायालयों में आत्मसमर्पण किया। उज्जवला योजना के तहत 1.12 करोड़ से अधिक महिलाओं को नि:शुल्क एलपीजी गैस कनेक्शन उपलब्ध कराए गए। एक जनपद एक उत्पाद योजना के माध्यम से 5 लाख लोगों को रोजगार मिला इनमें से एक लाख 84 हजार 513 लाभार्थियों को 17431 करोड़ रुपए की सहायता उपलब्ध कराते हुए उनकी वित्तीय मदद की गई। कौशल विकास नीति को लागू करने वाला यूपी पहला राज्य बना और कौशल विकास प्रशिक्षण के लिए आठ लाख युवाओं का पंजीकरण किया गया। अब तक पांच लाख युवाओं का प्लेसमेंट कराया गया है।

बाढ़ सुरक्षा के एक्शन प्लान में गौशालाएं भी शामिल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाढ़ सुरक्षा को लेकर तैयार होने वाले एक्शन प्लान में गौशालाओं को भी शामिल कर लिया गया है। सरकारी महकमों में तैयार हो रहे बाढ़ सुरक्षा और बचाव के प्लान में आबादी के साथ-साथ सम्बंधित जिलों में आने वाली गौशालाओं की सुरक्षा और बाढ़ के दौरान इनकी उचित देखभाल का विशेष प्रावधान किया जाएगा। यह प्लान अगले महीने 15 जून तक तैयार होना है। बाढ़ सुरक्षा प्लान में किये जा रहे इस नये प्रावधान को सीएम योगी आदित्यनाथ के गोवंश प्रेम से जोड़कर देखा जा रहा है।

योगी सरकार के एजेंडे में गोवंश भी प्राथमिकता पर है। सत्ता संभालने के बाद से सरकार गोवंश की रक्षा और देखरेख के लिये अनेक कदम उठा चुकी है। जिसमें गोकशी रोकने को उठाये गये कदमों के अलावा गोशालाओं और पशु चिकित्सालयों का निर्माण जैसे कदम उठाये गये हैं। इसके अलावा बकरीद पर सीएम योगी ने आला-अफसरों को सख्त निर्देश दिये थे कि कहीं पर भी गोवंश नहीं काटे जाने चाहिए। बाढ़ में गोवंश की सुरक्षा को लेकर योगी सरकार नया कदम उठाने जा रही है। दरअसल बाढ़ में हर साल बड़ी संख्या में पशुओं की मौत होती है। जिसमें अधिकतर गांवों में बनी गौशालाओं के पशु होते हैं। हर साल हो रही गोवंश की मौतों को रोकने के लिये सीएम योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को बाढ़ सुरक्षा को लेकर आपदा राहत विभाग और राज्य आपदा प्रबंध प्राधिकरण की बैठक में सुरक्षा के अन्य उपायों के साथ-साथ गोशालाओं की सुरक्षा करने के निर्देश दिये हैं। सूत्रों का कहना है कि जिला और प्रदेश स्तर पर बनने वाले बाढ़ एक्शन प्लान में गौशालाओं की सुरक्षा को प्रावधान अनिवार्य रूप से करने को कहा गया है। विदित हो कि बाढ़ को लेकर जो सुरक्षा प्लान बनता है उससे संवेदनशील इलाकों में बाढ़ से पहले और बाढ़ आने के बाद उठाये जाने वाले कदम तथा बाढ़ आने के बाद की जरूरी कार्रवाई का जिक्र होता है। इस प्लान में उन इलाकों का भी स्पष्ट उल्लेख किया जाता है, जहां बाढ़ का खतरा सबसे अधिक है। इसके अलावा बाढ़ से निपटने के संसाधनों का भी प्रावधान होता है। आधिकारिक सूत्रों का कहना है कि 15 जून तक सभी विभागों को अपना प्लान बनकार शासन को देना है तथा नदियों की ड्रेजिंग तथा नदियों की धारा को मोड़ने जैसे भी कदम उठाये जाने हैं।

लैकफेड के पूर्व एमडी बीपी सिंह ने किया सरेंडर, अंतरिम जमानत अर्जी खारिज

विधि संवाददाता। लखनऊ

मनी लांड्रिआ के एक मामले में आत्मसमर्पण करने वाले लैकफेड के पूर्व महाप्रबंधक ब्रह्म प्रकाश सिंह की अंतरिम जमानत अर्जी गुरुवार को ईडी की विशेष अदालत ने खारिज कर दी। ईडी के विशेष जज व जिला जज सुरेंद्र कुमार यादव ने नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए सात जून की तारीख मुकर्रर की है। मनी लांड्रिआ के इस मामले में ब्रहम प्रकाश सिंह पर लैकफेड घोटाले की रकम से करोड़ों की संपति बनाने का आरोप है। ईडी ने इस मामले में इसके खिलाफ मनी लांड्रिंग एक्ट की धारा 3/4 में आरोप पत्र दाखिल किया था।

मनी लांड्रिंग का मामला

ईडी के विशेष वकील कुलदीप श्रीवास्तव के मुताबिक 21 फरवरी, 2012 को लैकफेड घोटाला मामले की एफआईआर थाना हुसैनगंज में दर्ज हुई थी। इस मामले में अन्य मुल्जिमों के साथ ही लैकफेड के एमडी ब्रह्म प्रकाश सिंह को भी सजा हुई थी। हालाकि वह हाईकोर्ट से जमानत पर रिहा हैं। 13 सितंबर, 2012 को इसी मामले में ईडी ने भी एक सूचना दर्ज कर अपनी जांच शुरु की। जांच में लैकफेड के पूर्व एमडी ब्रह्म प्रकाश सिंह पर एक करोड़ 63 लाख छ:ह हजार 117 रुपए के गबन का आरोप सामने आया। यह भी मालुम हुआ कि गबन के इस रकम से उसने लखनऊ के नौबस्ताकलां में एक कृषि योग्य भूमि व खरगापुर तथा इंदिरानगर में भी एक-एक मकान बनाया है। साथ ही अपने परिवालों के खाते में रकम भी जमा की है। ईडी ने इन सभी संपतियों को जब्त कर लिया है।

इस मामले में आरोप पत्र दाखिल होने के बाद हाजिर नहीं होने पर विशेष अदालत से ब्रह्म प्रकाश सिंह के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी था। गुरुवार को विशेष अदालत में आत्मसमर्पण कर मुल्जिम ने अंतरिम जमानत की गुहार लगाई थी।

अखिलेश यादव ने पूजा-अर्चना के साथ नए बंगले में किया प्रवेश

- सपा प्रमुख का नया पता हुआ एक विक्रमादित्य मार्ग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गुरुवार को लखनऊ के पॉश इलाके में एक-विक्रमादित्य मार्ग स्थित अपने नए बंगले में गृह प्रवेश किया। गृह प्रवेश के दौरान उनकी पत्नी डिंपल यादव, बच्चे व कुछ खास लोग ही मौजूद रहे। अखिलेश यादव ने पत्नी व बच्चों के साथ नवनिर्मित आवास पर पहुंचकर पहले पूरे विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और फिर गृह प्रवेश किया। अखिलेश ने गृह प्रवेश के लिए हुई पूजा की तस्वीरें ट्वीटर पर शेयर करते हुए लिखा है कि आज गृह प्रवेश की पूजा भी हुई और सबके अशीर्वाद से नए घर में प्रवेश का शुभ-कार्य भी संपन्न हुआ। अभी पिछले दिनों ही सपा संरक्षक मुलायम सिंह यादव ने भी अपने आठ, विक्रमादित्य मार्ग स्थित नए बंगले में गृह प्रवेश किया था। अखिलेश का यह नया बंगला उसी विक्रमादित्य मार्ग पर है, जिस पर समाजवादी पार्टी का मुख्यालय है। अखिलेश अभी तक अंसल सिटी में रह रहे थे। उनका एक-विक्रमादित्य मार्ग स्थित आवास बनकर तैयार हो रहा था। अखिलेश ने जब आज गृह प्रवेश किया तो इसकी जानकारी न तो किसी को थी और नहीं किसी को बुलाया गया था।

संगठन ने दी बधाई, बांटी मिठाई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

नरेंद्र मोदी को पुन: प्रधानमंत्री की शपथ लेने पर भाजपा की प्रदेश इकाई ने कोटिश बधाई दी है। मंत्रिमंडल में उत्तर प्रदेश की विशिष्ट भागीदारी के लिए भी संगठन ने उनको धन्यवाद दिया है। भाजपा की ऐतिहासिक जीत के शिल्पी राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह को भी कैबिनेट मंत्री बनने पर भी बधाई दी है। राजनाथ सिंह, स्मृति इरानी और प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र नाथ पांडेय को भी कैबिनेट मंत्री बनने पर उन्हें ढेर सारी बधाई प्रेषित की है। संतोष गंगवार, यूपी से राज्यसभा सदस्य हरदीप सिंह पुरी को स्वतंत्र प्रभार मंत्री बनाए जाने और जनरल वीके सिंह, संजीव बालियान और सुश्री साध्वी निरंजन ज्योति को भी राज्यमंत्री बनाए जाने पर उन्हें बधाई दी है। पीएम नरेंद्र मोदी ने शपथ ग्रहण के साथ ही इतिहास रचने और भाजपा के करोड़ों कार्यकर्ताओं व जनाकांक्षाओं को नई दिशा देने का कार्य किया है। इसको लेकर पार्टी कार्यालय सहित पूरे प्रदेश में कार्यकर्ताओं ने जश्न मनाया। मिठाइयां बांटी। सपा- बसपा के जातीय गठबंधन को ध्वस्त करने की संगठन की रणनीति के अगुआ महेंद्र नाथ पांडेय को कैबिनेट मंत्री बनाए जाने पर भी विशेष प्रसन्नता व्यक्त की गई। पार्टी कार्यकर्ताओं ने मंत्रियों को भी बधाई देते हुए आज शाम पार्टी मुख्यालय पर आतिशबाजी कर मिठाइयां बांटी ।

इस अवसर पर पार्टी के प्रदेश महामंत्री विद्यासागर सोनकर, प्रदेश मीडिया पैनलिस्ट नरेन्द्र सिंह राणा, मीडिया सह सम्पर्क प्रमुख नवीन श्रीवास्तव, अभय प्रताप सिंह, मुख्यालय सह प्रभारी चैधरी लक्ष्मण सिंह, अतुल अवस्थी, क्षेत्रीय महामंत्री अवध क्षेत्र दिनेश तिवारी आदि मौजूद रहे।

विधान सभा के अध्यक्ष हृदय नारायण दीक्षित ने न्याय के प्रशिक्षु छात्र, छात्राओं को विधान भवन स्थित राजर्षि पुरूषोत्तमदास टंडन हाल में संबोधित किया। इस अवसर पर विधान परिषद के प्रमुख सचिव व प्रमुख सचिव विधान सभा उपस्थित रहे

चरण सिंह की किसान नीतियां आज भी प्रासंगिकः राजेंद्र चौधरी

लखनऊ (पीएनएस)। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय सचिव राजेंद्र चौधरी ने कहा है कि चौधरी चरण सिंह की किसान नीतियों को लोग आज भी याद करते हैं। उनका सादगी और ईमानदारी भरा जीवन हमारे लिए आदर्श प्रस्तुत करता है। किसानों की बेहतरी के लिए उन्होंने राज्य और केन्द्र सरकार की नीतियों को किसान हितैषी बनाने का कार्य किया। डॉ. भीमराव अंबेडकर यूनिवर्सिटी परिसर में पूर्व प्रधानमंत्री चौधरी चरण सिंह की पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी को संबोधित करते हुए राजेंद्र चौधरी ने कहा कि आज की राजनीति की दशा-दिशा को लेकर भी तमाम आशंकाएं हैं। लोकतंत्र पर खतरे के बादल मंडराते नज़र आते हैं। नौजवानों का भविष्य अंधेरे में है। अन्नदाता किसान बदहाल है। कुछ ऐसी ताकतें सक्रिय हो चली हैं जो यथास्थितिवाद की समर्थक और समाज में नफ रत फैलाती हैं। इनका मुकाबला युवाशक्ति ही कर सकती है क्योंकि वहीं क्रांति की अगुवाई करता है।

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने राहुल गांधी से अध्यक्ष बने रहने का किया आग्रह

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस कमेटी ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर राहुल गांधी से पार्टी का राष्ट्रीय अध्यक्ष बने रहने का आग्रह किया। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राज बब्बर की अध्यक्षता में प्रदेश कांग्रेस मुख्यालय में हुई प्रदेश कार्यकारिणी की बैठक में गुरुवार को हार के कारणों की समीक्षा की गयी। प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि बैठक में प्रदेश अध्यक्ष राज बब्बर ने एक प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से बैठक में मौजूद पदाधिकारियों ने दोनों हाथ उठाकर ध्वनिमत से अपना समर्थन व्यक्त किया। पारित प्रस्ताव में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की आहूत बैठक कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के अध्यक्ष के रूप में उनके योगदान की सराहना करती है तथा सर्वसम्मति से यह प्रस्ताव पारित करते हुए उनके विनम्र आग्रह करती है कि वे हम सबको पूर्ववत अपना कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन प्रदान करते रहें तथा हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कांग्रेस का नेतृत्व करते रहें।

राज बब्बर ने खत्म कराया कांग्रेस प्रवक्ता का आमरण अनशन

राहुल गांधी द्वारा अपने पद से इस्तीफा दिए जाने से क्षुब्ध होकर एवं इस्तीफे को वापस लेने की मांग को लेकर प्रदेश कांग्रेस प्रवक्ता प्रदीप सिंह द्वारा शुरू किए गए आमरण अनशन को प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राज बब्बर ने गुरुवार को खत्म करा दिया। प्रदेश अध्यक्ष राज बब्बर, पूर्व सांसद प्रमोद तिवारी, सांसद डॉ. संजय सिंह एवं पीएल पुनिया ने प्रदीप सिंह के पास पहुंचकर उनके इस कर्तव्यनिष्ठ भावना के प्रति अपना समर्थन व्यक्त किया तथा उनसे अनुरोध किया कि आज प्रदेश कांग्रेस कार्यसमिति ने जो प्रस्ताव पास किया है वह आपकी भावना को अभिव्यक्ति देता है। इसलिए आप अपना अनशन खत्म कर दें। प्रदेश कांग्रेस के प्रवक्ता बृजेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि वरिष्ठ नेताओं के इस अनुरोध के उपरान्त प्रदेश कांग्रेस के संगठन प्रभारी एवं पूर्व विधायक सतीश अजमानी, प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष डॉ. आरपी त्रिपाठी आदि ने प्रदीप सिंह को जूस पिलाकर अनशन समाप्त कराया।

सड़कों पर हुंकार भरने वाली सपा यूथ विंग हो चुकी है बेदम

शिवविजय सिंह। लखनऊ

कभी सड़कों पर हुंकार भरने व विभिन्न मुद्दों पर सत्तापक्ष को ललकारने वाली समाजवादी पार्टी की यूथ विंग का दमखम समाप्त हो चुका है। वर्ष 2007 से 2012 तक बसपा सरकार के दौरान सड़कों पर हल्लाबोल कर उत्तर प्रदेश में अखिलेश सरकार बनाने वाला सपा यूथ विंग लोकसभा चुनाव 2019 में कोई खास कारनामा नहीं दिखा सकी है। आलम ये है कि अर्श की ओर बढ़ने का सपना देखनी वाली समाजवादी पार्टी लोकसभा चुनाव में फर्श पर आकर चारों खाने चित्त हो गई। लोकसभा चुनाव में मिली करारी हार के बाद पार्टी हाईकामन ने समीक्षा का दौर तो शुरू कर दिया है। माना जा रहा है कि जल्द ही पार्टी हाईकामन यूथ विंग में बड़ा फेरबदल करके उसमें दम भरने का प्रयास करेंगे।

- माना जा रहा है कि जल्द ही पार्टी हाईकामन यूथ विंग में बड़ा फेरबदल करके उसमें दम भरने का प्रयास करेंगे

लोकसभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को बड़ा झटका लगा है। समाजवादी पार्टी को इस चुनाव में अपने घर की तीन सीट क्रमश: कन्नौज, फिरोजाबाद व बदायूं गवानी पड़ी है। इसके लिए पार्टी हाईकमान ने समीक्षा तो शुरू कर दी है लेकिन पार्टी के भीतर खाने व कार्यकर्ताओं की मानें तो इस हार के पीछे सबसे बड़ा कारण समाजवादी पार्टी का युवा संगठन है जिसके पदाधिकारी अखिलेश सरकार में संगठन को दरकिनार कर स्वयं को मजबूत करते रहे और विधानसभा चुनाव 2017 के बाद से पूरी तरह निष्क्रिय पड़ गए। समाजवादी पार्टी के युवा संगठन में राष्ट्रीय स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पदाधिकारी मनोनीत हैं लेकिन संगठन के प्रति इनके कार्य पर नजर डाली जाए तो मामला शून्य नजर आता है। हालांकि समाजवादी छात्रसभा की प्रदेश इकाई ने बीते दो वर्षों में छात्र राजनीति में समाजवादी पार्टी को मजबूती प्रदान करने का जबरदस्त काम किया है। छात्रसभा के प्रदेश अध्यक्ष दिग्विजय सिंह देव ने वर्ष 2017-18 के अन्तर्गत प्रदेश के 48 महाविद्यालयों के छात्र संघ चुनावों में बड़ी सफलता हासिल करते हुए 42 महाविद्यालयों के छात्रसंघों में समाजवादी पार्टी का झंडा फहरा दिया। लेकिन समाजवादी पार्टी के शेष तीन युवा संगठन क्रमश: युवजन सभा, लोहिया वाहिनी व मुलायम यूथ बिग्रेड पूरी तरह से निष्क्रय पड़ी रही। लोकसभा चुनाव के दौरान भी इन तीनों युवा संगठनों की कोई खास उपलब्धि सामने नहीं आई। युवजन सभा के प्रदेश अध्यक्ष ब्रजेश यादव ने लोकसभा चुनाव में कुशीनगर की कमान संभाल रखी थी जबकि लोहिया वाहिनी के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप तिवारी ने कानपुर तो मुलायम यूथ बिग्रेड के प्रदेश अध्यक्ष मो. एबाद तो लखनऊ में ही अपनी राजनीति चमकाते रहे पार्टी कार्यकर्ताओं के मुताबिक इन तीनों युवा संगठनों के प्रदेश अध्यक्ष तो अखिलेश सरकार के दौरान ही हर स्तर से इतने सशक्त हो चुके थे कि इनकी पूरी राजनीति एसी कमरों से ही हुआ करती थी। यही हाल इन यूथ संगठनों के नेताओं का लोकसभा चुनाव में भी रहा जिसका खामियाजा पार्टी को बड़े पैमाने पर भुगतना पड़ा है।

धर्म संसद में फिर राममंदिर का मुद्दा उठाने की तैयारी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फाइल फोटो

चुनावी खमोशी के बाद राम मंदिर के मामले को फिर हवा देने की तैयारी है। अगले महीने की शुरुआत से ही अयोध्या में राम मंदिर को लेकर साधु-संतों का जमावड़ा शुरू होगा। जिसमें राम मंदिर निर्माण को लेकर सरकार पर दवाब बनाने की कोशिश होगी।

जानकारों के मुताबिक पांच जून को अयोध्या में राम मंदिर को लेकर गतिविधियां तेजी पकड़ेगी। जिसमें विहिप तथा बजरंग दल की पहल पर मंदिर निर्माण के समर्थक साधु-संतों को दो दिवसीय जमावड़ा होगा। जिसमें राम मंदिर निर्माण को लेकर रणनीति बनेगी। इसके बाद 15 जून के आसपास धर्म संसद का आयोजन करने की भी तैयारी है। जिसमें मंदिर निर्माण पर अहम फैसल संत समाज कर सकता है। दरअसल अयोध्या में मंदिर निर्माण में संत समाज अब और विलंब नहीं चाहता। लोकसभा चुनाव से पहले मंदिर निर्माण को लेकर तूफान उठा था। जिसमें अयोध्या और दिल्ली में धर्म संसद को अयोजन होने के अलावा विश्व हिन्दू परिषद तथा शिवसेना ने अयोध्या में शक्ति प्रदर्शन किया था। इन आयोजनों में केन्द्र सरकार से दो-टूक कहा था कि राम मंदिर में उन्हें अब और इंतजार बर्दास्त नहीं। कानून बनाकर केन्द्र सरकार से मंदिर निर्माण कराने की मांगी की गई थी। संत और हिन्दू समाज के गुस्से को देखते हुये भाजपा शीर्ष नेतृत्व सीएम योगी को आगे कर इस तूफान को थामने में सफल हो गया था। सीएम योगी अयोध्या के संतों से मिलकर और भगवान राम की भव्य प्रतिमा की स्थापना कर ऐलान करके संतों को समझाने में सफल रहे थे और लोकसभा चुनाव भर इस मुद्दे को नहीं उठाया गया।

जानकारों का कहना है कि चुनाव में भाजपा सरकार बनने के बाद संत समाज और विश्व हिन्दू परिषद जैसे संगठन राम मंदिर पर और इंतजार नहीं करना चाहते हैं। अगले महीने अयोध्या में राम मंदिर आंदोलन के मुखिया नृत्य गोपाल दास को जन्म समारोह है। जिसमें सीएम योगी आदित्यनाथ सहित संत समाज के अन्य दिग्गज मौजूद रहेंगे। आयोजन से पहले अयोध्या में साधु-संत मंदिर मसले को गरम करना चाहते हैं ताकि इस पर कोई नतीजा निकल सके।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

सहायक शिक्षक भर्ती परीक्षा- 2019

चयन प्रक्रिया पूरी करने की छूट मिली अंतिम परिणाम की घोषणा पर रोक

हाईकोर्ट की दो सदस्यीय पीठ का अंतरिम आदेश

विधि संवाददाता। लखनऊ

सूबे में 69 हजार सहायक शिक्षकों की भर्ती के लिए सम्पन्न हुई परीक्षा-2019 की चयन प्रक्रिया पूरी करने की छूट राज्य सरकार को मिल गई है। गुरुवार को हाईकोर्ट की लखनऊ खंडपीठ ने अपने अंतरिम आदेश में राज्य सरकार को आपत्तियां आमंत्रित करने के बाद उत्तर पुस्तिकाएं प्रकाशित करने की इजाजत दे दी। लेकिन पीठ ने इसके साथ ही यह भी कहा है कि बगैर उसकी अनुमति या विशेष अपीलों के निस्तारण तक परीक्षा का परिणाम घोषित नहीं किया जाएगा। 30 मार्च, 2019 को हाईकोर्ट की एकल पीठ द्वारा पारित एक आदेश के बाद चयन प्रक्रिया अधर में लटकी थी। एकल पीठ के आदेश को विशेष अपील के जरिए दो सदस्यीय पीठ के समक्ष चुनौती दी गई है। मामले की अगली सुनवाई जुलाई के दूसरे हफ्ते में होगी।

जस्टिस पंकज कुमार जायसवाल एवं जस्टिस रजनीश कुमार की पीठ ने यह आदेश राघवेंद्र प्रताप सिंह व अन्य की ओर से दायर विशेष अपीलों पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया है। पीठ ने इससे पहले विशेष अपीलों में उठाए गए बिन्दूओं पर विचार की आवश्यक्ता जताई। इन अपीलों में 30 मार्च, 2019 को पारित एकल पीठ के फैसले को चुनौती दी गई है। एकल पीठ ने सात जनवरी, 2019 के शासनादेश को रद कर दिया था। इस शासनादेश के तहत राज्य सरकार ने 65 प्रतिशत सामान्य वर्ग व 60 प्रतिशत आरक्षित श्रेणी के अभ्यर्थियों के लिए क्वालिफाइंग मार्क्स तय किया था। एकल पीठ ने राज्य सरकार को आदेश दिया था कि इस परीक्षा को सम्पन्न कराने के लिए एक व पांच दिसंबर, 2018 को जारी शासनादेश के तहत ही मेरिट बनाकर परिणाम घोषित किया जाए। एकल पीठ ने सरकार को भर्ती प्रक्रिया तीन माह में पूरा करने का भी आदेश दिया था। एकल पीठ ने यह आदेश क्वालिफाइंग मार्क्स तय करने के लिए जारी इस शासनादेश को चुनौती देने वाली कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए दिया था। याचिकाकर्ताओं की दलील थी कि लिखित परीक्षा होने के बाद क्वालिफाइंग मार्क्स तय करना विधि सम्मत नहीं है। ऐसा सिर्फ शिक्षामित्रों को भर्ती से रोकने के लिए किया गया है। जबकि शासनादेश का बचाव करते हुए राज्य सरकार का कहना था कि क्वालिटी एजुकेशन के लिए यह निर्णय लिया गया है।

सुलतानपुर के डीआईओएस के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी: लखनऊ। अदालती अवमानना के एक मामले में हाईकोर्ट की लखनऊ पीठ सुलतानपुर के डीआईओएस के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी करने का आदेश दिया है। पीठ ने पुलिस अधीक्षक को आदेश दिया है कि एक जुलाई को डीआईओएस की उपस्थिति सुनिश्चित की जाए। पीठ ने डीआईओएस गिरीश कुमार सिंह के वेतन से 10 हजार काटने का भी आदेश दिया है। जस्टिस चंद्र धारी सिंह की एकल पीठ ने यह आदेश हरिनाथ सिंह की याचिका पर दिया है। याचिकाकर्ता का कहना था कि अदालती आदेश के बावजूद उसे संस्कृत विषय का सहायक शिक्षक नहीं नियुक्त किया जा रहा है।

अब नहीं चलेगा खेल, विशेष मशीन जांचेगी वाहन फिटनेस

स्पेन से राजधानी पहुंची 3 करोड़ लागत की मशीन ग्राउंड में लगने के बाद अब इस मशीन से ही होगी जांच

आशुतोष पांडेय। लखनऊ

राजधानी में संचालित वाहनों की 'सेहत' अब और ज्यादा दुरुस्त होगी। वाहनों के फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने के बावत अब आरटीओ कार्यालय के अधिकारी खेल नहीं कर सकेंगे। वहीं वाहन मालिक भी अब सिर्फ 'सुविधा शुल्क' देकर यह प्रमाण पत्र हासिल नहीं कर सकेंगे। बल्कि इसे लेने के लिए उन्हें अपना वाहन लेकर आना होगा। दरअसल वाहनों की फिटनेस अब अधिकारी नहीं बल्कि विशेष मशीन द्वारा की जाएगी। स्पेन द्वारा निर्मित करीब 3 करोड़ रुपए की कीमत वाली यह विशेष मशीन राजधानी पहुंच चुकी है। लिहाजा अब यह मशीन ही वाहनों की फिटनेस चेक कर उनके लिए फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करने का काम करेगी। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि प्रदेश का यह पहला सेंटर होगा जहां वाहनों के फिटनेस की जांच मशीन द्वारा की जाएगी। मशीन द्वारा फिटनेस होने से इसमें खेल होने की संभावना भी न के बराबर रहेगी, जिससे सड़क दुर्घटनाओं के आकड़ों में भी निश्चित रूप से कमी आएगी। परिवहन विभाग के अधिकारी बीते चार वर्षों से इस मशीन के आने का इंतजार कर रहे थे। फिटनेस मशीन गुरुवार को टीपीनगर स्थित आरटीओ के फिटनेस सेंटर पर पहुंच गई है। मशीन के आने के बाद अपर परिवहन आयुक्त लखनऊ परिक्षेत्र के साथ ही कई अन्य वरिष्ठ अधिकारियों व मशीन निर्मित करने वाली कंपनी के अधिकारियों के बीच एक बैठक का भी आयोजन किया गया। अधिकारियों ने बताया कि अभी इस मशीन के संचालन की जानकारी किसी के पास नहीं है। करीब तीन करोड़ की लागत से आई इस मशीन का संचालन फिलहाल कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा किया जाएगा। कंपनी के प्रतिनिधि करीब एक वर्ष तक इन मशीनों का संचालन करेंगे, इस दौरान मशीन चलाने के बावत परिवहन विभाग के अधिकारियों को प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। एक वर्ष के प्रशिक्षण के बाद जब अधिकारी मशीन की सभी बारिकियों को जान जाएंगे, तब इसका संचालन अधिकारियों द्वारा ही किया जाएगा।

परिवहन विभाग के अधिकारियों की मानें तो वर्तमान समय में वाहनों की फिटनेस जांच आरआई रैंक के अधिकारियों द्वारा की जाती है। यह व्यवस्था आगे भी जारी रहेगी, लेकिन अब अब कई मामले में मशीन ही फिटनेस प्रमाण पत्र जारी करेगी। अधिकारियों ने बताया कि बिना इस मशीन से फिटनेस प्रमाण पत्र लिए, वाहन सड़कों पर फर्राटा नहीं भर सकेंगे। इस मशीन में 7 सीटर और उससे ऊपर के वाहनों की जांच होगी। कुल मिलाकर अब निजी 7 सीटर वाहन या उससे अधिक क्षमता एवं सभी व्यवासिक वाहनों के फिटनेस की जांच अब इस विशेष मशीन द्वारा ही की जाएगी। अपर परिवहन आयुक्त राजस्व एके पांडेय ने बताया कि फिटनेस मशीन को फिटनेस ग्राउंड पर लगाया जाएगा। उसके बाद ही इस मशीन के द्वारा फिटनेस जांच शुरू कराई जाएगी। मशीन निर्मित करने वाली कंपनी के प्रतिनिधि से भी वार्ता की गई है। मौके पर जाकर मशीन को देखा भी गया है। वाहनों की फिटनेस जांच अब इस मशीन से ही कराई जा सकेगी। जिससे फिट वाहन ही सड़कों पर फर्राटा भर सकें। वहीं वरिष्ठ अधिकारियों की मानें तो जल्दी ही वाहनों के फिटनेस जांच शुल्क में भी बढ़ोत्तरी किए जाने की उम्मीद है। ट्रक, ऑटो, टैम्पो एवं निजी वाहनों के फिटनेस शुल्क अलग-अलग करने पर भी विभागीय अधिकारी विचार कर रहे हैं। बताते चलें कि अत्याधुनिक मशीनों से वाहनों का फिटनेस कराने की योजना को केन्द्र सरकार ने वर्ष 2014 में मंजूरी दी थी। जिसके बाद राजधानी में शहीथ पथ के किनारे 7550 वर्ग मीटर में परिवहन विभाग द्वारा फिटनेस ग्राउंड का निर्माण कराया गया था। अब इस मशीन को यहीं पर लगाया जाएगा। ग्राउंड का परिसर छोटा होने के चलते इसमें सिर्फ तीन लेन बनायी गयी हैं। दो लाइनें हल्के वाहनों के लिए एवं एक लाइन भारी वाहनों के लिए बनाई गई है। अधिकारियों ने बताया कि फिटनेस ग्राउंड के निर्माण के लिए केन्द्र सरकार द्वारा 12.62 करोड़ रुपए का फंड जारी किया गया था। करीब आठ करोड़ की धनराशि से इसका निर्माण कराया गया है। यह प्रदेश का पहला अत्याधुनिक तकनीकों से लैस फिटनेस सेंटर है। अधिकारियों ने बताया कि मशीन को 15 जून तक फिटनेस ग्राउंड पर लगा दिया जाएगा। 15 जुलाई के आसपास से इस मशीन द्वारा वाहनों के फिटनेस की जांच की शुरुआत कराई जाने की उम्मीद है।

पर्चा लीक: यूपीपीएससी की परीक्षा नियंत्रक गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश लोकसेवा आयोग की एलटी ग्रेड शिक्षक भर्ती परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक होने के मामले में एसटीएफ ने प्रयागराज से यूपीपीएससी की परीक्षा नियंत्रक अंजू लता कटियार को गिरफ्तार कर लिया। उन्हें एसटीएफ की टीम अपने साथ लेकर वाराणसी ले गयी। वहीं इस मामले के मुख्य अभियुक्त और कोलकाता की सिक्योरिटी प्रिंटिंग प्रेस के मालिक कौशिक कुमार को पुलिस ने कोर्ट में पेश किया। यहां से उसे जेल भेज दिया गया। पेपर आउट करने वाले गिरोह से आयोग की परीक्षा नियंत्रक अंजू लता की मिलीभगत साबित करने के लिए एसटीएफ के पास ठोस सुबूत हैं। गिरोह सरगना कौशिक के बयान के अलावा उससे वाट्सएप पर अंजू लता की बातचीत के मैसेज भी हैं। कई मैसेज ऐसे हैं जिनमें उन्होंने अशोक देव चौधरी द्वारा पुलिस में शिकायत पर चिंता जाहिर की है। परीक्षा में गड़बड़ी के बारे में एसटीएफ के पत्र और पुलिस द्वारा प्रकाशक के खिलाफ मुकदमा लिखाने की सलाह की अनदेखी करते हुए कौशिक को ही पेपर छापने का जिम्मा देने से भी अंजू लता फंस गई हैं। एसटीएफने इसे गिरोह बनाकर आपराधिक साजिश करते हुए पेपर आउट कर भारी लाभ कमाने और लोक हित के खिलाफ अपराध करार देते हुए चोलापुर थाने में भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम समेत कई धाराओं में मुकदमा लिखाया है। मामले में कल वाराणसी से गिरफ्तार कोलकाता के प्रिंटिंग प्रेस मालिक कौशिक कुमार ने पूछताछ में कई राज उगले थे। उसने बताया कि गिरोह ने 20-20 लाख रुपए में अभ्यर्थियों से परीक्षा पास कराने का सौदा किया था। एसटीएफ का दावा है कि लोक सेवा आयोग की परीक्षा नियंत्रक अंजू लता कटियार की गिरोह से मिलीभगत है। उन्हें गिरोह का सरगना मोटी रकम देता रहा है। इस मामले में अंजू कटियार के खिलाफ चोलापुर थाने में भ्रष्टाचार का मुकदमा लिखा गया है।

वसीम रिजवी ने किया आत्मसमर्पण, अंतरिम जमानत पर रिहा किया

लखनऊ। हत्या का प्रयास के एक आपराधिक मामले में गैरहाजिर चल रहे शिया वक्फ बोर्ड के चेयरमैन वसीम रिजवी को सत्र अदालत ने अंतरिम जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया है। जिला जज सुरेंद्र कुमार यादव ने उनकी नियमित जमानत अर्जी पर सुनवाई के लिए सात जून की तारीख मुकर्रर की है। उन्होंने मुल्जिम वसीम रिजवी को 20 हजार की दो जमानतें व इतनी ही धनराशि का निजी मुचलका दाखिल करने पर रिहा करने का आदेश दिया। इससे पहले निचली अदालत ने वसीम रिजवी की जमानत अर्जी खारिज कर दी थी।गुरुवार की सुबह वसीम रिजवी ने थाना सआदतगंज से संबंधित हत्या का प्रयास के इस मामले में निचली अदालत में आत्मसमर्पण कर जमानत पर रिहा करने की मांग की थी। 10 नवंबर, 2011 को इस मामले की एफआईआर भोले नवाब ने दर्ज कराई थी। जिसके मुताबिक दरगाह हजरत अब्बास की कमेटी का चार्ज लेने के दौरान गोलीबारी हुई थी।

सार्वजनिक वाहनों के नए मार्ग तलाशने में छूट रहे परिवहन अफसरों के पसीने

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी के मेट्रो मार्ग पर सार्वजनिक वाहनों की संख्या कम करने के लिए अधिकारियों ने राजधानी में नए मार्गों की तलाश तेज कर दी है। हालांकि अधिकांश क्षेत्रों में वाहनों की व्यवस्था और सभी मार्गों पर वाहनों की भारी भीड़ अधिकारियों के इस काम में बाधा बन रही है। लिहाजा अब आरटीओ कार्यालय के अधिकारियों ने लखनऊ विकास प्राधिकरण व आवास विकास परिषद के अधिकारियों को पत्र लिखकर उनके द्वारा बनाई गई नई कालोनियों का ब्योरा मांगा है। परिवहन अधिकार जल्दी ही इन अधिकारियों के साथ बैठक भी करेंगे। जिसके बाद कई नई कालोनियों में भी सार्वजनिक वाहनों के संचालन की शुरुआत होने की पूरी उम्मीद है। दरअसल परिवहन विभाग के अधिकारियों को चार दिनों के अंदर इस बावत एक रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी जानी है। बताते चलें कि बीते मंगलवार को जिलाधिकारी ने शहर की यातायात व्यवस्था को बेहतर करने के लिए एक बैठक की थी। इस बैठक में ऑटो के नए मार्ग तलाश करने के साथ ही मेट्रो मार्ग पर लंबी दूरी तय करने वाले सार्वजनिक वाहनों को हटाए जाने के निर्देश दिए गए थे। एक सप्ताह के अंदर जिलाधिकारी ने इस बावत एक रिपोर्ट भी परिवहन अधिकारियों से तलब की है। लिहाजा गुरुवार से परिवहन अधिकारियों ने नए मार्गों की तलाश तेज कर दी है। वर्तमान समय में शहर में ऑटो के लिए कोई मार्ग निर्धारित नहीं है। नियमों के तहत उन्हें शहर में कहीं भी चलने की छूट है, लेकिन मेट्रो मार्ग पर लंबी दूरी के वाहनों को हटाए जाने के चलते अब इनके लिए भी विशेष मार्ग सृजित किए जाएंगे और इन्हीं मार्गों पर ही उनका संचालन हो सकेगा। नए मार्ग खोजने में नाकाम रहे अधिकारी अब ऑटो संघ के पदाधिकारियों से भी नए मार्गों की जानकारी जुटा रहे हैं, जिससे ऑटो को उस मार्ग पर शिफ्ट किया जा सके। परिवहन अधिकारियों ने अभी तक गोमती नगर, राजाजीपुरम, वृन्दावन योजना, आलमबाग, चौक सहित कई अन्य इलाकों के मार्गों का अध्ययन किया है। आरटीओ प्रशासन एके सिंह ने बताया कि ऑटो व टैम्पो के साथ ही ई-रिक्शा को भी इस मार्ग से शिफ्ट किया जाना है। नए मार्गों को तलाशने का काम तेजी से चल रहा है। इसे जल्दी ही पूरा कर लिया जाएगा। वहीं दूसरी ओर ऑटो व ई-रिक्शा के साथ ही इस मार्ग से सिटी बसें भी हटेंगी, लिहाजा सिटी ट्रांसपोर्ट के अधिकारी भी नए मार्गों पर बसें संचालित करने के बावत सर्वे कार्य में जुटे हुए हैं। बताते चलें कि वर्तमान समय में राजधानी में कुल 4343 ऑटो रिक्शा, करीब 25 सौ टैम्पो एवं 17500 ई-रिक्शों का संचालन होता है।

हादसों में दो भाइयों समेत पांच की मौत

संवाददाता। सरोजनीनगर/मोहनलालगंज

बंथरा इलाके मे बाइक-ट्रक की टक्कर में दो सगे भाइयों सहित तीन की जान गई, मोहनलालगंज में वाहन की टक्कर से बाइक सवार दो युवकों की मौत

त्रिभुवन व मोहित फाइल फोटो

बंथरा इलाके में शुक्रवार को ओवरटेक करने के चक्कर में एक बाइक और ट्रक की आमने सामने भिड़ंत हो गई। इस घटना में बाइक सवार दो सगे भाइयों सहित तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने वहीं पर रोड जाम कर हंगामा करना शुरू कर दिया। बाद में सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को किसी तरह समझा-बुझाकर उन्हें शांत किया। पुलिस ने ट्रक और बाइक को कब्जे में लेने के साथ ही शवों को सील कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। उधर इस घटना से करीब आधा घंटे तक बनी-मोहनलालगंज रोड जाम रहा। मोहनलालगंज के डेबरिया. सिसेंडी निवासी गरीबे का 20 वर्षीय बेटा रामू बंथरा स्थित एक ईट भट्टे में काम करता था। बताते हैं कि शुक्रवार अपराहन करीब तीन बजे रामू का छोटा भाई सनी 18 मोहनलालगंज के ही भदेसुआ निवासी अपने ममेरे भाई सतीश 20 के साथ बाइक से उसे ईट भट्ठे पर छोड़ने जा रहा था। इसी दौरान बनी-मोहनलालगंज रोड पर बंथरा स्थित खटोला गांव के सामने वह मोहनलालगंज से बनी की ओर जा रही ट्रक को ओवरटेक करने लगे। तभी बनी की तरफसे आ रहे ट्रक से उनके बाइक की आमने सामने जोरदार ठोकर हो गई। आमन-सामने हुई भिड़ंत में रामू और उसका भाई सनी सहित उस पर सवार सभी तीनों लोग ट्रक में फंस कर घिसटते हुए काफी दूर तक जाने के बाद ट्रक के पहिए के नीचे आ गए। जिससे उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। बताते हैं कि सनी और रामू दोनों अविवाहित थे। जबकि इनके 4 बड़े भाई मैकू लाल, सहज राम, अरविंद और राजू की शादी हो चुकी है। इनके परिवार में एक बहन सर्वेश कुमारी और पिता गरीबे व मॉ रामदुलारी हैं।

उधर मोहनलालगंज के खुझौली इलाके में गुरुवार की शाम कैटरिंग में काम करने जा रहे बाइक सवार दो युवको को बेकाबू वाहन ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रुप से जख्मी दोनो युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया । सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने दोनो युवको के शव को पीएम के लिए भेजकर हादसे को अन्जाम देकर फरार वाहन की तलाश शुरु कर दी है । इंस्पेक्टर जीडी शुक्ल ने बताया नगराम थानाक्षेत्र के छेदाखेड़ा निवासी त्रिभुवन 26 अपने साथी ललई खेड़ा निवासी ग्यारहवीं के छात्र मोहित उर्फ राहुल 19 के साथ कैटरिंग में पार्टटाइम वेटर का काम करने के लिए बाइक से निलमथा जा रहा था। तभी खुझौली गांव के निकट तेजरफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। जिससे दोनो छिटककर रोड किनारे खड्ड में जाकर गिरे और अचेत हो गए । हादसे के बाद मौके पर जमा हुए लोगो की सूचना पर पहुंची पुलिस गंभीर रुप में जख्मी दोनों युवको को बेहोशी की हालत में सीएचसी ले गई । जहां डाक्टर ने त्रिभुवन और मोहित को मृत घोषित कर दिया । पुलिस से सूचना पाकर पहुंचे दोनो मृतक के परिवारो का रो-रो कर बुरा हाल था।

मासूम के सिर से उठ गया पिता का साया: त्रिभुवन अपने पांच वर्ष के बेटे सक्षम पर जान छिड़कता था। गुरुवार को हादसे में जान गंवाने के बाद जामातलाशी में भी उसके पर्स में मासूम बेटे की तस्वीर बरामद हुई। परिजनो ने बताया कि गुरुवार को काम के लिए निकलने के दौरान भी त्रिभुवन ने बेटे को दुलारकर वापस लौटते समय उसके लिए कुछ लेकर आने का कहकर निकला लेकिन अफसोस कि वापस नही लौट सका। यह बात कहकर उसकी पत्नी अनीता रो-रोकर स्तब्ध हो जा रही थी।

पुलिस को चकमा देकर भाग निकला बेकाबू वाहन चालक.: निलमथा-नगराम रोड पर घटनास्थल के एक ओर खुझौली पुलिस चौकी है तो दूसरी ओर बरकतनगर से लेकर करोरा बाजार तक गोशाईगंज और नगराम पुलिस की टीम सारा दिन गश्त करते रहना का दावा करती रहती हैं। फिर भी गुरुवार को त्रिभुवन और मोहित की जान लेने के बाद अज्ञात बेकाबू वाहन का चालक पुलिस को चकमा देकर भाग निकलने में कामयाब हो गया और किसी को भनक तक नही लगी। वहीं कुछ ग्रामीणो ने हादसे को अन्जाम देने वाला वाहन डीसीएम होने का अंदेशा जताया जिसने घटनास्थल से थोड़ा सा पहले भी साईकिल सवार को बाल-बाल बचाया था।

वाणिज्य कर अधिकारी से चेन लूट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

शहर में चेन लूट की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रहीं हैं। आज गाजीपुर के कुर्मांचल नगर में रहने वाले वाणिज्य कर कर विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर तैनात जनार्दन जोशी परिवार संग रहते हैं। सुबह पांच बजे के आस-पास वह मॉर्निंग वॉक के लिए घर से निकले थे। टहलते हुए जब वह सी ब्लॉक स्थित हनुमान मंदिर के पास पहुंचे, तभी बाइक सवार नकाबपोश बदमाश आ धमके। उन्होंने जनार्दन जोशी के गले में झपट्टा मारकर चेन छीन ली। पीड़ित ने शोर मचाया, तब तक बदमाश मुंशीपुलिया की तरफ भाग निकले। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

बैंक ऑफ महाराष्ट्र
Bank of Maharashtra
अंचल कार्यालय, लखनऊ
पताः महानगर नार्थ हाउसिंग कोऑपरेटिव सोसाइटी, प्लॉट नं. 12, सेक्टर-9, विकास नगर, लखनऊ-226024
फोन/Phone: 0522-2739259/60
ई-मेल : mrcp_luc@mahabank.co.in, pln_luc@mahabank.co.in

नीलामी सूचना

बैंक ऑफ महाराष्ट्र, अंचल कार्यालय लखनऊ, नीलामी द्वारा पुरानी **टाटा इण्डिका यूपी 32 सीएम 8494** के लिए निविदा आमंत्रित करता है। अंचल कार्यालय लखनऊ में निविदा प्रस्तुत करने की अन्तिम तिथि 14.06.2019 सायं 4:00 बजे तक। विस्तृत जानकारी के लिए हमारी वेबसाइट **www.bankofmaharashtra.co.in** पर लॉगिन करें।

अंचल प्रबन्धक

ओला-उबर टैक्सी चालक उड़ा रहे मानकों का मखौल

कोई भी चालक नहीं कर रहा शर्तों को पूरा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी की सड़कों पर ओला व उबर टैक्सी के चालक मानकों की धज्जियां उड़ा रहे हैं। इन टैक्सियों के चालक जरूरी मानकों को भी पूरा नहीं कर रहे हैं। टैक्स न जमा करने की शिकायत पर जब आरटीओ के दस्ते ने चेकिंग अभियान चलाया तब इस मामले का खुलासा हुआ कि कई वाहनों में तो जीपीएस प्रणाली तक नहीं लगी है।आरटीओ कार्यालय के अधिकारियों की मानें तो राजधानी में करीब 75 सौ ओला व उबर वाहन दौड़ रहे है। बीते दिनों जब इनसे बकाया टैक्स वसूलने का अभियान चलाया गया तो करीब 100 वाहन ऐसे मिले, जिनमें यात्री सुविधा के नियमों की अनदेखी की जा रही थी। इन वाहनों में न तो डैश बोर्ड में फेयर मीटर लगा था और ना ही किसी वाहन में जीपीएस लगा मिला। इतना ही नहीं बल्कि इन वाहनों में शिकायत रजिस्टर भी नहीं मिले। हालांकि प्रवर्तन दस्ते के अधिकारियों ने चालकों को सिर्फ व्यवस्था दुरुस्त कराने की हिदायत के साथ चेतावनी देकर छोड़ दिया है। टैक्सी संचालन से जुड़े लोगों ने बताया कि ओला-उबर का संचालन शहर के अंदर किया जाना था, लेकिन ये प्रदेश ही नहीं प्रदेश के बाहर की बुकिंग भी ले रहे हैं। शहर में इनके 750 वाहनों का रजिस्ट्रेशन है। वहीं पूरे यूपी का रजिस्ट्रेशन कराकर करीब 7500 वाहन कंपनियां चलवा रही हैं। इस मामले में आरटीओ प्रशासन एके सिंह का कहना है कि यात्री सुविधाओं के जो मानक तय किए गए हैं यदि वे रेडियो टैक्सी में नहीं मिले तो उन्हें बंद किया जाएगा। अभी सिर्फ टैक्स बकाए को लेकर अभियान चला है। जल्द ही यात्री सुविधाओं को ना पूरा करने वाले ऐसे वाहनों के खिलाफ विशेष अभियान चलाया जाएगा। विभागीय अधिकारियों के अनुसार इन टैक्सी चालकों पर लगाम लगाने के लिए नई गाइड लाइन तैयार की जा रही है। इस बावत एक प्रस्ताव बनाकर भी शासन को भेजा गया है। प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद इसे लागू किया जाएगा। इसके बाद भी अगर यह वाहन नियम विरुद्ध फर्राटा भरते मिले तो इनका संचालन बंद करा दिया जाएगा।

इन नियमों का करना होता है पालन

- रेडियो टैक्सी का संचालन सीएनजी से हो, जबकि शहर में रेडियो टैक्सी पेट्रोल से भी चलाई जा रही हैं।
- इनमें गर्मी में एसी और सर्दी में हीटर की सुविधा होनी चाहिए। अधिकतर वाहनों में ये सिस्टम खराब हैं।
- डैशबोर्ड पर इलेक्ट्रॉनिक फेयर मीटर हो, जो पीछे बैठे यात्री को दिखे, जबकि ज्यादातर वाहनों में फेयर मीटर नहीं है।
- जीपीएस सिस्टम जरूरी है, जिससे कंट्रोल रूम से इन पर नजर रखी जा सके, यह सिस्टम भी अधिकतर वाहनों में नहीं है।
- डैश बोर्ड पर ड्राइवर और संचालक की डिटेल फोटो के साथ होना जरूरी है। हालांकि कोई भी चालक इसका पालन नहीं करता है।
- चालकों का सत्यापन पुलिस से कराना जरूरी है, लेकिन अधिकतर चालकों का वैरीफिकेशन नहीं हुआ है।

LUACMAT-2019
Lucknow University Associated Colleges Management
Admission Test - 2019
Conducted By
NATIONAL P.G. COLLEGE
Autonomous, CPE & NAAC Grade 'A' College of Lucknow University
2, RANA PRATAP MARG, LUCKNOW
Tel.: 0522-2618312 www.npgc.in

PARTICIPANT COLLEGES
1. College of Innovative Management and Science 2. Dayal Group of Institutions 3. Goel Institute of Higher Studies 4. ICCMRT 5. LBS Girls College of Management 6. Lucknow Public College of Professional Studies 7. Modern Girls College of Professional Studies 8. National P. G. College 9. School of Management Science 10. Sherwood College of Professional Management 11. Shri Ramswaroop Memorial College of Management 12. Techno Institute of Higher Studies

BBA-660, BBA(MS)-60, BBA(T)-60, BCA-540, BCOM (H)-600, BAJMC-240, BVOC(BF)-50, BVOC(SD)-100, TOTAL-2310

Candidates can also apply ONLINE on - www.npgc.in
Last Date June 5, 2019

मोहनलालगंज के मतदाताओं के हाथ फिर लगी मायूसी

मोहनलालगंज। लोकसभा चुनाव में भाजपा को प्रचण्ड बहुमत मिलने के बाद गुरुवार को पीएम नरेन्द्र मोदी की अगुवाई में एनडीए सरकार के दूसरे कार्यकाल के लिए नई कैबिनेट के शपथ ग्रहण समारोह के साथ ही एक बार फिर मोहनलालगंज संसदीय सीट के मतदाताओं को मायूसी ही हाथ लगी। सत्रहवीं लोकसभा गठन के लिए तेजी से चल रही तैयारियो के बीच इस बार भी हमेशा की तरह ही मोहनलालगंज से लगातार दूसरी बार संसद भेजे गए सांसद कौशल किशोर को मंत्री पद नसीब नहीं हो सका। जिससे क्षेत्रीय मतदाताओ में काफी मायूसी है। गौरतलब है कि इससे पूर्व भी इस सीट से चुने गए किसी भी सांसद को अब तक मंत्री पद का गौरव नहीं मिल सका है। यद्यपि इस सीट से केन्द्रीय सत्ता में रही कांग्रेस, भाजपा के अतिरिक्त सत्ता साझीदार रही सपा से भी कई बार सांसद चुने जा चुके हैं। ऐसे में मोहनलालगंज लोकसभा क्षेत्र के मतदाताओ की अपने सांसद को मंत्री बनाकर क्षेत्र को नई पहचान दिलाने की दशकों पुरानी चाहत अब तक दिवा स्वप्न ही साबित हुई है।

अवैध शराब का कारोबार न रुका तो डीएम-एसपी पर कार्रवाई: सीएस

● कप्तान व डीएम की संयुक्त टीम एक माह तक चलाएगी सघन अभियान
● माह के प्रथम सोमवार को कानून-व्यवस्था व विकास कार्यों की होगी समीक्षा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश की कानून-व्यवस्था और विकास योजनाओं को लेकर मुख्य सचिव अनूप चंद्र पाण्डेय ने वीडियो कान्फ्रेंसिंग की और खासतौर पर अवैध शराब को लेकर डीएम और पुलिस कप्तानों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए उन्होंने कहा कि अगर अवैध शराब का कारोबार नहीं रुका तो संबन्धित अधिकारी सीधे जिम्मेदार होंगे। कड़े निर्देश दिए कि किसी भी जनपद में अवैध शराब के कारोबार की दशा में जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सहित सम्बन्धित अधिकारियों की जिम्मेदारी निर्धारित कर कड़ी कार्रवाई की जायेगी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एवं जिलाधिकारी एक संयुक्त टीम गठित कर एक माह तक सघन अभियान चलाकर अवैध कारोबार करने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करें। अभियान के अन्तर्गत प्रत्येक शराब की दुकानों पर शत-प्रतिशत स्टाक का वेरीफिकेशन कराया जाए। सघन अभियान के तहत की गई कार्रवाई की साप्ताहिक रिपोर्ट अवश्य प्रस्तुत की जाए। प्रत्येक माह के प्रथम सोमवार को कानून-व्यवस्था, विकास कार्यों एवं योजनाओं की प्रगति की समीक्षा वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से की जायेगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि प्रदेश के तहसील भवनों में आबकारी निरीक्षकों के बैठने के लिए कक्ष आवंटन की कार्यवाही प्राथमिकता पर की जाए।

आबकारी विभाग जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के अधिकारियों की जिम्मेदारी होगी कि किसी भी जनपद में जहरीली शराब से घटित होने वाली घटनाओं की पुनरावृत्ति कतई न होने पाए। संदिग्ध व्यक्तियों के विरुद्ध अभियान चलाकर नियमों के तहत कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जाए ताकि किसी भी व्यक्ति को जहरीली शराब की आपूर्ति करने की हिम्मत न हो सके। मिथाइल एल्कोहल का स्टोरेज करने वालों का पुलिस सत्यापन कराकर कार्रवाई की जाए। अनूप चन्द्र पाण्डेय ने जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि संवर्ण गरीबों को उपलब्ध कराये गये आरक्षण के लाभार्थियों को अर्हता प्रमाण पत्र प्राथमिकता पर उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने 22 करोड़ वृक्षारोपण के लक्ष्य को हासिल करने के लिये निर्देश दिये कि समस्त विभागों को जनपदवार ग्राम पंचायत स्तर पर माइक्रो प्लान के तहत कार्यवाई करानी होगी। जिला स्तर पर गठित वृक्षारोपण समिति की बैठकें नियमित रूप से आयोजित कराकर निर्धारित लक्ष्य को हासिल करने के लिए आवश्यक कदम प्राथमिकता पर उठाये जाएं। मुख्य सचिव ने गेहूं खरीद की समीक्षा करते हुये निर्देश दिये कि लक्षित 55 लाख मीट्रिक टन के सापेक्ष गेहूं की खरीद में और अधिक तेजी लाकर गेहूं खरीद की अन्तिम निर्धारित तिथि 15 जून तक लक्ष्य को पूर्ण किया जाए। उन्होंने कहा कि गेहूं क्रय केन्द्रों पर किसानों के साथ बेहतर व्यवहार स्थापित किया जाये।

यह सुनिश्चित किया जाए कि गेहूं क्रय केन्द्रों पर बेचने वाले किसानों के गेहूं का मूल्य यथाशीघ्र उनके खाते में पहुंच जाए। समस्त गेहूँ क्रय एजन्सियों के नोडल अधिकारियों को यह करना होगा कि उनके गेहूँ क्रय केन्द्रों पर गेहूं खरीद के लिए पर्याप्त धनराशि उपलब्ध रहे ताकि किसानों को गेहूं के मूल्य भुगतान करने में किसी प्रकार का विलम्ब न होने पाए। अनूप चन्द्र पाण्डेय ने प्रयागराज, कानपुर, एटा, कासगंज, चन्दौली, मिर्जापुर, मेरठ, भदोही, गाजियाबाद, अम्बेडकर नगर एवं बस्ती के जिलाधिकारियों को निर्देश दिये कि विद्युत उपकेन्द्रों के निर्माण के लिए भूमि की उपलब्धता कराने में आ रही कठिनाइयों का निराकरण प्राथमिकता से कराया जाए।

बाराबंकी में दो तस्कर गिरफ्तार, 30 लाख की अवैध शराब बरामद

● हरियाणा से तस्करी कर लायी जा रही थी 300 पेटी शराब

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाराबंकी में हुए जहरीली शराब कांड के बाद एसटीएफ ने अवैध शराब और उसकी तस्करी करने वाले शराब माफियाओं व तस्करों के खिलाफ अभियान छेड़ दिया है। इस अभियान के तहत एसटीएफ ने अवैध शराब तस्करी के अन्तर्राज्यीय गिरोह का पर्दाफाश करते हुए बाराबंकी से गिरोह के दो तस्करों के गिरफ्तार किया। इनके कब्जे से हरियाणा राज्य से तस्करी कर लायी गयी करीब 30 लाख रुपए मूल्य की 300 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब बरामद हुई है।

एसटीएफ को सूचना मिली कि एक ट्रक पर हरियाणा से अवैध अंग्रेजी शराब लाद कर कुर्सी देवा मार्ग से होते हुए नाका सतरिख बाराबंकी के रास्ते मुजफ्फरपुर बिहार प्रान्त को जा रही है। इस सूचना पर एसटीएफ सक्रिय हुई। सफदरगंज पुलिस को साथ लेकर एसटीएफ ने परिजात इंटर कालेज के सामने नेशनल हाइवे पर ट्रक को घेराबन्दी कर रोका। ट्रक की तलाशी ली गयी तो

उसके अन्दर पालीथीन से ढककर छिपायी गयी 300 पेटी अवैध अंग्रेजी शराब कुल 9972 बोतल बरामद हुईं। एसटीएफ ने ट्रक में मौजूद राम कुमार जोगी निवासी ग्राम दकदेई, थाना-हंदपुरी, जिला सहारनपुर और नौशाद निवासी मीरापुर, मुजफ्फरनगर को गिरफ्तार कर लिया।

तस्करों ने पूछताछ पर बताया कि हम लोग हरियाणा एवं पंजाब से अवैध रूप से बिना लाइसेंस एवं परमिट के अवैध अंग्रेजी शराब ट्रकों में लाद कर बड़ी खेप में बिहार एवं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जिलों में ले जाकर बेचते हैं। इससे पूर्व में भी हम लोगों द्वारा अवैध शराब को विभिन्न वाहनों के माध्यम से सप्लाई किया जा चुका है। इन अवैध शराबों की बेचने की परमिट हम लोगों के पास नहीं होती है। अवैध अंग्रेजी शराब के इस अवैध कारोबार में पैसों का लेन-देन बैंक खातों एवं हवाला के माध्यम से किया जाता है।

केजीएमयू में भर्ती बाराबंकी शराब कांड के 22 पीड़ित डिस्चार्ज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बाराबंकी शराब कांड में गंभीर बीमार होने के बाद केजीएमयू में भर्ती ग्रामीणों में 22 को स्वास्थ्य होने के बाद गुरुवार को डिस्चार्ज कर दिया गया। बाराबंकी के 23 मरीज अभी भी भर्ती हैं। वहीं सीतापुर से भी अवैध शराब पीने से बीमार हुए चार मरीजों को केजीएमयू में भर्ती कराया गया है। डाक्टरों के अथक प्रयास के बाद स्वस्थ्य हुए जिन मरीजों को डिस्चार्ज किय गया है उनमें देव शरण, जंगली, तिलक राम, राजाराम, पप्पू, सहजराम, दयाशंकर, विक्रम, छेदी प्रसाद, पप्पू, राज कुमार, बुद्धू, सुलेख चंद्र, राजेश, रामू, प्रमोद, लच्छी राम, दयाराम, गया बख्श, कल्लू, राम नरेश और नेम कुमार शामिल है। वहीं सीतापुर में हुए शराब कांड के पीड़ित महमूदाबाद निवासी विजय कुमार, सैदपुर निवासी चंद्रशेखर, संतराम और विपिन कुमार को डिजास्टर वार्ड में भर्ती कराया गया है।

'1912' सेवा को और विश्वसनीय बनाना है: प्रमुख सचिव

लखनऊ। प्रदेश के सीएमडी पावर कारपोरेशन आलोक कुमार ने बिजली उपभोक्ताओं की समस्याओं के निस्तारण के लिए लगातार मानीटरिंग के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। उन्होंने कहा कि उपभोक्ताओं की सुविधा के लिए ऊर्जा हेल्प लाइन 1912 को और प्रभावी बनाया गया है। प्रदेश के सभी डिस्कॉम में टेलीफोन लाइनें दुगनी कर दी गयी है। साथ ही कॉल सेन्टर में काम करने वाले कार्मिकों की संख्या में वृद्धि कर के 60 से 90 कर दी गयी है। इसके साथ ही उपभोक्ताओं की विलम्ब से फोन उठने की शिकायत भी दूर करने की कोशिश की गयी है। पहले जहॉ 60 प्रतिशत कॉले ही 30 सेकेण्ड में उठती थी वहीं अब 90 प्रतिशत कॉले 30 सेकेण्ड में उठ जाती है। इसी तरह उपभोक्ता को अपनी समस्या दर्ज कराने के समय में भी कमी आई है। पहले जहॉ इसके लिये औसतन 200 सेकेण्ड लगते थे वही अब यह घटकर 158 सेकेण्ड रह गया है।

शक्ति भवन में हेल्प लाइन की समीक्षा करते हुए आलोक कुमार ने कहा कि 1912 पर आने वाली शिकायतों एवं समस्याओं का समयबद्ध निस्तारण हर हाल में सुनिश्चित किया जाए तथा समस्या का निस्तारण तब तक न माना जाए जब तक उपभोक्ता संतुष्ट न हो जाए। उन्होंने कहा कि इसके लिये जो भी आवश्यक सुधार करने हैं या व्यवस्था बनानी है वह सुनिश्चित करा ली जाए। प्रमुख सचिव ने कहा कि 1912 की सेवा को हमें और विश्वसनीय, प्रभावी तथा उत्तरदायी बनाना है। इसके लिये वरिष्ठ अधिकारी 1912 पर आने वाली सूचनाओं एवं समस्याओं पर क्या कार्यवाही हुई इसकी लगातार समीक्षा करें। जिसमे उपभोक्ताओं को परेशानी न हो। इस हेल्प लाइन के माध्यम से प्रदेश में 325190 शिकायतें ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त की मिली जिसमें 324668 मामलों का समय से निस्तारण कर दिया गया। इसी तरह 101924 नए कनेक्शन की शिकायतें प्राप्त हुयी जिसमें 100775 मामलों का निस्तारण हुआ है।

डीपीसी की मांग को लेकर अपर मुख्य सचिव से मिला प्रतिनिधिमंडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उप्र सचिवालय संघ का एक शिष्टमण्डल अपर मुख्य सचिव, सचिवालय प्रशासन विभाग से मिला तथा परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर चुके पदोन्नति कोटे के समीक्षा अधिकारियों के स्थायीकरण एवं चयन वर्ष 2018-19 में समीक्षा अधिकारी संवर्ग में विभागीय कोटे के अवशेष रिक्त/उपलब्ध पदों पर जून माह में ही डीपीसी कराने की मांग की। इसके साथ ही रिक्त सहायक समीक्षा अधिकारी व कम्प्यूटर सहायक के पदों पर भी डीपीसी कराए जाने व अतिरिक्त लोक सेवा आयोग से चयनित 2014 बैच के समीक्षा अधिकारियों को कम्प्यूटर प्रशिक्षण तत्काल दिलाये जाने की मॉग की। संघ के सचिव ओंकार नाथ तिवारी ने बताया कि पदोन्नति कोटे के परिवीक्षा अवधि पूर्ण कर चुके अनेक समीक्षा अधिकारियों का अभी तक स्थायीकरण नहीं किया गया है तथा चयन वर्ष 2018-19 में समीक्षा अधिकारी संवर्ग में विभागीय कोटे के रिक्त 102 पदों पर माह अगस्त, 2018 में लोक सेवा आयोग इलाहाबाद में सम्पन्न हुई डीपीसी के आधार पर पदोन्नति हो जाने के बाद भी अभी विभागीय कोटे के लगभग 50 पद रिक्त/ उपलब्ध हैं।

अपर मुख्य सचिव द्वारा समीक्षा अधिकारी संवर्ग की अनुपूरक डीपीसी जून में ही कराये जाने का सम्बंधित अधिकारियों को आदेश दिया गया तथा स्थायीकरण व कम्प्यूटर प्रशिक्षण के सम्बन्ध में भी शीघ्र कार्यवाही कराने का आश्वासन दिया गया। शिष्टमण्डल में कोषाध्यक्ष-गोपी कृष्ण श्रीवास्तव, विनीत कुमार शर्मा व विजय कुमार शुक्ला भी शामिल थे।

दिव्यांगता के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य करने वाली संस्थाएं होंगी पुरस्कृत

लखनऊ। विश्व दिव्यांगता दिवस 3 दिसम्बर को उत्कृष्ट दिव्यांग व्यक्तियों एवं निशक्तता के क्षेत्र में कार्य करने वाली संस्थाओं एवं उनके सेवायोजकों को राष्ट्रपति द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा। यह जानकारी निदेशक दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग अजीत कुमार ने दी। उन्होंने बताया है कि यह पुरस्कार भारत सरकार सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्रालय दिव्यांगजन सशक्तीकरण विभाग नई दिल्ली द्वारा दिये जायेंगे। राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए श्रेणियां निर्धारित की गई हैं, जिनके अन्तर्गत आने वाली संस्थाओं को ही पुरस्कार दिये जायेंगे। निदेशक ने बताया कि निर्धारित श्रेणियों के तहत सर्वश्रेष्ठ दिव्यांग कर्मचारी, स्वनियोजित, सर्वश्रेष्ठ नियोक्ताओं तथा प्लेसमेन्ट अधिकारी या एजेंसी दिव्यांग व्यक्तियों के निमित्त कार्यरत सर्वश्रेष्ठ व्यक्ति तथा संस्था, प्रेरणस्रोत, दिव्यांग व्यक्तियों के जीवन सुधारने के निमित्त सर्वश्रेष्ठ अनुप्रयुक्त अनुसंधान या नव प्रर्वतन या उत्पाद विकास आदि को यह पुरस्कार प्रदान किया जायेगा।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) प्रथम तल 33/11 के0वी0 उपकेन्द्र सेक्टर-5 गोमती नगर विस्तार लखनऊ। मध्याँचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड (उ0प्र0 सरकार का उपक्रम) E-mail: eecivildlko@rediffmail.com अल्पकालीन निविदा सूचना (ई-निविदा) संख्या 03/विजाखं (वि0)/एल/ई-टेण्डर/2019-20 अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्नलिखित निविदाओं के समक्ष उनके सम्मुख अंकित कार्यों को संपादित कराने हेतु अनुभवी एवं दक्ष ठेकेदारों से दो भागों में अलग-अलग निविदायें ई-टेण्डरिंग के माध्यम से आमंत्रित की जाती हैं। उक्त निविदायें मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड मुख्यालय लखनऊ की बेवसाईट www.mvvnl.in तथा उत्तर प्रदेश सरकार की ई-टेण्डर वेबसाइट http://etender.up.nic.in से देखे एवं डाउनलोड किये जा सकते हैं, निविदा का प्रथम एवं द्वितीय भाग वेबसाईट पर लोड करने की अन्तिम तिथि 14.06.19 समय 17.00 बजे तक तथा निविदा का प्रथम भाग (तकनीकी) तिथि 15.06.19 समय 14.30 बजे से खोला जायेगा। जिसके परीक्षणोपरान्त उपयुक्त पाये गये निविदादाताओं के वित्तीय भाग (भाग-द्वितीय) बाद में खोले जायेंगे। निविदा के भाग-1 जिसमें निविदा प्रपत्र का मूल्य, धरोहर धनराशि, अनुभव प्रमाण पत्र, वित्तीय स्थिति से सम्बन्धित प्रपत्रों की प्रतियां, पैन कार्ड की छायाप्रति, जी0एस0टी0 एवं लेबर सेस में पंजीकरण का प्रमाण पत्र, जिलाधिकारी द्वारा निर्गत चरित्र प्रमाण पत्र एवं हैसियत प्रमाण पत्र तथा एक निरस्त चैक एवं विशेष नियम एवं शर्तें होंगी। इसके अतिरिक्त म0वि0वि0नि0लि0 के निदेशक मंडल के दिनांक 28.03.18 के आदेशानुसार अव्यवहारिक दरों पर सेक्योरिटी/परफारमेन्स गारेन्टी लिये जाने का प्राविधान है। आर्हयता न पूर्ण करने की स्थिति में निविदादाताओं के भाग-2 पर विचार नहीं किया जायेगा। निविदा प्रस्ताव केवल ई-टेण्डरिंग वेबसाईट http://etender.up.nic.in पर उक्त निर्धारित तिथि तक जमा किये जा सकते हैं। निविदा मूल्य एवं धरोहर धनराशि Executive Engineer, Electricity Civil Division (Distribution), Lucknow के आई.सी.आई.सी.आई. बैंक शाखा विवेक खण्ड गोमती नगर लखनऊ के खाता संख्या - 021405004259, आई.एफ.एस.सी. कोड-ICIC0000214 में आर.टी.जी.एस./एन.ई.एफ.टी. के माध्यम से सीधे जमा की जायेगी। निविदा प्रस्ताव भाग-1 व 2 (प्राइस बिड) केवल वेबसाइट http://etender.up.nic.in पर निविदा प्रस्ताव एक साथ ही जमा करना होगा, निविदा मूल्य एवं धरोहर राशि की आर.टी.जी.एस. साक्ष्य (रसीद) को ई-टेण्डरिंग के माध्यम से प्रथम भाग के साथ जमा करना आवश्यक होगा एवं किसी भी प्रकार की हार्ड कापी स्वीकार नहीं होगी, निविदा के प्रथम भाग प्राप्त/खोलने की तिथि के दिन सार्वजनिक अवकाश होने की स्थिति में या इण्टरनेट/तकनीकी बाधित होने पर निविदा अगले कार्य दिवस को खोला जायेगा। निविदा की वैधता न्यूनतम 120 दिन होनी चाहिए। भविष्य में इस निविदा में यदि कोई संशोधन अथवा निविदा खोलने की तिथि में विस्तार होता है तो उसकी सूचना उपरोक्त अंकित वेबसाइटों पर उपलब्ध कराई जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को किसी या सभी निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करना अथवा दो या दो से अधिक ठेकेदारों में विभक्त करने का अधिकार सुरक्षित होगा। **(1) निविदा विशिष्ट सं0-10/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** विद्युत नगरीय वितरण मण्डल अष्टम, रेजीडेन्सी, लखनऊ के जलरोधी एवं अन्य विविध जानपदीय कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि :** पन्द्रह दिन। **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रू0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(2) निविदा विशिष्ट सं0-11/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** विद्युत नगरीय वितरण मण्डल प्रथम, रेजीडेन्सी, लखनऊ के जलरोधी एवं अन्य विविध जानपदीय कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** पन्द्रह दिन, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(3) निविदा विशिष्ट सं0-12/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** विद्युत नगरीय वितरण खण्ड रेजीडेन्सी लखनऊ के कार्यक्षेत्र में आदर्श विद्युत उपकेन्द्र बनाये जाने हेतु आवश्यक जानपदीय कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** पन्द्रह दिन, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(4) निविदा विशिष्ट सं0-13/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** विद्युत नगरीय वितरण खण्ड बक्शी का तालाब लखनऊ के कार्यक्षेत्र में आदर्श विद्युत उपकेन्द्र बनाये जाने हेतु आवश्यक जानपदीय कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** पन्द्रह दिन, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(5) निविदा विशिष्ट सं0-14/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** विद्युत नगरीय वितरण खण्ड सेस-चतुर्थ लखनऊ के कार्यक्षेत्र में आदर्श विद्युत उपकेन्द्र बनाये जाने हेतु आवश्यक जानपदीय कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** पन्द्रह दिन, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(6) निविदा विशिष्ट सं0-15/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** विद्युत नगरीय वितरण मण्डल पंचम, रेजीडेन्सी, लखनऊ के जलरोधी एवं अन्य विविध जानपदीय कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** पन्द्रह दिन, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(7) निविदा विशिष्ट सं0-16/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** विद्युत वितरण खण्ड सेस-प्रथम लखनऊ के कार्यक्षेत्र में आदर्श विद्युत उपकेन्द्र बनायेजाने हेतु आवश्यक जानपदीय कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** पन्द्रह दिन, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(8) निविदा विशिष्ट सं0-17/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/ 2019-20 I कार्य का नाम :** 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र मोहनलालगंज (ओल्ड) लखनऊ के प्रांगण में स्थित उपखण्ड अधिकारी के कार्यालय में सुदृढ़ीकरण का कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** पन्द्रह दिन, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :-** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित) **(9) निविदा विशिष्ट सं0 - 18/विजाखं(वि0)/एल/टेन्डर/2019-20 I कार्य का नाम :** उपखण्ड अधिकारी- प्रथम, विद्युत जानपद उपखण्ड (वि0) 33/11 के0वी0 विद्युत उपकेन्द्र (प्रथम तल) लखनऊ हेतु एक नग हल्का डीजल वाहन (चालक सहित) किराये पर उपलब्ध कराने का कार्य। **II धरोहर धनराशि :** रु0 4000.00 (रू0 चार हजार मात्र) **III समयावधि** आठ माह, **IV निविदा प्रपत्र का मूल्य :** रु0 236.00 (जी0एस0टी0 सहित)। **अधिशासी अभियन्ता,** विद्युत जानपद खण्ड (वितरण) 33/11के.वी. विद्युत उपकेन्द्र, (प्रथम तल) सेक्टर-5 गोमती नगर (विस्तार), लखनऊ। पत्रांक 723, दिनांक 30.05.2019 **हेल्पलाईन नम्बर 18001800440 "राष्ट्र हित में ऊर्जा बचायें, बल्ब की जगह एल0ई0डी0 लगायें"**

उ0 प्र0 पावर ट्राँसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड ई-निविदा सूचना इलेक्ट्रॉनिक निविदा निम्नलिखित कार्यों हेतु दो भागों में अलग-अलग ई टेण्डर इच्छुक, ख्याति प्राप्त जी0एस0टी0 रजिस्टर्ड, अनुभव युक्त एवं पैनकार्ड धारक जो व्यापार कर विभाग में पंजीकृत हो तथा आयकर अदेय प्रमाण पत्र रखते हों, फर्मो से निम्नांकित विवरणानुसार धरोहर राशि व निविदा लागत सहित आमंत्रित किये जाते हैं। निविदा से सम्बन्धित समस्त अभिलेख एवं शर्तें ई-टेण्डर पोर्टल **www.etender.up.nic.in** पर दिनांक **18.06.2019 से 28.06.2019 को 17:00 बजे** तक डाउनलोड किये जा सकेंगे। बिड दिनांक **28.06.2019 के 17:00 बजे** तक अनिवार्य रूप से ऑनलाइन जमा कर दी जानी चाहिए एवं ऑनलाइन समस्त ई-टेण्डर दिनांक **29.12.2018 को 13.00 बजे** कार्यालय के समक्ष **ई-टेण्डर कमेटी विद्युत प्रेषण खण्ड फतेहपुर** द्वारा खोली जायेगी। निविदा के प्रथम भाग में अनुभव प्रमाण पत्र एवं शर्तें संलग्न, धरोहर राशि निविदा के समक्ष अंकित धनराशि जो कि **इलेक्ट्रानिक फण्ड ट्रान्सफर (आर0टी0जी0एस0 / एन0ई0एफ0टी0)** के माध्यम से **अधिशासी अभियन्ता, 220 विद्युत प्रेषण खण्ड-फतेहपुर** के चालू खाते में देय तथा द्वितीय भाग में कार्य/आपूर्ति विवरण एवं दरें होनी चाहिए। यदि निविदा खुलने का दिवस अवकाश का दिवस है तो निविदा अगले कार्य दिवस में पूर्व निर्धारित समय पर खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरी को यह अधिकार सुरक्षित होगा कि वे किसी भी निविदा को या सभी निविदाओं को बिना किसी कारण बताये अस्वीकार/निरस्त कर सकते हैं। **क्र0सं0** 1. **निविदा संख्या** E-T-07/19-20 **कार्य का संक्षिप्त विवरण** वि0प्रे0खं0, फतेहपुर के अधीन 220 के0वी0 उपकेन्द्र, फतेहपुर में मल्सीफायर सिस्टम में स्थापित क्षतिग्रस्त मोटर के मरम्मत का कार्य एवं 220 के0वी0 उपकेन्द्र, फतेहपुर से 132 के0वी0 उपकेन्द्र, खागा तक मूज कन्डक्टर एवं 36 के0वी0 वी0सी0वी0 के कैरिज का कार्य। **धरोहर राशि** 1000/- **निविदा अपलोड करने का दिनांक** 18.06.2019 से 28.06.2019 तक **निविदा खुलने का दिनांक** 29.06.2019 **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत प्रेषण खण्ड, फतेहपुर।** पत्रांक 333, दिनांक 30.05.2019 **"राष्ट्रहित में बिजली बचायें।"**

उ0प्र0 पावर ट्रांसमिशन कारपोरेशन लिमिटेड ई-निविदा सूचना संख्या 01/वि.जा.पा.ख.-द्वि0/ल0/2019-20 के शुद्धि पत्र का प्रकाशन ई-निविदा सूचना संख्या 01/E.T.D.-II(Lko.)/2019-20 के अन्तर्गत क्रमांक 1 एवम् 2 पर अंकित निविदाओं के निविदा प्रपत्रों के मूल्य में टंकण त्रुटि होने के कारण उन्हें संशोधित करने उपरान्त निविदाओं के मूल्यों को निम्न प्रकार पढ़ा जाये। शेष शर्तें पूर्ववत् रहेंगी। 1. 132 के0वी0 उपकेन्द्र, नानपारा, बहराइच पर 2 नग 5 एम0वी0ए0आर0 कैपिसिटर बैंक एवम् सड़क के निर्माण का कार्य, धरोहर धनराशि रु0 38,000.00 मात्र, कार्यावधि 45 दिन, निविदा प्रपत्र मूल्य रु0 2,000.00 (18 प्रतिशत जी0एस0टी0 अतिरिक्त)। 2. 132 के0वी0 उपकेन्द्र, टी0आर0टी0, लखनऊ पर प्रस्तावानुसार कन्ट्रोल रूम एक्टेंशन, क्षतिग्रस्त पाइप लाइन को बदलने स्वीचयार्ड में नया समरसेबिल पम्प लगाने तथा अन्य विभिन्न कार्यों को करवाने का कार्य, धरोहर धनराशि रु0 52,000.00 मात्र, कार्यावधि 3 माह, निविदा प्रपत्र मूल्य रु0 2,000.00 (18 प्रतिशत जी0एस0टी0 अतिरिक्त)। **अधिशासी अभियन्ता, विद्युत जानपद खण्ड-द्वितीय, उ0प्र0 पावर ट्रान्समिशन कॉरपोरेशन लि0 तृतीय तल, विद्युत सेवा आयोग भवन, एस0एल0डी0सी0 परिसर, निकट मन्त्री आवास, विभूति खण्ड-द्वितीय, गोमती नगर, लखनऊ।** पत्रांक-531, दिनांक-29.05.2019 **"राष्ट्रहित में बिजली बचायें"।**

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल मध्यॉचल विद्युत वितरण निगम लि0 सुदामापुरी, सीतापुर अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना अधोहस्ताक्षरी द्वारा विद्युत वितरण मण्डल, सीतापुर के अन्तर्गत निम्नलिखित कार्य को कराने हेतु अनुभवी एवं विभाग में पंजीकृत निविदाकारों से दो अलग-अलग भागों में निविदायें ई-टेंडरिंग के माध्यम से आंमत्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र UP Government की वेबसाइट www-etender-up-in पर डाउनलोड/देखे जा सकते है। निविदा के प्रथम भाग में निम्नलिखित प्रपत्र होना आवश्यक है : 1. निविदा प्रपत्र का मूल्य एवं निर्धारित धरोहर धनराशि केवल अधोहस्ताक्षरी के बैंक खाते में आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0 के माध्यम से (State Bank Of India] Sitapur Main Branch, Account Number:- 10906917945, IFS Code- SBIN0000720 of Superintending Engineer, Electricity Distribtuion Circle, Sitapur) ही जमा करायी जायेगी तथा बैंक जमा की साक्ष्य यथा योज्य यू0टी0आर0 संख्या, पे-इन स्लिप मूल की प्रति (इश्यूड बैंक के कन्फरमेशन मेल की प्रति) आन लाइन अपलोड की जायेगी। 2. आयकर प्रमाण, व जी0एस0टी0 प्रमाणपत्र। 3. सक्षम अधिकारी द्वारा निर्गत फर्म द्वारा पूर्व में कराये गये विगत कार्यों के सापेक्ष परफारमेन्स रिर्पोट। 4. सम्बन्धित कार्य का अनुभव प्रमाण पत्र/अनुबन्ध की छायाप्रतियॉं। निविदा के द्वितीय भाग में दरें होगी। निविदादाता द्वारा उ0प्र0 ई-टेण्डर पोर्टल www-etender-up-in पर दिनांक 07.06.2019 को 17:00 बजे तक अपलोड की जायेगी जिसमें निविदा फार्म, निविदा शुल्क, नियम एवं शर्ते व वांछित/तकनीकी प्रपत्र अपलोड करना अनिवार्य है तथा निविदा प्रपत्र में अपलोड किये सभी प्रपत्र स्पष्ट एवं पठनीय होने चाहिए (अपठनीय प्रपत्र स्वीकार्य नहीं होगें) जो दिनांक 08.06.2019 को 12:00 बजे निविदाताओं अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी अथवा उनके नामित प्रतिनिधि के द्वारा खोली जायेगी। निविदा अभिलेखों में दिये गये प्रपत्र एवं जानकारी की सत्यता से सम्बन्धित शपथ पत्र जो नोटरी द्वारा प्रमाणित हो आन लाइन अपलोड किया जाना अनिवार्य है अन्यथा की स्थिति में ऐसी निविदायें नहीं खोली जायेंगी। सभी निविदाओं के भाग-प्रथम के मूल्यांकन के बाद उपयुक्त पाये गये निविदाताओं के भाग-द्वितीय खोले जायेंगें जिसकी सूचना पत्र/ई-मेल द्वारा/अन्य माध्यम से दी जायेगी। निविदित कार्य की मात्रा 10 प्रतिशत घट या बढ़ सकती है। निविदा खुलने की तिथि को यदि अवकाश होता है तो अगले कार्य दिवस में निविदा खोली जायेगी। अधोहस्ताक्षरकर्ता को किसी एक या सभी निविदाओं को बिना किसी कारण बताएं निरस्त करने/बांटने या आंशिक रूप से स्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है। उपरोक्त निविदा की पूर्ण प्रक्रिया ई-टेण्डरिंग UP Government की वेबसाइट www-etender-up-in के माध्यम से की जायगी निविदा एवं धरोहर धनराशि मूल्य निविदा के सम्मुख अंकित है। 1-अल्पकालीन निविदा संख्या 06/विविमंसी/2019-20 विद्युत परीक्षण खण्ड, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में प्रयुक्त होने वाली सिंलिंग बुक की आपूर्ति का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 590.00 मात्र। 2- अल्पकालीन निविदा संख्या 07/विविमंसी/2019-20 विद्युत वितरण खण्ड-द्वितीय, सीतापुर के कार्यालय उपयोग हेतु एक नग कुशल एवं अनुभवी कम्प्यूटर आपरेटर उपलब्ध कराने का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 590.00 मात्र। 3- अल्पकालीन निविदा संख्या 08/विविमंसी/2019-20 विद्युत वितरण खण्ड-प्रथम, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्डदृमहोली के कार्यक्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न क्षमता 160/250/430/630 केवीए के क्षतिग्रस्त परिवर्तकों को बदल कर विद्युत आपर्ति करने का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 590.00 मात्र। 4- अल्पकालीन निविदा संख्या 09/विविमंसी/2019-20 विद्युत वितरण खण्ड-बिसवॉं, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड-बिसवॉं के कार्यक्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न क्षमता 160/250/430/630 केवीए के क्षतिग्रस्त परिवर्तकों को बदल कर विद्युत आपर्ति करने का कार्य। धरोहर धनराशि रू0 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 590.00 मात्र। 5- अल्पकालीन निविदा संख्या 10/विविमंसी/2019-20 विद्युत वितरण खण्ड-बिसवॉं, सीतापुर के कार्यक्षेत्र में विद्युत वितरण उपखण्ड-लहरपुर के कार्यक्षेत्र में ग्रामीण क्षेत्रों में विभिन्न क्षमता 160/250/430/630 केवीए के क्षतिग्रस्त परिवर्तकों को बदल कर विद्युत पर्ति करने का कार्य। धरोहर धनराशि रू 2,000.00 मात्र। निविदा शुल्क रु0 590.00 मात्र। अधीक्षण अभियन्ता विद्युत वितरण मण्डल मध्यांचल विद्युत वितरण निगम लि0 सीतापुर पत्रांक 2542 दिनांक 30.05.2019 राष्ट्रहित में बिजली बचायें।

उत्तर प्रदेश पावर कारपोरेशन लिमिटेड अति अल्पकालीन ई-निविदा सूचना संख्या 02/मुख्य अभियन्ता (जा0)पारे0-द्वि0/अधि0अभि0 (मु0)/श0भ0वि0/ल0/2019-20 अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा शक्ति भवन, लखनऊ में निम्नलिखित आपूर्ति हेतु अल्पकालीन निविदाएं दिनांक 07.06.2019 तक आमंत्रित की जाती है, जिसका भाग-1 (तकनीकी एवं वाणिज्यक विवरण) उसी दिन अपरान्ह 16.00 बजे खोला जायेगा। निविदा का विस्तृत विवरण, नियम एवं शर्ते तथा निविदा प्रपत्र http://etender-up-nic- In से प्राप्त किया जा सकता है। 1. शक्ति भवन विस्तार में फोटोग्राफी के कार्य हेतु एक अदद फोटोग्राफर उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में। धरोहर धनराशि रू0, 10000.00 मात्र (एक वर्ष हेतु) निविदा प्रपत्र मूल्य रू0. 590.00 (कर सहित)। **मुख्य अभियन्ता** (जानपद) पारेषण -द्वितीय उ0 प्र0 पावर कारपोरेशन लि0, 9वां तल, शक्ति भवन विस्तार 14-अशोक मार्ग, लखनऊ पत्रांक - 3358 दिनांक 28.05.2019 "राष्ट्र हित में बिजली बचाए"

पूर्वान्चल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड ई-अल्पकालीन निविदा सूचना अनुभवी ठेकेदारों/फर्मों से निम्नलिखित कार्य हेतु निविदायें दो भागों में आन-लाईन आमंत्रित की जाती है, आनलाइन निविदा http:/letender-up-nic-in पर दिनांक 14.06.2019 को अपरान्ह 14.00 बजे तक अपलोड किया जा सकता है एवं जिसके खुलने की तिथि 15.06.2019 को अपरान्ह 12.00 बजे निर्धारित है। निविदा के प्रथम भाग में निविदा प्रपत्र मूल्य एवं धरोहर धनराशि, जो कि (आर0टी0जी0एस0/एन0ई0एफ0टी0) द्वारा अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल-द्वितीय, प्रयागराज के बैंक खाता संख्या 0012002100036216 (IFSC Code- PUNB0001200, Punjab National Bank, Sangam Place, Civil Lines, Prayagraj) में जमा की जायेगी तथा बैंक जमा की साक्ष्य यथायोज्य यू0टी0आर0 संख्या पे-इन-स्लिप की मूलप्रति (इश्यू बैंक के कन्फर्मेशन मेल की प्रति) ई-निविदा प्रपत्रों के साथ ऑनलाइन अपलोड की जायेगी, एवं सम्बन्धित बैंक से पुष्टि तथा निविदा के प्रथम भाग की शर्तों के पूर्ण होने के उपरान्त ही निविदा का द्वितीय भाग खोला जायेगा। निविदा का प्रथम भाग खुलने पर फर्मों द्वारा सभी शर्ते पूरी करने वाले ठेकेदारों के सभी अभिलेखों की सत्यता की जांच इस कार्यालय द्वारा करायी जायेगी। फर्जी अभिलेख/प्रपत्र पाये जाने पर सम्बन्धित फर्म के विरूद्ध काली सूची में डालने की कार्यवाही की जायेगी। निविदा खुलने की तिथि को अवकाश होने पर अगले कार्य दिवस पर निविदा खोली जायेगी। कार्य/आपूर्ति का विवरण निविदा संख्या 01/वि0वि0मं0 द्वि0इ0/2019-20:- विद्युत वितरण खण्ड-फाफामऊ, प्रयागराज के अन्तर्गत उपखण्ड सोरांव के क्षेत्रान्तर्गत ग्राम डीहा के सामने हाइवे क्रासिंग की क्षतिग्रस्त 11 के0वी0 XLPE अण्डरग्राउण्ड केबिल को बदलने सम्बन्धित कार्य। निविदा शुल्क :- रू0 590.00 (500+90 कर सहित) मात्र। धरोहर धनराशि :- रु0 3000.00 (रू0 तीन हजार) मात्र। निविदा संख्या 02/वि0वि0मं0 द्वि0इ0/2019-20 :- विद्युत परीक्षण खण्ड-द्वितीय, प्रयागराज के अन्तर्गत 11 के0वी0 उपभोक्ताओं की मीटरिंग व्यवस्था सुदृढ़ करने हेतु 11 के0वी0/110 वोल्ट, रेजिन कास्ट पी0टी0 की आपूर्ति सम्बन्धित। निविदा शुल्क :- रू0 590.00 (500+90 कर सहित) मात्र। धरोहर धनराशि :- रू0 4000.00 (रू0 चार हजार) मात्र। विस्तृत जानकारी, डाउनलोड अन्य संशोधनों एवं निविदा प्रस्तुत करने के तिथि तक विस्तार आदि के सम्बन्ध में कृपया http:/letender-up-nic-in वेबसाइट पर लाग आन करें। शर्तेः1- अधोहस्ताक्षरी को बिना कारण बताये किसी निविदा को निरस्त करने का अधिकार सुरक्षित है। सशर्त निविदा स्वीकार नहीं की जाएगी। निविदा की तिथि पर सार्वजनिक अवकाश या अन्य कारणों से कार्यालय बन्द होने की स्थिति में अगले कार्य दिवस जिसमे कार्यालय खुला होगा, खोली जाएगी। 4 कार्य/आपूर्ति के अनुभवी ठेकेदारों/फर्मों को ही निविदा में सम्मिलित किया जायेगा। 5 उक्त कार्य/सामग्री को एक या कई फर्मों को आवंटित किया जा सकता है। **अधीक्षण अभियन्ता,** विद्युत वितरण मण्डल, द्वितीय 57-जार्जटाउन प्रयागराज। पत्रांक - 1794 दिनांक 30.5.19 'राष्ट्रहित में बिजली बचाये'

क्विक न्यूज

ताला तोड़कर लाखों की चोरी

लखनऊ। जानकीपुरम थाना क्षेत्र के मड़ियांव गांव के लश्करी टोला निवासी एक ठेकेदार के घर का ताला ताला तोड़कर चोरों ने लाखों के जेवर व नकदी पर हाथ साफ कर दिया। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर चोरों को पकड़ने का प्रयास कर रही है। मडियांव गांव के लश्करी टोला निवासी मोहम्मद अली मकान आदि बनाने का काम ठेके पर करते हैं। अली के मुताबिक बुधवार रात वह सपरिवार बाहर गए हुए थे। घर पर ताला लगा था। सुबह वापस लौटने पर कमरे व अलमारियों के ताले टूटे व सारा सामान बिखरा हुआ मिला। पीड़ित के मुताबिक बाउंड्रीवाल फांद कर घर के अंदर दाखिल हुए चोरों ने अलमारी में रखे करीब 20 हजार रुपये समेत काफी मात्रा में जेवर चोरी कर ले गए। इंस्पेक्टर जानकीपुरम मुहम्मद अशरफ ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है और चोरों को पकड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

सड़क पर बह रहा पेयजल

मोहनलालगंज। पेयजल को लेकर जगह-जगह मच रही त्राहि-त्राहि के बीच जलनिगम कर्मचारियो की लापरवाही से मोहनलालगंज सीएचसी के निकट पानी टंकी के ठीक सामने स्थापित स्टैण्ड पोस्ट से दिनभर काफी मात्रा में पानी रोड पर बहकर बर्बाद हो रहा है। लेकिन सामने ट्यूबवेल रुम में रहने वाले आपरेटर को इसकी कोई फिक्र नही है। इस बारे में जेई जलनिगम अवधेश शर्मा ने बताया मामले की जानकारी नही थी। इसे फौरन दुरुस्त कराया जाएगा।

एनम सेंटर में घुसकर तोड़फोड़

सरोजनीनगर। इलाके के नादरगंज स्थित आजाद नगर मोड़ के पास 1965 से संचालित एनम सेंटर में करीब चार दर्जन अधिवक्ताओं ने कब्जा करने की नियत से सेंटर के अंदर घुसकर सामान की तोड़फोड़ की सूचना पाकर मौके पर पहुंची। पुलिस ने उक्त सामान को अंदर रखवाया और चिकित्सकों ने सुरक्षा की दृष्टि से थाने पर एक लिखित तहरीर दी। बताते हैं कि उक्त एनम सेंटर में कई लोग अपनी अपनी कब्जे दारी को लेकर दावेदारी पेश कर रहे हैं

अविश्वास प्रस्ताव में शामिल हों

लखनऊ। जिला पंचायत राज अधिकारी लखनऊ प्रदीप कुमार ने क्षेत्र पंचायत सरोजनीनगर के समस्त क्षेत्र पंचायत सदस्यों को सूचित किया है कि निशा यादव प्रमुख क्षेत्र पंचायत सरोजनीनगर वार्ड संख्या-97 एवं रेखा यादव क्षेत्र पंचायत सदस्य वार्ड संख्या-36 क्षेत्र पंचायत सरोजनीनगर को नोटिस दी गयी है कि 3 जून 2019 को शाम 5 बजे डा एपीजे अब्दुल कलाम सभागार कलेक्ट्रेट लखनऊ में प्रमुख क्षेत्र पंचायत सरोजनीनगर के अविश्वास प्रस्ताव की मतगणना में अपनी उपस्थिति सुनिश्चित कराएं।

नगदी व जेवर उठा ले गए चोर

लखनऊ। राजधानी के पीजीआई थाना क्षेत्र में बीती रात घर में घुसे चोर नगदी समेत जेवर उठा ले गए। 592 जेएच 9/275 रवीन्द्रनगर तेलीबाग थाना पीजीआई निवासी राहुल यादव सपरिवार के साथ रहते हैं। बीती रात खाना खाकर पूरा परिवार सो गया। उसी बीच रात में अज्ञात चोर घुस आए। सुबह जब परिवार के सदस्य सोकर उठे तो देखा कि कमरें में रखी अलमारी से 20000 रुपए नगद व सोने चांदी का जेवरात गायब हैं। आनन-फानन में पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। उसके बाद पीड़ित से तहरीर लेकर चोरी का मुकदमा दर्ज कर लिया।

किसान को नशेड़ियों ने पीटा

लखनऊ। काकोरी थाना क्षेत्र में बाग की रखवाली करने गये किसान को नशेड़ियों ने जमकर पीटा। मोबाइल व नगदी छीन ली। आबिद खेड़ा गांव में किसान सरोज राजपूत लोधी परिवार संग रहते हैं। उन्होंने गुरुदीन खेड़ा में शब्बू मियां की बाग 1.30 लाख रुपए की ले रखी है। उसी की वह रखवाली करते हैं। बीती बुधवार रात करीब 10.40 बजे सरोज राजपूत रखवाली कर रहे भाई सक्षम के लिए नौकर अमित के साथ खाना लेकर पहुंचा। तभी नौकर अमित बाग के बाहर लगे नल पर पानी ले गया। जहां गांव के ही दबंग नदीम, सुभाष यादव, जितेन्द्र व शिवपाल शराब पी रहे थे। इन लोगों ने अमित की पिटाई कर दी। उसने आकर इसकी जानकारी सरोज राजपूत को दी। सरोज राजपूत दबंगो के पास विरोध करने पहुंचे, तभी उन लोगों ने उस पर लोहे की रॉड से हमला कर दिया। यही नहीं 25 हजार रुपए व मोबाइल छीनकर चलते बने।

पांच शातिर नकबजन गिरफ्तार

लखनऊ। राजधानी की कैंट पुलिस ने पांच शातिर चोरों को गिरफ्तार कर इलाके में हुई करीब एक दर्जन चोरियों को खुलासा हुआ है। जानकारी के अनुसार बीती रात कैंट पुलिस गश्त पर थी तभी पुलिस को मुखिबर द्वारा सूचना मिली कि सेंट पाल स्कूल के पास कुछ शातिर चोर एकत्र हैं जो किसी वारदात को अंजाम देने के फिराक में हैं। जब पुलिस मौके पर पहुंची तो वहां पर मौजूद पांच शातिर भागने का प्रयास करने लगे जिसे पुलिस ने दबोच लिया। पुलिस पूछताछ में शातिरों ने अपना नाम कैंट निवासी विनय शर्मा, मानकनगर निवासी रितेश कुमार यादव, आलमबाग निवासी राहुल, गौतमपल्ली निवासी हनी सिंह व अमर बताया।

राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद की प्रयोगात्मक आफ लाइन परीक्षा में धांधली का खुलासा

सरगना सहित आधा दर्जन मुन्ना भाई गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

एसटीएफ की नोएडा यूनिट ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा आयोजित राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद प्रतियोगात्मक परीक्षा-2018 की चल रही आफ लाइन परीक्षा की प्रथम पाली में परीक्षा दे रहे मुन्ना भाइयों और गैंग के सरगना संजीव कुमार सहित आधा दर्जन अभियुक्तों को सहारनपुर में गिरफ्तार किया। इनके पास से सिम आधारित ब्लू टूथ, इलेक्ट्रानिक डिवाइसेज और फेविकोल से बने थम्ब इम्प्रेशन बरामद हुए है।

एसटीएफ फील्ड यूनिट नोएडा को सूचना मिली कि गुरुवर को उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, लखनऊ द्वारा संचालित राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद (संयुक्त संवर्ग) प्रतियोगात्मक परीक्षा-2018 की परीक्षा में पैसा लेकर वास्तविक अभ्यार्थियों के स्थान पर सॉल्वर बैठाने वाले गिरोह के सदस्य सहारनपुर आने वाले हैं। इस सूचना पर एसटीएफ ने थाना कुतुबशेर, सहारनपुर पुलिस के सहयोग से अमित वर्मा को रेलवे स्टेशन, माल गोदाम सहारनपुर के पास से हिरासत में लिया गया। जिससे पूछताछ एवं जानकारी के आधार पर गौरव कुमार व राहुल को अमनदीप होटल, रेलवे रोड सहारनपुर से तथा इनकी निशादेही पर परीक्षा दे रहे अमित नेहरा को दयावती मॉडल इंटर कालेज मलीपुर रोड सहारनपुर, संजीव को महर्षि दयानन्द इंटर कालेज मलीपुर रोड सहारनपुर तथा एक महिला को जया पब्लिक हाईस्कूल जनक नगर से गिरफ्तार किया गया। पूछताछ पर अभियुक्त संजीव कुमार ने बताया कि उसकी आयु लगभग 29 साल है तथा चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ से स्नातक की पढाई की है। वर्ष 2010-11 में एसएससी की तैयारी करने के लिए दिल्ली में रेनबो कोचिंग सेंटर दुर्गापुरी चौक ज्योति कालोनी दिल्ली में दाखिला लिया था। सफल न होने पर उसने स्वयं का सरस्वती कोचिंग सेंटर अग्रवाल मंडी टटीरी, बागपत में खोला था। जहां पर प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराता था। लगभग 2 वर्ष पूर्व आर्थिक समस्या के कारण यह कोचिंग सेंटर बन्द करना पड़ा। कोचिंग बन्द करने के उपरान्त सोनू जो कि बड़ौत जनपद बागपत का रहने वाला है और उसके कोचिंग सेंटर में तैयारी कर चुका था, ने उसको (संजीव कुमार) एक प्रतियोगी परीक्षा में डिवाइस लगाकर सॉल्वर बनने के लिए ऑफर दिया था जिससे उसने इस विधि को समझा। इसके उपरान्त सर्वप्रथम उसने डिवाइस का इस्तेमाल कर वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा सेंटर में सॉल्वर भेजने की तैयारी की।

यू-ट्यूब देखकर फेविकोल से बनाए अभ्यर्थियों के थम्ब इम्प्रेशन

वास्तविक अभ्यर्थी के स्थान पर सॉल्वर बैठाने के लिए उसने थम्ब इम्प्रेशन बनाए। यह थम्ब इम्प्रेशन उसने यू-ट्यूब से देखकर फेविकोल से बनाए और प्रति अभ्यर्थी से वह रु. 06 लाख से 10 लाख तक लेता है जिसका 50 प्रतिशत सॉल्वर को जाता है। आज राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद (संयुक्त संवर्ग) की प्रतियोगात्मक परीक्षा-2018 की प्रथम पाली में 3 तथा द्वितीय पाली में 2 अभ्यर्थियों के स्थान पर सॉल्वर बैठाने के लिए पैसे ले रखे थे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से गुरुवार को पंजाब नैशनल बैंक के अंचल प्रबंधक समीर बाजपेयी ने शिष्टाचार भेंट की एवं प्रदेश के विकास में बैंक की भूमिका पर भी चर्चा की।

युवक को किया अगवा, नकदी व मोबाइल छीन कर गड्ढे में फेंका

● जानकारी मिलने पर परिजनों ने ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया

सरोजनीनगर। सरोजनीनगर में बुधवार शाम करीब आधा दर्जन से अधिक अज्ञात लोगों ने एक पत्रकार के बेटे को अगवा कर लिया। कुछ दूर ले जाने के बाद सुनसान जगह पर उसकी पिटाई कर दी और उसका मोबाइल व हजारों रुपये की नगदी छीन ली। बाद में अचेत अवस्था में उसे फेंक कर फरार हो गए। जानकारी होने के बाद परिजनों ने उसे ट्रामा सेंटर पहुंचाया। जहां होश में आने पर पीड़ित ने परिजनों को पूरी घटना की जानकारी दी। फिलहाल पुलिस तहरीर लेकर मामले की जांच पड़ताल कर रही है। कृष्णानगर इलाके के रुस्तम विहार कॉलोनी निवासी पत्रकार देवराज भारती के मुताबिक बुधवार दोपहर बाद उसका छोटा बेटा कुशाल 18 घर से किसी काम के लिए निकला था लेकिन देर शाम तक नहीं लौटा। शाम होने पर परिजनों ने उसके मोबाइल पर संपर्क किया तो कई बार फोन मिलाने पर भी रिसीव नहीं हो सका। देवराज का कहना है कि रात करीब 8 बजे किसी ने उन्हें सूचना दी कि कुशाल अमौसी एयरपोर्ट टर्मिनल पर चल रहे खुदाई स्थल पर अचेत अवस्था में पड़ा है। यह सूचना पाकर पहुंचे परिजनों ने उसे लोकबंधु अस्पताल पहुंचाया। जहां से उसे ट्रामा सेंटर के लिए रिफर कर दिया गया। देवराज ने बताया कि गुरुवार सुबह अमौसी एयरपोर्ट वीआईपी तिराहे के पास काले रंग की पल्सर सवार व दो होंडा सिटी कार सवार सात-आठ अज्ञात युवकों ने कुशाल को लाइट हाउस का पता पूछने के बहाने अपनी बाइक पर बिठा लिया। बाद में वह लोग एयरपोर्ट टर्मिनल स्थित सुनसान जगह पर ले गए। जहां उसके साथ मारपीट की।

एसओ के फ्लैट से टोटियां चुराने वाले पकड़े गए

लखनऊ। मड़ियांव कोतवाली की पूर्व महिला एसओ के फ्लैट से टोटियां आदि सामान चोरी करने वाले दो शातिर चोरों को मड़ियांव पुलिस ने दबोच लिया है। पुलिस ने माल बरामद कर दोनों को जेल भेजा है। मड़ियांव कोतवाली में वर्ष 2008 में एसओ का कार्यभार संभालने वाली सब इंस्पेक्टर पूनम अवस्थी का वर्तमान में प्रमोशन हो चुका है। वह कनौज के महिला थाने की वर्तमान प्रभारी हैं। इंस्पेक्टर मड़ियांव संतोष कुमार सिंह ने बताया कि पूनम का एक फ्लैट आईआईएम रोड स्थित एल्डिको सिटी में है। फ्लैट बंद रहता है। आरोप है कि 19 मई को फ्लैट में घुसे चोरों ने नल की टोटियां समेत अन्य सामान चोरी कर ले गए थे। पूनम के पति की तहरीर पर पुलिस ने 20 मई को रिपोर्ट दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू की। गुरुवार को मुखबिर की सूचना पर आईआईएम रोड स्थित ककौली मोड़ के पास से मुतक्कीपुर मड़ियांव निवासी आकाश रावत उर्फ तोंदे व रायपुर मड़ियांव निवासी मुकेश रावत को एक बोरी के साथ संदिग्ध हालत में पकड़ा गया। बोरी की तलाशी लेने पर उसमे से 13 बेसिन के पाइप, तीन प्लास्टिक की टोटी, 7 स्टील टोटी, एक स्टील का टावर हैंगर, एक फौवारा, एक स्टील की साबूदानी और दो लोहे के संबल बरामद हुआ। पूछताछ करने पर आरोपितों ने पूनम अवस्थी के फ्लैट से टोटियां आदि सामान चोरी करना कुबूल कर लिया।

अलविदा की नमाज पर किए गए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

राजधानी में अलविदा की नमाज को लेकर हर स्तर पर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चप्पे-चप्पे पर पुलिसकर्मियों की तैनाती की गई है। यही नहीं जगह-जगह पुलिस स्थानीय लोगों के साथ बैठकें कर रही है। बैठक में आपसी सौहार्द कायम रखने की अपील की गई है। वहीं लखनऊ पश्चिम में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर एसएसपी कलानिधि नैथानी ने मातहतों को निर्देश दिए हैं।

एसपी स्तर से लेकर थाना स्तर तक पुलिस अधिकारियों सक्रिय भूमिका निभाने का निर्देश दिया है। इधर यातायात में बदलाव और सुरक्षा में किसी तरह की कोई चूक न हो। पुलिस ने इसके लिए भी पूरी तरह से कमर कस चुकी है। एससपी कलानिधि नैथानी ने मातहतों को निर्देशित किया है कि सुबह से लेकर अलविदा के नमाज के समापन तक सुरक्षा व्यवस्था को चाक चौबंद रखा जाए। किसी भी तरह की कोई अराजकता न फैलने पाए। साथ ही उन सभी शरारतीतत्वों पर भी निगाह रखी जाए। जिनसे सौहार्द बिगड़ने की संभावना है। उन अराजक तत्वों पर खास नजर रखने की हिदायत दी गई है, जिनका नाम पहले आ चुका है। यही नहीं इसके लिए हजारों पुलिसकर्मियों को लगाया गया है।

शिया व सुन्नी समुदाय के बीच किसी तरह की कोई बात सामने न इसके लिए जगह-जगह इसके लिए बैठकें भी आयोजित हुई हैं। थाना स्तर पर भी प्रभारी निरीक्षकों ने स्थानीय स्तर पर सामाजिक सौहार्द कायम रखने को लेकर बैठक की और सभी से क्षेत्र की फीडबैक भी ली गई। साथ ही समुदाय के लोगों से आपसी भाईचारा बनाए रखने की अपील भी हुई। राजधानी के लगभग सभी थाना क्षेत्रों में लगातार बैठके ली जा रही है। इसके अलावा सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर गश्त बढ़ाई गई है। एसएसपी ने सभी मातहत अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि जिस स्तर पर कोई भी गड़बड़ी पाई जाएगी उस स्तर के अधिकारी को जिम्मेदार माना जाएगा। उसके साथ कड़ी कार्रवाई होगी। वहीं अराजकता, माहौल बिगाड़ने वालों को बख्शा नहीं जाएगा।

मड़ियांव में टप्पेबाज महिलाएं जेवर व नकदी लेकर चंपत

लखनऊ। मड़ियांव थाना क्षेत्र के विवेकानंदपुरी रैथा रोड की रहने वाली एक महिला से दो टप्पेबाज महिलाओं ने अनहोनी का डर दिखा कर जेवर उतरवा लिए साथ ही उसके पास मौजूद नकदी भी ले ली और फरार हो गईं। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। रैथा रोड स्थित विवेकानंदपुरी कॉलोनी में सुजीत परिवार के साथ रहते हैं। गुरुवार की दोपहर सुजीत की पत्नी मंजू घर के एक हिस्से में स्थित किराने की दुकान पर बैठी थी तभी दो महिलाएं आईं। दोनों महिलाओं ने मंजू के परिवार पर भारी संकट आने का भय दिखाया। जिसके बाद पहने हुए जेवर उतार कर उनकी पूजा करने की बात कही। झांसे में आई मंजू ने कान में पहने हुए दो जोड़ी बाली व तीन सौ रुपये पूजा करने के लिए दोनों महिलाओं को थमा दिया। जिसे उन्होंने कागज की पुड़िया में रखकर मंजू को वापस दे दिया और उन लोगों के जाने के बाद खोलने को कहा। जब मंजू ने पुड़िया खोली तो उसमें से जेवर और नकदी गायब थी।

चुनावी रंजिश को लेकर दो पक्षों में चले लाठी-डंडे

● आधा दर्जन चोटिल, पुलिस ने दोनों पक्षों की रिपोर्ट दर्ज कर पड़ताल शुरू की

सरोजनीनगर। बंथरा इलाके में चुनावी रंजिश को लेकर बुधवार रात दो पक्षों में जमकर मारपीट हो गई। इस दौरान दोनों पक्षों की तरफ से एक दूसरे के ऊपर जमकर लाठी-डंडे चले और पत्थरबाजी की गई। यही नहीं चाकूबाजी करने के साथ ही महिलाओं से भी अभद्रता हुई। घर का सारा सामान और स्कार्पियो वाहन तक क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इस घटना में दोनों पक्षों के करीब आधा दर्जन लोग चोटिल हो गए। बाद में सूचना पाकर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामले को शांत कराया। फिलहाल पुलिस ने दोनों ओर से रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। बंथरा के पहाड़पुर गांव निवासी आशु सिंह के मुताबिक बीते ग्राम प्रधान चुनाव को लेकर उसके चाचा कृष्ण पाल सिंह और गांव के ही अजीत सिंह के बीच रंजिश चल रही है। आशु का कहना है कि बुधवार रात करीब साढ़े नौ बजे कृष्ण पाल सिंह अपने बेटे अरुण सिंह के साथ घर के दरवाजे पर मौजूद थे। तभी असलहों से लैस गांव के ही लव कुश, शिवमंगल, अनुपम सिंह व सुजीत सहित कई अन्य साथियों के साथ पहुंचे अजीत ने कृष्णपाल सिंह से गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोप है कि कृष्ण पाल ने विरोध किया तो अजीत ने अपने साथियों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से कृष्णपाल और उसके बेटे अरुण की वहीं पर जमकर पिटाई कर दी। इसी बीच सभी आरोपी कृष्ण पाल सिंह के घर में घुस गए और महिलाओं को भी पीटने के साथ ही उनके गले में पड़ी सोने की चेन और 4 हजार रुपये की नकदी लूट ली।

सीएमएस छात्र का स्कॉलरशिप के साथ चयन

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, महानगर कैम्पस के मेधावी छात्र असीम मिश्रा ने उच्च शिक्षा हेतु अमेरिका के 7 प्रतिष्ठित विश्वविद्यालयों में स्कॉलरशिप के साथ चयनित होकर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस मेधावी छात्र को चार वर्षीय शिक्षा अवधि के लिए अमेरिका की पेस यूनिवर्सिटी द्वारा 72,000 अमेरिकी डालर, फ्लोरिडा इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी द्वारा 40,000 अमेरिकी डालर, यूनिवर्सिटी ऑफ सिनसिनाटी द्वारा 40,000 अमेरिकी डालर, यूनिवर्सिटी ऑफ साउथ फ्लोरिडा द्वारा 36,000 अमेरिकी डालर, यूनिवर्सिटी ऑफ इलिनोईस, शिकागो द्वारा 24,000 अमेरिकी डालर, यूनिवर्सिटी ऑफ यूटाह द्वारा 20,000 अमेरिकी डालर एवं वाशिंगटन स्टेट यूनिवर्सिटी द्वारा 16,000 अमेरिकी डालर की स्कॉलरशिप से नवाजा गया है। इस प्रकार इस प्रतिभाशाली छात्र ने अपने मेधात्व एवं शैक्षिक उत्कृष्टता के दम पर विदेश में स्कॉलरशिप के साथ उच्चशिक्षा हेतु चयनित होकर विद्यालय का नाम रोशन किया है।

तस्कर गिरफ्तार, साढ़े पांच कुंतल ब्राउन शुगर बरामद

लखनऊ। एसटीएफ ने अंतर्राज्यीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी करने वाले बाराबंकी के एक तस्कर को साढ़े पांच किलो ब्राउन शुगर के साथ लखनऊ के समता मूलक चौराहे के पास से गिरफ्तार किया। एसटीएफ के अनुसार बरामद ब्राउन शुगर की अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब छह करोड़ रुपए है। एसटीएफ को सूचना मिली कि मो. इस्लाम निवासी ग्राम चंदौली, जैदपुर, बाराबंकी अवैध मादक पदार्थ लेकर अपने गांव चंदौली, जैदपुर जाने वाला है। पता चला कि इस समय वह समतामूलक चौराहे के पास है। एसटीएफ की टीम ने नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो को साथ लेकर समतामूलक चौराहे से मो. इस्लाम को गिरफ्तार किया। पूछताछ में मो.इस्लाम ने बताया कि हम लोगों का एक संगठित गिरशाह है जो मादक पदार्थों की तस्करी करता है। जिसका सरगना वह स्वयं है तथा उसका पार्टनर अलीम उर्फ साधू निवासी टिकरा, जैदपुर तथा जाबिर निवासी चंदौली, जैदपुर है। जो अनेकों कैरियर्स के माध्यम से अवैध मादक पदार्थ दिल्ली, पश्चिम बंगाल, बिहार, आसाम, मणिपुर, उत्तर प्रदेश सहित देश के अनेकों प्रांतों में भेजता है। अवैध मादक पदार्थों के इस अवैध कारोबार में पैसों का लेन-देन बैंक खातों और हवाला के माध्यम से किया जाता है।

एसी जनरथ व पिंक श्रेणी की बसें यात्रियों को पहुंचाएंगी राहत

लखनऊ। राजधानी से कई मार्गों पर संचालित कई वोल्वो बसों का संचालन 1 जून से बंद हो जाएगा। लखनऊ परिक्षेत्र की करीब 20, गाजियाबाद की पांच एवं वाराणसी परिक्षेत्रों की आठ बसें इसमें शामिल हैं। इन बसों का संचालन बंद होने से यात्रियों को कोई दिक्कत न हो, इसके लिए निगम प्रशासन ने कई मार्गों पर अतिरिक्त बसों का संचालन कराए जाने का निर्णय लिया है। क्षेत्रीय प्रबंधक पल्लव बोस ने बताया कि कई एसी बसों के फेरों में बढ़ोत्तरी करने के साथ ही कई मार्गों पर एसी जनरथ व पिंक बसों की संख्या बढ़ाए जाने का भी निर्णय लिया गया है। जिससे की यात्री बिना किसी दिक्कत के आसानी से गंतव्य तक पहुंच सकें।

माल में 30 घरों से टप्पेबाज बटोर ले गए जेवर और बर्तन

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● पुराने जेवर व बर्तनों के बदले उतने ही वजन के नए जेवर और बर्तन देने का दिया झांसा

माल थाना क्षेत्र के गुमसेना गांव में शातिर टप्पेबाज फेरी लगाकर 30 घरों से पुराने जेवर, कपड़ा और बर्तन बटोरकर चंपत हो गए। आरोपितों ने पीड़ितों को पुराने माल के बदले उतने ही वजन के नए माल को इनाम के साथ वापस करने का झांसा दिया था। घटना के पांच दिनों बाद भी आरोपितों के वापस न लौटने पर पीड़ितों को ठगी का एहसास हुआ। जिसके बाद से यह सामूहिक टप्पेबाजी की घटना पूरे इलाके में चर्चा का विषय बन गई है। ग्रामीणों के मुताबिक कुछ दिनों पहले दो पुरुष, दो महिलाएं व दो किशोरियां माल के गुमसेना गांव में आए थे। ग्रामीणों के सामने खुद को व्यापारी बताते हुए उन्हें विश्वास में लिया। ग्रामीणों के साथ घुलने मिलने के बाद उन्होंने बताया कि वह पुराने कपड़े, जेवर और बर्तनों को खरीदते हैं। जिन्हें वह उतने ही वजन के नए बर्तन और जेवर बना कर वापस कर जाते हैं। इतना ही नहीं टप्पेबाजों ने यह भी झांसा दिया कि ज्यादा माल देने वालों की कंपनी की तरफ से 10 हजार से लेकर 25 हजार रुपये तक का नकद इनाम भी दिया जाता है।

123 किमी की रफ्तार से दौड़ी विद्युत इंजन युक्त ट्रेन

● निरीक्षण के बाद मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त ने 110 किलोमीटर की रफ्तार से विद्युत ट्रेनों के संचालन के लिए ट्रैक को दी मंजूरी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

रेल संरक्षा आयुक्त एसके पाठक ने गुरुवार को उतरेटिया से श्रीराजनगर डबल लाइन रेल विद्युतीकरण रेल खंड का निरीक्षण किया। रेल संरक्षा आयुक्त विशेष ट्रेन के जरिए सुबह करीब दस बजे बछरावां रेलवे स्टेशन पहुंचे। जहां से उन्होंने रेल विकास निगम लिमिटेड के वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में विशेष ट्रेन के जरिए सुबह 10.40 बजे निरीक्षण प्रारम्भ किया जो 13.20 बजे उतरेटिया स्टेशन पर आकर समाप्त हुआ। इस दौरान रेल संरक्षा आयुक्त ने रेलखंड पर पड़ने वाले सभी समपार फाटकों, क्रासिंगों व स्टेशनों को गहनता से निरीक्षण किया।

उतरेटिया पहुंचने के के बाद रेलवे संरक्षा आयुक्त ने दोपहर 1.55 बजे विद्युत इंजन युक्त विशेष ट्रेन के माध्यम से उतरेटिया से बछरांवा तक डाउन लाइन से 123 किलोमीटर प्रति घंटा की स्पीड से ट्रायल कर करेंट कलेक्शन टेस्ट किया गया व बछरांवा 2.20 बजे पहुंचा एवं वापसी में अप लाइन से बछरांवा से स्पीड ट्रायल रन करेंट कलेक्शन टेस्ट के साथ 3.10 बजे प्रारम्भ किया गया जो 122 किलोमीटर प्रति घंटा की रफ्तार से उतरेटिया आकर 3.35 बजे समाप्त हुआ । निरीक्षण के दौरान डायरेक्टर प्रोजेक्ट रेल विकास निगम आनंद कुमार व प्रमुख कार्यकारी निदेशक विद्युत रेल विकास निगम लिमिटेड नई दिल्ली दिनेश चंद्र पांडेय, प्रमुख कार्यकारी निदेशक सिग्नल -दूरसंचार संजय डुंगराकोटी, मुख्य परियोजना अधिकारी रेल विकास निगम संजीव सहगल सहित रेल डिवीजन एवं रेल विकास निगम के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे । निरीक्षण के बाद मुख्य रेल संरक्षा आयुक्त द्वारा 110 किलोमीटर की रफ्तार से विद्युत ट्रेनों के संचालन के लिए ट्रैक को मंजूरी दे दी गई है। अब जल्दी ही रेल प्रशासन लखनऊ से वाराणसी रेल खंड पर रायबरेली, अमेठी, प्रतापगढ़, जंघई के रास्ते विद्युत ट्रेनों के संचालन के बावत अनुमति दी जाएगी। अनुमति मिलते ही इस मार्ग पर अभी तक डीजल इंजन से दौड़ रही करीब 15 ट्रेनों का संचालन डीजल के स्थान पर विद्युत इंजन से किया जाएगा।

IS 15700:2005 सेवोत्तम प्रमाणित

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता,
विद्युत/यांत्रिक-इकाई, ग्लोबल सेल
नीलगिरी काम्पलेक्स, इन्दिरा नगर, लखनऊ. e-mail: globalem@upavp.com

भारतीय मानक ब्यूरो IS 15700 SQMS

पत्र सं0- 992/AC-3/280 दिनांक- 30.05.2019

ई-निविदा सूचना

अधोहस्ताक्षरी द्वारा परिषद में पंजीकृत फर्मो से निम्नलिखित कार्यो हेतु ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है-

क्र. सं.	कार्य का विवरण	कार्य की अनुमानित लागत (रू0 लाख में)	धरोहर धनराशि (रु0 लाख में)	निविदा प्रपत्र मूल्य 12% GST सहित (रूपये में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	ई-निविदा डाउनलोड करने की तिथि	टेक्निकल बिड खुलने की तिथि व समय	संबंधित खण्ड का नाम/वृत्त का नाम
1	राजकीय महाविद्यालय जमुनहा जनपद श्रावस्ती में आन्तरिक विद्युतीकरण का कार्य।	45.00	0.90	1680.00	6 माह	04.06.2019	21.06.2019 11:00 AM	वि0/यां0-इकाई, ग्लोबल सेल/ संयुक्त निदेशक (मध्य/पश्चिम -प्रथम) लखनऊ/ गाजियाबाद।
2	दीवान शत्रुघन सिंह संयुक्त चिकित्सालय, हमीरपुर में सम्बन्धित चिकित्सालय से 132 के0वी0 सबस्टेशन पतारा तक 33 के0वी0 स्वतंत्र फीडर का निर्माण कार्य।	575.00	11.50	8400.00	6 माह	04.06.2019	21.06.2019 11:00 AM	
3	50 शैय्या चिकित्सालय किठोर जिला मेरठ में निम्न कार्य-							
अ	अवशेष आन्तरिक विद्युतीकरण	30.00	0.60	1680.00	6 माह	04.06.2019	21.06.2019 11:00 AM	
ब	62.5 के0वी0ए0 डी0जी0 सेट की आपूर्ति एवं संस्थापन	10.00	0.20	560.00	6 माह	04.06.2019	21.06.2019 11:00 AM	

नियम एवं शर्ते :-

1. निविदा से सम्बन्धित प्रपत्र का मूल्य व धरोहर धनराशि आर0टी0जी0एस0 के माध्यम से इलाहाबाद बैंक, इन्दिरा नगर, लखनऊ के खाता सं0-50141297464 आई.एफ.एस.सी. कोड-ALLA0211142 में निविदा खुलने से एक दिन पूर्व विद्युत/यांत्रिक-इकाई के उपरोक्त खाते में जमा किया जाना अनिवार्य होगा, जिसके अभाव में निविदा पर विचार किया जाना सम्भव नहीं होगा।
2. यह प्रपत्र एन0आई0सी0 की वेबसाईट www.upavp.com के निविदा लिंक पर उ0प्र0 इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन की वेबसाईट https://etender.up.nic.in पर देखे जा सकते हैं। इच्छुक ठेकेदारों से अनुरोध है कि व नियमितरूप से उक्त वेब साईट पर देखते रहें क्योंकि निविदाओं के सम्बन्ध में कोई बदलाव अथवा सूचना वेबसाईट पर उपलब्ध करायी जायेंगी। डिजिटल सिग्नेचर धारक ठेकेदारों द्वारा ही ऑनलाइन निविदा डाली जा सकती है।
3. निविदादाता फर्म का आयकर विभाग में पंजीकरण होना अनिवार्य होगा। उसके सभी देयकों से नियमानुसार आयकर सेस टैक्स एवं अन्य कोई कर जो राज्य/केन्द्र सरकार द्वारा लागू की जाती है, की नियमानुसार कटौती की जायेगी। जी0एस0टी0 अतिरिक्त देय होगी।

अधिशासी अभियन्ता

गंगा नहाने गए आठ किशोरों में दो डूबे

संवाददाता। ऊंचाहार

दोनों शवों को कब्जे में लेकर पुलिस ने पीएम के लिए भेजा

ऊंचाहार कोतवाली के अन्तर्गत गंगा नहाने के लिए बडापुरवा के निकट गंगा उसपार नहाने आए आठ बच्चों में दो किशोर गंगा में समा गए जिसमे एक का शव बुधवार की सांय मिला जबकि दूसरे किशोर का शव गुरुवार के दिन बडापुरवा व जार्जीगण के मध्य मिला है। शव मिलने के बाद दोनों शवों को पुलिस पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है।

बताते चलें कि जिला फतेहपुर के थाना हथगांव के गांव गौराबुजुर्ग निवासी अब्दालहुसैन (15) पुत्र इकबाल, गुलाममुस्तफा (16) पुत्र क्यामुद्दीन सिद्दीकी, फिदाऊल (17) पुत्र अब्दुलहक, अमन (17) पुत्र हसनैन, कैफ (15) पुत्र जनाऊद्दीन, अयान (16) पुत्र अफ्सर, महताब (15) पुत्र छेदू ऊंचाहार कोतवाली के गांव बडापुरवा के ठीक सामने गंगा उसपार गंगा स्नान कर रहे थे। वे हिरमंजी को गंगा मे बहाबहा कर तुत्फले रहे थे। उसी दौरान सभी डूबने लगे। वहां पर मौजूद केवटों द्वारा जब तक डूब रहे किशोरों को गंगा के दलदल से बचाया जाता तब तक अब्दाल हुसैन व गुलाममुस्तफा गंगा मे समा गए। अथक प्रयाष के दौरान बुधवार की देर सांयकाल गोताखोरों के माध्यम से गुलाममुस्तफा का शव बरामद कर लिया गया था जबकि गुरूवार के दिन सुबह अब्दालहुसैन का शव बड़ापुरवा व जार्जीगढ के मध्य ऊंचाहार कोतवाली क्षेत्र मे शव को बरामद कर लिया गया है। दोनो शवो को पुलिस ने पंचनामा उपरांत पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। दोनो मृतकों के परिजनों रो-रोकर बुरा हाल था। हालांकि मृतकों के परिजन दोनों किशोर की हत्या की बात कर रहे थे जबकि पुलिस डूबने की बात कही है। कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

ऊंचाहार कोतवाली में पीस कमेटी की बैठक संपन्न

ऊंचाहार। सुरक्षा एवं शांति व्यवस्था के मद्देनजर ऊंचाहार थाने में पीस कमेटी की बैठक संपन्न की गई। आगामी ईद के त्यौहार को देखते हुए शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना अध्यक्ष ऊँचाहार ब्रजमोहन एवं निरीक्षक तौफीक खान के द्वारा ऊँचाहार के बहेरवा सवैया हसन जमुनापुर बाबूगंज कंदरावा एवं ऊंचाहार कस्बे के सभी क्षेत्रों के सम्मानित व्यक्तियों की उपस्थिति में ईद के पर्व में शांति व्यवस्था बनाए रखने के लिए अपील की गई। हर वर्ष की भांति इस बार भी ईद के पर्व पर सीओ विनीत सिंह द्वारा बैठक की गई। बैठक में ऊंचाहार चेयरमैन शाहीन सुल्तान एवं चेयरमैन प्रतिनिधि मोहम्मद फारुक द्वारा ईद की नमाज के दिन ऊंचाहार खरौली मार्ग 2 घंटे के लिए बंद कराए जाने के लिए कहा गया क्योंकि खरौली रोड जामा मस्जिद मे नमाजियों द्वारा जगह कम होने की वजह से अंदर बैठकर नमाज पढ़ा जाना संभव नहीं है। इस कारण टेंट लगाकर सड़क पर भी बैठकर लोग नमाज अदा करते हैं। इसलिए लगभग दो घंटे खरौली-ऊंचाहार मार्ग बाधित रहेगा। इस अवसर पर चेयरमैन शाहीन सुल्तान, चेयरमैन प्रतिनिधि मोहम्मद फारुक, अमरनाथ फौजी, प्रधान बहरवा उदय भान सिंह, प्रधान मदारीपुर रमेश कुमार विश्वकर्मा, प्रधान जब्बारीपुर पवन सिंह, प्रधान कंदरावा लालू, सभासद मोहम्मद अंसार, सभासद मोहम्मद सलीम, सभासद मोहम्मद जुबैर खान, मोहम्मद इसराइल पूर्व चेयरमैन जैन बाबू सलमानी आदि उपस्थित रहे।

जोहवा नटकी में बनेगा पक्षी विहार विभागीय कार्रवाई में तेजी

डलमऊ रायबरेली। ग्राम सभा जोहवा नटकी में 500 बीघे में फैले झील का करोड़ों रुपए की लागत से जल्द ही सुंदरीकरण होने जा रहा है। वन विभाग की तरफ से इसकी प्रक्रिया तेज हो गई है। लगभग एक माह से अधिकारी उक्त गांव के चक्कर लगाकर सर्वे कर रहे है।

उक्त गांव से जुड़े ग्राम सभा देवली, मखदुमपुर, आंबा, नरसंवा तक यह झील फैली हुई है। डीएफओ तुलसीदास शर्मा ने उक्त गांव का सर्वे कर स्टीमेट तैयार कर रहे हैं। इसके लिए स्थानीय वन विभाग के अधिकारियों की लगातार क्लास ली जा रही है। शासन के निर्देश पर यह कार्यवाही तीव्र गति से दौड़ रही है। इतना ही नहीं झील में विदेशी पक्षियों के माध्यम से झील की सुंदरता आकर्षित करने के लिए मदद करेंगे।

सुविधाओं से लैस होगी जोहवा नटकी की झील

ग्राम सभा जोहवा नटकी मैं स्थित झील प्रमुख सुविधाओं से लैस होगा। वन विभाग की तरफ से उक्त झील के पास बेहतर पेड़ पौधे तथा टूरिस्टो के बैठने के लिए बेहतर चेंबर बनेंगे इतना ही नहीं झील इस पार से उस पार जाने के लिए एक पुल का निर्माण भी कराया जाएगा। झील के पास कैंटीन की व्यवस्था बेहतर दुकाने बनाई जाएंगी । वहीं उक्त गांव से मुख्य मार्ग तक बदहाल सड़कों कभी सुंदरीकरण कराया जाएगा।

क्विक न्यूज

बच्चों का स्वास्थ्य परखने पहुंची टीम तो बंद मिला खरौली आंगनवाड़ी केंद्र

ऊंचाहार। ब्लाक के अन्तर्गत गंगाकटरी क्षेत्र के आंगनवाडी केन्द्र खरौली मे सीएचसी से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अन्तर्गत स्वास्थ्य विभाग की टीम डा हेमलता पाण्डेय के नेतृत्व मे पहुंची जहां पर आरबीएसके की टीम को आंगनवाड़ी केन्द्र के बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करना था लेकिन पंचायत घर के प्रांगण मे संचालित आंगनवाड़ी केन्द्र मे ताला लगा रहने के कारण टीम को बगैर मेडिकल परीक्षण के वापस होना पडा।जिसकी रिपोर्ट टीम के चिकित्सक के द्वारा सीएचसी अधीक्षक व सीएमओ को भेजा गया है।सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि उनके विभागीय अधिकारियों को अवगत लीखित रूप में करवा दिया गया है।जिसके बाद वैधानिक कार्यवाही किया जाएगा।

मार्ग दुर्घटनाओं में वृद्ध की मौत, दो घायल

ऊंचाहार। कोतवाली के गांव बाबाकापुरवा निकट प्रयागराज से लखनऊ एनएच मार्ग पर साइकिल सवार फूले (60) निवासी रझोइयागोकुलपुर को बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। जिसके बाद वृद्ध की प्राथमिक उपचार के दौरान जिला से जवाब देने पर घायल के घर लाया गया जहां पर मौत हो गई। मौत की सूचना पर पुलिस ने शव को कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है । मृतक के नाती अनिल कुमार पुत्र रामसजीवन की तहरीर पर बाइक यूपी 33 एसी 1459 के नाम पता अज्ञात चालक के खिलाफधारा 279,304ए, 427 के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जबकि कोतवाली के गांव अरखा निकट तेज रफ्तार बाइक सवार साइकिल सवार को बचाने के चक्कर मे बाइक फिसलने पर संजय (32) पुत्र मुन्नालाल;सुनील 20वर्ष पुत्र हीरालाल निवासी बरियावां थाना नवाबगंज गंभीर घायल हो गए जिसमे दोनो घायलो को प्राथमिक उपचार के बाद सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया है। कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि मृतक मामले मे मुकदमा दर्ज कर लिया गया है जबकि घायल मामले मे जांच पडताल जारी है।

मौलाना को मारपीट कर किया घायल

ऊंचाहार। ईद के मौहल मे जहां आपसी भाईचारा का सौहार्द का संदेषा देने वाले मौलाना को मारपीट करके घायल कर देने का मामला कोतवाली पहुंचा है जिसमे पुलिस को लीखित तहरीर मिलने पर पुलिस विभागीय कार्यवाही मे जुट गई है। बताते चले कि ऊंचाहार कोतवाली मे नगर ऊंचाहार के कर्बला निवासी मौलाना दाऊद कोतवाली के ब्रम्हौली के मदरसे मे मुस्लिम बच्चों को पढाते है।जिनको कर्बला के निवासी कुछ व्यक्तियो के द्वारा मारपीट करके घायल कर दिया गया है जिनको अंदरोनी चोटे आने पर पीडित मौलाना कोतवाली पहुंचकर गुरूवार के दिन लीखित षिकायत किया है।जिसमे मौलाना ने अरोपी मारपीट करने वालों पर नषे की हालत मे बदसलूकी करने का जिक्र भी किया है।कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि जांच करके वैधानिक कार्यवाही किया जाएगा।

दलित महिला के साथ छेड़छाड़ व मारपीट, मुकदमा दर्ज

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव अकोडिया उर्फ सलीमपुरभैरो निवासिनी दलित का अरोप है कि बीते 29-03-2019 को रास्ते के विवाद मे गांव के लोगों ने छेडछाड करते हुए मारपीट किया और जान से मारने की धमकी दिया है।जिस मामले मे पुलिस ने मुकदमा दर्ज करके जांच प्रारंभ कर दिया है। कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि दलित महिला की तहरीर पर गांव नारायनपुर निवासी रामषिरोमणि;श्यामू;अनुज;मुन्नू;निषा के खिलाफ धारा 147 323 504 506 354 व एससी एसटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया गया है।एसी एसटीएक्ट का मुकदमा दर्ज होने पर मुकदमे को सीओ को विवेचना हेतु टांसफर कर दिया गया है।

चिकन पॉक्स बीमारी की चपेट में आया गौरागांव

ऊंचाहार। विकास खंड रोहनिया के अन्तर्गत गौरा मजरे मवई मे चिकनपाक्स की बीमारी से ग्रसित होने पर एक ही गांव मे कई मरीज है जिसमे पांच मरीजो का सीएचसी मे प्राथमिक उपचार किया जा रहा है। बताते चले कि ऊंचाहार कोतवाली के गांव गौरा मजरे मवई निवासी विकास 20वर्ष बालकिषुन दीपक रीता निक्की आदि को पूरे शरीर मे दाने दाने व बुखार आने पर सीएचसी ऊंचाहार मे प्राथमिक उपचार हेतु भर्ती किया गया।जहां पर पीडितो के मुताबिक पूरे गांव मे चिकनपाक्स बिमारी से हर घर प्रभावित है।जिसको लेकर सीएचसी अधीक्षक ने बताया कि हम लखनऊ मे विभागीय कार्य से आए है यहां से आने के बाद चिनकपाक्स प्रभावित गांव स्वास्थ्य विभाग की टीम भेज दिया जाएगा।

ज्वैलर्स व कपड़ा के दुकान में तीन लाख की चोरी

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव बाबूगंज निवासी विजय कुमार सोनी पुत्र पवन कुमार सोनी का बाबूगंज कस्बा मे ही कपडा व ज्वैलर्स की दुकान एक ही दुकान मे संचालित है जिसके दुकान मे बुधवार व गुरूवार के मध्य रात्रि अज्ञात चोरो के द्वारा दुकान के पीछे छत के नीचे दिवार काटकर दुकान मे घुसकर तिजोरी तोडकर चोरो के द्वारा ज्वैलर्स व सामग्री चोरी कर लिए।पीडित ने कोतवाली मे लीखित तहरीर देकर तीन लाख रूपए की नुकसान कुल होने का दावा किया है।कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि पीडित की तहरीर पर अज्ञात चोरो के खिलाफमुकदमा दर्ज करके विभागीय कार्यवाही किया जा रहा है।

सीआईएसएफ जवान के खाते से एटीएम से निकले पांच हजार

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के अन्तर्गत एनटीपीसी के सीआईएसएफ के यूनिट मे तैनात जवान मुकेश सिंह राजपूत ने लीखित शिकायत पुलिस को देकर खुद के खाते से बीते 09-04-2019 को एटीएम के द्वारा 5 हजार रूपए निकाल लिए जाने की बात कही है। इसकी लीखित शिकायत बैंक के कंट्रोल रूम मे किया गया। इसकी शिकायत संख्या 55137624448 है। उधर कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि प्रकरण की जांच पडताल किया जा रहा है।

वाहन की टक्कर से मोर की मौत

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव पूरे छिटू सिंह निकट प्रयागराज से लखनऊ एनएच मार्ग पर अज्ञात चार पहिया वाहन की टक्कर से राट्रीय पक्षी मोर की मौके पर ही मौत हे गई। ग्रामीणो की सूचना पर मौके पर पहुंची टीम ने मोर का शव कब्जे मे लेकर पोस्टमार्टम हेतु भेजा है। कोतवाली निरीक्षक ने बताया कि मोर मरने की सूचना का लीखित शिकायत वन विभाग के द्वारा नही दिया गया है शिकायत मिलने पर मुकदमा दर्ज करके वैधानिक कार्यवाही किया जाएगा।

मार्ग दुर्घटना में मोटरसाइकिल सवार युवक घायल

ऊंचाहार। कोतवाली क्षेत्र के गांव अरखा में जवाहरलाल इंटर कॉलेज के पास लखनऊ - प्रयागराज राष्ट्रीय राज्य मार्ग दो मोटरसाइकिल सवार युवक कुछ काम से ऊंचाहार आए थे। और वो ऊंचाहार से अपने घर ग्राम बरियावां थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ़ जा रहे थे। उक्त स्थान पर जब गाड़ी पहुंची तो किसी बच्चे को बचाने के चक्कर में उक्त युवक ने गाड़ी नियंत्रित करने की कोशिश की परंतु गाड़ी नियंत्रित न हो पाई और रोड से नीचे गिरे और उन्हें सामु0 स्वा0 केंद्र ऊंचाहार लाया गया जहां एक युवक संजय कुमार पुत्र मुन्नालाल निवासी बरियावा थाना नवाबगंज जनपद प्रतापगढ़ को दाहिने पैर में गंभीर चोटें आई जिससे उन्हें जिला अस्पताल रेफर करदिया गया वहीं दूसरे की हालत की स्थिर है और उसको प्राथमिक उपचार के बाद राहत मिल गई।

गांव के ही दबंगों ने किया अवैध कब्जा, शिकायत

महराजगंज रायबरेली। तहसील क्षेत्र के सेनापुर मजरे बावन बुजुर्ग बल्ला गांव निवासिनी एक महिला ने तहसीलदार महराजगंज को शिकायती पत्र देकर ग्राम समाज की सुरक्षित जमीन पर गांव के ही दबंगों द्वारा कब्जा किए जाने की शिकायत की है। मामले को गंभीरता से लेते हुए तहसीलदार विनोद कुमार सिंह ने कोतवाली पुलिस व राजस्व निरीक्षक तथा हल्का लेखपाल को मौके पर पहुंचकर जांच करने के निर्देश दिए हैं तथा ग्राम समाज की सुरक्षित जमीन पर अवैध निर्माण को गिराने की भी बात कही है। आपको बता दें कि, तहसीलदार विनोद कुमार सिंह को पीड़ित द्वारा दिए गए शिकायती पत्र में श्यामा देवी पत्नी स्वर्गीय रामनेवाज सिंह ने कहा है कि, गांव के ही राज बक्स सिंह द्वारा ग्राम समाज की सुरक्षित जमीन व खाद के गड्ढे पर जबरन नींव खोदकर अवैध निर्माण करवाने का प्रयास किया जा रहा है। जबकि वर्तमान खतौनी में यह भूमि खाद गड्ढों के रूप में अभिलेखों में दर्ज है। गौरतलब हो कि, यदि जल्द प्रशासन ने सरकारी जमीन पर कब्जा करने वालों पर कार्यवाही ना की तो भू माफिया किसी भी अप्रिय घटना को अंजाम दे सकते हैं।

जिला उद्योग बन्धु की बैठक संपन्न

रायबरेली। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने निर्देश दिये है कि अधिकारी उद्यमियों की समस्याओं को किसी भी दशा में लम्बित न रखें उन्हें सामान्जस्य बनाकर तत्काल निराकरण करें। उद्यमी क्षेत्रों में साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखा जाये। जिलाधिकारी निर्देश पर कलेक्टेऊट के बचत भवन सभागार में जिला उद्योग बन्धु की बैठक एडीएम प्रशासन राम अभिलाष की अध्यक्षता में सम्पन्न की गई। एडीएम ई द्वारा औद्योगिक क्षेत्र की साफ-सफाई के लिए सप्ताह में एक दिन का समय विशेष रूप से निर्धारित करते हुए ईओ नगर पालिका को निर्देश दिये साथ ही साफ-सफाई हेतु सफाई कर्मचारियों की संख्या बढाने के निर्देश भी दिये। औद्योगिक क्षेत्र में अतिक्रमण, साफ-सफाई, विद्युत अपूर्ति पैमाइश, ऑनलाइन आवेदन पत्र, कानून एवं शान्ति व्यवस्था आदि के सम्बन्ध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गई। बैठक में उपायुक्त सविता भारती, महेश चन्द्र सरोज, रणविजय सिंह, सीओ सीटी गोपीनाथ सोनी सहित एडी सूचना

पारिवारिक कहासुनी में विवाहिता ने जहरीला पदार्थ खाया

महाराजगंज रायबरेली। कोतवाली क्षेत्र के पहाड़पुर गांव में पारिवारिक कहासुनी से क्षुब्ध होकर विवाहिता ने मंगलवार की देर रात्रि 12:00 बजे के करीब कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजनों ने 108 एंबुलेंस के जरिए विवाहिता को आनन फानन सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने प्रारंभिक इलाज के बाद उसे जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। समाचार लिखे जाने तक विवाहिता की हालत नाजुक बनी हुई थी। कोतवाली क्षेत्र के पहाड़पुर गांव निवासी शालिनी (20) पत्नी शिवकुमार ने मंगलवार की देर रात्रि परिजनों से हुई कहासुनी से नाराज होकर रात्रि 12:00 बजे के करीब कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ते ही परिजनों ने 108 एंबुलेंस को फोन कर बुलाया रात्रि एक बजे सीएचसी पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने प्रारंभिक इलाज के बाद उसकी गंभीर हालत को देखते हुए जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया है।

नगर पालिका अध्यक्ष ने किया क्षेत्र का औचक निरीक्षण

रायबरेली। नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव व प्रतिनिधि मुकेश श्रीवास्तव ने आज नगर पालिका क्षेत्र के छेदी का पुरवा बरखापुर, बालापुर चतुर्भुजपुर में औचक निरीक्षण कर जनता की समस्याओं को समझा और उसका निराकरण करने का आश्वासन दिया। उनके साथ नगर पालिका ईओ सहित जेल व समस्त स्टाफ मौजूद रहा। नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव ने आज शहर के बरखापुर, बालापुर, चतुर्भुज पुर में साफ-सफाई, जल व्यवस्था आदि का निरीक्षण कर लोगों से उनकी समस्याओं को जान कर निस्तारण के लिए जलकल जियालाल राज्य निर्माण धीरज यादव को निर्देशित किया और कहा कि शहर में किसी प्रकार की समस्या को तुरंत निस्तारित कराया जाए। नगर पालिका प्रतिनिधि मुकेश श्रीवास्तव भी मौके पर मौजूद रहे। लोगों ने नगर पालिका क्षेत्रों में आ रही जनसमस्याओं को भी बताया। इस पर प्रतिनिधि ने सदर क्षेत्र मे आ रही समस्याओ के निस्तारण करने की बात कही। उनका कहना है की रायबरेली सदर सबसे आदर्श व सुदंर होगा। इसके लिए वह प्रतिबद्ध हैं। ऐसे मे हर प्रयास जारी है और नगर वासियो से भी उन्होने अनुरोध किया है कि अपने आसपास के इलाके मे सफाई रखें। किसी भी प्रकार की समस्या होने पर सूचना दें जिससे उचित कार्यवाही की जा सके। इस अवसर पर ईओ नगर पालिका बालमुकुंद मिश्रा, आशुतोष सिंह, प्रदीप सिंह, जय निर्माण, जियालाल जय जलकल धीरज यादव सहित सभा सत्यनी सिंह अजीत मौर्य रामखेलावन अमर चौधरी नरेंद्र तिवारी सहित सैकड़ों लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय स्वास्थ मिशन के तहत आशा बहुओं का प्रशिक्षण संपन्न

डलमऊ रायबरेली। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत आशा माड्यूल प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र डलमऊ में आयोजित किया गया जिसमें समाज में महिलाओं के साथ हो रहे पारिवारिक और सामाजिक हिंसा के विरुद्ध सामूहिक प्रयास के उद्देश्य के साथ निराकरण का प्रशिक्षण कार्यक्रम किया गया। इसमें आशा बहू अपने-अपने क्षेत्र में घर घर जाकर महिलाओं की समस्याओं की जानकारी के साथ उनके निराकरण के लिए सामूहिक प्रयास करेंगी। कार्यक्रम में मास्टर ट्रेनर के रूप में मौजूद स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी डलमऊ ललित कुमार मिश्रा ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत महिला हिंसा के विरुद्ध सामूहिक प्रयास का 30 दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन शासन के निर्देश पर आयोजित किया जा रहा है जिसमें आशा बहुओं के 6 बैचो में प्रशिक्षण दिया जाएगा। एक बैच का प्रशिक्षण 5 दिन का होगा। मौजूद स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ. विनोद सिंह चौहान ने मौजूद आशा बहुओं को अपने कार्य क्षेत्र के गांव में घर घर जाकर महिलाओं की समस्याओं की जानकारी करते हुए एक सामूहिक प्रयास के माध्यम से उसके निराकरण करने की अपील की। मौके पर मौजूद मास्टर ट्रेनर विपिन सनी वेद प्रकाश और उर्मिला ने कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि आज के परिवेश में जहां महिलाओं पर पारिवारिक और सामाजिक हिंसा के द्वारा प्रताड़ित किया जा रहा है ऐसी प्रताड़ित महिलाओं को चिन्हित कर हम उन्हें एक सामूहिक प्रयास के माध्यम से उन पर किए जा रहे हिंसा का निराकरण करेंगे और महिलाओं को सशक्त बनाने के साथ साथ उनकी गरिमा को बरकरार रखने में अपना संपूर्ण योगदान देंगे। इस मौके पर सावित्री आरती माही दरक्षा कल्पना कामिनी कमलेश कुमारी आदि मौजूद रहे।

अनाथों की जीवनशैली कष्टकारी, समाज को भी आगे आने की जरूरत

लालगंज रायबरेली। थाना क्षेत्र के फ्तेहपुर रोड सेमरपहा में एक अनाथालय है जिसने कई बेसहारा बच्चों को सहारा दिया हुआ है। इन बच्चो की देख भाल अल्का मोर्या नामक महिला करती है। आश्रम की सहायता हेतु जब संचालिका ने पत्रकार व समाजसेवी विनीत मिश्रा से सम्पर्क किया तो उन्होंने अनाथालय जाकर स्थितियों का जायजा लिया और बच्चो को मिठाईयां और उपहार वितरित किये। यही नहीं विनीत मिश्रा ने अनाथालय के बच्चो के लिए साल भर का राशन भी दिया और भविष्य में भी हर संभव मदद करने का आश्वासन दिया।अगर पत्रकार विनीत मिश्रा की तरह और लोग भी इन अनाथ बच्चों के लिए थोड़ी थोड़ी सहायता भी करे तो इन अनाथ बच्चों का भविष्य उज्वल हो सकता है। इस मौके पर जब संवाददाता ने विनीत मिश्रा से बात की तो उन्होंने कहा कि आज वर्तमान समय में जिस तरह से समाज में गैर बराबरी और अमीर गरीब की खाई बढ़ रही है वो चिंताजनक है।हमारे लोकतन्त्र में आज भी बड़ी संख्या ऐसे लोगों की है जो अनाथ है। वे अनाथ है, बेसहारा है, इनकी सुनने वाला कोई नहीं है। हमें उन अनाथ बच्चों को अपनाना होगा और उनकी बेहतरी के लिए कुछ न कुछ प्रयास करना होगा। एकात्म मानववाद् और अन्त्योदय के सिद्धांत पर चलना आज समय की जरुरत है।

मारपीट का मामला दर्ज

लालगंज रायबरेली। लालगंज कोतवाली क्षेत्र के गुंदापुर मजरे भीरा गोविन्दपुर की दलित बालिका को मारने वालों के खिलाफ पुलिस ने हरिजन एक्ट का मुकदमा दर्ज किया है। मामले मे पीडित लडकी के पिता राम मनोहर ने तानसेन पुत्र महारथी के खिलाफ मारपीट किये जाने के बाबत मुकदमा दर्ज कराया है।

जान से मारने की दी धमकी

लालगंज रायबरेली। सेमरपहा गांव निवासी राजेन्द्र कुमार अवस्थी पुत्र राज नारायण ने गांव के ही गोकुल पुत्र गणेस बाजपेयी और बबलू कुमार के खिलाफनीम का पेड काटे जाने के बाबत लालगंज कोतवाली मे मुकदमा दर्ज कराया है। राजेन्द्र का कहना है कि गोकुल ने उनका नीम का पेड़ काट लिया है। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी दी है।

अपहरण मामले में रिपोर्ट दर्ज

लालगंज रायबरेली। कोतवाली लालगंज क्षेत्र के एक गांव की महिला शारदा देवी ने नवाबगंज बिहार के कृष्ण कुमार और चांदपुर डलमऊ के अरमान अली के खिलाफ लडकी के अपहरण के बाबत मुकदमा पुलिस मे दर्ज कराया है।मामले की जांच पुलिस कर रही है। शीघ्र ही आरोपियो के पकडे जाने की सम्भावना पुलिस ने व्यक्त की है।

किसान बेहाल, नहरों में नहीं पहुंच रहा हेड से टेल तक पानी

बछरावां रायबरेली। बछरावां क्षेत्र को धान का कटोरा कहा जाता है। किसानों की मुख्य फसल धान है। इसी पर उनकी पूरी जीविका निर्भर करती है। वही इस समय धान की नर्सरी करने का पीक समय है। नहरों में सफाई न होने के कारण हेड से टेल तक पानी नहीं पहुंच रहा है। कैसे किसानों की धान की नर्सरी होगी, किसान परेशान है। विडंबना तो यह है कि बछरावां ब्लॉक के विशुनपुर ग्राम सभा से होकर निकलने वाली अल्पिका की विगत 10 वर्षों से अधिक समय से सफाई न होने के कारण नहर पटी पड़ी है। केवल हेड के कुछ हिस्सों में ही पानी पहुंच पाता है। बाकी हिस्सों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है। अभी पिछले वर्ष बिशनपुर गांव के किसानों ने चंदा लगाकर लगभग दो किलोमीटर तक की नहर की सफाई कराई थी। क्या इसी तरीके से किसानों की आय दोगुनी होती रहेगी। इस तरीके से तो किसानों कि जो भी आय होगी वह नहर की सफाई में ही लग जाएगी। इसी तरह से बछरावां रजबहा राजामऊ और उससे निकलने वाली अल्पिका की कहीं सफाई नहीं कराई गई। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश के कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने सिंचाई विभाग को निर्देशित किया था कि इस बार समय से पूर्व टेल से लेकर हेड तक की सफाई की जाए। लेकिन इन भ्रष्ट और निकम्मे अधिकारी व कर्मचारी उनके आदेश को ताक पर रखकर मनमाना पर उतारू हैं। उन्होंने आदेश में यह भी बताया था की टीमें बनाकर नहर सफाई की पूरी निगरानी भी की जाएगी। लेकिन उनकी यह व्यवस्था धरातल पर टाय टाय फिस साबित रही। क्षेत्र के हजारों किसान सूखी नहर देखकर बेहाल हो रहे हैं और नर्सरी का पीक समय निकल रहा है। वहीं दूसरी तरफ जिन किसानों ने धान की नर्सरी की है वे अपनी नर्सरी को आवारा जानवरों से बचाने के लिए इस भीषण गर्मी में रात दिन चौकीदारी कर रहे हैं।

सभासद ने रोजा इफ्तार पार्टी का किया आयोजन

बछरावां रायबरेली। नगर पंचायत बछरावां के वार्ड नंबर 9 के सभासद शकील मंसूरी जो कि समाजवादी पार्टी बछरावां के महासचिव भी हैं।उन्होंने अपने आवास पर रोजा इफ्तार पार्टी का आयोजन किया। जिसमें पूर्व विधायक रामलाल अकेला एवं बछरावां नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी सहित सैकड़ों की संख्या में हिंदू मुस्लिम भाई इफ्तार पार्टी में एकत्र हुए। इसके बाद नमाज में मुल्क की तरक्की व अमन चैन की दुआ की गई। रोजा इफ्तार पार्टी द्वारा आपस में प्रेम भाईचारा सहयोग की भावना का विकास होता है। क्योंकि इस्लामी महीने का सबसे पवित्र महीना माहे रमजान इस समय चल रहा है।रमजान रोजेदारों को खुद में सुधरने का मौका देता है इसमें दूसरों को नसीहत देने के बजाय अपनी कमियों का सुधारने के बहुत अच्छे आसार रहते हैं। रमजान का महीना शांति प्रेम एवं भाईचारे का पैगाम देता है इसी माह में अल्लाह के पवित्र किताब कुरान शरीफ नाजिल हुई थी।इस पवित्र महीने में एक नेकी करने के बदले कई गुना सबाब मिलता है यह महीना लोगों को इंसानियत का पैगाम देता है।सभासद शकील मंसूरी ने बताया कि बछरावां कस्बे में हम सभी हिंदू मुस्लिम भाई एक साथ सभी त्योहार मिल बांट कर हंसी खुशी के साथ मनाते हैं।चाहे होली दीपावली हो या ईद बकरीद हो और इसी के साथ साथ हम लोग एक दूसरे के सुख दुख में भी शरीक होते हैं। रामलाल अकेला ने कहा रमजान का पवित्र महीना आपस में प्रेम व भाईचारे का पैगाम देता है। इसलिए सब लोग संयमित रहो और संगठित रहो।वही नगर पंचायत अध्यक्ष शिवेंद्र सिंह उर्फ रामजी ने आए हुए रोजेदारों का इस्तकबाल किया।और उनका आभार व्यक्त किया। इस रोजा इफ्तार पार्टी में प्रमोद चौधरी रामकिशोर चौधरी सतीश पासवान विनोद सोनी अशोक कुमार वर्मा वरिष्ठ लिपिक अशोक शुक्ला ज्ञान चौधरी आदि सैकड़ों गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

राम मंदिर करोड़ों हिन्दुओं की आस्था और धर्म से जुड़ा विषय है: चम्पत राय

लालगंज रायबरेली। अयोध्या का राम मन्दिर कराड़ों हिन्दुओं की आस्था और धर्म से जुड़ा विषय है। विश्व हिंदू परिषद राम मन्दिर निर्माण के लिये कटिबद्ध है। एक बार कोर्ट का निर्णय आ जाये उसके बाद विहिप स्वयं निर्णय ले लेगा। उक्त बातें विहिप के अन्तर्राष्ट्रीय उपाध्यक्ष चम्पत राय ने लालगंज मे आयोजित पत्रकार वार्ता मे कही। विहिप उपाध्यक्ष लालगंज के विद्या मन्दिर मे चल रहे दुर्गा वाहिनी के शौर्य प्रशिक्षण शिविर मे हालचाल लेने पहुंचे थे। दुर्गा वाहिनी के प्रशिक्षण शिविर के बाबत बोलते हुये श्रीराय ने कहा कि 40 जगहों पर शिविर लगे है। जूनियर पास से लेकर स्नातकोत्तर तक की बालिकाएं शिविर मे भाग ले रही हैं।' शिविर का उद्देश्य महिला कार्यकर्ता तैयार करना है। उन्होंने कहा कि जैसी माता वैसा परिवार और वैसी संतानें होती हैं।' शिविर के माध्यम से बालिकाओं को सदगुणी, निपुण व निडर बनाया जाता है। शिविर सामूहिक जीवन जीने की कला है। राम मन्दिर कब बनेगा इस बाबत बोलते हुये चम्पत राय ने कहा कि राम मन्दिर का मुद्दा छोटा विषय है। गम्भीर विषय नही है। मन्दिर को विदेशी आक्रांता बाबर ने तोड़ा था। सरकार को चाहिये हमारी जमीन हमें वापस करे। हम मन्दिर बनवा लेंगे। विहिप भारत सरकार और न्याय पालिका के बीच टकराव नहीं चाहता है। कोर्ट में मुकदमा तो राम मन्दिर के बाबत था लेकिन कोर्ट के द्वारा राम मन्दिर जन्म भूमि को तीन हिस्सों मे बांट दिया गया जिससे करोड़ों हिन्दुओ की आस्था पर चोट पहुंची है। विहिप बंटवारे के खिलाफ है। काशी व मथुरा के मन्दिरों के बाबत पूछने पर उन्होने कहा कि पहले राम मन्दिर का निर्माण करना प्राथमिकता है। उसके बाद काशी और मथुरा देखे जायेंगे। उन्होंने बनारस के बाबा विश्वनाथ मन्दिर का मोदी सरकार के द्वारा कायाकल्प किये जाने के बाबत सरकार के प्रति आभार भी व्यक्त किया। जम्मू कस्मीर के विषय पर बोलते हुसे उन्होंने कहा कि धारा 35 ए धारा 370 से भी खतरनाक है,जिसे भारत राष्ट्र के हित में हटाया जाना बहुत जरूरी है।

इस अवसर पर संगठन मंत्री भोलेन्द्र, विहिप प्रांत मंत्री रामगोपाल ग मंत्री अजय बाबू पाण्डेय, भाजपा नेता दीपप्रकाश शुक्ला, जिलाध्यक्ष एसके अवस्थी आदि लोग मौजूद रहे।

टायर फटने से पिकअप पलटी, तीन कपड़ा व्यापारियों की मौत

संवाददाता। फतेहपुर

- दुर्घटना में चार गंभीर घायल, इलाहाबाद रिफर
- कानपुर से कपड़ा खरीदकर वापस जा रहे थे व्यापारी
- कटोघन गांव के समीप हाईवे पर हुआ हादसा

खागा कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कटोघन के समीप हाईवे पर गुरूवार की सुबह अचानक टायर फट जाने से पिकअप अनियंत्रित होकर पलट गयी। जिसमें तीन कपड़ा व्यापारियों की घटनास्थल पर ही दर्दनाक मौत हो गयी। वहीं चार लोग गम्भीर रूप से घायल हो गये। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाया गया। जहां चारों की मर्जी के अनुसार उन्हें इलाहाबाद भेज दिया गया।

जानकारी के अनुसार इलाहाबाद जनपद के डडिया निवासी राजेन्द्र पुत्र तेजल लाल 57 वर्ष, भुल्लू पुत्र दोस्त मोहम्मद 45 वर्ष निवासी अंजना चौराहा, मो0 जमील पुत्र मो0 सत्तार, सोनेलाल पुत्र विशाल निवासी सिराथू जनपद कौशाम्बी एवं मुमताज पुत्र बदरूद्दीन 42 वर्ष, निसार 40 वर्ष व सादिक 45 वर्ष सभी कपड़ा व्यापारी हैं। बताते हैं कि पिकअप से कपड़ा लेने कानपुर गये थे। आज सुबह वापस लौटते समय जैसे ही पिकअप खागा कोतवाली के कटोघन के समीप हाईवे पर पहुंची तभी अचानक अगला पहिया भस्ट हो गया। जिसके फलस्वरूप पिकअप अनियंत्रि होकर पलट गयी। जिससे मौके पर ही मुमताज, निसार व सादिक की मौत हो गयी। जबकि राजेन्द्र, भुल्लू, मो0 जमील व सोनेलाल गम्भीर रूप से घायल हो गये।

सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने आनन-फानन में सरकारी एम्बुलेन्स को बुलाकर सभी घायलों को उपचार के लिए जिला चिकित्सालय पहुंचाया। जहां घायलों की मर्जी के अनुसार ड्यूटी में तैनात चिकित्सक डा0 आशीष ने उन्हें इलाहाबाद भेज दिया। उधर मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। वहीं कुछ ही दिन बाद आने वाले ईद पर्व की खुशियां भी काफूर हो गयीं। परिजन शवों को देख कर बिलख-बिलख कर रो रहे थे। जिन्हें आस-पास के लोग ढाढंस बंधाने का प्रयास कर रहे थे लेकिन शवों को देखकर परिजनों के आंसू थमने का नाम नहीं ले रहे थे।

507 लीटर अवैध शराब के साथ एक दर्जन से अधिक गिरफ्तार

संवाददाता। फतेहपुर

शराब माफियाओं के विरूद्ध जनपद पुलिस द्वारा चलाये गये अभियान के तहत एक दर्जन थानों की पुलिस ने भारी मात्रा में अवैध शराब बरामद करते हुए कई लोगों को जेल की सलाखों के पीछे भेज दिया। जानकारी के अनुसार किशनपुर थाने के उपनिरीक्षक अखिलेश कुमार ने गश्त के दौरान फुटहा पुल ग्राम मदद अली निवासी राजाराम निषाद की पत्नी चन्द्रारानी को गिरफ्तार करते हुए उसके कब्जे से सात लीटर शराब बरामद किया है। इसी क्रम में खागा कोतवाली के उपनिरीक्षक संगम लाल प्रजापति ने गश्त के दौरान धनराज पुत्र पिताम्बर निवासी अल्लीपुर मजरे टेनी को दस लीटर शराब के साथ धर दबोचा।

उधर हुसैनगंज थाने में तैनात उपनिरीक्षक प्रवीण कुमार चक्रवर्ती ने गश्त के दौरान मुखबिर की सटीक सूचना पर अखिलेश पुत्र जियालाल निवासी औड़ेरा थाना हुसेनगंज को बीस लीटर कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया है। उधर खखरेरू थाने के एसआई सन्नेश बाबू गौतम ने सुग्रीव पुत्र लवकुश निवासी कठेरिया को पांच लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

इसी क्रम में मलवां थाने के हेड कांस्टेबिल प्रकाश सिंह ने मुखबिर की सूचना पर फूल सिंह पुत्र गोपाल सिंह निवासी दलीपुर को दस लीटर शराब के साथ धर दबोचा। उधर असोथर थाने के एसआई विजय कुमार त्रिवेदी ने गश्त करते हुए रामचन्द्र निषाद पुत्र स्व0 जागेश्वर निवासी मैकुआ पुरवा मजरे सरकण्डी को 15 लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया है। इसी प्रकार हुसैनगंज थाने के एसआई रामसूरत सिंह यादव ने शिव सिंह पुत्र लल्लू लोधी निवासी उमरपुर डेरा को दस लीटर शराब के साथ गिरफ्तार किया है।

गंगा में डूबकर दो किशोरों की मौत

फतेहपुर। हथगांव थाना क्षेत्र के ग्राम गौरा बुजुर्ग के समीप गंगा नहाने गये दो किशोरों की डूबकर मौत हो गयी। वहीं दो को मल्लाहों ने किसी तरह मचा लिया। बताते हैं कि शव आज सुबह आस-पास ही गोताखोरों ने बरामद किये हैं। जानकारी के अनुसार गौरा बुजुर्ग गांव निवासी ताज उद्दीन का 15 वर्षीय पुत्र गुलाम मुस्तफ़, इकबाल का 16 वर्षीय पुत्र अफ़ज़ल सहित आधा दर्जन से अधिक लोग गंगा किनारे रेत में तरबूज खाने गये थे। इसी बीच गुलाम मुस्तफ़, अफ़ज़ल व अन्य दो किशोर गंगा में नहाने लगे। अचानक गहरे पानी में चले जाने के कारण चारों डूबने लगे। साथ में गये साथियों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। जिस पर मौजूद मल्लाहों ने गंगा में कूदकर दो लोगों को बचा लिया लेकिन काफी देर मशक्कत के बाद भी गुलाम मुस्तफ़ व अफ़ज़ल का शव नहीं ढूढं पाये। जानकारी होने पर मौके पर पुलिस सहित मृतकों के परिजन पहुंच गये। बताते हैं कि आज सुबह गोताखोरों ने दोनों शवों को बरामद कर लिया।

घूस लेते रंगे हाथ पकड़ा गया चकबंदी कानूनगो

संवाददाता। मऊ

- एंटी करप्शन गोरखपुर की टीम ने रंगे हाथों घूस लेते हुए दबोचा
- मुकदमा दर्ज करके चिरैयाकोट थाने की पुलिस को सौंपा
- जमीन के अभिलेख में नाम दर्ज करने को लेकर मांग रहा था घूस

मऊ जिले के थाना चिरैयाकोट अंतर्गत रायपुर बाजार के पास से एंटी करप्शन गोरखपुर टीम के सदस्यों ने राजस्व अभिलेख में जमीन दर्ज कराने के नाम पर किसान से पांच हजार रुपए घूस लेते हुए चकबंदी कानूनगो को रंगे हाथ धर दबोचा। एंटी करप्शन गोरखपुर के टीम के सदस्यों ने उसके खिलाफ चिरैयाकोट थाने में धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराते हुए पुलिस को सौंप दिया। एंटी करप्शन गोरखपुर की टीम द्वारा की गई कार्रवाई से पूरे दिन अफरा-तफरी मचा रहा।

मऊ जिले के थाना चिरैयाकोट अंतर्गत ग्राम सरसेना निवासी राजकुमार राम खेती-किसनी का कार्य करके परिजनों का जीविकोपार्जन करता है। किसान राजकुमार राम ने बताया कि वर्ष 2016 में अपनी एक जमीन पर वह आजमगढ़ कमिश्नर द्वारा स्टे प्राप्त किए हुए था। लेकिन जमीन अभिलेखों में दर्ज नहीं हो पाया था।

राजस्व अभिलेख में जमीन दर्ज कराने को लेकर वह कई बार राजस्व कार्यालय का चक्कर भी लगा चुका था। इस बीच उसकी मुलाकात चकबंदी कानूनगो विजय शंकर राम से हुआ। चकबंदी कानूनगो से मुलाकात के दौरान उसने राजस्व अभिलेख में अपनी जमीन दर्ज कराने की बात कही। इस पर चकबंदी कानूनगों ने उससे बीस हजार रुपए की मांग किया। इस पर किसान ने अपनी मजबूरी बताकर असमर्थतता व्यक्त किया। लेकिन बाद में पांच हजार रुपए घूस के रुप में प्राप्त करने पर राजस्व दस्तावेज में जमीन दर्ज करने को तैयार हो गया। किसान ने घूस की रकम देने के लिए चकबंदी कानूनगो को बुधवार की शाम को बुलाया। साथ ही साथ इसकी शिकायत एंटी करप्शन टीम गोरखपुर टीम के सदस्यों को भी कर दिया।

बुधवार की शाम लगभग सात बजे किसान घूस के पांच हजार रुपए लेकर थाना चिरैयाकोट अंतर्गत रायपुर बाजार के पास पहुंच गया। किसान ने ज्यों ही पांच हजार रुपए घूस की रकम चकबंदी कानूनगो विजय शंकर राम के हाथों में थमाया त्यों ही एंटी करप्शन टीम के सदस्यों ने रंगे हाथ चकबंदी कानूनगो को घूस लेते हुए धर दबोचा। एंटी करप्शन टीम के सदस्यों ने चकबंदी कानूनगो के खिलाफ थाना चिरैयाकोट में धारा 7 भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम के तहत एफआईआर दर्ज कराते हुए पुलिस को सौंप दिया। वहीं एंटी करप्शन गोरखपुर की टीम द्वारा की गई कार्रवाई से पूरे दिन अफरा-तफरी मचा रहा। एंटी करप्शन गोरखपुर की टीम में प्रभारी जगदीश प्रसाद पाण्डेय, इंस्पेक्टर अशोक कुमार सिंह, इंस्पेक्टर चंद्रदेश यादव, दीवान शैलेन्द्र राय, चंद्रभान मिश्रा, कांस्टेबिल पुनीत कुमार सिंह, शैलेन्द्र सिंह शामिल रहे।

बिना जांच पुलिस की बर्खास्तगी रद्द, सेवा बहाली का निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। प्रयागराज

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सामान्य दृष्टिदोष पर पीएसी कांस्टेबलों की बर्खास्तगी रद्द कर दी है और सेवाजनित परिलाभों के साथ सेवा बहाल करने का निर्देश दिया है। कोर्ट ने कहा है कि विभाग नियमानुसार कार्यवाही करने के लिए स्वतंत्र है। यह आदेश मुख्य न्यायाधीश गोविन्द माथुर तथा न्यायमूर्ति एस.एस.शमशेरी की खण्डपीठ ने वाराणसी के प्रमोद प्रसाद व अन्य की विशेष अपील को स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने एकलपीठ द्वारा याचिका खारिज करने के आदेश को भी रद्द कर दिया है। अपील पर अधिवक्ता राजेश कुमार सिंह ने बहस की। याचीगण 4 अप्रैल 04 को पीएसी कांस्टेबल नियुक्त हुए। शिकायत पर 06 में इनकी मेडिकल जांच की गयी तो इन्हें अनफिट पाया गया। कोर्ट के आदेश पर मेडिकल बोर्ड ने भी जांच की। कलर विजन आंशिक रूप से रेड ग्रीन डिफेक्टिव पाया गया जिस पर उन्हें बर्खास्त कर दिया गया, जिसे चुनौती दी गयी। याची का कहना था कि ड्राइवर की नियुक्ति में कलर देखा जाता है, पुलिस में नहीं। कोर्ट ने मेडिकल अनफिट होने के कारण याचिका खारिज कर दी।इस आदेश को अपील में चुनौती दी गयी थीं याची का कहना था कि पुलिस में मानसिक व शारीरिक रूप से स्वस्थ व्यक्ति की नियुक्ति की जाती है। देखने में कलर दोष के आधार पर बर्खास्त नहीं किया जा सकता। उन्हें दूसरे कार्य में लगाया जा सकता है। बर्खास्तगी से पूर्व विभागीय जांच किया जाना जरूरी है। खण्डपीठ ने कहा कि यह नियुक्ति आदेश निरस्त करने का मामला नहीं है बल्कि सेवा से बर्खास्तगी का है।

सिपाही को किया सेवा से बर्खास्त

ललितपुर। हाईस्कूल की अंकतालिका में जन्म तिथि की हेरफेर कर पुलिस का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे सिपाही को पुलिस अधीक्षक ने बर्खाश्त कर दिया है। उत्तर प्रदेश के जिला फतेहपुर निवासी रणवीर सिंह जो कि वर्तमान में इटावा में ट्रेनिंग कर रहा है के द्वारा उम्र कम दर्शाने के चक्कर में हाईस्कूल की अंकतालिका में अंकित जन्म तिथि में हेरफेर कर सिपाही की नौकरी हथिया ली थी। पुलिस द्वारा जब दस्तावेजों का सत्यापन कराया गया तो फर्जी जन्म तिथि दर्शायी गयी अंकतालिका भी प्रकाश में आयी। मामले को संज्ञान लेते हुये पुलिस अधीक्षक कैप्टन मिर्जा मंजर बेग ने सिपाही को तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खाश्त कर दिया है।

- उम्र कम करने के चक्कर में जन्मतिथि में हेरफेर

बटुकों ने गंगा पूजन कर पीएम मोदी के लिए मांगा आशीर्वाद

- मोदी सरकार की दोबारा ताजपोशी पर काशी में हुए विविध कार्यक्रम

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

केन्द्र की मोदी सरकार की दोबारा ताजपोशी के अवसर पर शुक्रवार नगर में विविध कार्यक्रम आयोजित किए गए। भाजपा के सदस्य व मोदी समर्थकों ने विभिन्न स्थानों पर एकत्रित होकर खुशी का इजहार किया। शुक्रवार प्रात: बीएचयू परिसर स्थित विश्वनाथ मंदिर के समीप भाजपा व मोदी समर्थकों ने मिठाई बांटकर खुशी का इजहार किया तो वहीं दूसरी ओर विप्र समाज के लोंगों ने गंगा पूजन कर मोदी के लिए आशिर्वाद मांगा।

प्रात: बटुकों ने गंगा पूजन कर पीएम नरेन्द्र मोदी और उनके मंत्रीमण्डल के लिए आशिर्वाद मांगा। नवनिर्वाचित केंद्र सरकार के शपथ ग्रहण समारोह की तैयारियों से पूर्व विप्र समाज के लोगों ने अहिल्याबाई घाट पर पूजन अर्चन किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में शुभकामना निमित्त अनुष्ठान किए गए। अहिल्याबाई घाट पर एकत्रित विप्र समाज के लोगों ने वैदिक बटुकों व भाजपा कार्यकर्ताओं ने मां गंगा का पूजन-अर्चन किया। अभिषेक और प्रार्थना कर वाराणसी के सांसद व देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सहित उनके पूरे मंत्रिमंडल के लिए आशीर्वाद मांगा। कार्यक्रम संयोजक पवन शुक्ला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की मां गंगा में सदैव आस्था रही है। पीएम मोदी जब भी काशी आते हैं तो गंगा आरती में शामिल होते हैं। इसलिए गंगा मैया का पूजन किया गया। वैदिक मंत्रोचार के साथ बटुकों एवं कार्यकर्ताओं ने मां गंगा का अभिषेक किया। इसके बाद औपचारिक स्वरूप में पीएम की फोटो पर ब्राह्मणों ने तिलक करते हुए घाट पर मिठाइयां बांटी। इस मौके पर रमेश तिवारी, अंकित बाजपेयी, विशाल औढेकर, सुनील तिवारी, पंकज तिवारी, जितेंद्र धर, यशदत्त मिश्र, रोहित मिश्र, तरुण शास्त्री, शीतांशु शास्त्री, सत्यम पांडेय, सिद्धांत गर्ग आदि मौजूद थे।

बक्शा के थानेदार को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का आदेश

जौनपुर। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी (सीजेएम) ने बक्शा के थानेदार अरविद कुमार यादव को गिरफ्तार कर अदालत में पेश करने का निर्देश दिया है। विपक्षी से सुलह होने के बावजूद सुविधा शुल्क मांगने व पचास हजार रुपये छीनने के आरोप में प्रथम दृष्टया दोष सिद्ध पाए जाने पर अदालत ने डीआइजी व एसपी को यह निर्देश दिया है। शाहगंज कोतवाली क्षेत्र के सिधाईं गांव निवासी रवि किरन सिंह ने कोर्ट में परिवाद दायर किया था कि 20 मई 2015 को 5.00 बजे शाम परिवादी बैंक से पचास हजार रुपये निकालकर अपनी दुकान पर पहुंचा। उसी समय शाहगंज कोतवाली में तैनात एसआई (फिलवक्त थानाध्यक्ष बक्शा) अरविद कुमार यादव हमराही सिपाही के साथ दुकान पर धमक पड़े। कहा कि संदीप सोनकर वाले मामले में 50 हजार रुपये दो। वादी ने कहा कि उसकी संदीप सोनकर से सुलह हो चुकी है तो गालियां देते हुए मारते.पीटते बाइक पर बैठा कर कोतवाली ले गए।

जंगली सुअर ने महिला को उतारा मौत के घाट

बेहजम-खीरी। नीमगांव कोतवाली क्षेत्र के गांव ढफनीपुरवा निवासी मुन्नी देवी (32) पत्नी रामकिशुन गांव के बाहर अपने खेत में काम करने गई थीं। इसी दौरान उस पर जंगली सूअर ने हमला कर दिया। जिससे महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। चीख.पुकार सुनकर लोग जब तक मौके पर पहुंचे तब तक महिला ने दम तोड़ दिया था। ग्रामीणों ने इसकी जानकारी पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया है। इसके कुछ ही देर बाद मृतका के पुत्र दीपू पर भी जंगली सूअर ने हमला कर दिया। जिसके बाद ग्रामीण भी उग्र हो गए। उन्होंने भी जंगली सुअर पर हमला बोल दिया। उसे घेर कर मौके पर ही पीट-पीट कर मौत के घाट उतार दिया। यही नहीं घटना से ग्रामीण आक्रोशित हो गए और उन्होंने कस्ता-गोला मार्ग पर जाम लगा दिया। जाम की सूचना मिलते ही तहसीलदार मितौली सीओ मितौली मौके पर पहुंचे। किसी तरह समझा-बुझाकर लोगों को शांत कराया और जाम को खुलवाया। जंगली सुअर को मारे जाने की खबर पाकर मैगलगंज वन रेंजर राजीव गुप्ता, वन दरोगा रविकांत वर्मा व वन रक्षक उमेश वर्मा मौके पर पहुंच गए।

माशिप के सचिव, निदेशक व जिविनि श्रावस्ती को अवमानना नोटिस जारी

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने माध्यमिक शिक्षा परिषद के सचिव दिव्यकान्त शुक्ल, शिक्षा निदेशक माध्यमिक विनय कुमार पांडेय व जिला विद्यालय निरीक्षक श्रावस्ती चंद्रपाल को अवमानना नोटिस जारी की है और पूछा है कि क्यों न आदेश की अवहेलना करने पर उनके खिलाफ अवमानना कार्यवाही की जाय। याचिका की सुनवाई 2 जुलाई को होगी। कोर्ट ने अगली सुनवाई तक आदेश का पालन करने का समय दिया है और कहा है कि पालन न करने की दशा में इन्हें कोर्ट में हाजिर होना होगा। यह आदेश न्यायमूर्ति एम.सी. त्रिपाठी ने आशीष चन्द्र व अन्य की याचिका पर दिया है। याचिका पर अधिवक्ता विवेक मिश्र ने बहस की। कोर्ट ने टीजीटी अध्यापक भर्ती में तीसरी बार घोषित परिणाम में चयनित याचियों की नियुक्ति करने का निर्देश दिया था। 19 सितम्बर 18 से याचीगण भटक रहे है। आदेश का पालन नहीं किया गया। कोर्ट ने कहा है कि प्रथम दृष्टया विपक्षियों के विरुद्ध अवमानना का केस बनता हैं।

तीन मजदूरों को अज्ञात वाहन ने रौंदा, दो की मौत, एक घायल

बाराबंकी। घर जाने के इंतजार में खड़े 3 लोगों को बृहस्पतिवार की सुबह एक अज्ञात वाहन ने रौंद दिया जिससे दो की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीसरा बुरी तरह से जख्मी हो गया जख्मी को स्थानीय सीएससी में भर्ती कराया गया है जहां उसकी भी हालत नाजुक होना बताई जा रही है उक्त दर्दनाक घटना थाना लोनी कटरा क्षेत्र के मकनपुर चौराहे की है। बताया जाता है कि बहता मजरे मजार थाना लोनी कटरा निवासी गोविंद 22 पुत्र कामता तथा नियमों मजरे मजार निवासी मंसाराम 30 व सोनू 18 वर्ष जाटा बरौली थाना सतरिख गुरुवार की पात्रता गांव जाने के लिए सुल्तानपुर मार्ग पर स्थित मदनपुर चौराहे पर खड़े वाहन आने का इंतजार कर रहे थे तभी अज्ञात वाहन ने तीनों को रौंद दिया जिससे गोविंद हुआ मंसाराम की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। जबकि सोनू गंभीर रूप से घायल हो गया जिसे स्थानीय लोगों द्वारा सीएचसी में त्रिवेदीगंज में भर्ती कराया गया है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद मिश्रित नैमिषारण्य (सीतापुर)

पत्रांक-765/न0पा0परि0/नीलामी ठेका हड्डी चमड़ा/2019 दिनांक-30 मई 2019

नीलामी सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर मिश्रित एवं नैमिषारण्य में मरे हुए पशुओं के चमड़ा हड्डी निस्तारण का ठेका की नीलामी अध्यक्ष महोदया की उपस्थित में दिनांक 14.06.2019 को समय 12.00 बजे अपरान्ह में स्थान पालिका सभागार मिश्रित में की जायेगी। जिस किसी व्यक्ति को बोली में भाग लेना चाहता है वह निश्चित तिथि व समय पर उपस्थित होकर अपनी बोली बोल सकता है। बोली स्वीकार होने के बाद पालिका में सम्पूर्ण धनराशि नकद जमा करनी होगी। बोली बोलने वाले व्यक्ति को जमानत के रूप में 500.00 रु0 अग्रिम जमा करना होगा। बोली स्वीकार/अस्वीकार करने का अधिकार अध्यक्ष महोदया में निहित है। यह ठेका वित्तीय वर्ष 2019-20 दिनांक 31.03.2020 तक वैधानिक रहेगा। ठेका स्वीकृत होने के बाद निर्धारित स्टाम्प पर अनुबन्ध करना आवश्यक होगा।

(रुद्र प्रताप सिंह)
अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
मिश्रित-नैमिषारण्य

(सरला देवी)
अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
मिश्रित-नैमिषारण्य

कार्यालय नगर पंचायत मैलानी, जनपद-खीरी

पत्रांक-45/न0पं0मै0/विज्ञप्ति-नामान्तरण/2019-20 **विज्ञप्ति** दिनांक-30.05.2019

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि निम्न क्रेता द्वारा नगर पंचायत कार्यालय में नामान्तरण हेतु आवेदन किया गया है :

क्र. सं.	क्रेता का नाम	पिता/पति का नाम	पता	विक्रेता का नाम	पिता/पति का नाम	सम्पत्ति का पता	चौहद्दी
1	श्रीमती भोली देवी	श्री सुग्रीव	ग्रा0 चलतुआ पो0 सेहरामऊ उत्तरी जि0 पीलीभीत	श्री नीरज बाजपेई	श्री दशरथ वाजपेई	मो0 गौतमनगर वार्ड-2 मैलानी खीरी	पूर्व में रास्ता, पश्चिम में तालाब उत्तर में प्लाट विक्रेता दक्षिण में प्लाट शितावी देवी
2	श्रीमती प्रेमा देवी	श्री राम प्रकाश	मो0 काली मन्दिर वार्ड 7 मैलानी खीरी	श्री राम प्रकाश	स्व0 श्री परसादी	मो0 काली मन्दिर वार्ड 7 मैलानी खीरी	पूर्व में रास्ता 10 फिट व लाइन 2 फिट, पश्चिम में मकान राम रतन व लाइन 27 फिट, उत्तर में मकान रवि व लाइन 58 फिट, दक्षिण में मकान गामा व लाइन 58 फिट
3	श्रीमती आनार कली	श्री गुड्डू	ग्रा0 गड़रियनपुरवा पो0 पयाग, ता0 व जि0 लखीमपुर खीरी	श्री बलविन्दर सिंह	श्री हरवन्त सिंह	मो0 जंगलात वार्ड-3 मैलानी खीरी	पूर्व में प्लाट शाहिल, पश्चिम में प्लाट रमाशंकर, उत्तर में खेत अवतार सिंह, दक्षिण में रास्ता 10 फिट
4	श्री छोटे	श्री भगवान दीन	नि0 ग्रा0 पिपरिया भूड पो0 भीरा ता0 पलिया जिला खीरी	श्रीमती ब्रजरानी	श्री बांकेलाल	मो0 दमोदपुर वार्ड-6 मैलानी खीरी	पूर्व में प्लाट नन्हें, पश्चिम में रास्ता उत्तर मकान बिकेती, दक्षिण में मकान शिव कुमार
5	श्री रामकिशन	श्री बचन्ने	नि0 मो0 वार्ड नं0 11 मैलानी खीरी	श्री शिव नन्दन व फत्ते	श्री श्यामलाल	मो0 पंचायत वार्ड नं0 1 मैलानी-खीरी	पूर्व में रास्ता व लाइन 30 फिट पश्चिम मकान डोरीलाल व लाइन 25 फिट उत्तर गली व लाइन 55 फिट दक्षिण मकान फत्ते व लाइन 55 फिट
6	श्रीमती सितावी देवी	श्री रामऔतार	ग्रा0 चलतुआ पो0 सेहरामऊ उत्तरी जि0 पीलीभीत	श्री नीरज बाजपेई	श्री दशरथ वाजपेई	मो0 गौतमनगर वार्ड-2 मैलानी खीरी	पूर्व में प्लाट विक्रेता व लाइन 50 फिट पश्चिम में रास्ता 15 फिट व लाइन 50 फिट, उत्तर में प्लाट विक्रेता व लाइन 30 फिट, दक्षिण में खेत कृष्ण मुरारी अवस्थी व लाइन 30 फिट
7	श्रीमती सितावी देवी	श्री रामऔतार	ग्रा0 चलतुआ पो0 सेहरामऊ उत्तरी जि0 पीलीभीत	श्री नीरज बाजपेई	श्री दशरथ वाजपेई	मो0 गौतमनगर वार्ड-2 मैलानी खीरी	पूर्व में रास्ता, पश्चिम तालाब उत्तर प्लाट विक्रेता दक्षिण प्लाट क्रेती

क्रय किये गये प्लाट के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति है, तो वह 15 दिन के अन्दर लिखित रूप से अपनी आपत्ति अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत कर सकते हैं। आपत्ति न प्राप्त होने की स्थिति में नामान्तरण सम्बन्धित कार्यवाही पूर्ण कर दी जायेगी।

अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत मैलानी
जनपद-खीरी

जहरीली शराब पीने से हुई तीन मौतों के बाद देर रात सैदनपुर पहुंचे आईजी रेंज लखनऊ एस.के. भगत

मौत के जाम के असली गुनहगार की तलाश, कोतवाल, पैंतेपुर पुलिस चौकी सस्पेंड

संवाददाता। महमूदाबाद सीतापुर

कल तक जो पुलिस यह मानने को तैयार नहीं हो रही थी कि सैदनपुर और सिंजौरा में हुईं तीन मौतें जहरीली शराब के सेवन से हुईं हैं, अब यह दावा कर रही है कि जिस शराब के सेवन से तीन ग्रामीणों की मौत हुई है, उसका सप्लायर जनपद का ही है और उसी ने बाराबंकी में भी जहरीली शराब को सप्लाई किया हुआ है, फिलहाल सीतापुर और बाराबंकी पुलिस उसकी सरगर्मी से तलाश कर रही है। एसपी एलआर कुमार ने बताया कि पकड़े गए अभियुक्त महमूदाबाद के पैंतेपुर जैनीटोला निवासी कन्हैया लाल व नवनीत ने भी इसी सप्लायर से शराब लाकर यहां बेंची थी। इस मामले में पिता कन्हैया लाल, पुत्र नवनीत पत्नी व एक अज्ञात के विरुद्ध पुलिस ने मुकदमा पंजीकृत कर अभियुक्त पिता पुत्र कन्हैया लाल व नवनीत को गिरफ्तार कर लिया है। जहरीली शराब के शिकार मृतकों व बीमार लोगो के घर देर रात जब आईजी रेंज लखनऊ एसके भगत पहुंचे और लापरवाह पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई रुपी चाभुक चलाई, तब जाकर स्थानीय पुलिस का झूठ और उस पर पर्दा डालने वाले अधिकारी बेनकाब हुए। एसपी ने पैंतेपुर चौकी से चंद कदम दूर अवैध रूप से शराब बेचे जाने के मामले में महमूदाबाद कोतवाली प्रभारी समेत पूरी पैंतेपुर चौकी को ही निलंबित कर दिया है। एसपी ने बताया कि कोतवाली प्रभारी गोपाल नरायन सिंह, पैंतेपुर चौकी इंचार्ज उदयवीर सिंह के साथ साथ सिपाही राघवेन्द्र, सदा शिव मिश्रा, विष्णु गुप्ता व अनिल पांडेय को निलंबित कर दिया है। उन्होने बताया कि अभियुक्तों के विरूद्ध चन्द्रेशखर निवासी सैदनपुर की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। अभियुक्तों द्वारा बताए गये स्थानों की छानबीन करने के साथ अपराधियों के विरूद्ध कार्यवाही की जाएगी। बता दें कि पैंतेपुर पुलिस चौकी के सैदनपुर निवासी विनोद पुत्र परसादी (35), विजय कुमार पुत्र इतवारी (30) तथा सेजौरा निवासी सुमेरी लाल पुत्र पांचू की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई थी। शराब पीने से सैदनपुर के विपिन कुमार पुत्र छोटाराम(27) तथा संतराम पुत्र सियाराम(30) तथा चन्द्रशेखर पुत्र परसादी की हालत बिगड़ गई थी। मामला प्रकाश में आने के बाद पुलिस और प्रशासन हरकत में आया। बुधवार दोपहर जहां एसडीएम व सीओ ने गांव पहुँचकर पीड़ितों से बात करते हुए उच्चाधिकारियों को घटना से अवगत कराया। रात करीब दस बजे अपर पुलिस अधीक्षक एमपी सिंह ने पीड़ितों के गांव पहुंचकर जांच पड़ताल की। इसके बाद रात करीब ग्यारह बजे पुलिस अधीक्षक एलआर कुमार गांव को पहुँचकर पीड़ितों से मुलाकात की। रात करीब सवा बजे आईजी रेंज लखनऊ एस.के. भगत सैदनपुर पहुंचकर मृतक विनोद कुमार व उसके भाई चन्द्रशेखर जो कि शराब पीने से बीमार था से मुलाकात कर अधीनस्थों को बीमार चल रहे लोगो का रक्त परीक्षण कराने के निर्देश दिए।

ममता की रणनीति

टकराव के कारण सुधार की उम्मीद

बंगाल की लड़ाई अब भाजपा के जादूगर व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा तृणमूल कांग्रेस नेता व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच सीधे टकराव में बदल गई है। लोकसभा में 18 सीटें जीतने तथा टीएमसी पार्षदों का पालाबदल कर भाजपा लगातार आक्रामक है और विधानसभा पर कब्जे तक वह इसी रास्ते पर चलेगी। चुनाव भले ही समाप्त हो गए हों, पर अभी बंगाल विजय नहीं हुई है। इससे पहले से ही आहत ममता बनर्जी परेशान हैं, लेकिन वे चुनावी पराजय का सामना करना तथा टूटफूट ठीक करना जानती हैं। हालांकि, भाजपा 'चेंजमेकर' बनने के प्रयास में वही बचकानी आक्रामकता दिखा रही है जिसका आरोप वह विरोधी पर लगाती है। दीदी ने पूरी गरिमा के साथ लोकतांत्रिक परंपराओं का पालन करते हुए प्रधानमंत्री के शपथ ग्रहण में शामिल होने का निर्णय किया था, लेकिन भाजपा को नैतिकता की जरा भी चिन्ता नहीं है। रातोंरात मोदी व अमित शाह ने कथित रूप से राज्य की राजनीतिक हिंसा में मारे कार्यकर्ताओं के परिवारों को आमंत्रित किया। इससे ममता बनर्जी को आयोजन से बाहर रहने का फैसला करना पड़ा। हालांकि, भाजपा का यह राजनीतीकरण भी ममता की नकल है। भाजपा को समझना चाहिए कि वह बंगाल के वर्तमान राजनीतिक गुंडों की आसानी से बंधक बन सकती है। मोदी ने प्रचार अभियान के दौरान 40 तृणमूल विधायकों के अपने संपर्क में होने का दावा कर ममता को सीधे चुनौती दी थी। इससे स्पष्ट था कि भाजपा बंगाल में राजनीति के सारे तरीकों से तृणमूल को पराजित करेगी जिसमें धनबल, उत्पीड़न, दबाव, हिंसा व भय शामिल हैं।

भाजपा उसी रास्ते पर चल रही है जो ममता बनर्जी को वामपंथ की 34 साल पुरानी सुगठित मशीनरी से मिला था। कम्युनिस्ट सरकार से संघर्ष के बावजूद ममता बनर्जी ने वामपंथी रणनीतियां अपना कर अपने आंदोलनकारियों को प्रसन्न रखा। इससे भले बंगाल में विचारधारा बदली हो, पर व्यवहार व व्याकरण पुराना ही बना रहा। अब वाम व कांग्रेस कार्यकर्ता हवा का रुख भांप कर भाजपा के साथ आ गए हैं। लेकिन दीदी की असली चिन्ता यह है कि जमीनी सक्रियता तथा मातृत्व भावना के विस्तार के बावजूद बंगाल के मतदाता उनकी सत्ता से परेशान हैं। औद्योगीकरण की धीमी गति ने बंगाल के नौजवानों को उभरते भारत में शामिल होने से दूर रखा है जिसमें मोदी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। भाजपा ने ध्रुवीकरण को बढ़ावा दिया है जिसकी जड़ें राज्य में दो बार विभाजन के इतिहास में हैं। ममता ने मुस्लिम वोटबैंक के पक्ष में झुक कर जनता को नाराज किया है, लेकिन अभी उनको अपना रास्ता ठीक करने की उम्मीद है। वे जनता की भावना समझ कर कोलकाता की परंपरागत व महत्वाकांक्षी भावना अपने साथ ला कर मोदी से मुकाबला कर सकती हैं। लोकसभा चुनाव ने ममता को अवांछित तत्वों से मुक्ति का अवसर दे दिया है क्योंकि वे व्यवस्था पर बोझ हैं। उन्होंने अपने भतीजे अभिषेक बनर्जी के पर भी कतर दिए हैं और अपनी टीम पूरी तरह बदलने वाली हैं। भाजपा का मत प्रतिशत तेजी से बढ़ कर 17 से 40 हो गया है, लेकिन तृणमूल का मत प्रतिशत भी 39 से बढ़ कर 43 हुआ है। यह कल्याणवाद की स्वीकृति है। ममता सामाजिक विकास तथा आक्रामक आर्थिक विकास से रोजगार सृजन कर सकती हैं। जहां मोदी ने चाय-विक्रेता की क्षमता दिखाई है, वहीं मलिन बस्ती में पैदा ममता का 2006 के विधानसभा चुनाव में सफाया हो गया था, पर वे 2009 में वापस आ गईं। अब वे भाजपा का मुकाबला कर रही हैं।

मोदी ब्रांड का असाधारण विस्तार

मोदी की विजय ने भारतीय गणतंत्र के इतिहास में असाधारण परिवर्तन किया है। वे भले ही राष्ट्रपति जैसे लगें, पर उनकी भावना जनतांत्रिक है। इस प्रकार मोदी ब्रांड का असाधारण विस्तार हुआ है।

संध्या जैन
लेखिका नेहरू स्मारक संग्रहालय व पुस्तकालय में वरिष्ठ फेलो हैं)

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आरोप है कि उन्होंने 2019 के आम चुनाव को राष्ट्रपति चुनाव जैसी दौड़ बना दिया जो उनके असाधारण व्यक्तित्व तथा प्रभावशाली भाषण शैली पर केन्द्रित था। उन्होंने भारतीय जनता पार्टी को असाधारण विजय दिलाते हुए उसे 303 सीटें दिलाई, जबकि राजग को 353 सीटें मिलीं। इसके उलट भाजपा के मुख्य प्रतिद्वंद्वी कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने मुकाबले को राजतंत्र जैसा बना दिया जिसमें परिवार-संचालित लफ्फाजी, अधिकार ब्रिगेड तथा नेहरू-गांधी परिवार के निकटस्थ राजनीतिक परिवारों के वारिस शामिल थे जो परिवार की निकटता से महत्व हासिल करते थे। राहुल गांधी की निकटतम सहयोगी उनकी बहन प्रियंका वाड्रा, उनके राजनीतिक सलाहकार तथा दिग्विजय सिंह व सैम पित्रोदा जैसे संरक्षक भी इनमें शामिल थे।

कांग्रेस इस बोझ से दबी है। बढ़ती महत्वाकांक्षाओं तथा समानता की खोज के युग में वह समझ नहीं पा रही थी कि ग्रामीण या शहरी मतदाताओं, महिलाओं, नौजवानों, किसानों, व्यापारियों, उद्यमियों, पेशेवरों तथा अन्य को कैसे संबोधित करे। पार्टी के भीतर निर्णय लेने की प्रक्रिया बंद दरवाजों के पीछे होने वाली बैठकों तक सीमित है जिनमें अनजान लोग शामिल होते हैं और जिनका कार्यकर्ताओं व जमीनी नेताओं से नियमित संपर्क बहुत कम है। इसके उलट भाजपा अध्यक्ष अमित शाह ने पार्टी को पूरे साल भर सक्रिय रखा तथा प्रत्येक बूथ कार्यकर्ता के लिए लक्ष्य निर्धारित किए।

कांग्रेस के बेजान चुनाव अभियान के कारण महत्वपूर्ण समझे जाने वाले नेता चुनाव हार गए। हारने वालों में अमेठी से राहुल गांधी, शीला दीक्षित, ज्योतिरादित्य सिंधिया, मिलिंद देवड़ा, जितिन प्रसाद, सलमान खुर्शीद, अजय माकन, कुमारी शैलजा, प्रिया दत्त, मीरा कुमार, वैभव गहलौत, मानवेंद्र सिंह, आरपीएन सिंह, अशोक चह्वाण, भूपेन्द्र हुड्डा व उनके बेटे दीपेन्द्र हुड्डा तथा कीर्ति आजाद शामिल हैं। वास्तव में राज्य आधारित पार्टियों में भी वंशानुगत राजनेताओं का प्रदर्शन खराब रहा जिसे मतदाताओं द्वारा वंश-परिवारों की अस्वीकृति कहा जा सकता है।

कांग्रेस के लिए ज्यादा परेशानी की खबर यह है कि यह हाशिए की पार्टी बन गई है तथा केवल पंजाब व केरल में इसकी अच्छी उपस्थिति है। उसे अरुणाचल प्रदेश, आंध्र प्रदेश, दिल्ली, गुजरात, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू कश्मीर, मणिपुर, मिजोरम, नगालैंड, ओडिशा, राजस्थान, सिक्किम, त्रिपुरा, उत्तराखंड, दमन दियू, दादरा नगर हवेली, लक्षद्वीप, अंडमान व निकोबर द्वीप समूह तथा चंडीगढ़ में एक भी सीट नहीं मिली। ऐसे में उसकी वापसी एक चमत्कार होगा। इस बीच भाजपा का मत प्रतिशत अनेक राज्यों में 50 प्रतिशत से अधिक हो गया।

कांग्रेस के साथ ही वामपंथ भी डूब गया जिसके कांग्रेस के साथ वैचारिक संबंध थे। मीडिया में वामपंथ के गढ़ समझे जाने वाले बिहार के बेगूसराय को काफी कवरेज मिली, लेकिन यहां से चुनाव लड़ रहे भाकपा के कन्हैया कुमार की भारी पराजय हुई। जनता वामपंथी चीख-पुकार तथा नकारात्मक लफ्फाजी से दुखी हो गई है जिसके कारण इसके सांसदों की संख्या 2004 में 59 से गिर कर 2009 में 26, 2014 में 10 तथा 2019 में 5 रह गई। ऐसे में वामपंथी पार्टियों की बहाली की कोई संभावना नहीं है।

मोदी को सफलता चुनावी अवधारणा को नेहरूवादी पैराडाइम से मुक्ति दिलाने से मिली। इस पैराडाइम में मुस्लिम वोटबैंक के साथ कुछ जातियों के वोट शामिल थे, जबकि भाजपा के पक्ष में ज्यादा समावेशी मतदाता सहभागिता है। इस प्रक्रिया की शुरुआत 2014 में हुई थी, लेकिन इसे ज्यादातर विश्लेषकों ने अनदेखा किया। इसे परिष्कृत कर 2019 में नए जोश के साथ क्रियान्वित किया गया, जबकि विपक्ष ने इसे 'बहुसंख्यकवाद' का उभार बता कर इसकी निन्दा की। पश्चिमी अखबारों तथा उनके भारतीय समर्थकों ने इसे अल्पसंख्यक समूहों को चेतावनी की तरह पेश किया। लेकिन उनमें से किसी ने अल्पसंख्यक धार्मिक नेताओं के उभार की आलोचना नहीं की जिन्होंने अपने समर्थकों से भाजपा को वोट न देने का आह्वान किया। इस प्रकार मतदाताओं की स्वतंत्रता से छेड़छाड़ कर लोकतांत्रिक व्यवस्था को विकृत किया गया।

सरल भाषा में कहें तो मोदी ने राजनीति से अल्पसंख्यक वीटो का सफाया कर दिया। इस नेहरूवादी विकृति ने बहुआयामी हिंदू समाज के अनेक समूहों को समानता से वंचित किया। अब समाज के अन्य लोगों के साथ अल्पसंख्यकों को भी व्यक्तिगत रूप से समकालीन मुद्दों पर वोट देना चाहिए जिसमें राष्ट्रवाद, आतंकवाद, कृषि संकट, बजट व बेरोजगारी आदि शामिल हैं। प्राचीन सरकारें नागरिकों पर 'अपनी जाति-समुदाय के लिए वोट' देने का दबाव डालती थीं, जबकि ऐसा करने वालों का मजाक भी उड़ाती थीं। लेकिन अब उनके स्थान पर 'अपने देश-मुद्दे के लिए वोट' देने की अवधारणा सामने आ गई है। इससे इस तथ्य के बावजूद समाजवादी पार्टी का सफाया हो गया है कि उसने उत्तर प्रदेश में बहुजन समाज पार्टी से गठबंधन किया था। कांग्रेस केवल सोनिया गांधी की सीट जीतने में सफल हुई। इसका अर्थ है कि यदि सोनिया गांधी यह सीट खाली कर दें तो प्रियंका वाड्रा इसे अपने पास नहीं रख सकेंगी क्योंकि कांग्रेस अमेठी सीट जीतने में विफल रही है।

थोड़ा पीछे देखें तो यह बात मजेदार लगती है कि सोनिया गांधी, शरद पवार तथा तेलगूदेशम के चंद्रबाबू नायडू मोदी लहर कमजोर होने के बारे में इतने आश्वस्त थे कि उन्होंने भाजपा-राजग के स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में विपक्षी महागठबंधन का प्रस्ताव किया था। वे चाहते थे कि राष्ट्रपति सरकार बनाने के लिए चुनाव-पूर्व गठबंधन के बजाय पहले चुनाव-पश्चात गठबंधन को आमंत्रित करें। उन्होंने एलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीनों-ईवीएम की क्षमता व निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए थे। हालांकि, इसके पहले उन्होंने निर्वाचन आयोग द्वारा सार्वजनिक रूप से ईवीएम हैक करने की चुनौती स्वीकार नहीं की थी। दु:ख की बात है कि पूर्व राष्ट्रपति प्रणव मुखर्जी भी इस शोर-शराबे में शामिल हुए और उन्होंने अपनी छवि खराब की।

सच्चाई यह है कि बिना भौतिक रूप से प्रत्येक मशीन में परिवर्तन किए ईवीएम से छेड़छाड़ संभव नहीं है, लेकिन ऐसा करना असंभव है। प्रत्येक मशीन एक स्वतंत्र रिकार्डिंग उपकरण है जिसका कोई इंटरनेट कनेक्शन नहीं है और इसे इंटरनेट या वाई-फाई से हैक नहीं किया जा सकता है। वीवीपैट से मिलान में ईवीएम में कोई कमी नहीं पाई गई है। हालांकि, टीडीपी के सफाए से चंद्रबाबू नायडू निष्प्रभावी हो गए हैं तथा तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी को भारी नुकसान हुआ है। कांग्रेस कार्यसमिति ने अपनी बैठक में ईवीएम पर सवाल न उठाने का निर्णय किया। जम्मू कश्मीर में नेशनल कान्फ्रेंस को अनन्तनाग, बारामूला व श्रीनगर से विजय मिली जहां से उसके उम्मीदवार हसनैन मसूदी, अकबर लोन तथा फारूक अब्दुल्ला जीते। इसके साथ ही भाजपा को जम्मू, उधमपुर व लद्दाख से विजय मिली जहां से उसके उम्मीदवार जुगल किशोर, जितेंद्र सिंह तथा जेटी नामग्याल जीते। पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी के सफाए से भाजपा को संदेश मिला है कि वह अनुच्छेद 370 तथा 35-ए समाप्त करने का वादा पूरा करे। इसके लिए केवल राष्ट्रपति के आदेश तथा राजनीतिक इच्छाशक्ति की आवश्यकता है। यहां इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होंगे। यदि गठबंधन आवश्यक हो तो भाजपा को कांग्रेस द्वारा बनाए गठबंधन का मुकाबला करना होगा जिसमें उसने मुख्यमंत्री का पद उमर अब्दुल्ला को दिया था। दिल्ली विधानसभा चुनाव में भाजपा को जमीनी नेता मैदान में उतारने चाहिए तथा ऐसे हवाई नेताओं से बचना चाहिए जिन्होंने 2015 में पार्टी को बरबाद किया था।

मोदी ने ओडिशा, सिक्किम, आंध्र प्रदेश व अरुणाचल प्रदेश की नई सरकारों से सहयोग का वादा किया है। ऐसे में स्वाभाविक रूप से वहां सत्तारूढ़ दल संसद में भाजपा का साथ देंगे। भारत में समग्र रूप से राष्ट्रीय नागरिक रजिस्टर अपडेट करने, पड़ोस में अस्थिरता या उत्पीड़न का सामना करने वाले हिंदुओं की सुरक्षा के लिए नागरिकता संशोधन विधेयक लाने, जम्मू कश्मीर में पीड़ित हिंदू शरणार्थियों को समान अधिकार देने तथा भेदभावपूर्ण शिक्षा अधिकार कानून को समाप्त करने अथवा उसके प्राविधान समान रूप से लागू करने की आवश्यकता है। कुल मिला कर मोदी को अर्थव्यवस्था को प्राथमिकता देते हुए निवेश सुनिश्चित करना चाहिए तथा ढांचागत विकास की गति बढ़ानी चाहिए। कृषि के बारे में कीमती उर्वरकों, कीटनाशकों तथा भूमिगत पानी के स्तर में गिरावट को देखते हुए ध्यान दिया जाना चाहिए। समाज में स्वास्थ्य के प्रति बढ़ती जागरूकता को देखते हुए आर्गेनिक खेती को संभव तथा लाभदायक बनाना होगा।

मोदी की विजय ने जनतंत्र के इतिहास में आमूल परिवर्तन किया है। जहां राहुल गांधी निर्वाचित राजतंत्र के प्रतिनिधि हैं और उनके पास नागरिकों को देने के लिए कुछ नहीं है, वहीं मोदी ने राष्ट्रवाद, राष्ट्रीय पुनर्जागरण व पुनरुद्धार के माध्यम से शहरों और चौपालों को एकसाथ जोड़ा है। देखने में भले ही वे राष्ट्रपति जैसे लगें, पर उनकी भावना जनतांत्रिक है।

यूरोपीय संघ चुनावों के संभावित परिणाम

यूरोपीय संघ के चुनाव को लगभग सभी ब्रिटिश मतदाताओं ने ब्रेक्सिट पर अनौपचारिक जनमत संग्रह के रूप में देखा और स्पष्ट है कि वास्तव में आगे क्या होने वाला है।

गुइन डायर
(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

यूरोपीय संघ चुनाव में क्या हो रहा है? यह समझने के लिए इतना कहना काफी है कि अब लोगों की पसंद स्पष्ट होती जा रही है। अधिकांश लोग समझ रहे हैं कि वे किस पक्ष में हैं। 28 यूरोपीय देशों में यूरोपीय संघ संसद के लिए चुनाव पिछले सप्ताह हुए जिनमें ब्रिटेन शामिल है। यह ब्रेक्सिट जनमत संग्रह के तीन साल बाद हुए, जबकि ब्रिटेन अभी उसे छोड़ने की स्थिति में नहीं आ पाया है। यह दुनिया में दूसरी सबसे बड़ी लोकतांत्रिक कवायद है जो भारत में चुनाव के बाद आती है। लगभग 400 मिलियन यूरोपियों को मतदान का अधिकार था लेकिन वास्तव में केवल आधे मतदाताओं ने वोट दिए। अधिकांश सदस्य देशों के समक्ष चुनाव 'लेस ईयू' या 'मोर ईयू' के बीच था। क्या यूरोपीय संघ को उसके पूर्व रूप वाले यूरोप की तरह ज्यादा अलग होना चाहिए जो राष्ट्रवादियों तथा लोकरंजकतावादियों की मांग है अथवा उसे संयुक्त संस्थान बनाने के रास्ते पर चलना चाहिए जो सदस्य देशों को एक दूसरे के निकट लाते हैं? इनमें साझा मुद्रा यूरो महत्वपूर्ण है। इस सवाल का कोई एक जवाब नहीं हो सकता। लेकिन दोनों पक्ष इसका जवाब तलाशने का प्रयास कर रहे हैं जिससे अनुमान लगाया जा सकता है कि चीजें किस दिशा में बढ़ रही हैं।

कट्टर राष्ट्रवादियों ने इटली में 30 प्रतिशत मत प्राप्त किए, यूके में 32 प्रतिशत (ब्रेक्सिट पार्टी), पोलैंड में 45 प्रतिशत (लॉ एंड जस्टिस पार्टी), हंगरी में विक्टर ओरबान की इललिबरल डेमोक्रेसी ने 52 प्रतिशत प्राप्त किए। फिर भी, ब्रेक्सिट पार्टी को छोड़कर, वे अब यूरोपीय संघ को छोड़ने की कोशिश नहीं करने वाले। अन्य यूरोपीय संघ देशों में लोकरंजक, जो पांच वर्ष पूर्व फ्रांस में फ्रेक्सिट की वकालत कर रहे थे, और नीदरलैंड में नेक्सिट की, ने ब्रिटेन के ब्रेक्सिट प्रयासों का परिणाम देख लिया और निर्णय लिया कि समझदारी के साथ यूरोपीय संघ में बने रहेंगे और उस पर भीतर से प्रभुत्व कायम करने का प्रयास करेंगे।

चुनाव में उन्हें कुछ सफलता हासिल हुई है लेकिन यूरोपीय संसद की 750 सीटों में से केवल 112 सीटों पर उनका नियंत्रण है। यह निश्चित भी नहीं है कि वे एकजुट हो जाएं : उदाहरण के लिए फ्रांस की नेशनल रैली, को यूरोपीय संघ में कुछ अन्य दक्षिणपंथी दलों द्वारा अत्यधिक रूस समर्थकों एवं यूहदीवाद विरोधी इतिहास में निहित के तौर पर देखा जाता है। यदि यह ज्वारीय लहर है, तो बहुत छोटी है।

'मोर ईयू' के छोर पर ज्यादा बड़ी सुनामी है, मुख्यत: इसलिए क्योंकि ग्रींस ने बेहतर प्रदर्शन किया, जर्मनी में दूसरे नंबर पर रहे और फ्रांस में तीसरे नंबर पर। मजबूत यूरोपीय संघ समर्थक दलों ने भी अच्छा प्रदर्शन किया, विशेष रूप से यूके के उदारवादी डेमोक्रेट, जो वहां दूसरे नंबर पर रहे, और एकसाथ मिलकर उन्होंने तर्क के पक्ष में अन्य छोर पर राष्ट्रवादियों की तुलना में अधिक सीटें जोड़ी हैं। इस चुनाव का असली मूल्य यह है कि यह आज के ज्वलंत प्रश्न पर रियलिटी चेक लगाने की पेशकश करता है : क्या ट्रंपवाद वाकई वैसे ही यूरोप पर विजयी होने जा रहा है जैसे कि अमेरिका में हुआ था? जवाब ना में है, अथवा कम से कम, ज्यादा तो नहीं।

राष्ट्रवादी पार्टियां जो स्वेच्छाचारी रूप धारण कर लेती हैं और नस्लवादी, प्रवासी विरोधी एवं मुसलमान विरोधी विचारों के साथ खेलती हैं उन्होंने कुछ पूर्वी यूरोपीय देशों में बेहतर प्रदर्शन किया है यद्यपि उनके यहां चंद प्रवासी हैं और मुसलमान लगभग न के बराबर हैं। लेकिन पश्चिमी यूरोप में एक एक लोकप्रियतावादी पार्टी है, और वह है इटली की लेगा, जिसने अपने पिछले प्रदर्शन की तुलना में सुधार किया है। फ्रांस में, नेशनल रैली को केवल 24 प्रतिशत वोट हासिल हुए, जबकि उसकी पूर्ववर्ती, नेशनल फ्रंट को 2017 के राष्ट्रपति चुनाव में 34 प्रतिशत मत हासिल हुए थे।

यूनाइटेड किंग्डम में ब्रेक्सिट पार्टी को 32 प्रतिशत मत मिले, जो प्रभावशाली प्रदर्शन प्रतीत होता है, चूंकि उसकी पूर्ववर्ती, यूनाइटेड किंग्डम इंडिपेंडेंस पार्टी, को वर्ष 2014 के पिछले यूरोपीय संघ चुनावों में केवल 26 प्रतिशत मत ही प्राप्त हुए थे। लेकिन यदि ब्रेक्सिट पार्टी में कंजरवेटिव मतों को जोड़ दिया जाए जो अधिकतर ब्रेक्सिट समर्थक थे और उसकी तुलना यूकेआईपी व कंजरवेटिव के मतों से की जाए, तो मतों का ब्रेक्सिट समर्थक हिस्सा 2014 में 49 प्रतिशत से गिरकर 41 प्रतिशत पर आ जाता है। इससे तो यही जाहिर होता है कि डोनाल्ड ट्रंप विषाणु यूरोप में अपेक्षाकृत कम प्रभावी है और आगे सवाल उठते हैं : क्या यूके वाकई 31 अक्टूबर के बाद यूरोपीय संघ से बाहर हो जाएगा, अथवा दूसरा जनमत संग्रह होगा? यह महसूस होने लगा है कि 50-50 के तर्ज पर ब्रेक्सिट कभी नहीं होने जा रहा।

ब्रेक्सिटर जिस भय को महसूस करते हैं उसका एक लक्षण है उनका जोर देना कि नया जनमत संग्रह होना चाहिए। हो सकता है कि यूकेआईपी और ब्रेक्सिट पार्टी के संस्थापक, निगेल फराज, ने दूसरे जनमत संग्रह की बात की हो जब ऐसा लगा था कि रिमेन अब मामूली से अंतर की जीत 2016 के पहले जनमत संग्रह की शाम को हासिल करने जा रहे थे। अंत में 52 प्रतिशत लीव को, 48 प्रतिशत रिमेन को मिले। या तो स्काटिश प्रथम मंत्री, निकोला स्टूजेरान, ने हाल ही में घोषणा की है कि वो इस सप्ताह बाद में यूके से स्कॉटलैंड की आजादी पर द्वितीय जनमत संग्रह पर प्रारूप विधायन प्रकाशित करेंगी। पहला 2014 में हुआ जब 55-45 के अनुपात में आजादी की मांग को खारिज कर दिया गया था।

किसी ने उसकी शिकायत नहीं की। ब्रेक्सिट जनमत संग्रह में ब्रेक्सिटियरों अनुसार किसी को भी उसके बारे में अपना विचार बदलने नहीं दिया जाता है। हालांकि, यूरोपीय संघ के चुनावों को लगभग सभी ब्रिटिश मतदाताओं द्वारा ब्रेक्सिट पर अनौपचारिक जनमंत संग्रह माना गया था और अब यह स्पष्ट हो गया है कि वास्तविकता में क्या होता है। ब्रिटिश राजनीति में पांच महीने बहुत हलचल भरे होने वाले हैं।

आप की बात

भाजपा का देशव्यापी विस्तार

एक समय था जब भाजपा को नगरीय क्षेत्रों तक सीमित प्रभाव वाली ब्राह्मण-बनिया पार्टी कहा जाता था जिसका प्रभाव उत्तर भारत के हिंदीभाषी राज्यों तक सीमित था, लेकिन इस बार भाजपा ने भारत के दक्षिण, पूरब तथा उत्तर-पूर्वी क्षेत्रों में राजनीतिक व सांस्कृतिक बाधायें तोड़ी हैं। इस प्रकार तमिलनाडु व केरल व आंध्र प्रदेश जैसे दक्षिण भारतीय राज्यों को छोड़कर संपूर्ण भारत में भाजपा का परचम लहरा रहा है। कभी कांग्रेस की भी स्थिति यही हुआ करती थी मगर अब वह चंद राज्यों तक सिमटकर रह गई है। यह पार्टी के करिश्माई नेता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की असाधारण उपलब्धि है तथा अथक रणनीतिज्ञ अमित शाह को भी उचित ही इसका पूरा श्रेय दिया जाना चाहिए। टिप्पणीकारों ने इस शानदार विजय में अनेक तत्वों का योगदान बताया है जिसमें बालाकोट घटना से उभरा राष्ट्रवाद, गरीबों को खुश करने के लिए एलपीजी गैस जैसे कई लोकरंजक उपाय तथा हिंदुत्व की प्रखर भावना शामिल हैं। यह चुनाव एक व्यक्तित्व के नाम पर लड़ा गया और जनता से उस पर अप्रत्याशित भरोसा दिखाया है जो चुनाव परिणामों से स्पष्ट परिलक्षित होता नजर आ रहा है।

- **निरंजन कुमार**, प्रयागराज

हताश राहुल, बेबस कांग्रेस

लोकसभा चुनाव में काफी परिश्रम करने के बावजूद राहुल गांधी अत्यधिक विफल सिद्ध हुए हैं। उन्होंने गंभीर प्रयास किए, अपनी सीमाओं से बाहर निकले तथा वंशवादी ठप्पा छोड़ने का प्रयास किया। भले ही विरासत चुनने में उनका हाथ नहीं था और उनके ऊपर पारिवारिक संपत्ति के रूप में कांग्रेस का बोझ डाल दिया गया था। वे पार्टी की दरबारी शैली वाली संरचना में सहज नहीं थे और उनके निर्णयों को स्पेस नहीं मिल रहा था, पर इसके बावजूद उन्होंने प्रयास किया। लेकिन रचनात्मक आलोचना के अभाव में वे यथार्थ से कट गए। तमाम ईमानदार प्रयासों के बावजूद वे और उनकी बहन विशिष्टतावाद छोड़ नहीं सके जो उनकी मां व विश्वसनीय सलाहकारों के कारण था। वे कल्पनालोक में रहे जिससे अपनी अमेठी सीट भी हार गए। इससे पूरे देश में छवि बनी कि राहुल और बहन प्रियंका नौसिखिये व अक्षम हैं तथा असली परिवर्तन लाने के बजाय वे लकीर पर चल रहे हैं। यही कांग्रेस की दुविधा है। राहुल पार्टी के बाहर और भीतर बनी छवि का शिकार हो गए हैं। वे पराजय भावना से ग्रस्त हैं।

- **अनन्या किशोर**, रायबरेली

दुविधा में पाकिस्तान

दुनिया जान गई है कि पाकिस्तान आतंक-निर्यात के लिए कश्मीर का बहाना बना रहा है तथा पुलवामा आतंकी हमले के बाद बालाकोट हवाई हमलों ने परिदृश्य बदल दिया है। मोदी की विजय के बाद इमरान को समझ लेना चाहिए कि उनको 'इंडिया, द बिग ब्वाय' का पुराना भारत-विरोधी विलाप जारी रखने पर पुनर्विचार करना होगा। आखिरकार उनके सदाबहार दोस्त चीन ने भी जैशे मुहम्मद प्रमुख मसूद अजहर को वैश्विक आतंकी की संरा. सूची में डालने की अनुमति दी। इससे स्पष्ट है कि भारत पाकिस्तान हितों में कोई समानता नहीं है। मोदी ने याद दिलाया है कि द्विपक्षीय वार्ता तभी बहाल होगी जब आतंक समाप्त हो जाए। बालाकोट न केवल महत्वपूर्ण चुनावी मुद्दा था, बल्कि यह दोनों देशों के बीच भावी संबंध भी परिभाषित करता है। यदि फिर आतंकी हमला होता है तो आतंकी शिविरों पर गैर-सैनिक आक्रामक जवाबी कार्रवाई हो सकती है। इमरान खान की असली चिन्ता यह है कि अब वे भारत के साथ छद्म-युद्ध को उचित नहीं ठहरा सकते।

- **कुमार कमलेश**, नोएडा

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते है।

फरमाया

ममता बनर्जी के शासनकाल में 100 से अधिक राजनीतिक हत्याएं हुई हैं। हम परिवारों व पीड़ितों को देश के सामने लाना चाहते हैं।

- **दिलीप घोष**
बंगाल भाजपा अध्यक्ष

यह झूठ है। बंगाल में कोई राजनीतिक हत्याएं नहीं हुई हैं। ये हत्यायें व्यक्तिगत कारणों से हो सकती हैं।

- **ममता बनर्जी**
पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री

सभी जानते हैं कि मतदाता अपने आर्थिक हितों से संचालित होते हैं। सवाल है कि इस बार भारतीय मतदाताओं ने ऐसा क्यों नहीं किया।

- **शशि थरूर**
कांग्रेस नेता

गरीबों का जीवन बेहतर बनाने के लिए काम करेंगे : मोदी

एजेंसी। नई दिल्ली

नरेन्द्र मोदी ने दूसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेने से पहले बृहस्पतिवार को महात्मा गांधी, अटल बिहारी वाजपेई को श्रद्धांजलि दी, राष्ट्रीय समर स्मारक पर शहीदों को नमन किया और कहा कि इनके आदर्श हमें गरीबों, वंचितों एवं हाशिए पर खड़े लोगों के जीवन एवं शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने तथा लोगों के जीवन में बदलाव लाने को प्रेरित करेंगे। साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय सुरक्षा को अपनी शीर्ष प्राथमिकता भी करार दिया। मोदी ने अपने ट्वीट में कहा, राजघाट जाकर बापू को श्रद्धांजलि दी, सम्मान प्रकट किया। इस वर्ष हम बापू की 150वीं जयंती मना रहे हैं। मैं आशा करता हूं कि यह विशेष अवसर बापू के नेक विचारों एवं आदर्शों को और लोकप्रिय बनाने तथा गरीबों, वंचितों एवं हाशिए पर खड़े लोगों को सशक्त बनाने की दिशा में हमें प्रेरित करेंगे। उन्होंने एक अन्य ट्वीट किया, हम अपने प्रिय

● कहा-सुरक्षा शीर्ष प्राथमिकता

● बापू और वाजपेयी को दी श्रद्धांजलि, युद्ध स्मारक पर शहीदों को किया नमन

अटलजी को हर क्षण स्मरण करते हैं। वे भाजपा को, लोगों की सेवा करने का इतना बड़ा अवसर मिलता देख, बहुत खुश होते।

मोदी ने कहा अटलजी के जीवन एवं उनके कार्यों से बहुत प्रेरित हूं। हम शासन व्यवस्था को बेहतर बनाने और लोगों के जीवन में बदलाव लाने की दिशा में प्रयास जारी रखेंगे। अपने ट्वीट में उन्होंने कहा, कर्तव्य का निर्वाह करते हुए शहीद होने वाले वीर पुरूषों एवं महिलाओं पर भारत को गर्व है। राष्ट्रीय समर स्मारक पर हमारे वीर सैनिकों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार भारत की एकता और अखंडता की सुरक्षा के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेगी। राष्ट्रीय सुरक्षा हमारी शीर्ष प्राथमिकता है।

मोदी सबसे पहले राजघाट पहुंचे, जहां उन्होंने महात्मा गांधी को श्रद्धांजलि दी। उसके बाद वह अटल बिहारी वाजपेई की समाधि सदैव अटल पहुंचे और वहां पूर्व प्रधानमंत्री को श्रद्धांजलि दी। इस दौरान उनके साथ भाजपा अध्यक्ष अमित शाह, जेपी नड्डा, पीयूष गोयल, रविशंकर प्रसाद, स्मृति ईरानी, प्रकाश जावडेकर, गिरिराज सिंह सहित भाजपा के कई नेता मौजूद थे। बापू और अटल को श्रद्धांजलि देने के बाद मोदी ने राष्ट्रीय समर स्मारक पहुंच कर शहीदों को नमन किया। उन्होंने इसी साल 26 फरवरी को राष्ट्रीय समर स्मारक का उद्घाटन किया था। इस दौरान उनके साथ निवर्तमान रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण और तीनों सेनाओं के प्रमुख भी मौजूद थे।

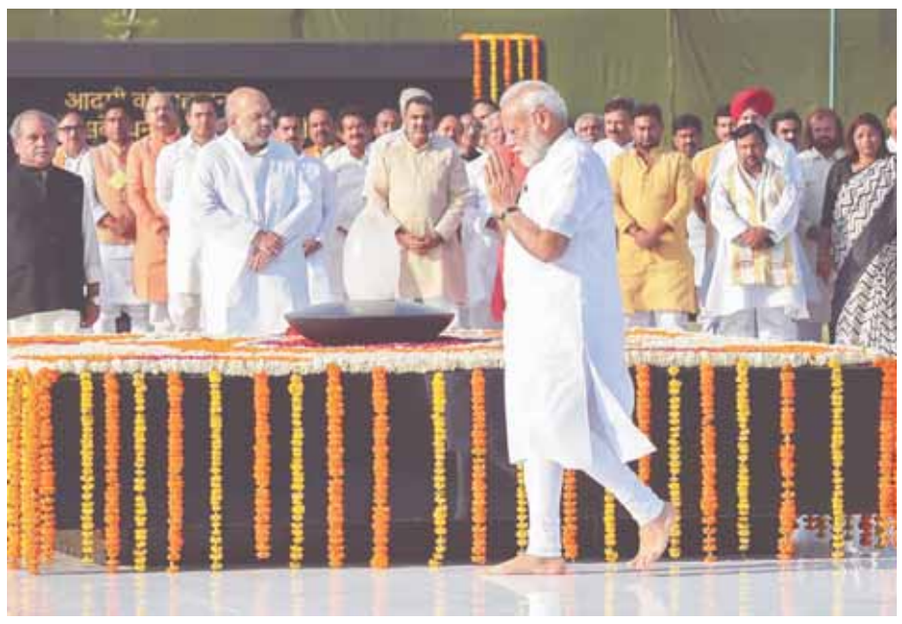

नई दिल्ली में गुरुवार को लगातार दूसरे कार्यकाल के लिए प्रधानमंत्री के रूप में शपथ लेने से पहले अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

गुजरात में यातायात पुलिस कर्मियों को मिलेगी लेजर गन

अहमदाबाद। गुजरात सरकार ने गति सीमा का उल्लंघन करने वाले वाहनों को निरुद्ध करने के लिए यातायात पुलिसकर्मियों को लेजर गन प्रदान करने का निर्णय लिया है। एक आधिकारिक विज्ञप्ति में कहा गया कि राज्य पुलिस की यातायात शाखा ने 3.9 करोड़ रुपए में उच्च तकनीक वाली ऐसी 39 गन खरीदीं हैं। विज्ञप्ति में राज्य यातायात शाखा के पुलिस अधीक्षक भगीरथ सिंह जडेजा के हवाले से कहा गया है कि, अमेरिका निर्मित ऐसी पांच में से तीन गन अहमदाबाद पुलिस को दी जाएगी और आने वाले दिनों में प्रत्एक जिले के पुलिस बल को यह गन मुहैया कराई जाएगी। जडेजा ने कहा कि लेजर तकनीक से युक्त ए गन वाहनों की गति का पता लगाएंगी। लेजर गन एक सेकेंड में एक साथ तीन वाहनों की गति को रिकॉर्ड कर सकती है, भले ही वाहन एक किलोमीटर दूर हो।

सुरक्षा बलों को और कुशल बनाने की जरूरतः धनोआ

● वायुसेना प्रमुख ने कहा- तकनीक आधारित युद्ध के लिए कौशल सीखें और अपनाएं एनडीए कैडेट

एजेंसी। पुणे

भारतीय वायुसेना के प्रमुख एयर चीफ मार्शल बी एस धनोवा ने कहा कि प्रौद्योगिकीय उन्नति और आग्नेयास्त्रों एवं कवच (कॉम्बैट गियर) को बेहतर बनाए जाने से युद्ध की क्षमता और तरीकों में काफी बदलाव आए हैं, लिहाजा तकनीक आधारित युद्ध का प्रभावी तौर पर सामना करने के लिए सुरक्षा बलों को कुशल बनाए जाने की जरूरत है। यहां खड़कवासला स्थित राष्ट्रीय रक्षा अकादमी (एनडीए) के 136वें पाठ्यक्रम के पासिंग आउट परेड के लिए समीक्षा अधिकारी के तौर पर आए धनोवा ने प्रशिक्षण पूरा कर रहे कैडेटों को संबोधित करते हुए यह बात कही। वायुसेना प्रमुख ने कहा, आग्नेयास्त्रों की रेंज और क्षमता तथा

कवच में सुधार, परमाणु, जैविक एवं रासायनिक हथियारों का सामने आना और इलेक्ट्रॉनिक एवं रात के वक्त लड़ाई की क्षमता के बेहतर होने से युद्ध के रेंज और तौर-तरीकों में काफी बदलाव आए हैं। उन्होंने कहा कि संचालन के स्तर पर डिजिटलीकृत संचार एवं उच्च-प्रौद्योगिकी वाले सेंसरों का व्यापक इस्तेमाल, युद्ध के मैदान की पल-पल की स्थिति की निगरानी, लक्ष्य की पहचान, रेकी से यह जटिल और बहुआयामी हो गया है। धनोवा ने कहा, आखिरकार, आपको कौशल सीखना होगा और इस तकनीकी आधारित युद्ध का प्रभावी तरीके से सामना करना होगा। कुल 291 कैडेटों एनडीए से स्नातक किया है। इसमें 218 थलसेना, 34 नौसेना एवं 39 वायुसेना के हैं। थलसेना में 15 विदेशों के भी कैडेट हैं। इनमें विदेशी कैडेट अफगानिस्तान, भूटान, श्रीलंका, वियतनाम, ताजिकिस्तान, मालदीव और पापुआ न्यू गिनी से हैं।

भाजपा बंगालियों और गैर बंगालियों में खाई पैदा कर रही हैः ममता

एजेंसी। नैहाटी

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने गुरुवार को देश के लोगों से आह्वान किया कि वे भाजपा के अत्याचार के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं और राज्य में भगवा दल पर बंगालियों और गैर बंगालियों के बीच खाई पैदा करने का आरोप लगाया। लोकसभा चुनावों में पार्टी का उम्मीद के अनुरूप प्रदर्शन नहीं रहने के बाद बनर्जी ने अपने पहले राजनीतिक कार्यक्रम में कहा, भाजपा राज्य में बंगाली और गैर बंगाली लोगों के बीच विभेद पैदा करने की कोशिश कर रही है। वे राज्य में सांप्रदायिक सद्भाव को खत्म करना चाहते हैं। मैं देश के लोगों से अपील करूंगी कि वे सांप्रदायिक विभाजन के खिलाफ अपनी आवाज उठाएं।

वह नैहाटी नगरपालिका के बाहर तृणमूल कांग्रेस के द्वारा आयोजित धरने में हिस्सा ले रही थीं। यह धरना चुनाव परिणामों की घोषणा के बाद हुई हिंसा के विरोध में आयोजित किया गया था। उन्होंने कहा, भाजपा के गुंडों ने 400 से अधिक बंगाली परिवारों को बेघर कर दिया। मैं उन गुंडों को नहीं बख्शूंगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कुछ पुलिस अधिकारी भाजपा नेताओं के इशारे पर काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम इसे बर्दाश्त नहीं करेंगे। हम उनके खिलाफ कार्वाई करेंगे। उन्होंने पार्टी काडर से आह्वान किया कि राज्य में भाजपा-आरएसएस के बढ़ते कदमों को रोकने के लिए बंग जननी वाहिनी और जय हिंद वाहिनी का गठन करें। उन्होंने कहा, ए दोनों संगठन राज्य के सभी प्रखंडों में काम करेंगे और भाजपा एवं आरएसएस का सामना करेंगे। भाजपा ने राज्य की लोकसभा की 42 सीटों में से 18 सीटें जीत ली हैं और यह तृणमूल कांग्रेस की जीती हुई 22 सीटों से केवल चार कम है। कांग्रेस ने दो सीटें जीतीं जबकि वामदल इस बार यहां से कोई सीट नहीं जीत सके।

उत्तर 24 परगना जिले के नैहाटी में लोकसभा चुनाव के नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं पर कथित हिंसा के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में आयोजित एक जनसभा को संबोधित करती हुईं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री और टीएमसी सुप्रीमो ममता बनर्जी

जय श्री राम के नारे को लेकर एक बार फिर हुईं नाराज

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी बृहस्पतिवार को उस समय बेहद नाराज हो गईं जब कुछ लोगों के एक समूह ने जय श्री राम के नारे लगाए। बनर्जी का काफिला उत्तरी 24 परगना जिले के संकटग्रस्त भाटपारा से गुजर रहा था तभी कुछ लोगों ने जय श्री राम के नारे लगाए जिसके बाद वह एक बार फिर अपना आपा खो बैठीं। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद अपने पार्टी कार्यकर्ताओं पर हुई हिंसा के खिलाफ एक धरने में हिस्सा लेने के लिए नैहाटी जा रही थी। सोशल मीडिया पर वायरल हुए एक वीडियो में कुछ लोग उस समय जय श्री राम के नारे लगाते हुए नजर आ रहे हैं, जब बनर्जी का काफिला भाटपारा क्षेत्र से गुजर रहा था। इस क्षेत्र में चुनाव परिणामों की घोषणा होने के बाद से भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के बीच हिंसा चल रही है। यह क्षेत्र भाजपा के नवनिर्वाचित सांसद अर्जुन सिंह का गढ़ माना जाता है। सिंह ने चुनाव में तृणमूल कांग्रेस के दिनेश त्रिवेदी को पराजित किया है। क्रोधित बनर्जी अपने कार से बाहर आई और उन्होंने अपने सुरक्षा अधिकारियों से इन पुरूषों के नाम लिखने को कहा। उन्हें यह कहते हुए सुना गया, आप अपने बारे में क्या सोचते हैं? आप अन्य राज्यों से आएंगे, यहां रहें और हमारे साथ दुर्व्यवहार करें। मैं इसे बर्दाश्त नहीं करूंगी। तुम्हारी हिम्मत कैसे हुई मुझे अपमानित करने की? आप सभी के नामों और विवरणों को लिख लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के अपनी कार में वापस जाने के बाद उन लोगों ने फिर से जय श्री राम के नारे लगाए जिस वजह से उन्हें फिर से एक बार अपने वाहन से उतरना पड़ा। इसके बाद नैहाटी में धरने में बैठे लोगों को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि भाजपा के कुछ कार्यकर्ता उनकी कार के सामने आए और उन्हें अपशब्द कहने लगे। उन्होंने पूछा, क्या यहीं लोकतंत्र है? इस घटना ने इस महीने की शुरूआत में पश्चिमी मिदनापुर जिले के चन्द्रकोना के निकट हुई इसी तरह की एक घटना की याद दिला दी। लोकसभा चुनाव प्रचार अभियान के दौरान सामने आई एक वीडियो में बनर्जी उस समय अपना आपा खोती नजर आई थीं जब उनका काफिला क्षेत्र से गुजर रहा था तो कुछ लोग जय श्री राम के नारे लगा रहे थे।

भारत वैकल्पिक क्षेत्रीय मंच को आकार दे रहा है : अहमद

हैदराबाद। एक पूर्व भारतीय राजनयिक ने कहा है कि बंगाल की खाड़ी बहु-क्षेत्रीय तकनीकी और आर्थिक सहयोग उपक्रम (बिम्सटेक) के सदस्य देशों के नेताओं को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के शपथ-ग्रहण समारोह में आमंत्रित करने का फैसला इस बात का संकेत है कि भारत अब एक वैकल्पिक क्षेत्रीय संवाद मंच को आकार दे रहा है, क्योंकि दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (दक्षेस) के आगे बढ़ने का कोई आधार नहीं है। 2014 में मोदी के शपथ-ग्रहण समारोह में दक्षेस नेताओं को आमंत्रित किया गया था। सऊदी अरब, ओमान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में भारतीय राजदूत रह चुके तलमीज अहमद ने कहा कि भारत-पाक संबंधों की स्थिति के कारण पिछले कई सालों से दक्षेस बिल्कुल निष्क्रिय रहा है। उन्होंने कहा, बिम्सटेक में पाकिस्तान को छोड़कर दक्षेस के लगभग सभी सदस्य देश हैं। बांग्लादेश, भारत, म्यांमा, श्रीलंका, थाइलैंड, नेपाल और भूटान बिम्सटेक के सदस्य हैं। अहमद ने पीटीआई-भाषा को बताया, और बिम्सटेक कहीं ज्यादा लचीला संगठन है। दक्षेस ज्यादा संरचनाबद्ध है। दक्षेस को आपकी जरूरत है, आप किसी एक देश को कोई पेशकश करते हैं, तो आपको दूसरों को भी उसकी पेशकश करनी होती है।

महाराष्ट्र के पीजी मेडिकल कोर्स में ईडब्ल्यूएस को नहीं मिलेगा आरक्षण

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने स्नातकोत्तर (पीजी) मेडिकल पाठ्यक्रमों में शैक्षणिक वर्ष 2019-20 के दाखिले में सभी वर्गों के आर्थिक रूप से कमजोर तबके (ईडब्ल्यूएस) के छात्रों के लिए 10 फीसदी आरक्षण की महाराष्ट्र सरकार की अधिसूचना पर बृहस्पतिवार को रोक लगा दी। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस की अवकाशकालीन पीठ ने कहा कि प्रक्रिया के जारी रहने के दौरान नियमों को नहीं बदला जा सकता है। शीर्ष न्यायालय ने इस बात का जिक्र किया कि महाराष्ट्र में 2019-20 के लिए पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों के लिए दाखिला प्रक्रिया 103 वें संविधान संशोधन और इसके बाद राज्य की अधिसूचना के जरिए 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस आरक्षण के क्रियान्वयन से काफी पहले शुरू हो गई थी।

न्यायालय ने कहा कि भारतीय चिकित्सा परिषद (एमसीआई) द्वारा अतिरिक्त सीटें सृजित किए जाने तक 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस आरक्षण अन्य लोगों की कीमत पर नहीं दिया जा सकता। पीठ ने कहा कि उसके निर्देश अंतरिम प्रकृति के हैं और याचिका पर आखिरी फैसला किए जाने तक लागू रहेंगे। यह याचिका सामान्य श्रेणी के तीन छात्रों ने दायर की थी। पीठ ने कहा, 10 फीसदी ईडब्ल्यूएस कोटा जारी दाखिला प्रक्रिया के लिए नहीं दिया जा सकता। जब प्रक्रिया जारी है तब आप इसके नियमों को नहीं बदल सकते। न्यायालय ने कहा कि मराठा आरक्षण पर इसी तरह के मामले में बंबई उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ अपील भी शीर्ष न्यायालय ने खारिज कर दिया है।

राकांपा ने भाजपा पर निशाना साधा

मुंबई। उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को फैसला दिया कि आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को मिलने वाला 10 प्रतिशत आरक्षण 2019-20 में महाराष्ट्र के पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिलों पर लागू नहीं होगा। न्यायालय के इस आदेश के बाद राकांपा ने आरोप लगाया कि झूठ बोलकर लोगों की आंखों में धूल झोंकना भाजपा की खूबी है। राकांपा के प्रदेश अध्यक्ष जयंत पाटिल ने आश्चर्य जताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के इस मुद्दे के हर पहलू का विस्तार से अध्ययन करने के बावजूद राज्य सरकार न्यायालय के समक्ष कैसे विफल हो गई। पाटिल ने मराठी में किए एक ट्वीट में कहा, झूठ बोलकर लोगों की आंखों में धूल झोंकना भाजपा की विशेषता हैउ यह उच्चतम न्यायालय द्वारा पहले मराठों और अब चिकित्सा शिक्षा में आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षणों पर रोक से स्पष्ट है। मुख्यमंत्री के हर पहलू का विस्तार से अध्ययन करने के बावजूद सरकार कैसे विफल रही? इससे पहले न्यायालय ने कहा कि आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग को मिलने वाला 10 प्रतिशत आरक्षण 2019-20 में महाराष्ट्र के पीजी मेडिकल पाठ्यक्रमों में दाखिलों पर लागू नहीं होगा क्योंकि इस प्रावधान के प्रभावी होने से पहले ही दाखिला प्रक्रिया शुरू हो चुकी थी।

चिदंबरम और कार्ति ने विदेशी बैंक खाते के बारे में सूचना छिपाई : ईडी

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रवर्तन निदेशालय ने गुरुवार को दिल्ली की एक अदालत में आरोप लगाया कि पूर्व केंद्रीय मंत्री पी चिदंबरम और उनके पुत्र कार्ति ने एयरसेल-मैक्सिस मामले में उसे और सीबीआई को कुछ विदेशी बैंक खातों के बारे में जानकारी नहीं दी। ईडी की ओर से उपस्थित सॉलीसीटर जनरल तुषार मेहता और वरिष्ठ अधिवक्ता सोनिया माथुर ने अदालत से कहा कि जांच एजेंसी को इन तथ्यों का पता चला है कि एडवांटेज स्ट्रैटजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर को एक कंपनी से धन मिला, जिसका नाम पनामा पेपर्स मामले में कथित तौर पर शामिल था। इस कंपनी का स्वामित्व चिदंबरम द्वय के पास है।

विधि अधिकारी ने आरोप लगाया कि एडवांटेज स्ट्रैटजिक कंसल्टिंग प्राइवेट लिमिटेड, सिंगापुर को जिस कंपनी से धन मिला वह ब्रिटिश वर्जिन आइलैंड में पंजीकृत है। एजेंसी की दलीलों पर गौर करते हुए विशेष न्यायाधीश ओ पी सैनी ने ईडी को विदेशी बैंक खाता मामले की जांच पूरी करने के लिए एक अगस्त तक का समय दिया। अदालत ने पिता-पुत्र द्वय की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और अभिषेक मनु सिंघवी की दलीलों पर भी गौर किया और गिरफ्तारी से उनके अंतरिम संरक्षण को बढ़ा दिया।

कांग्रेस के शीर्ष नेताओं ने शुरू में स्थगन के लिए ईडी की याचिका का विरोध किया। उन्होंने आरोप लगाया कि एजेंसी सुनवाई को बार-बार टालने की मांग कर रही है। सुनवाई के दौरान मेहता ने कहा, किसी भी आवेदक ने मेसर्स एडवांटेज स्ट्रैटजिक लिमिटेड, सिंगापुर के विदेशी बैंक खाते के बारे में इस तथ्य के बावजूद जानकारी नहीं दी कि दोनों के पास प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से उस कंपनी का स्वामित्व है। यह जांच एजेंसी है जिसने बैक खाते का पता लगाया। विधि अधिकारी ने कहा कि आठ विदेशी बैंक खाते हैं जिनका ईडी और सीबीआई जैसी जांच एजेंसियों के पास खुलासा नहीं किया गया। उन्होंने कहा, इन बैंक खातों में जमा रकम के स्रोत और उनसे धन निकालने के कारणों से जुड़ा अहम ब्योरा सिंगापुर के अधिकारियों से मिलने की अब भी प्रतीक्षा की जा रही है। एजेंसी ने कहा कि इस मुद्दे को ईडी ने तुरंत देखा और ईडी के विशेष निदेशक के नेतृत्व में अधिकारियों का दल सिंगापुर भेजा। उम्मीद की जाती है कि अग्रिम जमानत पर फैसले और आरोप पत्र का संज्ञान लेने के लिए अहम जानकारी जल्द मिलेगी।

सिगरेट की राख और बट में होते हैं 250 खतरनाक रसायन

● कहीं आप थर्ड हैंड स्मोकर तो नहीं

● विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर विशेष

एजेंसी। नई दिल्ली

धूम्रपान न करने वाले लोग यह सोचकर संतोष कर सकते हैं कि वह भारत में तंबाकू का सेवन करने वाले करोड़ों लोगों में शामिल नहीं हैं, उन्हें यह बात भी तसल्ली दे सकती हैं कि वह धूम्रपान करने वालों के आसपास नहीं बैठते इसलिए परोक्ष रूप से धुएं के संपर्क में आकर हर साल जान गंवाने वाले लाखों पैसिव स्मोकर्स में भी शुमार नहीं हैं, लेकिन उन्हें यह बात परेशान कर सकती है कि वह थर्ड हैंड स्मोकिंग के खतरे में हो सकते हैं क्योंकि सिगरेट पीने के घंटों बाद भी वातावरण और सिगरेट के अवशेषों में 250 से ज्यादा घातक रसायन होते हैं।

आम तौर पर सिगरेट पीने वाले और धुएं के सीधे संपर्क में आने वाले लोगों को धूम्रपान के दुष्प्रभाव का सामना करने वालों की श्रेणी में रखा जाता है, लेकिन अब नुकसान का यह दायरा बढ़ गया है। इसमें एक तीसरी कड़ी जुड़ गई है और यह तीसरी श्रेणी है, थर्ड हैंड स्मोकर्स की। थर्ड हैंड स्मोकिंग दरअसल सिगरेट के अवशेष हैं, जैसे बची राख, सिगरेट बट, और जिस जगह तंबाकू सेवन किया गया है, वहां के वातावरण में उपस्थित धुंए के रसायन। बंद कार, घर, आफिस का कमरा और वहां मौजूद फर्नीचर, आदि धूम्रपान के थर्ड हैंड स्मोकिंग एरिया बन जाते हैं। सिगरेट पीते हुए उसकी राख को एशट्रे में झाड़ना, खत्म होने पर सिगरेट के बट को एशट्रे में कुचल देना या बच्चों के आसपास सिगरेट ना पीना दरसअल सिगरेट के नुकसान को कुछ हद तक ही कम कर पाते हैं, पूरी तरह नहीं क्योंकि राख के कण, अधबुझी सिगरेट और धुएं का असर बहुत लंबे वक्त तक वातावरण को प्रभावित करते हैं।

धर्मशिला नारायणा सुपरस्पेशलिटी अस्पताल में सर्जिकल ओन्कोलॉजी निदेशक, डॉ अंशुमन कुमार थर्ड हैंड स्मोकिंग के बारे में जानकारी देते हुए कहते हैं, तंबाकू के सेवन के विषय में अकसर दो तरह के उपभोक्ता चर्चा में रहते हैं। एक तो वह लोग जो सीधे धूम्रपान करते हैं और दूसरे धुएं के संपर्क में आने वाले, जिन्हें पैसिव स्मोकर कहते हैं। तीसरी श्रेणी थर्ड हैंड स्मोकर्स की है जो सिगरेट के अवषेशों जैसे बची राख, सिगरेट बट, और जिस जगह तंबाकू सेवन किया गया है, वहां के वातावरण में उपस्थित धुएं के रसायन के संपर्क में आकर इसके शिकार बनते हैं।

श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टिट्यूट में सीनियर कंसलटेंट, रेस्पिरेटरी मेडिसिन, डॉ ज्ञानदीप मंगल बताते हैं कि एक मोटे अनुमान के अनुसार 90 प्रतिशत फेफड़े के कैंसर, 30 प्रतिशत अन्य प्रकार के कैंसर, 80 प्रतिशत ब्रोंकाइटिस, इन्फिसिमा एवं 20 से 25 प्रतिशत घातक हृदय रोगों का कारण धूम्रपान है। भारत में जितनी तेज़ी से धूम्रपान के रूप में तंबाकू का सेवन किया जा रहा है उससे अंदाज़ा लगाया जा सकता है कि हर साल तंबाकू सेवन के कारण कितनी जानें खतरे में हैं। तंबाकू पीने का जितना नुकसान है उससे कहीं ज़्यादा नुकसान इसे चबाने से होता है। तंबाकू में कार्बन मोनोऑक्साइड, और टार जैसे जहरीले पदार्थ पाए जाते हैं और यह सभी पदार्थ जानलेवा हैं।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में धूम्रपान करने वालों का 12 प्रतिशत भारत में है। देश में हर वर्ष एक करोड़ लोग तंबाकू के सेवन से होने वाली बीमारियों की चपेट में आकर अपनी जान गंवा देते हैं। किशोरों की बात करें तो 13 से 15 वर्ष के आयुवर्ग के 14.6 प्रतिशत लोग किसी न किसी तरह के तंबाकू का इस्तेमाल करते हैं। 30.2 प्रतिशत लोग इंडोर कार्यस्थल पर पैसिव स्मोकिंग के प्रभाव में आते हैं, 7.4 प्रतिशत रेस्टोरेंट में और 13 प्रतिशत लोग सार्वजनिक परिवहन के साधनों में धुएं के सीधे प्रभाव में आते हैं। धूम्रपान न करने वाले किशोरों की बात करें तो इनमें 36.6 प्रतिशत लोग सार्वजनिक स्थानों पर और 21.9 प्रतिशत लोग घरों में पैसिव स्मोकिंग के दायरे में आते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन दुनियाभर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और स्वास्थ्य के लिए खतरा पैदा करने वाले विषयों के प्रति जागरुकता अभियान चलाने में अग्रणी रहा है। दुनिया को तंबाकू से मुक्त करने के संकल्प के साथ सात अप्रैल 1988 को पहली बार डब्ल्यूएचओ की वर्षगांठ पर विश्व तंबाकू निषेध दिवस मनाया गया। बाद में 31 मई को विश्व तंबाकू निषेध दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की गई। इस वर्ष इसकी थीम तंबाकू और लंग कैंसर है।

जेपी हास्पिटल, नोएडा में असिस्टेंट डायरेक्टर सर्जिकल आंकोलॉजी डा. आशीष गोयल का कहना है कि तंबाकू का असर केवल लंग कैंसर तक ही सीमित नहीं है। यह मुंह के कैंसर, खाने की नलीका प्रभावित होना और फेफड़ों के संक्रमण का कारण भी हो सकता है। इसके अलावा एक डराने वाला तथ्य यह भी है कि तंबाकू छोड़ देने के बाद भी कैंसर की आशंका बनी रहती है। इसलिए यह जरूरी है कि इसके दुष्प्रभावों से बचने या उन्हें कम करने के उपाय करने की बजाय सिगरेट और तंबाकू के इस्तेमाल की बुरी लत को छोड़ने के उपाय किए जाएं।

ईडी के सामने फिर पेश हुए रॉबर्ट वाड्रा

धनशोधन मामला

एजेंसी। नई दिल्ली

कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी के बहनोई रॉबर्ट वाड्रा विदेश में कथित अवैध सम्पत्तियों की खरीदारी से जुड़े धनशोधन मामले में बृहस्पतिवार को प्रवर्तन निदेशालय के समक्ष पेश हुए। वाड्रा की पत्नी एवं कांग्रेस नेता प्रियंका ने सुबह करीब साढ़े 10 बजे उन्हें यहां इंडिया गेट के निकट एजेंसी के कार्यालय के बाहर छोड़ा। वाड्रा को मामले के जांच अधिकारी के समक्ष बयान देने के लिए बुलाया गया था जहां धनशोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत उनके बयान दर्ज किए जाएंगे। वाड्रा ने अपने ट्विटर और फेसबुक पेज पर बताया कि उनके खिलाफ दर्ज मामलों में जांच एजेंसी के सामने वह इस बार 11वीं बार पेश हुए और उनसे अब तक 70 घंटे पूछताछ हो चुकी है। वाड्रा ने अपनी पोस्ट में लिखा, भारतीय न्यायपालिका पर मुझे भरोसा है। मैंने सरकारी एजेंसियों के सभी समनानियमों का पालन किया है और मैं आगे भी करता रहूंगा। मैंने 11 बार बयान दिए हैं और इस दौरान करीब 70 घंटे मुझसे पूछताछ की गई। मैं भविष्य में भी तब तक सहयोग करूंगा, जब तक कि मैं सभी झूठे आरोपों में पाक साफ साबित नहीं हो जाता। एजेंसी ने वाड्रा की अग्रिम जमानत रद्द करने की हाल में मांग की थी और उनकी विदेश यात्रा का भी विरोध किया था। एक स्थानीय अदालत ने वाड्रा को विदेश यात्रा की अनुमति देने के संबंध में अपने आदेश को तीन जून के लिए बुधवार को सुरक्षित रख लिया था। ईडी ने पिछले ही हफ्ते वाड्रा को इस मामले में मिली अग्रिम जमानत रद्द करने के लिए अदालत का रुख किया था और तब दिल्ली उच्च न्यायालय ने जवाब मांगते हुए वाड्रा को नोटिस जारी किया था। ईडी ने दिल्ली उच्च न्यायालय से कहा था कि उन्हें वाड्रा को हिरासत में लेने की जरूरत है क्योंकि वह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं और निचली अदालत ने उन्हें राहत देने वाले आदेश में मामले की गंभीरता पर विचार नहीं किया।

अमरिंदर-सिद्धू में खींचतान हुई तेज

● पूर्व क्रिकेटर ने कैप्टन पर किया पलटवार

एजेंसी। चंडीगढ़

पंजाब के मंत्री नवजोत सिंह सिद्धू ने गुरुवार को मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह पर पलटवार करते हुए कहा कि उन्हें अनुचित तरीके से कांग्रेस के खराब प्रदर्शन के लिए जिम्मेदार ठहराया जा रहा है और कुछ लोग उन्हें पार्टी से बाहर निकालना चाहते हैं। सिद्धू ने अपने स्थानीय निकाय विभाग के कामकाज का भी बचाव करते हुए कहा कि अमरिंदर सिंह सरकार के किसी और मंत्री ने इतनी पारदर्शिता से काम नहीं किया। मुख्यमंत्री ने हाल में कहा था कि मंत्री के तौर पर सिद्धू के प्रदर्शन की समीक्षा की जरूरत है और वह अपना ही विभाग संभाल पाने में सक्षम नहीं हैं , इसके बाद सिद्धू की तरफ से यह प्रतिक्रिया आई है। अमरिंदर सिंह ने कहा था कि पंजाब के शहरी इलाकों में कांग्रेस का प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा। सिद्धू शहरी विकास मंत्री हैं। बेअदबी मामले में सिद्धू की टिप्पणी का बठिंडा में पार्टी के प्रदर्शन पर असर पड़ने की संभावना का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा था कि चुनाव नतीजों के बाद वह पार्टी आलाकमान के समक्ष यह मुद्दा उठाएंगे। मुख्यमंत्री की टिप्पणी पर प्रतिक्रिया करते हुए सिद्धू ने कहा कि जब उन्होंने विभाग का जिम्मा संभाला था तो वह दिशाहीन जहाज था। क्रिकेटर से अभिनेता बने सिद्धू ने कहा कि बीते दो साल में उनके विभाग ने 6000 करोड़ रुपए अर्जित किए। उसकी सभी परियोजनाएं युद्धस्तर पर पूरी की जा रही हैं। सिद्धू ने कहा, वही आठ या नौ लोग हैं जो पूर्व में भी उन्हें पार्टी से बाहर करना चाहते थे, लेकिन मैंने उनके खिलाफ कभी एक शब्द भी नहीं बोला। उन्होंने कहा, विभाग के पास पांच पैसा भी नहीं था। कर्मचारियों को वेतन देने के लिए पैसे नहीं थे, कोई दृष्टि नहीं थी, कोई जवाबदेही नहीं थी और उसके काम करने के तौर-तरीकों पर कोई सवाल नहीं उठा रहा था।

कांग्रेस के 12 विधायकों ने पीसीसी पद छोड़े, कहा-पार्टी छोड़ने की मंशा नहीं

इंफाल। मणिपुर में कांग्रेस के 12 विधायकों ने पार्टी की प्रदेश इकाई के पदों से इस्तीफा दे दिया है जिससे उनके सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो जाने की अटकलें तेज हो गई हैं। हालांकि, उनमें से कांग्रेस के एक वरिष्ठ विधायक ने बृहस्पतिवार को कहा कि उनकी मंशा किसी अन्य पार्टी में शामिल होने की नहीं है। इस पूर्वोत्तर राज्य की दोनों लोकसभा सीट हारने के बाद विधायकों ने प्रदेश कांग्रेस कमिटी (पीसीसी) से बुधवार को इस्तीफा दे दिया। आंतरिक मणिपुर सीट पर जहां भाजपा के राजकुमार रंजन सिंह को जीत मिली वहीं बाह्य मणिपुर निर्वाचन क्षेत्र नगा पीपुल्स फ्रंट के लोरहो एस फोजे के हिस्से आई।

प्रधानमंत्री के रूप में दूसरी बार शपथग्रहण से पूर्व नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को नई दिल्ली स्थित अटलबिहारी वाजपेयी के स्मारक स्थल जाकर उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की

पेज एक का शेष

आन-बान और...

रामेश्वर तेली, प्रताप चंद्र सारंगी, कैलाश चौधरी और देवश्री चौधरी शामिल हैं।नए भारत के निर्माण और भारत को विश्व की बड़ी ताकत बनाने का संकल्प लिए पूरी शिद्दत से आगे बढ़ते प्रधानमंत्री मोदी ने अपने मंत्रीमंडल के गठन में अनुभव और ऊर्जा के बीच जहां तालमेल बैठाया है वहीं क्षेत्रीय संतुलन को भी बनाए रखा है। आड़े वक्त में काम आने वाले सहयोगियों को उचित मान दिया है और, अमूमन सभी राज्यों को प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की है। अब इस टीम पर देश के त्वरित और चहुंमुखी विकास की जिम्मेदारी होगी। राष्ट्रपति भवन में अब तक के सबसे बड़े और भव्य आयोजन में राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद ने पीएम मोदी समेत कुल 58 मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई। शपथ ग्रहण कार्यक्रम दो घंटे तक चला और इस दौरान तमाम देशों के शासनाध्यक्ष, पक्ष-विपक्ष के राजनेताओं, मुख्यमंत्रियों, राज्यपालों और हर क्षेत्र की नामचीन हस्तियां वहां मौजूद थीं। समारोह शाम 7 बजे शुरू हुआ लेकिन मेहमानों का जमावड़ा दोपहर बाद से ही होने लगा था। हर कोई इस ऐतिहासिक घड़ी का गवाह बन इसे संजो लेना चाहता था। वीवीआईपी लोगों में पूर्व राष्ट्रपति प्रतिभा पाटिल, पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह, कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी, संप्रग नेता सोनिया गांधी, वरिष्ठ भाजपा नेता लालकृष्ण आडवाणी, मुरली मनोहर जोशी, आध्यात्मिक गुरु जग्गी वासुदेव, मुकेश - नीता अंबानी, रतन टाटा, एलएन मित्तल, गौतम अडानी भी शामिल थे। केंद्र में अपनी दूसरी पारी शुरू करने से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने महात्मा गांधी और अटल बिहारी वाजपेयी की समाधि पर जाकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। वह शहीद स्मारक भी गए और देश पर कुर्बान होने वालों को श्रद्धासुमन चढ़ाए।

नड्डा का...

पांच साल के कार्यकाल के बावजूद 2019 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 542 में से 303 लोकसभा सीटें जीतने का करिश्मा कर दिखाया। खासकर पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिण भारत में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के लिए शाह की सफल रणनीति को जाता है। राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि विचारधारा की दृढ़ता, असीमित कल्पनाशीलता और वास्तविक राजनीतिक लचीलेपन का शानदार समन्वय कर उन्होंने चुनावी समर में भाजपा की शानदार जीत का मार्ग प्रशस्त किया। शाह ने बिहार और महाराष्ट्र में न केवल राजग के घटक दलों के साथ गठबंधन को लेकर लचीला रुख अपनाया बल्कि स्थानीय स्तर पर प्रतिद्वन्द्वी दलों के वोट बैंक को अपनी पार्टी के पाले में लाने में भी कामयाब रहे। उन्होंने तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भी गठबंधन किया। पूर्वोत्तर में गठबंधन के परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आए हैं। राजनीति के इस माहिर रणनीतिकार ने पंचायत से लेकर संसद तक भाजपा को सत्ता में लाने के सपने को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्ध पहल की। जुलाई 2014 में भाजपा अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद भाजपा के विस्तार के लिए उन्होंने पूरे देश का दौरा किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को जी-जान से जुट जाने का संदेश दिया। शाह ने पहली बार 1991 के लोकसभा चुनाव में गांधीनगर में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का चुनाव प्रबंधन संभाला था। शतरंज खेलने से लेकर क्रिकेट देखने एवं संगीत में भी गहरी रुचि रखने वाले 54 वर्षीय शाह पारिवारिक और सामाजिक मेल-मिलाप में बहुत कम वक्त जाया करते हैं। संगठन और प्रबंधन के माहिर खिलाड़ी शाह ने पहली बार सरखेज से 1997 के विधानसभा उपचुनाव में किस्मत आजमाई और 2012 तक लगातार पांच बार वहां से विधायक चुने गए। सरखेज की जीत ने उन्हें गुजरात में युवा और तेजतर्रार नेता के रूप में स्थापित किया और वह आगे बढ़ते गए। नरेंद्र मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद शाह और अधिक मजबूती से उभरे। 2003 से 2010 तक गुजरात सरकार की कैबिनेट में उन्होंने गृह मंत्रालय का जिम्मा संभाला। जब नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय राजनीतिक पटल पर आए तो उनके सबसे करीबी माने जाने वाले अमित शाह भी देश में भाजपा के प्रचार प्रसार में जुट गए। उनकी मेहनत व कौशल के दम पर भाजपा लगातार दूसरी बार केंद्र में स्पष्ट बहुमत की सरकार बनाने का इतिहास रच पाई।

कैबिनेट में...

हैं। उत्तराखंड से सांसद रमेश पोखरियाल निशंक भी मोदी मंत्रिमंडल में मंत्री बनाए गए नए चेहरों में शामिल हैं। उन्होंने कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। पोखरियाल उत्तराखंड के सीएम रह चुके हैं। भाजपा के दिग्गज युवा नेता अनुराग ठाकुर हिमाचल प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री प्रेम कुमार धूमल के बेटे हैं। वह बीसीसीआई के अध्यक्ष रह चुके हैं। वह कभी भी अपनी हमीरपुर सीट से चुनाव नहीं हारे हैं। उत्तर प्रदेश भाजपा की वरिष्ठ नेता और इलाहाबाद से सांसद चुनकर आईं रीता बहुगुणा जोशी भी पहली बार मंत्री बनने वालों में शामिल हैं। वह 24 सालों तक कांग्रेस में रहीं और 2016 में ही भाजपा में शामिल हुई थीं। बिहार की उजैरपुर सीट से जीते नित्यानंद राय भी खास नए चेहरों में हैं। राज्य में भाजपा के बड़े नेता हैं और दूसरी बार चुन कर संसद पहुंचे हैं। तेलंगाना राज्य भाजपा अध्यक्ष जी कृष्ण रेड्डी को भी मोदी कैबिनेट में जगह मिली है। झारखंड में पार्टी को धमाकेदार जीत दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पूर्व मुख्यमंत्री अर्जुन मुंडा को भी मंत्री पद से नवाजा गया है। वह राज्य के लोकप्रिय नेता हैं। हरियाणा के अंबाला में कांग्रेस की दिग्गज नेता कुमारी शैलजा को हराकर सांसद बने भाजपा के वरिष्ठ नेता रतन लाल कटारिया को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया गया है। इनके अलावा बड़े और चौंकाने वाले दिग्गजों में एक और नाम है जिन्हें पीएम मोदी ने सरकार में शामिल किया है और उनका नाम है प्रताप चंद्रा सारंगी। ओडिशा के बालासोर से सांसद बने 64 वर्षीय सारंगी को साइकिल वाले नेता के तौर पर पहचान हासिल है। वह अपने ज्यादातर काम खुद करते हैं।

मोदी कैबिनेट ...

अटल बिहारी वाजेपयी की राजनीतिक विरासत को संभालते हुए दोबारा सांसद चुने गए हैं। इस बार राजनाथ ने पिछले लोकसभा चुनाव की तुलना में ज्यादा अंतर से जीत हासिल की है। अमेठी में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को हराकर स्मृति लोकसभा पहुंची हैं। इससे पहले राज्यसभा सदस्य स्मृति ईरानी ने केंद्रीय मंत्री रहते हुए अमेठी में पार्टी को मजबूत करने का काम किया। 2014 के चुनाव में स्मृति ईरानी हार गईं थीं लेकिन उन्होंने अमेठी में भाजपा को मजबूत करने का संकल्प क्षीण नहीं होने दिया। अमेठी की जनता इस बात को स्वीकार करती रही कि जीत के बाद भी राहुल जितनी बार अमेठी नहीं आए थे, उससे कहीं ज्यादा हारकर स्मृति ईरानी अमेठी आती रही। अपनी मेहनत के जरिए स्मृति ने बड़ी जीत अमेठी से हासिल कर मोदी कैबिनेट में जगह बनाई है। बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष डॉ. महेंद्र नाथ पांडेय ने चुनाव में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और संगठन को मजबूत किया। चंदौली से लगातार वह दूसरी बार सांसद बने हैं और उनको मोदी कैबिनेट में जगह मिली है। संघ और भाजपा में अच्छी हैसियत रखने वाले महेंद्र नाथ पांडेय ने पार्टी के एक अनुशासित फौजी के रूप में दोहरी जिम्मेदारी निभाई है। चंदौली में बहैसियत सांसद अपने कर्तव्य पूरे करने के साथ ही वह पार्टी और संगठन के कामों में तालमेल बैठाकर चुनाव प्रचार में जुटे रहे। अब उन्हें उनकी कड़ी मेहनत का इनाम मिला है। रामपुर से चुनाव लड़ने वाले मुख्तार अब्बास नकवी को कैबिनेट मंत्री बनाया गया है। वह इस समय राज्यसभा सांसद हैं। मुख्तार को कैबिनेट में जगह देकर मोदी ने अल्पसंख्यकों पर भरोसा जताने की पूरी कोशिश की है। गाजियाबाद से रिकार्ड मतों से चुनाव जीते वीके सिंह को फिर राज्यमंत्री बनाया गया है। वीके सिंह इस बार पांच लाख से अधिक मतों से चुनाव जीते हैं। मुजफ्फरनगर से राष्ट्रीय लोक दल के अध्यक्ष चौधरी अजित सिंह को हराकर लोकसभा पहुंचने वाले डॉ. संजीव बालियान को राज्यमंत्री बनाया गया है। 2014 के केंद्रीय मंत्रिमंडल में बलियान को राज्यमंत्री बनाया गया था लेकिन मुजफ्फरनगर में हुए दंगों के बाद सितंबर 2017 में उन्हें मंत्रिमंडल से हटा दिया गया था। उनकी जगह जाट चेहरे के रूप में सत्यपाल सिंह को मंत्रिमंडल में जगह दी गई थी। सत्यपाल अजित सिंह के पुत्र जयंत चौधरी को हराकर इस बार भी लोकसभा पहुंचे हैं। फतेहपुर से दूसरी बार सांसद बनी साध्वी निरंजन ज्योति को राज्यमंत्री के रूप में मंत्रिमंडल में जगह दी गई है। निरंजन लोध जाति का प्रतिनिधित्व करती हैं। प्रदेश से राज्यसभा सांसद हरदीप सिंह पुरी को भी राज्यमंत्री स्वतंत्र प्रभार बनाया गया है।

असम एनआरसी: दावों और आपत्तियों के निबटारे में निष्पक्ष प्रक्रिया सुनिश्चत की जाए: न्यायालय

एजेंसी। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने बृहस्पतिवार को असम राज्य के राष्ट्रीय नागरिक पंजी के समन्वयक को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया कि नागरिक पंजी के मसौदे में लोगों के नाम शामिल करने या बाहर रखने के बारे में दावे और आपत्तियों के निबटारे में उचित प्रक्रिया अपनाई जाए। प्रधान न्यायाधीश रंजन गोगोई और न्यायमूर्ति अनिरूद्ध बोस की अवकाश पीठ ने राज्य के समन्वयक प्रतीक हजेला से कहा कि हालांकि अंतिम नागरिक पंजी के प्रकाशन की तारीख 31 जुलाई का पालन होना है लेकिन इसके लिए दावों और आपत्तियों का कानून के अनुसार ही निबटारा होना चाहिए। पीठ ने कहा, आपका (हजेला) काम यह सुनिश्चित करना है कि दावों और आपत्तियों के बारे में निष्पक्ष और सही तरीके से सुनवाई हो। एक समय सीमा निर्धारित है। एक समय सीमा निर्धारित होने का मतलब यह नहीं है कि आपके अधिकारी इसे पूरा करने के लिए प्रक्रिया को छोटा कर देंगे। दावों और आपत्तियों के निबटारे के लिए अपनाई जा रही प्रक्रिया के बारे में परेशान करने वाली मीडिया की खबरों का जिक्र करते हुए पीठ ने कहा कि हालांकि हमेशा ही मीडिया की रिपोर्ट सही नहीं होती हैं लेकिन कई बार ए सही भी होती हैं। पीठ ने हजेला से कहा, अपने अधिकारियों से कहिए कि वे दावों और आपत्तियों के निबटारे के लिए उचित प्रक्रिया का पालन करें और इस संबंध में लोगों के पक्ष की ठीक से सुनवाई करें। शीर्ष अदालत ने कहा कि इस मामले में राज्य समन्वयक की प्रगति रिपोर्ट का उसने अवलोकन किया है और यह काम चल रहा है। प्रधान न्यायाधीश ने हजेला से कहा कि वह दावे और आपत्तियों का निबटारा करने वाले जिला स्तर के अधिकारियों के साथ तालमेल बनाएं ताकि इस काम के लिए सही प्रक्रिया अपनाई जा सके। पीठ ने उनसे कहा कि यदि उन्हें किसी प्रकार की कठिनाई या कहीं से किसी दबाव का सामना करना पड़े तो वह शीर्ष अदालत के सेक्रेटरी जनरल से संपर्क करें और ऐसे मामले की न्यायालय सुनवाई करेगा। पीठ ने अपने आदेश में कहा कि सारे दावों और आपत्तियों की सुनवाई करके उनका समय के भीतर निबटारा किया जाएगा ताकि असम के लिए अंतिम रूप दी गई राष्ट्रीय नागरिक पंजी इस साल 31 जुलाई तक प्रकाशित की जा सके। पीठ ने कहा, ऐसा करते समय राज्य समन्वयक यह सुनिश्चित करेंगे कि सभी प्रभावित पक्षों को सुनवाई का उचित अवसर मिले। इसके साथ ही पीठ ने इस मामले में किसी प्रकार की परेशानी सामने आने पर हजेला को ग्रीष्मावकाश के दौरान शीर्ष अदालत के सेक्रेटरी जनरल के सामने इसका उल्लेख करने की अनुमति भी प्रदान कर दी। पीठ ने कहा कि इस मामले में अब ग्रीष्मावकाश के तुरंत बाद जुलाई में सुनवाई की जाएगी। शीर्ष अदालत ने आठ मई को एक बार फिर स्पष्ट किया था कि वह राष्ट्रीय नागरिक पंजी को अंतिम रूप देकर इसका प्रकाशन करने के लिए निर्धारित 31 जुलाई की समय सीमा आगे नहीं बढ़ाएगी। न्यायालय ने राज्य समन्वयक को शिकायतों का निबटारा करने के लिए खुली छूट दे दी थी।

मोदी के दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने की खुशी में भाजपा पार्षद ने चमकाए लोगों के जूते

इंदौर। भाजपा के शीर्ष नेता नरेंद्र मोदी के लगातार दूसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने पर खुशी जाहिर करने के लिए यहां भाजपा के एक पार्षद ने बृहस्पतिवार को अनोखा तरीका खोज निकाला और उन्होंने आम लोगों के जूते पॉलिश किए। इस वीडियो को लेकर सोशल मीडिया पर अलग-अलग प्रतिक्रियाएं सामने आई हैं। शहर के वॉर्ड क्रमांक 37 के भाजपा पार्षद संजय कटारिया ने रेडिसन चौराहे पर आम लोगों के जूते चमकाए। जूता पॉलिश का सबब पूछे जाने पर कटारिया ने संवाददाताओं से कहा,"हम हाल के लोकसभा चुनावों में भाजपा की प्रचंड जीत और मोदी के लगातार दूसरी बार प्रधानमंत्री बनने पर खुशी का इजहार करते हुए जनता का आभार व्यक्त कर रहे हैं। भाजपा पार्षद ने कहा, मोदी ने प्रधानमंत्री के रूप में देश से वीआईपी संस्कृति खत्म की है। उन्होंने निर्वाचित जन प्रतिनिधियों की गाड़ियों से लाल बत्ती हटवाई है। हम मोदी के सादगी के सन्देश को जनता तक पहुंचा रहे हैं"। बहरहाल, आम लोगों के जूते चमकाने की कटारिया की"पहले की सोशल मीडिया पर कई लोगों ने तारीफ की, तो कई उपयोगकर्ताओं ने इस कृत्य को लेकर उनकी खिंचाई भी की।

युवक और युवती ने ट्रेन के आगे कूदकर की आत्महत्या

जयपुर। जयपुर आयुक्तालय के करधनी थाना क्षेत्र मे गुरुवार को युवक और युवती ने चलती ट्रेन के आगे कूदकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। थानाधिकारी इस्लाम खान ने बताया कि कनकपुरा स्टेशन के पास युवक और युवती ने चलती ट्रेन के आगे कूद कर आत्महत्या कर ली। दोनो के शवो को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। परिजनो को भी सूचना दी गई है। उन्होने बताया कि युवक की पहचान नवीन कुमावत :27: और युवती की पहचान सुनीता :23: के रूप मे की गई है।

विपक्षी पार्टियों की सरकार को परेशान कर रही है भाजपा की नवनिर्वाचित सरकार : गहलोत

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने केन्द्र में भाजपा की नवनिर्वाचित सरकार पर विपक्षी पार्टियों की सरकार को परेशान करने और गिराने का प्रयास करने का आरोप लगाया है। गहलोत ने बृहस्पतिवार को ट्वीट किया कि नवनिर्वाचित भाजपा सरकार शपथ समारोह से पूर्व विपक्षी पार्टियों की पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, और मध्यप्रदेश की सरकारों को परेशान करने तथा गिराने का प्रयास कर रही है। वही दूसरी तरफ उन्होने नवनिर्वाचित सरकार को अपनी शुभकामनाएं भेजी।

चिदंबरम, कार्ति को एक अगस्त तक गिरफ्तारी से राहत

● एयरसेल मैक्सिस मामला

एजेंसी। नई दिल्ली

दिल्ली की एक अदालत ने एयरसेल मैक्सिस मामले में पूर्व केन्द्रीय मंत्री पी. चिदंबरम और उनके बेटे कार्ति चिदंबरम को गिरफ्तारी से मिली अंतरिम छूट बृहस्पतिवार को एक अगस्त तक बढ़ा दी। दोनों के खिलाफ मामलों की जांच सीबीआई और प्रवर्तन निदेशालय कर रहे हैं। विशेष जज ओ. पी. सैनी ने दोनों पक्षों की बात सुनने के बाद छूट की अवधि बढ़ाई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दोनों की अग्रिम जमानत पर दलीलें पेश करने के लिए तीन सप्ताह का समय मांगा।

इस पर चिदंबरम और उनके पुत्र के वकील ने उन्हें पहले से प्राप्त गिरफ्तारी से छूट की अवधि बढ़ाने को कहा। एजेंसी ने कहा कि उनके विशेष निदेशक सिंगापुर गए हैं और यह देखना होगा कि इसमें कुछ प्रगति हुई है या नहीं। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि वह जिन बैंक खातों पर जांच कर रहा है, उनसे जुड़ी सभी जानकारियां उपलब्ध हैं।

यह मामला एयरसेल मैक्सिस सौदे में फॉरेन इन्वेस्टमेंट प्रमोशन बोर्ड की मंजूरी में कथित अनियमितताओं से संबंधित है।

आंध्र के सीएम बने जगन मोहन रेड्डी

दिल्ली में नहीं मिली प्लेन को उतरने की इजाजत

● पीएम के शपथ ग्रहण समारोह में नहीं हो सके शामिल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा लोकसभा चुनाव में प्रचंड जीत के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दूसरे कार्यकाल के लिए गुरुवार को शपथ ली। समारोह में तमाम नेताओं ने भाग लिया लेकिन आंध्र प्रदेश और तेलंगाना के मुख्यमंत्रियों के विमान को राष्ट्रीय राजधानी में लैंड करने की इजाजत नहीं, जिसकी वजह से दोनों नेताओं ने समारोह में शामिल होने के लिए दिल्ली आने का दौरा रद्द कर दिया है।

शपथ ग्रहण समारोह में न आने वाले अन्य मुख्यमंत्रियों ने पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और ओडिशा के सीएम नवीन पटनायक

शामिल हैं। ममता बनर्जी ने बुधवार को ही साफ कर दिया था कि वे कार्यक्रम में शिरकत नहीं करेंगी।

बताया जा रहा है कि आंध्रप्रदेश के मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी ने गुरुवार को पद की शपथ ली और तेलंगाना के मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव भी उनके शपथ ग्रहण समारोह में शामिल हुए थे, दोनों नेता एक विशेष विमान से दिल्ली आने वाले थे।

अधिकारियों ने कहा, मुख्यमंत्रियों को नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) से इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर अपराह्न 3.30 बजे से लेकर रात 11 बजे तक बिना निर्धारित कार्यक्रम के विमान उतारने की पाबंदी की वजह से इजाजत नहीं मिली।

अनुमति न मिलने पर जगन रेड्डी और राव ने दिल्ली आने का दौरा रद्द कर दिया। इसके बाद जगन रेड्डी ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री और द्रमुक नेता एमके स्टालिन के लिए लंच का इंतजाम किया।

पवार से मिले राहुल, विलय को लेकर कयास तेज

● राकांपा नेता ने बेबुनियाद करार दिया

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

लोकसभा चुनावों में करारी हार के बाद कांग्रेस और एनसीपी (राकांपा) विलय की संभावनाएं तलाश रही हैं जिससे कि निचले सदन में नेता प्रतिपक्ष बनाया जा सके। कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि दोनों पक्ष इन संभावनाओं को देख रहा है और इस संबंध में कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी ने गुरुवार को एनसीपी नेता शरद पवार से मुलाकात भी की। लोकसभा चुनावों में पार्टी के बेहद निराशाजनक प्रदर्शन के बाद कांग्रेस अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने पर अड़े राहुल गांधी आज पवार के घर पहुंचे और करीब एक घंटे तक वहां रहें। माना जा रहा है कि राहुल ने मौजूदा राजनीतिक हालात पर उनसे चर्चा की।

हालांकि पवार ने विलय से इनकार किया और इसे आधारहीन बताया। लेकिन कांग्रेस सूत्रों ने कहा कि घटक दल एनसीपी के कांग्रेस में विलय के मुद्दे पर चर्चा हुई थी। सूत्रों ने यह भी कहा कि पवार ने राहुल को पार्टी अध्यक्ष बने रहने पर जोर दिया। 1999 में नेशनलिस्ट कांग्रेस पार्टी का गठन करने से पहले पवार कांग्रेस में थे। राजीव गांधी की हत्या के बाद कांग्रेस की बागडोर संभालने वाली सोनिया गांधी के नागरिकता पर सवाल उठाते हुए मराठा नेता ने तारिक अनवर तथा पूर्व लोकसभा स्पीकर स्वर्गीय पीए संगमा के साथ पार्टी छोड़ दी थी। बिहार से दो बार लोकसभा सांसद रह चुके अनवर लोकसभा चुनाव से पहले कांग्रेस में शामिल हो गए थे। इससे पहले वे बिहार से एनसीपी का प्रतिनिधित्व करते थे।

बहरहाल एनसीपी सूत्र अभी तक विलय की संभावनाओं से इनकार कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल, मल्लिकार्जुन खड़गे तथा दिग्विजय सिंह ने कई दौर की बैठकें कर पार्टी के सामने पेश मौजूदा संकट पर चर्चा की। यह बैठक शनिवार को कांग्रेस संसदीय दल की बैठक से पहले हुई, जहां नव निर्वाचित कांग्रेस सांसद अपने नए नेता को चुनेंगे। राहुल गांधी पार्टी अध्यक्ष पद छोड़ने पर अड़े हैं लेकिन वे लोकसभा में पार्टी के नेता बनने को तैयार हैं। पिछली लोकसभा में कांग्रेस के पास 42 सांसद थे और कांग्रेस के पास नेता प्रतिपक्ष का दर्जा नहीं था, लिहाजा मल्लिकार्जुन नेता विपक्ष थे, जो इस बार चुनाव हार गए हैं।

सूत्रों ने कहा ' यदि कांग्रेस और एनसीपी के बीच विलय पर सहमति बन गई तो मौजूदा लोकसभा में कांग्रेस को नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिल जाएगा।' नई लोकसभा में कांग्रेस ने 52 सीटें जीती है और इसके चलते उनका कोई भी नेता लोकसभा में नेता विपक्ष का दर्जा हासिल करने के योग्य नहीं है। सदन के नेता का दर्जा मुख्य विपक्षी पार्टी को दिया जाता बशर्ते वह लोकसभा की 543 सीटों में कम से कम 10 फीसदी सीट हासिल करे और कांग्रेस इससे कुछ सीटें कम रह गई।

यदि एनसीपी का विलय हो जाता है तो नई लोकसभा में एनसीपी के पांच सांसदों को मिलाकर कांग्रेस के पास 57 सांसद हो जाएंगे और कांग्रेस पार्टी के नेता को सदन में नेता प्रतिपक्ष का दर्जा मिल जाएगा। सूत्रों ने कहा ' इससे दोनों पार्टियां सितंबर-अक्तूबर में महाराष्ट्र में होने जा रहे विधानसभा चुनाव में एक होकर लड़ेंगी और इसका लाभ भी मिलेगा।' इससे पहले कर्नाटक के मुख्यमंत्री एचडी कुमारस्वामी ने राहुल से उनके आवास पर मुलाकात की, जहां सोनिया गांधी भी मौजूद थीं। कुमारस्वामी ने राहुल से पद न छोड़ने का अनुरोध किया।

मोदी सरकार के नगीने

बड़े-बड़े भी समझ नहीं पाते शाह की रणनीति

नई दिल्ली। एजेंसी

शतरंज खेलने, क्रिकेट देखने एवं संगीत में गहरी रुचि रखने वाले भाजपा के चाणक्य अमित शाह ने राज्य दर राज्य भाजपा की सफलता की गाथा लिखते हुए इस बार लोकसभा में पार्टी के सदस्यों की संख्या 303 करने में महती भूमिका निभाई है। अमित शाह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल सदस्य के रूप में पद एवं गोपनीयता की शपथ ली।

वर्तमान लोकसभा चुनाव में पश्चिम बंगाल, ओडिशा और दक्षिण भारत में पार्टी के बेहतर प्रदर्शन के लिए भाजपा अध्यक्ष शाह की सफल रणनीति को श्रेय दे रहे राजनीतिक विश्लेषक मानते हैं कि विचारधारा की दृढ़ता, असीमित कल्पनाशीलता और वास्तविक राजनीतिक लचीलेपन का शानदार समन्वय कर शाह ने चुनावी समर में भाजपा की शानदार जीत का मार्ग प्रशस्त किया। शाह ने बिहार और महाराष्ट्र में न केवल राजग के घटक दलों के साथ गठबंधन को लेकर लचीला रुख अपनाया बल्कि स्थानीय स्तर पर प्रतिद्वन्द्वी दलों के वोट बैंक को अपनी पार्टी के पाले में लाने की सफल रणनीति बनाई। उन्होंने तमिलनाडु और केरल जैसे राज्यों में भी गठबंधन किया। पूर्वोत्तर में गठबंधन के परिणाम स्पष्ट रूप से सामने आए हैं। भाजपा की जीत के साथ ही किसी गैर कांग्रेसी सरकार को लगातार दूसरी बार केन्द्र की सत्ता में लाने के प्रमुख सूत्रधार शाह ने बूथ से लेकर चुनाव मैदान तक प्रबंधन और प्रचार की ऐसी सधी हुई बिसात बिछाई कि मंझे हुए राजनीतिक खिलाड़ी भी मात खा गए।राजनीति के इस माहिर रणनीतिकार ने पंचायत से लेकर संसद तक भाजपा को सत्ता में लाने के सपने को साकार करने की दिशा में प्रतिबद्ध पहल की। जुलाई 2014 में भाजपा अध्यक्ष का पदभार संभालने के बाद भाजपा के विस्तार के लिए उन्होंने पूरे देश का दौरा किया और पार्टी कार्यकर्ताओं को जी-जान से जुट जाने का संदेश दिया। शाह ने पहली बार 1991 के लोकसभा चुनाव में गांधीनगर में भाजपा के वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी का चुनाव प्रबंधन संभाला था। लेकिन, उनके बूथ प्रबंधन का करिश्मा 1995 के उपचुनाव में नजर आया, जब साबरमती विधानसभा सीट पर तत्कालीन उप मुख्यमंत्री नरहरि अमीन के खिलाफ चुनाव लड़ रहे अधिवक्ता यतिन ओझा का चुनाव प्रबंधन उन्हें सौंपा गया। खुद यतिन कहते हैं कि शाह को राजनीति के सिवा और कुछ नहीं दिखता। शतरंज खेलने से लेकर क्रिकेट देखने एवं संगीत में भी गहरी रुचि रखने वाले 54 वर्षीय शाह पारिवारिक और सामाजिक मेल-मिलाप में बहुत कम वक्त जाया करते हैं। संगठन और प्रबंधन के माहिर खिलाड़ी शाह ने पहली बार सरखेज से 1997 के विधानसभा उपचुनाव में किस्मत आजमाई और 2012 तक लगातार पांच बार वहां से विधायक चुने गए। सरखेज की जीत ने उन्हें गुजरात में युवा और तेजतर्रार नेता के रूप में स्थापित किया और वह आगे बढ़ते गए। नरेंद्र मोदी के गुजरात का मुख्यमंत्री बनने के बाद शाह और अधिक मजबूती से उभरे। 2003 से 2010 तक गुजरात सरकार की कैबिनेट में उन्होंने गृह मंत्रालय का जिम्मा संभाला। जब नरेंद्र मोदी राष्ट्रीय राजनीतिक पटल पर आए तो उनके सबसे करीबी माने जाने वाले अमित शाह भी देश में भाजपा के प्रचार प्रसार में जुट गए। 2019 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने देश में करीब 500 चुनाव समितियों का गठन किया और करीब 7000 नेताओं को तैनात किया। उन्होंने पार्टी के चुनाव अभियान में ऐसी 120 सीटों पर खास ध्यान दिया जहां भाजपा पहले चुनाव नहीं जीत पाई थी। उन्होंने पार्टी का अभियान चलाने के लिए 3000 पूर्णकालिक कार्यकर्ताओं को तैनात किया। ..... और नतीजा, भाजपा के खाते में 303 सीटों के रूप में सामने आया।

शपथ ग्रहण के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और वरिष्ठ मंत्री राजनाथ सिंह का अभिवादन करते अमित शाह

प्रखर कानूनी ज्ञान एवं तर्कपूर्ण संवाद से अलग पहचान

एजेंसी। नई दिल्ली

अपने प्रखर कानूनी ज्ञान एवं तर्कपूर्ण संवाद के जरिए राजनीति में अपनी विशिष्ट स्थान बनाने वाले रविशंकर प्रसाद नरेन्द्र मोदी सरकार ही नहीं अटल बिहारी वाजपेई सरकार में भी केन्द्रीय मंत्री रह चुके हैं।

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में बिहार की पटना साहिब संसदीय सीट पर 61.8 फीसदी मत हासिल कर भाजपा की विजय पताका फहराने वाले रविशंकर प्रसाद ने मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में 26 मई 2014 को संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री के रूप में नियुक्त होने के बाद से भारत के दूरसंचार क्षेत्र को पुनर्जीवित करने में अहम भूमिका निभाई। जनवरी 2003 में उन्हें तत्कालीन राजग सरकार में केन्द्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री के पद पर रहते हुए भारत में केबल टेलीविजन संबंधी सुधारों के साथ साथ देश में डिजिटल टीवी युग की शुरुआत की। भारत में डायरेक्ट टू होम (डीटीएच) सेटेलाइट प्रसारण सेवाओं को शुरू करने का श्रेय उन्हें ही जाता है। सूचना एवं प्रसारण मंत्री के तौर पर भारत में एफएम रेडियो सेवाओं को अधिक स्वतंत्रता देने की रविशंकर

रविशंकर प्रसाद

हाल ही में संपन्न लोकसभा चुनाव में बिहार की पटना साहिब संसदीय सीट पर 61.8 फीसदी मत हासिल कर भाजपा की विजय पताका

प्रसाद की ही पहल का नतीजा है कि आज इस क्षेत्र में निजी कंपनियों की भागीदारी का मार्ग खुल गया है। आज एफएम रेडियो भारत में एक संपन्न उद्योग है। गोवा को अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह का स्थाई आयोजन स्थल बनाने का श्रेय भी उन्हें ही जाता है।प्रसाद ने अपने पहले ही लोकसभा चुनाव में शानदार प्रदर्शन करते हुए बेहद लोकप्रिय अपने प्रतिद्वंद्वी एवं शॉटगन के नाम से मशहूर शत्रुघ्न सिन्हा को पटना साहिब सीट पर 2.84 लाख मतों के अंतर से शिकस्त दे दी। चार बार राज्यसभा सदस्य रहे प्रसाद ने कांग्रेस के टिकट पर मैदान में उतरे सिन्हा से मतों के बड़े अंतर से पटना साहिब लोकसभा सीट छीनी। वर्ष 2014 में मोदी के नेतृत्व में जब भाजपा की सरकार आई तो प्रसाद को शुरु में पहले संचार तथा इलेक्ट्रानिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय दिया गया। बाद में उनसे संचार मंत्रालय ले लिया गया और विधि एवं न्याय मंत्रालय तथा इलेक्ट्रानिकी मंत्रालय का जिम्मा सौंपा गया। प्रसाद एक उत्साही सोशल मीडिया यूजर भी हैं और ट्विटर पर उनके 32 लाख से अधिक फॉलोअर हैं। उन्होंने फर्जी खबरों, डेटा निजता जैसे मुद्दों पर फेसबुक तथा व्हाट्सअप जैसे बड़े सोशल मीडिया मंचों के खिलाफ कड़ा रुख अपनाया।विगत में प्रसाद अटल बिहारी वाजपेई की सरकार के दौरान कोयला एवं खान, विधि एवं न्याय तथा सूचना और प्रसारण मंत्री जैसे पदों पर भी रह चुके हैं। भारत के उच्चतम न्यायालय के एक वरिष्ठ एवं प्रख्यात वकील प्रसाद वर्ष 22000 में पहली बार राज्यसभा सदस्य बने थे। वित्त, संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी, पेट्रोलियम एवं रसायन इत्यादि महत्वपूर्ण संसदीय समितियों के सदस्य रहे प्रसाद ने भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव, मुख्य प्रवक्ता एवं मीडिया प्रभाग के प्रमुख सहित राष्ट्रीय स्तर पर पार्टी की कई महत्वपूर्ण संगठनात्मक जिम्मेदारियां निभाई हैं। उच्चतम न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता प्रसाद ने कई हाई प्रोफाइल मुकदमे लड़े हैं। राजद प्रमुख लालू प्रसाद के खिलाफ करोड़ों रूपए के चारा घोटाला मामले में प्रसाद मुख्य अधिवक्ता थे। उन्होंने हवाला मामले में भाजपा के वयोवृद्ध नेता लाल कृष्ण आडवाणी की पैरवी की। 2010 में प्रसाद अयोध्या संबंधी मुकदमे में मुख्य अधिवक्ता रहे और इलाहाबाद उच्च न्यायालय में पेश हुए। बिहार में 1954 में जन्मे प्रसाद ने अपनी राजनीतिक पारी की शुरुआत 1970 के दशक में एक छात्र नेता के रूप में की थी। उस समय उन्होंने इंदिरा गांधी सरकार के खिलाफ प्रदर्शनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

राजनीतिक शुचिता का सम्मान करने वाले नेता राजनाथ

एजेंसी। नई दिल्ली

राजनाथ सिंह

भौतिकी के शिक्षक से देश के गृहमंत्री तक का लंबा सफर तय करने वाले राजनाथ सिंह भारतीय जनता पार्टी के ऐसे मजबूत स्तंभ हैं जिनकी पहचान कुशल प्रशासक और राजनीतिक शुचिता का सम्मान करने वाले परिपक्व नेता के रूप में होती है। राजनाथ सिंह ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बाद कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली। मधुरभाषी और नपा तुला बोलने वाले सिंह प्रतिद्वंद्वियों पर कमोबेश निजी हमले करने से गुरेज़ करते हैं। पार्टी में उनके कद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि लाल कृष्ण आडवाणी के बाद वह ऐसे नेता हैं जिन्होंने दो अलग अलग कार्यकाल के लिए पार्टी की कमान संभाली है। आडवाणी तीन बार (1986 से 1990 , 1993 से 1998 और 2004 से 2005) पार्टी अध्यक्ष रहे जबकि सिंह 2005 से 2009 तक अध्यक्ष रहने के बाद 2013 - 14 में भी भाजपा अध्यक्ष रहे। उन्हीं के अध्यक्ष रहते पहली बार प्रधानमंत्री पद के लिए नरेंद्र मोदी के नाम पर मुहर लगी थी। संघ के साथ उनके बेहतर रिश्ते का अनुमान इस बात से लगाया जा सकता है कि आडवाणी के जिन्ना प्रकरण के बाद संघ ने सिंह को ही पार्टी के अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी थी।इसके बाद उन्होंने दूसरी बार पार्टी की कमान तब संभाली थी जब पूर्ती मामले में नितिन गडकरी का नाम सामने आया था। साधारण किसान परिवार में जन्मे सिंह ने मामूली कार्यकर्ता से लेकर पार्टी के अध्यक्ष और देश के गृह मंत्री जैसे अहम पद का जिम्मा संभाला है।बनारस के पास चंदौली जिले में जन्मे सिंह एक कुशल प्रशासक के रूप में जाने जाते हैं। वह सियासत में कदम रखने से पहले मिर्जापुर के कॉलेज में व्याख्याता हुआ करते थे। भाजपा में सफलता की सीढ़ी संघ है और सिंह का राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ से गहरा नाता है। 1964 में 13 वर्ष की अवस्था में ही वह संघ से जुड़ गए। व्याख्याता बनने के बाद भी संघ से उनका जुड़ाव बना रहा।10 जुलाई 1951 को जन्मे सिंह ने गोरखपुर विश्वविद्यालय से भौतिकी विषय में परास्नातक की डिग्री हासिल की। उन्हें 1974 में भारतीय जनसंघ का मिर्जापुर का सचिव बनाया गया। देश में 1975 में आपातकाल लगा तो वह जेल भी गए। 1977 में जब देश में चुनाव हुए तो वह उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर से पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद उन्हें तीन बार इसी सीट से जीत मिली।सिंह को 1986 में भारतीय जनता युवा मोर्चा का राष्ट्रीय महासचिव बनाया गया। बाद में वह 1988 में इसके राष्ट्रीय अध्यक्ष बने। इसी साल सिंह उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य निर्वाचित हुए। साल 1991 में जब उत्तर प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी तो राजनाथ को शिक्षा मंत्री बनाया गया। 1994 में वह राज्यसभा गए और 1997 में उत्तर प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष बनाए गए।उत्तर प्रदेश के शिक्षा मंत्री रहते उन्होंने एंटी-कॉपिंग कानून लागू करवाया था। इसमें नकलची विद्यार्थियों को परीक्षा हॉल से गिरफ्तार किया जाता था और जमानत अदालत से मिलती थी। साथ ही वैदिक गणित को पाठ्यक्रम में भी शामिल करवाने का श्रेय उन्हें ही जाता है। सिंह 20 अक्टूबर 2000 को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री बने। हालांकि उनका कार्यकाल दो साल से भी कम समय का रहा। इसके बाद केंद्र की अटल बिहारी वाजपेई नीत राजग सरकार में सिंह को भूतल परिवहन और कृषि मंत्री बनाया गया था। उनको पहली बार पार्टी की कमान 2005 से 2009 तक मिली तो दूसरी बार वह इस पद पर 2013 से 2014 तक रहे।

काम से पहचान बनाने वाले पीयूष गोयल

एजेंसी। नई दिल्ली

पीयूष गोयल

शानदार शैक्षणिक योग्यता के साथ राजनीति के क्षेत्र में उतरे पीयूष गोयल ने मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में कई चुनौतीपूर्ण मंत्रालय संभालते हुए अपने बेहतरीन काम के दम पर अलग पहचान बनाई और राज्य मंत्री से कैबिनेट तक का सफर तय किया। पीयूष गोयल ने गुरुवार को मोदी मंत्रिमंडल में दूसरी बार कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली।राज्यसभा सदस्य पीयूष गोयल ने रेल और कोयला समेत कई चुनौतीपूर्ण मंत्रालयों की कमान संभाली। शानदार शैक्षणिक रिकॉर्ड वाले गोयल राजनीति में आने से पहले सफल चार्टर्ड अकाउंटेंट और इन्वेस्टमेंट बैंकर भी रहे हैं। स्पष्ट और बिना किसी लाग लपेट के बात करने वाले गोयल ने राजनीति में आने के बाद खुद को सफल प्रशासक साबित किया।54 बरस के गोयल ने एक बार भी लोकसभा चुनाव नहीं लड़ा है और वह दो बार राज्यसभा से सांसद रहे हैं।शांत रह कर अपना काम करने के लिए जाने जाने वाले गोयल ने मोदी सरकार में अहम जिम्मेदारियां निभाईं। जेटली ने जब बुधवार को स्वास्थ्य कारणों का हवाला देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से उन्हें मंत्रिमंडल में शामिल नहीं किए जाने का आग्रह किया था, तो ऐसे में इन अटकलों को हवा मिली कि गोयल के शानदार रिकॉर्ड को देखते हुए उन्हें वित्त मंत्रालय सौंपा जा सकता है। दरअसल गोयल ने जेटली की अनुपस्थिति में 14 मई 2018 से 22 अगस्त 2018 और 23 जनवरी 2019 से 14 फरवरी 2019 तक वित्त मंत्रालय की भी कमान संभाली थी और इस दौरान लोकलुभावन अंतरिम बजट भी पेश किया था। 13 जून 1964 को मुंबई में जन्मे पीयूष एक राजनीतिक परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उनके पिता दिवंगत वेद प्रकाश गोयल भी अटल बिहारी वाजपेई सरकार में 2001 से 2003 तक केंद्रीय जहाजरानी मंत्री रहे। इसके अलावा वह करीब दो दशक तक भाजपा के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष भी रहे। पीयूष की मां चंद्रकांता गोयल मुंबई से तीन बार महाराष्ट्र विधानसभा में चुनी गईं। गोयल अपने पिता के नक्शेकदम पर चलते हुए 1984 में भाजपा में शामिल हुए और उन्होंने भी पार्टी के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष की भूमिका निभाई। उन्होंने भारतीय स्टेट बैंक और बैंक ऑफ बड़ौदा के बोर्ड में सरकारी उम्मीदवार के तौर पर भी सेवाएं दीं। भाजपा ने साल 2014 के चुनाव के दौरान गोयल को पार्टी के विज्ञापन और सोशल मीडिया प्रचार की जिम्मेदारी दी थी जिसे उन्होंने बखूबी निभाया। गोयल जुलाई 2010 में पहली बार और जुलाई 2016 में दूसरी बार राज्यसभा सांसद बने। पीयूष गोयल ने वर्ष 2014 में मोदी सरकार बनने पर 2017 तक बिजली, कोयला, नव एवं नवीकरणीय ऊर्जा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) के तौर पर जिम्मेदारी निभाई। उन्होंने 2016 से 2017 तक खनन मंत्रालय भी संभाला। उनके कार्यकाल में भारत के ऊर्जा क्षेत्र में कई परिवर्तनकारी बदलाव हुए और देश के दूरस्थ इलाकों समेत करीब 18000 गांवों का त्वरित विद्युतीकरण किया गया और उन्होंने उदय एवं उजाला जैसी परियोजनाओं को लागू करने में अहम भूमिका निभाई। उनकी उपलब्धियों में देश की ऊर्जा सुरक्षा में सुधार के लिए कोयले की कमी को दूर करना और कोयला आवंटन की पारदर्शी ई नीलामी कराना शामिल है।राज्य मंत्री के तौर पर पीयूष के बेहतरीन प्रदर्शन को देखते हुए पार्टी आलाकमान ने उन्हें प्रोन्नत करते हुए कैबिनेट मंत्री बनाया।

स्थानीय मुद्दों पर गहरी पकड़ रखते हैं प्रह्लाद पटेल

भोपाल। मध्य प्रदेश में अन्य पिछड़ा वर्ग से नाता रखने वाले 57 वर्षीय प्रहलाद सिंह पटेल कुशल वक्ता हैं और स्थानीय एवं राष्ट्रीय मुद्दों पर गहरी पकड़ रखते हैं। पांच बार के सांसद पटेल 2003 में केन्द्र की राजग सरकार में कोयला राज्य मंत्री थे। अन्य पिछड़ा वर्ग :ओबीसी: के लोधी समाज से ताल्लुक रखने वाले मध्यप्रदेश के कद्दावर भाजपा नेता पटेल एक समय उमा भारती के कट्टर समर्थक थे। पटेल ने अपने राजनीतिक जीवन में कई उतार चढ़ाव देखे हैं। साल 2005 में वह भाजपा से अलग होकर भारतीय जनशक्ति में उमा भारती के साथ रहे थे। हालांकि तीन साल बाद ही मार्च 2009 में उन्होंने भाजपा में घर वापसी कर ली और 2014 में पांच साल बाद दमोह लोकसभा सीट से चुनाव लड़े और भाजपा के सांसद बने। पटेल, इस बार भी दमोह से जीतकर लोकसभा पहुंचे हैं।

स्मृति ईरानी ने बढ़ाया अपना कद

एजेंसी। नई दिल्ली

स्मृति ईरानी

गांधी परिवार के गढ़ अमेठी से कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी को हराकर लोकसभा चुनाव में सबसे बड़ा उलटफेर करने वाली स्मृति ईरानी ने राजनीति में अपना कद काफी ऊंचा किया है। कभी छोटे पर्दे की हर दिल अजीज बहू रही स्मृति अब कुशल राजनीतिज्ञ के रूप में पहचान बना चुकी है। चुनाव के ठीक बाद अमेठी में एक कार्यकर्ता की हत्या के बाद उसकी अर्थी को कंधा देकर स्मृति ने एक नई मिसाल पेश की। पिछली बार लोकसभा चुनाव में हार के बावजूद उन्होंने मानव संसाधन विकास, सूचना और प्रसारण और कपड़ा मंत्रालय जैसे मंत्रालयों का जिम्मा संभाला। स्मृति ईरानी ने गुरुवार को दूसरी बार नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। टीवी की चहेती बहू तुलसी अब उस पहचान को पीछे छोड़कर एक मंझी हुई राजनीतिज्ञ के रूप में उभरी है। पिछली बार राहुल से अमेठी में एक लाख से अधिक मतों से हारने के बाद उन्होंने अमेठी से नाता नहीं तोड़ा। नतीजतन इस बार फिर उसी संसदीय क्षेत्र से भाजपा ने ईरानी को फिर उम्मीदवार बनाया। ईरानी को क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहने का फायदा मिला और इसके बूते उन्होंने गांधी से पिछली बार मिली हार का बदला लिया। ईरानी ने अपनी जीत के बाद ट्वीट करके दुष्यंत कुमार की कविता की पंक्तियां लिखी थी , कौन कहता है कि आसमां में सुराख नहीं हो सकता। पिछली बार चुनाव हारने के बावजूद उन्हें नरेंद्र मोदी सरकार में मानव संसाधन विकास मंत्री बनाया गया और बाद में वह सूचना प्रसारण और फिर कपड़ा मंत्री रही। ईरानी को उनकी शैक्षणिक योग्यता को लेकर या बतौर मंत्री कार्यकाल में कई विवादों का सामना करना पड़ा। अपने नामांकन पत्र में उन्होंने कहा था कि वह स्नातक नहीं है। वहीं 2014 चुनाव में उन्होंने कहा था कि वह 1994 में दिल्ली विश्वविद्यालय से स्नातक हैं जिससे उनके दावे की विश्वसनीयता को लेकर विवाद पैदा हो गया था। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया था कि वह स्नातक नहीं है। सूचना प्रसारण मंत्री रहते भी वह कभी प्रसार भारती बोर्ड से लड़ाई तो कभी फेक न्यूज को लेकर अधिसूचना जारी करने को लेकर विवादों के घेरे में रही जो बाद में पीएमओ के दखल के बाद वापस ली गई।

गंगवार का है लंबा राजनीतिक अनुभव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

संतोष कुमार गंगवार

अपनी सादगी और ईमानदारी के लिए मशहूर संतोष कुमार गंगवार रुहेलखंड इलाके की बरेली लोकसभा सीट से आठ बार चुनाव जीत चुके हैं और वह पिछली नरेन्द्र मोदी सरकार और उससे पहले अटल बिहारी वाजपेई सरकार में भी मंत्री रह चुके हैं।गंगवार का जन्म एक नवम्बर, 1948 को बरेली में हुआ था। उनकी उच्च शिक्षा आगरा विश्वविद्यालय और रुहेलखंड विश्वविद्यालय से हुई। उन्होंने बीएससी और एलएलबी की डिग्री प्राप्त की। पढ़ाई के दौरान वह छात्र राजनीति से जुड़े और यहीं से उनके जीवन की दिशा बदल गई। उनका विवाह सौभाग्य गंगवार से हुआ जिससे उन्हें एक पुत्र और एक पुत्री की प्राप्ति हुई। लगातार छह बार लोकसभा चुनाव जीतने वाले गंगवार देश में आपातकाल के दौरान सरकार विरोधी आंदोलन को लेकर जेल भी जा चुके हैं। वह 1996 में उत्तर प्रदेश भाजपा इकाई के महासचिव बनाए गए। इसके अलावा वह उत्तर प्रदेश में पार्टी इकाई के कार्य समिति के सदस्य भी रह चुके हैं। गंगवार ने अपना पहला चुनाव सन 1981 में लड़ा पर वह इसमें हार गए। 1984 में हुए आम चुनावों मे वह दोबारा हारे। उसके बाद वह उत्तर प्रदेश के बरेली से 1989 से लगातार चुनाव जीतते आ रहे हैं। वह 15वीं लोकसभा (2009-2014) के चुनाव में पराजित भी हुए। गंगवार 1989, 1991, 1996, 1998, 1999, 2004, 2014 में जीत चुके हैं और एक बार फिर 2019 में उन्होंने आठवीं बार विजय हासिल की। गंगवार साल 1996 में बरेली में शहरी सहकारी बैंक की स्थापना को लेकर पूरी तरह सक्रिय रहे और 1996 की शुरुआत में वह इस बैंक के अध्यक्ष के रूप में कार्यरत थे। बरेली में चौपला रेलवे स्टेशन के जीर्णोद्धार, पुस्तकालय, मिनी बाई पास सहित तमाम परियोजनाओं के निर्माण का श्रेय गंगवार को जाता है। तेरहवीं लोकसभा में अटल बिहारी वाजपेई के नेतृत्व में बनी सरकार में वह पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री के साथ-साथ संसदीय कार्य राज्य मंत्री का पदभार भी संभाल चुके हैं। इसके अलावा वह विज्ञान एवं तकनीकी राज्यमंत्री भी रह चुके हैं।

शालीनता, विद्वत्ता और पराक्रम का अद्भुत संगम

एजेंसी। नई दिल्ली

पाकिस्तान में आतंकवादी ठिकानों पर जवाबी हमले हों या रक्षा उपकरणों की सफल खरीद , भारत की पहली पूर्णकालिक महिला रक्षा मंत्री निर्मला सीतारमण ने राजनीति में महिला सशक्तिकरण की नई परिभाषा गढ़ी है और वह मोदी सरकार की सबसे ओजस्वी , कार्यकुशल और साहसी केंद्रीय मंत्रियों में से एक रही। सीतारमण से पहले पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने 1975 और फिर 1980-1982 में प्रधानमंत्री रहते हुए रक्षा मंत्रालय का अतिरिक्त प्रभार संभाला था।सीतारमण के रक्षामंत्री रहते ही भारत ने पुलवामा आतंकी हमले के तेरह दिन के भीतर पाकिस्तान के बालाकोट में हवाई हमला करके आतंकवादी ठिकानों को ध्वस्त किया जिसमें कई आतंकवादी मारे गए। इस्राइल और अमेरिका के साथ रक्षा सौदों में सीतारमण की

निर्मला सीतारमण

भूमिका अहम रही। पिछले कैबिनेट के सबसे उच्च शिक्षित मंत्रियों में से एक सीतारमण ने तिरुचिरपल्ली के सीतालक्ष्मी रामस्वामी कॉलेज से अर्थशास्त्र में स्नातक और देश के प्रतिष्ठित जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) से अर्थशास्त्र में एम.फिल की डिग्री हासिल की है।उन्हें तीन सितंबर 2017 को नरेंद्र मोदी की सरकार में रक्षा मंत्री बनाया गया था। इससे पहले 2014 में उन्होंने वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय का स्वतंत्र प्रभार संभाला था। यह प्रभार संभालने से पहले वह सुषमा स्वराज के बाद पार्टी की दूसरी महिला प्रवक्ता रहीं। कर्नाटक से राज्यसभा की सदस्य सीतारमण 2008 में भाजपा में शामिल हुई थीं और उन्हें 2014 में नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में कनिष्ठ मंत्री के तौर पर जगह दी गई थी। इसके अलावा वह 2003 से 2005 तक राष्ट्रीय महिला आयोग की सदस्य भी रह चुकी हैं। तमिलनाडु के मदुरै में 18 अगस्त 1959 में जन्मीं सीतारमण को ऐसे नाजुक समय में रक्षा मंत्री बनाया गया था जब 2019 के आम चुनावों में दो साल से भी कम का समय बच गया था और जब उनके सामने रक्षा सुधारों एवं संरचनात्मक कमियों को दूर करने की चुनौती थी। उन्होंने 14 लाख सैन्यकर्मियों की तादाद वाले विश्व के तीसरे सबसे बड़े सैन्य बल की कमान संभाली।

परियोजनाएं समय पर पूरी करने का हुनर

एजेंसी। नई दिल्ली

नितिन गडकरी

मुंबई-पुणे हाई-वे का निर्माण तय समय में पूरा कर खासी सराहना बटोरने वाले नितिन गडकरी ने नरेंद्र मोदी सरकार के अपने कार्यकाल में इस विशेषता को बरकरार रखते हुए सड़क परिवहन और राजमार्ग, जहाज़रानी मंत्री के तौर पर कई परियोजनाएं समय पर पूरी कीं। किसी भी कार्य को बेहद व्यवस्थित तरीके से करने का लक्ष्य रख कर चलने वाले गडकरी ने राष्ट्रीय राजमार्गों के मरम्मत और चौड़ीकरण का काम बखूबी किया। नितिन गडकरी ने गुरुवार को नरेंद्र मोदी मंत्रिमंडल में दूसरी बार कैबिनेट मंत्री के तौर पर शपथ ली। जलमार्ग पर खास ध्यान देते हुए गडकरी ने तमाम नदियों के हर संभव जलमार्ग को आपस में जोड़ने का काम शुरू किया। बनारस में सी-प्लेन और नदियों में क्रूज चलवाए। उनकी महत्वपूर्ण उपलब्धि नॉर्दन पेरीफेरल और वेस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेस-वे को समय पर पूरा करना रहा जिससे अन्य राज्यों से आने वाले भारी वाहनों के दबाव से राजधानी दिल्ली को मुक्ति मिल गई।गडकरी की सबसे बड़ी खासियत रही कि उन्होंने अपने मंत्रालय के तहत शुरू की गई ज्यादातर परियोजनाओं को तय समय में पूरा किया। उनकी इस उपलब्धि का मोदी सरकार को लोकसभा चुनाव 2019 में काफी फायदा मिला। भाजपा ने लगातार जनता को बताया कि कैसे उन्होंने तमाम सड़के, फ्लाई-ओवर और सड़क मार्ग से जुड़ी अन्य परियोजनाओं को तय समय में पूरा किया।

भारतीय विमानों के लिए अभी बंद रहेगा पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र

● 15 जून तक बढ़ाई अवधि

एजेंसी। लाहौर/ इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने भारत के साथ लगने वाली अपनी पूर्वी सीमा के आस-पास के हवाई क्षेत्र को बंद रखने की अवधि को दूसरी बार बढ़ा कर 15 जून कर दिया है। देश के नागर विमानन प्राधिकरण (सीएए) ने यह जानकारी दी। बालाकोट हवाई हमले के बाद लगाए गए प्रतिबंध को हटाने के लिए दोनों पक्ष से कोई ठोस कार्वाई नहीं किए जाने के बीच यह ऐलान किया गया है। पाकिस्तान ने भारतीय वायु सेना की तरफ से बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर किए गए हमले के बाद फरवरी में अपना हवाईक्षेत्र पूरी तरह से बंद कर दिया था। देश ने नई दिल्ली, बैंकॉक और कुआलालम्पुर को छोड़ अन्य सभी स्थानों तक जाने वाली उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र 27 मार्च को खोल दिया था।

पाकिस्तान ने 15 मई को भारत तक जाने वाली उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र पर लगाए गए प्रतिबंध को 30 मई तक बढ़ा दिया था। नागर विमानन प्राधिकरण (सीएए) की ओर से एयरमैन के लिए जारी नोटिस (नोटैम) के मुताबिक भारत के साथ लगने वाली पूर्वी सीमा के आस-पास का हवाई क्षेत्र 15 जून सुबह पांच बजे तक (स्थानीय समानुसार) बंद रहेगा। सीएए की ओर से जारी एक अलग नोटैम के अनुसार पंजगूर हवाई क्षेत्र पश्चिमी देशों से आने वाली पारगमन उड़ानों के लिए खुला रहेगा क्योंकि एअर इंडिया पहले से इस हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल कर रही है। पाकिस्तान ने 21 मई को भारत की विदेश मंत्री सुषमा स्वराज को किर्गिस्तान के बिश्केक में हुए एससीओ सम्मेलन में शामिल होने के लिए सीधे पाकिस्तानी हवाई क्षेत्र से गुजरने की विशेष अनुमति दी थी। हालांकि, अन्य व्यावसायिक एअरलाइन कंपनियों के लिए यह हवाई क्षेत्र बंद ही रहा। भारत से आने -जाने वाली उड़ानों के लिए अपने हवाई क्षेत्र को बंद रखने के पाकिस्तान के फैसले से हजारों यात्रियों को उड़ानें रद्द होने, उनमें देरी और बढ़ते किराए का सामना करना पड़ा है। विमानन मंत्री गुलाम सरवर खान ने कहा था कि हवाई क्षेत्र के पूर्वी सिरे को बंद रखने से पाकिस्तान को भारत की तुलना में कम ही नुकसान झेलना पड़ रहा है क्योंकि भारतीय उड़ानों को यूरोप के लिए लंबे मार्ग से जाना पड़ रहा है। भारत ने पाकिस्तान जाने वाली उड़ानों के लिए अपना हवाई क्षेत्र बंद किया हुआ है। पाकिस्तान के एक अधिकारी ने कहा, ढाई महीने से अधिक वक्त हो गया है लेकिन रोक को हटाने के लिए न तो पाकिस्तान और न ही भारत की ओर से कोई प्रगति हुई है। यह चौंकाने वाला है कि इस मामले पर लचीला रुख दिखाने के लिए पर्दे के पीछे से कोई कूटनीति नहीं दिखाई गई जिससे भारतीय एवं पाकिस्तानी विमानन कंपनियों के साथ ही विदेशी एअरलाइन्स को भी काफी नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि हवाई क्षेत्र प्रतिबंधित करना द्विपक्षीय की बजाए अंतरराष्ट्रीय मुद्दा होना चाहिए। पाकिस्तान भारत पर इस मामले एवं अन्य मामलों में लचीला रुख नहीं दिखाने का आरोप लगा रहा है।

अमेरिका ने रोकी आतंकी संगठनों की सहायता राशि

वॉशिंगटन। अमेरिका ने आतंकवाद पर नकेल कसने की कोशिश के तहत पाकिस्तान स्थित गुटों समेत कई सूचीबद्ध आतंकवादी संगठनों की पिछले साल तक चार करोड़ 46 लाख डॉलर से अधिक राशि रोक दी। अमेरिकी वित्त मंत्रालय द्वारा जारी सालाना रिपोर्ट के अनुसार अमेरिका ने लश्कर ए तैयबा की चार लाख डॉलर और जैश-ए-मोहम्मद की।,725 डॉलर की राशि बाधित की। मंत्रालय का विदेशी सम्पत्ति नियंत्रण कार्यालय (ओएफएसी) अंतरराष्ट्रीय आतंकवादी संगठनों और आतंकवाद को समर्थन देने वाले देशों की पूंजी के खिलाफ प्रतिबंध लगाता है। संघीय निकाय अमेरिका की विदेश नीति एवं राष्ट्रीय सुरक्षा लक्ष्यों के आधार पर आर्थिक एवं व्यापार प्रतिबंध लगाने के अपने लक्ष्य के तहत इस तरह की कार्वाई करता है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका ने सूचीबद्ध आतंकवादी संगठनों और आतंकवादियों की 2018 तक चार करोड़ 61 लाख डॉलर से अधिक राशि बाधित की है जबकि 2017 में चार करोड़ 36 लाख डॉलर बाधित किए गए थे। धन राशि रोके जाने वाले आतंकी संगठनों की इस सूची में हक्कानी नेटवर्क (3,626 डॉलर), हरकत उल मुजाहिदीन (11,988 डॉलर), और हिजबुल मुजाहिदीन (2,287 डॉलर) शामिल हैं।

पाकिस्तान के सात स्कूल पोलियो विरोधी दुष्प्रचार के लिए बंद किए गए

एजेंसी। पेशावर

पाकिस्तान के पश्चिमोत्तर खैबर-पख्तूनख्वा प्रांत के सात निजी स्कूलों को पोलियो अभियान के खिलाफ सामूहिक उन्माद फैलाने और मरीजों को टीकाकरण टीमों के साथ सहयोग नहीं करने पर बंद कर दिया गया है। पाकिस्तान, अफगानिस्तान और नाइजीरिया उन देशों में हैं जो अब भी पोलियो मुक्त नहीं हुए हैं। शरीर के किसी हिस्से को अशक्त कर देने वाली इस बीमारी के उन्मूलन के प्रयासों को आतंकवादियों ने टीकाकरण टीमों को घातक रूप से निशाना बनाकर बाधित किया है। आतंकवादी इन अभियानों का यह कह कर हाल के सालों में विरोध करते रहे हैं कि पोलियों की बूंदें प्रजनन क्षमता प्रभावित करती हैं।

पोलियो उन्मूलन कार्यक्रम पर प्रधानमंत्री इमरान खान के प्रमुख दूत बाबर बिन अता ने बुधवार को ट्वीट किया कि खैबर पख्तूनख्वा की सरकार ने इन स्कूलों के प्रबंधन को पोलियो टीकाकरण के खिलाफ नफरत फैलाने का दोषी पाया है। उन्होंने कहा कि ए स्कूल मासूम परिजन को हिंसा के लिए उकसाने के लिए जिम्मेदार हैं जिससे पोलियो टीमों पर हमले होते थे एवं सामूहिक उन्माद फैलता था।

प्रदर्शनकारियों ने पेशावर में एक स्वास्थ्य केंद्र को 22 अप्रैल को उन खबरों के बाद आग लगा दी थी कि कई बच्चे पोलिया रोधी टीका लगाने के बाद कथित तौर पर बीमार पड़ गए थे। इस हिंसा के चलते पोलियो रोकथाम अभियान को निलंबित करना पड़ा था जिसमें 2,60,000 पोलियो कार्यकर्ता शामिल थे। एक्सप्रेस ट्रिब्यून की खबर के मुताबिक अधिकारियों का मानना है कि खैबर-पख्तूनख्वा में स्थिति भयावह होती जा रही है जब मालूम हुआ कि इस साल पोलियो के कुल 15 मामलों में से 10 इस प्रांत के थे।

प्रधानमंत्री नेतन्याहू गठबंधन सरकार बनाने में असफल, इजराइल में फिर होंगे चुनाव

एजेंसी। यरूशलम

इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के बुधवार रात से पहले गठबंधन सरकार बनाने में नाकाम रहने के बाद इजराइली सांसदों ने अभूतपूर्व कदम उठाते हुए बृहस्पतिवार को संसद भंग करने के पक्ष में मतदान कर दिया जिससे नेतन्याहू इजराइली इतिहास में पहले नामित प्रधानमंत्री बन गए हैं, जो सरकार बनाने में असफल रहे। देश में अब 17 सितंबर को फिर से आम चुनाव कराए जाएंगे।

इजराइली सांसद करीब छह सप्ताह पहले ही निर्वाचित हुए थे। उन्होंने 21वीं नेसेट (इजराइली संसद) को भंग करने और इसी कैलेंडर वर्ष में दूसरी बार आम चुनाव कराने के पक्ष में 45 के मुकाबले 74 मतों से प्रस्ताव पारित किया। नेतन्याहू ने नौ अप्रैल को हुए चुनाव में रिकॉर्ड पांचवीं बार उल्लेखनीय जीत हासिल की थी। उनकी यह जीत अस्थाई साबित हुई क्योंकि वह चरम पुरातनपंथी यहूदी शिक्षण संस्थानों के छात्रों को सेना में अनिवार्य भर्ती से छूट देने संबंधी एक सैन्य विधेयक को लेकर गतिरोध को तोड़ने में नाकाम रहे। उनके और इजराइल के पूर्व रक्षा मंत्री अविग्दोर लिबरमैन के बीच विधेयक को लेकर मतभेद के कारण गठबंधन नहीं हो सका। राष्ट्रवादी दल यिजराइल बेतेन्यू पार्टी से संबंध रखने वाले लिबरमैन ने अति-धर्मनिष्ठ यहूदी दलों के साथ आने के लिए यह शर्त रखी थी कि उन्हें अनिवार्य सैन्य सेवा में छूट देने के अपने मसौदे में परिवर्तन करने होंगे। मतदान से पहले लिबरमैन ने कहा कि इजराइल में इसलिए चुनाव कराने होंगे क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी लिकुड ने अति धर्मनिष्ठ यहूदी दलों के आगे पूर्ण आत्मसमर्पण कर दिया।

यिजराइल बेतेन्यू के बिना नेतन्याहू 120 सदस्यीय सदन में केवल 60 सांसदों का समर्थन ही हासिल कर सके और केवल एक मत से बहुमत साबित करने से चूक गए। संसद भंग करने के फैसले के बाद नेतन्याहू ने कहा, अविग्दोर लिबरमैन अब वाम का हिस्सा हैं। उन्होंने दक्षिणपंथी सरकार को गिरा दिया। उन पर दोबारा भरोसा नहीं करें। इसके बारे में मैं आपको कल जानकारी दूंगा। संभव है कि मैं आपको ऐसी बात बताऊं जो आपको पता ही न हो। नेतन्याहू ने कहा, इजराइल में जनता ने स्पष्ट फैसला दिया। यह फैसला हुआ कि लिकुड दक्षिणपंथी सरकार का प्रतिनिधित्व करेगी, मैं प्रधानमंत्री बनूंगा। कई राजनीतिक विश्लेषकों के मुताबिक दोनों नेताओं के बीच अहम की लड़ाई के कारण राजनीतिक संकट हुआ और इसका कोई वैचारिक आधार नहीं है। राजनीति में नेतन्याहू और लिबरमैन का जुड़ाव 31 साल पहले हुआ जब लिबरमैन ने उनके उपविदेश मंत्री के कार्यकाल के दौरान मदद की थी। नेतन्याहू की सत्तारुढ़ लिकुड पार्टी के नेसेट को भंग करने के कदम से यह सुनिश्चित हो गया कि राष्ट्रपति रुवेन रिवलिन नई सरकार गठित करने के लिए किसी अन्य सांसद को आमंत्रित नहीं कर पाएंगे।

ईस्टर हमले पर कोई खुफिया जानकारी नहीं थी: सिरिसेना

एजेंसी। कोलंबो

श्रीलंका के राष्ट्रपति मैत्रिपाला सिरिसेना ने बृहस्पतिवार को कहा कि उन्हें ईस्टर आत्मघाती हमलों पर कोई खुफिया जानकारी नहीं थी। उन्होंने आईएसआईएस से जुड़े एक स्थानीय जेहादी समूह द्वारा अंजाम दिए गए आतंकवादी हमलों पर एक संसदीय जांच पैनल के समक्ष अपने खुफिया प्रमुख के बयान के विपरीत यह बात कहीं। श्रीलंका में 21 अप्रैल को हुए हमले की जांच के लिए एक संसदीय चयन समिति बनाई गई थी। इस तरह की खबरों के बाद इस समिति का गठन किया गया था जिनमें कहा गया था कि भारत ने इन हमलों पर श्रीलंकाई रक्षा प्रतिष्ठान को सतर्क कर दिया था।

सेवानिवृत्त वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सिसिरा मेंडिस, जो अब राष्ट्रीय खुफिया विभाग के प्रमुख हैं, ने बुधवार को समिति के समक्ष बयान देते हुए कहा था कि नौ अप्रैल को एक खुफिया समन्वय बैठक में संभावित हमलों को लेकर प्राप्त जानकारी पर चर्चा की गई थी। उन्होंने दावा किया कि उन्होंने बैठक में सूचना को नजरअंदाज करने के बावजूद पुलिस महानिरीक्षक को पत्र लिखा था। यह (हमलों से पूर्व सूचना) चर्चा के लिए एक मुख्य बिंदु कभी नहीं था। बृहस्पतिवार को जारी एक बयान में, एक अलग तारीख का उल्लेख करते हुए, सिरिसेना ने कहा कि आठ अप्रैल को दो घंटे से अधिक की खुफिया समन्वय बैठक में, किसी अधिकारी ने कभी भी इस तरह के आतंकवादी हमले की कोई जानकारी नहीं दी थी। गौरतलब है कि आईएसआईएस से जुड़े एक स्थानीय जेहादी समूह नेशनल तौहीद जमात (एनटीजे) द्वारा अंजाम दिए गए इन आत्मघाती हमलों में 250 से अधिक लोग मारे गए थे।

क्विक न्यूज

हंगरी में पर्यटक नौका डूबने से सात लोगों की मौत, 21 लापता

बुडापेस्ट। हंगरी की दानुबे नदी मे 33 दक्षिण कोरियाई पर्यटको को लेकर जा रही नौका एक अन्य नाव से टक्कर कर डूब गई। हादसे मे सात लोगो के मरने और 21 लोगो के लापता होने की सूचना है। बृहस्पतिवार को सुबह बचाव अधिकारियो ने बताया कि सात शव बरामद किए गए है। राष्ट्रीय एम्बुलेस सेवा के प्रवक्ता पाल ज्योप्री ने कहा कि बुधवार रात को हुई घटना के बाद सात लोगो को सुरक्षित बचाकर अस्पताल मे भर्ती कराया गया है। उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है। राष्ट्रीय पुलिस प्रवक्ता क्रिस्टोफ गैल ने बताया कि नौका पर 33 दक्षिण कोरियाई पर्यटक सवार थे। उस पर चालक दल के दो सदस्य भी मौजूद थे। दोनो हंगरी के नागरिक है। शुरुआती सूचना मे कहा गया था कि नौका पर 32 दक्षिण कोरियाई नागरिक सवार थे। लेकिन बाद मे दक्षिण कोरिया की सरकार ने बताया कि नौका पर उसके 33 नागरिक सवार थे और 19 लोग लापता है।

पाकिस्तान में पति ने एचआईवी संक्रमित महिला की हत्या की

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत मे एचआईवी संक्रमित 30 साल की एक महिला की उसके पति ने हत्या कर दी। पति ने दूसरी शादी करने का फैसला किया था और महिला ने इस पर आपत्ति जताई थी। यह घटना लरकाना जिले के एक गांव मे बुधवार को हुई जब करीमा दि के पति ने दूसरी शादी करने पर जोर दिया। महिला के एचआईवी से संक्रमित होने का पता हाल ही मे चला था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बहादुर दि ने अपने भाइयो की मदद से महिला का गला घोट दिया और गांव मे एक पेड़ से लटका दिया।

सान सल्वाडोर में 6.6 तीव्रता के भूकम्प के झटके, कोई हताहत नहीं

सान सल्वाडोर। राजधानी सान सल्वाडोर के पास अल सल्वाडोर तट पर गुरुवार को 6.6 तीव्रता के भूकम्प के झटके महसूस किए गए। साल्वाडोर के अधिकारियो ने बताया कि किसी के हताहत होने या भारी नुकसान की फिलहाल कोई खबर नही है। अमेरिकी जियोलॉजिकल सर्वे के आंकड़ो के अनुसार भूकम्प दक्षिणी सान सल्वाडोर से लगभग 25 मील की दूरी पर 40 मील की गहराई पर महसूस किया गया।

ओआईसी ने कश्मीर मुद्दे के शांतिपूर्ण समाधान का अनुरोध किया: पाक

एजेंसी। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने बृहस्पतिवार को दावा किया कि इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) ने कश्मीर की स्थिति पर गहरी चिंता प्रकट की है और इसके शांतिपूर्ण समाधान का आह्वान किया है। ओआईसी एक अंतरराष्ट्रीय संगठन है, जिसमें 57 सदस्य राष्ट्र हैं। इनमें 53 मुस्लिम बहुल देश हैं। पाकिस्तान विदेश कार्यालय ने यहां बताया कि 14वें इस्लामी सम्मेलन के इतर बुधवार को जेद्दा में जम्मू-कश्मीर पर ओआईसी कॉन्टेक्ट ग्रुप की बैठक में समूह के महासचिव ने जम्मू कश्मीर की स्थिति पर गहरी चिंता प्रकट की। उन्होंने भारत सरकार से कश्मीरी लोगों की आकांक्षा और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्तावों के मुताबिक विवाद के शांतिपूर्ण समाधान का आग्रह किया। भारत का हमेशा से मानना रहा है कि जम्मू कश्मीर उसका अखंड हिस्सा है और यह पूरी तरह से देश का आंतरिक मामला है।

फेसबुक नहीं हटा रहा है नैंसी पेलोसी का फर्जी वीडियो

एजेंसी। सैन फ्रांसिस्को

अमेरिकी संसद के निचले सदन प्रतिनिधि सभा की अध्यक्ष नैंसी पेलोसी की लड़खड़ाती जुबान वाला जो वीडियो पिछले हफ्ते फेसबुक पर आया था, उसे इस सोशल नेटवर्किंग साइट ने नहीं हटाया है। इस वीडियो में उनकी आवाज के साथ छेड़छाड़ की गई है। वहीं, फेसबुक ने वीडियो के प्रसार को सीमित करने के इरादे से इसे डाउनरैंक कर दिया है। इसे लेकर कुछ लोग गुस्से में हैं, जिनका मानना है कि फेसबुक को गलत सूचना के प्रसार पर रोक लगाने के लिए और अधिक काम करना चाहिए।

इस वीडियो के फर्जी होने की बात जानते हुए भी इसे नहीं हटाने को लेकर पेलोसी ने बुधवार को फेसबुक की आलोचना की। कंपनी और सिविल लिबर्टी के कुछ हिमायती लोगों ने चेतावनी दी कि यदि फेसबुक को शब्द, तस्वीर और वीडियो की सत्यता पर फैसला करने के लिए मजबूर किया जाता है तो यह गैर जवाबदेह सेंसर की राह खोल सकता है। वहीं, ट्विटर ने पेलोसी का छेड़छाड़ किया हुआ वीडियो नहीं हटाया है और इस पर टिप्पणी करने से इनकार कर दिया है।

सीएनएन के एंडरसन कूपन को पिछले हफ्ते दिए साक्षात्कार में वैश्विक नीति मामलों पर फेसबुक प्रमुख मोनिका बिकर्ट ने इस बात का जिक्र किया था कि यूजर को इसे देखने या साझा करने के दौरान यह कहा जा रहा है कि यह वीडियो फर्जी है। समझा जाता है कि यह वीडियो पेलोसी के एक भाषण का है जो हाल ही में हुए उन्होंने एक कार्यक्रम में दिया था। छेड़छाड़ की गई इस वीडियो में नैंसी पेलोसी को लड़खड़ा कर बोलते दिखाया गया है। वीडियो में उनकी आवाज़ के साथ भी छेड़छाड़ की गई है। यह वीडियो ट्विटर, यूट्यूब और फेसबुक पर लाखों बार देखा जा चुका है।

दक्षिण अफ्रीका के मंत्रिमंडल में 50 फीसदी महिलाएं

एजेंसी। जोहानिसबर्ग

दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामफोसा ने अपनी नई कैबिनेट में भारतीय मूल के दो नेताओं और 50 प्रतिशत महिलाओं को शामिल किया है। इस तरह, यहां की सरकार लैंगिक समानता के मामले में दुनिया के गिने-चुने देशों में शुमार हो गई है। रामफोसा ने कैबिनेट मंत्रियों की संख्या 36 से घटा कर 28 कर दी है। पिछले प्रशासन में कई मंत्रियों के भ्रष्टाचार में संलिप्त होने के आरोपों को लेकर व्यापक स्तर पर जताई गई चिंता के मद्देनजर रामफोसा ने ज्यादातर दागी नेताओं को मंत्री नहीं बनाया है, लेकिन कुछ को बरकरार रखा है। उनके मंत्रिमंडल में भारतीय मूल के दो मंत्री - प्रवीण गोवर्धन और इब्राहिम पटेल - शामिल किए गए हैं। नए मंत्रियों में आधी महिलाएं हैं, इस तरह दक्षिण अफ्रीकी सरकार दुनिया में लैंगिक समानता वाली सरकारों में शुमार हो गई है। उन्होंने सत्तारूढ़ अफ्रीकी नेशनल कांग्रेस (एएनसी) पार्टी को इस महीने की शुरूआत में हुए चुनावों में 57.5 प्रतिशत बहुमत के साथ जीत दिलाई। भ्रष्टाचार के आरोपी जैकब जुमा के पिछले साल अपदस्थ होने के बाद रामफोसा राष्ट्रपति के पद पर आसीन हुए थे और उन्होंने मंत्री पदों की संख्या बढ़ाई थी। रामफोसा (66) ने इन मंत्रियों की नियुक्ति की घोषणा करते हुए बुधवार को कहा, यदि हमें इस जनादेश को प्रभावी बनाना है तो हमें एक सक्षम, प्रभावी और नैतिकता के साथ काम करने वाली सरकार की जरूरत होगी। उनकी इस घोषणा का प्रसारण राष्ट्रीय स्तर पर टेलीविजन पर किया गया। रामफोसा ने भ्रष्टाचार से लड़ने और देश की संघर्षरत अर्थव्यवस्था में नई जान फूंकने का संकल्प लिया है।

इक्वाडोर की अदालत ने असांजे से जुड़े हैकर को नहीं दी जमानत

एजेंसी। क्वीटो

इक्वाडोर की एक अदालत ने विकिलीक्स के संस्थापक जूलियन असांजे से जुड़े स्वीडिश नागरिक एवं कंप्यूटर हैकिंग के आरोपी की जमानत याचिका बुधवार को नामंजूर कर दी। ओला बिनी को 11 अप्रैल को गिरफ्तार किया गया था जब वह जापान के लिए इक्वाडोर से रवाना हो रहा था। इसी दिन क्वीटो ने असांजे को शरण देने वाला अपना प्रस्ताव वापस ले लिया था। असांजे ने 2012 से इक्वाडोर के लंदन दूतावास में शरण ली हुई थी। इक्वाडोर की सरकार ने आरोपी बिनी (36) पर देश के कंप्यूटर सिस्टम पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया है। न्यायाधीश यादिरा प्रोआनो ने उनकी जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा कि बिनी ने जांचकर्ताओं के साथ सहयोग करने से इनकार कर दिया और अभियोजन पक्ष कथित हैकिंग से हुए नुकसान एवं संभावित पीड़ितों की पहचान नहीं कर पाए हैं।

रक्षा मामलों पर बातचीत के लिए भारत की यात्रा करेंगे अमेरिकी राजनयिक

एजेंसी। वॉशिंगटन

अमेरिकी राजनीतिक-सैन्य मामलों के लिए अमेरिकी सहायक विदेश मंत्री क्लार्क कूपर भारत और अमेरिका के बीच समुद्री सुरक्षा सहित द्विपक्षीय रक्षा संबंधों को और मजबूत करने तथा एक बड़े रक्षा साझेदार के तौर पर नई दिल्ली की भूमिका का समर्थन करने के लिए अगले सप्ताह भारत की यात्रा करेंगे। कूपर 29 मई से सात जून तक सिंगापुर, भारत और श्रीलंका की यात्रा पर हैं। विदेश विभाग ने बुधवार को यह घोषणा की।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के अपने दूसरे कार्यकाल के लिए बृहस्पतिवार को शपथ ग्रहण के बाद कूपर भारत की यात्रा करने वाले अमेरिका के वरिष्ठतम अधिकारी होंगे। कूपर 31 मई से दो जून तक शांगरी ला वार्ता में शामिल होने के बाद भारत के साथ रक्षा सहयोग एवं शांतिरक्षा पर बात करेंगे, जो ट्रम्प प्रशासन की हिंद-प्रशांत रणनीति के अनुसार तेजी से बढ़ती अमेरिका-भारत साझेदारी के दो अहम क्षेत्र हैं। विदेश मंत्रालय ने बुधवार को कहा, अमेरिका-भारत द्विपक्षीय रक्षा व्यापार 2008 में लगभग शून्य था, जो आज बढ़ कर 15 अरब डॉलर तक पहुंच गया है। वार्ता में एक बड़े रक्षा साझेदार के रूप में भारत की भूमिका को समर्थन देने, सुरक्षा सहयोग को विस्तार देने और अमेरिकी उद्योग के लिए अवसर बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

मेक्सिको में भीषण सड़क हादसे में 21 लोगों की मौत

एजेंसी। कोट्जाकोलकोस

पूर्वी मेक्सिको में बुधवार को एक ट्रक और एक बस के बीच जबर्दस्त टक्कर हुई जिसके बाद दोनों वाहनों में आग लग गई। इस हादसे में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और 30 लोग घायल हो गए। बस में तीर्थयात्री सवार थे, जो एक तीर्थयात्रा से वापस कैथोलिक पवित्र स्थल जा रहे थे। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। देश की संरक्षक संत गुआडालुपे ओसोर्नो ने कहा कि पीड़ितों में से अधिकांश दक्षिणी राज्य चियापास के तीर्थयात्री थे, जो मेक्सिको सिटी की यात्रा के बाद वापस वर्जिन ऑफ ग्वाडालुपे के बेसिलिका में प्रार्थना करने के लिए जा रहे थे।

उन्होंने कहा, घटनास्थल पर पहुंचे फोरेंसिक विशेषज्ञों ने बताया कि इस हादसे में बस में सवार 17 यात्री और ट्रक में सवार दो लोग मारे गए। एक व्यक्ति की मौत अस्पताल पहुंचने के बाद हो गई और दूसरा, जिसकी हालत काफी गंभीर थी, उसकी भी मौत अस्पताल में हो गई। चियापास में टक्सला गुटिरेज के कैथोलिक आर्कडियोसीस ने एक बयान में पीड़ितों के प्रियजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

मैक्सिको में एक पहाड़ी सड़क पर एक बस और एक अर्ध-ट्रेलर के बीच एक घातक टक्कर के बाद यात्रियों को बचाने का काम करते कर्मचारी

विज्ञान

मंगल पर क्यूरोसिटी रोवर को मिला चिकनी मिट्टी के खनिजों का भंडार

वाशिंगटन। नासा के क्यूरोसिटी मार्स रोवर को अपने अभियान के दौरान मंगल ग्रह पर चिकनी मिट्टी के खनिजों का अब तक का सबसे बड़ा भंडार मिला है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा ने एक बयान में बताया है कि क्यूरोसिटी रोवर ने मंगल के दो लक्ष्य स्थलों - एबेरलेडी और किलमारी से चट्टानों के नमूने लिए। बयान में कहा गया कि मंगल पर मिशन के 2405वें दिन (रक्ताभ ग्रह के अनुसार) 12 मई को रोवर की एक नई सेल्फी में इसका पता चला। अंतरिक्ष एजेंसी ने कहा कि खनिज संपन्न यह क्षेत्र निम्न माउंट शार्प के बगल में है, जहां पर 2012 में क्यूरोसिटी यान ने लैंड किया था। क्यूरोसिटी यान माउंट शार्प पर यह अन्वेषण कर रहा है कि क्या अरबों साल पहले वहां पर जीवन के लिए उपयुक्त माहौल मौजूद था। चिकनी मिट्टी का निर्माण अकसर जल से होता है जो जीवन के लिए अनिवार्य है। रोवर के विशेष उपकरण केमिन (केमिस्ट्री और मिनरोलॉजी) ने चिकनी मिट्टी के खनिज वाले क्षेत्र में खुदाई से प्राप्त चट्टान के नमूने का पहली बार विश्लेषण किया है। चेमिन को बेहद कम मात्रा में हेमेटाइट भी मिला है। यह लौह ऑक्साइड खनिज है जो उत्तर में लगे वेरा रूबिन रिज में भारी मात्रा में उपलब्ध है। नासा के मुताबिक गेल क्रेटर में एक समय प्रचुर मात्रा में पानी रहने के सबूत मिले हैं जबकि इसपर चर्चा जारी है कि क्षेत्र के लिए इन नई खोजों का क्या निहितार्थ है। नासा के मुताबिक हो सकता है कि पुरानी झीलों की कीचड़ के परत से क्षेत्र की चट्टानों का निर्माण हुआ हो।

नेप्चूनियन डेजर्ट में दुष्ट ग्रह की खोज

लंदन। खगोलविदों ने नेप्चूनियन डेजर्ट में दुष्ट बहिर्ग्रह (एक्सोप्लानेट) की खोज की है, जिसका अपना वातावरण है। ब्रिटेन के वारविक विश्वविद्यालय के अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि एनजीटीएस-4बी वरुण ग्रह से छोटा है लेकिन पृथ्वी के आकार से तीन गुणा बड़ा है। इसको द फॉरबिडन प्लेनेट नाम भी दिया गया है। इस बहिर्ग्रह का द्रव्यमान 20 पृथ्वी के द्रव्यमान के बराबर है, वरुण ग्रह के व्यास से इसका व्यास 20 प्रतिशत कम है और तापमान 1,000 डिग्री सेल्सियस है। यह महज 1.3 दिन में ग्रह की परिक्रमा करता है जो पृथ्वी द्वारा सूरज की एक साल में की जाने वाली प्ररिक्रमा के बराबर है। अनुसंधानकर्ताओं ने कहा कि नेप्चूनियन डेजर्ट में पाया जाने वाला यह एक अनोखा बहिर्ग्रह है। नेप्चूनियन डेजर्ट सितारों के पास वाले क्षेत्र को कहा जाता है जहां वरुण ग्रह (नेप्चून) के आकार का कोई ग्रह नहीं मिलता है। इस क्षेत्र में ग्रह से निकलने वाली मजबूत विकिरणें आती हैं जिसका अर्थ है कि ग्रह अपने गैसीय वातावरण को बरकरार नहीं रख सकता। इस ग्रह के बारे में विस्तार से जानकारी मंथली नोटिसेज ऑफ द रॉयल एस्ट्रोनॉमिकल सोसाइटी पत्रिका में दी गई है।

सेंसेक्स 330 अंक के उछाल के साथ रिकॉर्ड स्तर पर

● निफ्टी भी नए उच्चतम स्तर पर

एजेंसी। मुंबई

बंबई शेयर बाजार का सेंसेक्स बृहस्पतिवार को 330 अंक की लंबी छलांग के साथ नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गया। मई माह के डेरिवेटिव अनुबंधों के निपटाने के दिन रिलायंस इंडस्ट्रीज, एचडीएफसी और टीसीएस जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में बढ़त से बाजार में तेजी आई।

इसके अलावा निवेशकों को नई सरकार से काफी उम्मीदें है। निवेशक अब मंत्रियों के विभागों का इंतजार कर रहे हैं। नरेंद्र मोदी और उनकी मंत्रिपरिषद के सदस्य आज शाम सात बजे शपथ ले रहे हैं। बंबई शेयर बाजार का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स एक समय 400 अंक तक ऊपर जाने के बाद अंत में 329.92 अंक या 0.84 प्रतिशत की बढ़त के साथ 39,831.97 अकं के नए रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 39,911.92 अंक का उच्चस्तर और 39,500.56 अंक का निचला स्तर भी छुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 84.80 अंक या 0.71 प्रतिशत की बढ़त के साथ 11,945.90 अंक के नए उच्चतम स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में एनटीपीसी 3.44 प्रतिशत लाभ में रहा। भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी, यस बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज में भी 2.33 प्रतिशत की बढ़त रही। वहीं दूसरी ओर सनफार्मा, महिंद्रा एंड महिंद्रा, ओएनजीसी, इंडसइंडस बैंक और वेदांता के शेयर 2.39 प्रतिशत तक टूट गए। इस बीच, शेयर बाजारों के अस्थाई आंकड़ों के अनुसार विदेशी संस्थागत निवेशकों ने बुधवार को 304.27 करोड़ रुपए के शेयर बेचे। घरेलू संस्थागत निवेशक भी 189.58 करोड़ रुपए के बिकवाल रहे।

क्विक न्यूज

एमएमटीसी का शुद्ध लाभ 8.26 फीसद गिरकर 11.76 करोड़ रुपए

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की खनन एवं धातु कंपनी एमएमटीसी का शुद्ध लाभ 2018-19 की मार्च तिमाही में 8.26 प्रतिशत गिरकर 11.76 करोड़ रुपए रह गया। कंपनी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष में कंपनी ने 12.82 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ कमाया था। एमएमटीसी ने बंबई शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि समीक्षाधीन अवधि में उसकी परिचालन से कुल आय 7,107.66 करोड़ रुपए रही। 2017-18 की मार्च तिमाही में उसकी आय 3,110.71 करोड़ रुपए थी। इस दौरान, कुल व्यय भी बढ़कर 7,082.73 करोड़ रुपए रहा, जो कि 2017-18 की चौथी तिमाही में 3,098 करोड़ रुपए था।

चीन का आरोपः खुले आर्थिक आतंकवाद पर उतर गया है अमेरिका

बीजिंग। व्यापार युद्ध के बीच चीन ने बृहस्पतिवार को अमेरिका पर जोरदार हमला बोलते हुए उस पर खुल्लम खुल्ला आर्थिक आतंकवाद फैलाने का आरोप लगाया। दुनिया की दो प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं के बीच काफी समय से विवाद जारी रहे। व्यापार समझौते को लेकर बातचीत अटकी हुई है। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने इसी महीने चीन की वस्तुओं पर आयात शुल्क बढ़ाया है। साथ ही चीन की दूरसंचार क्षेत्र की दिग्गज कंपनी हुवावेई को काली सूची में डाला है। चीन के उप विदेश मंत्री झांग हनहुई ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, हम व्यापार युद्ध के खिलाफ है, लेकिन इससे डरते नही है। अमेरिका आर्थिक आतंकवाद में नंगेपन पर उतरा है। उसका रुख आर्थिक दृष्टि से उग्रराष्ट्रवाद और दूसरो को डराने धमकाने वाला है। उन्होने चेताया कि व्यापार युद्ध में कोई विजेता नही होता। अमेरिका द्वारा शुल्क बढ़ोतरी के बाद चीन ने जवाबी कदम उठाया है। चीन के मीडिया ने सुझाव दिया है कि वह अमेरिका को रेयर अर्थ (दुर्लभ खनिजो) का निर्यात रोक दे जिससे वह प्रौद्योगिकी उत्पादो के लिए एक महत्वपूर्ण सामग्री से वंचित हो जाए।

इंटरनेट क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों के लिए जी-20 देश कर नीति बनाने की तैयारी में

तोक्यो। जी-20 देश गूगल जैसी दिग्गज डिजिटल कंपनियो के लिए नई कर नीति लागू करने की योजना बना रहे है। निक्की बिजनेस डेली ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह नीति इस बात पर आधारित होगी कि कंपनी किस देश मे कारोबार कर रही है न कि जहां उसका मुख्यालय है। अखबार ने अज्ञात सूत्रो के हवाले से लिखा है कि यह नीति गूगल, एप्पल, फेसबुक और अमेजन को लक्षित होगी। इसमे राजस्व का आवंटन उस देश को किया जाएगा जो कंपनी को सबसे अधिक उपयोगकर्ता उपलब्ध कराएंगे। जी-20 के देश इस बारे मे 2020 तक अंतिम करार पर पहुंचेगे। हालांकि यह नीति किस तरह काम करेगी अभी यह तय नही हुआ है।

बीते वित्त वर्ष में एक्जिम बैंक को 82 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ

मुंबई। एक्पोर्ट-इम्पोर्ट बैंक आफ इंडिया (एक्जिम बैंक) को बीते वित्त वर्ष 2018-19 मे 82 करोड़ रुपए का शुद्ध लाभ हुआ है। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही मे बैंक को 2,924 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष के दौरान निर्यात वित्त संस्थान के डूबे कर्ज मे भी बने कमी आई। बैंक के प्रबंध निदेशक डेविड रसक्विन्हा ने कहा कि 2017-18 का साल साफ-सफाई का था। इस दौरान बैंक ने आक्रामक तरीके से प्रावधान किया जिससे वित्त वर्ष के दौरान नुकसान हुआ। उन्होने यहां संवाददाताओ से कहा, उसके बाद तस्वीर बदली। 2018-19 मे सभी प्रावधान करने और अतिरिक्त एहतियाती कदम उठाने के बावजूद हम 82 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाने मे कामयाब रहे। बीते वित्त वर्ष मे बैंक की सकल गैर निष्पादित आस्तियां (एनपीए) घटकर 11,678 करोड़ रुपए पर आ गई जो इससे पिछले वित्त वर्ष 2017-18 मे 11,976 करोड़ रुपए रही थी। वित्त वर्ष के दौरान बैंक का शुद्ध एनपीए 4,028 करोड़ रुपए से घटकर 2,288 करोड़ रुपए पर आ गया।

महिंद्रा के ई-वाहनों की बिक्री 2018-19 में ढाई गुना होकर 10,276 इकाइयों पर

नई दिल्ली। दिग्गज घरेलू वाहन कंपनी महिंद्रा एंड महिंद्रा की बिजली से चलने वाले वाहनों (ई - वाहन) की बिक्री 2018-19 में ढाई गुना बढ़कर 10,276 वाहनों पर पहुंच गई। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी ईईएसएल से इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए दूसरे दौर का ठेका मिलने से बिक्री में तेजी रही। कंपनी ने 2017-18 में 4,026 इलेक्ट्रिक वाहनों की बिक्री की थी। महिंद्रा सेडान ई - वेरिटो , वैन ई - सुप्रो , कॉम्पैक्ट कार ई 2 ओ और तिपहिया वाहन ट्रियो की बिक्री कर रही है। कंपनी ने निवेशक प्रस्तुतिकरण में कहा कि एनर्जी एफिशियंसी सर्विसेज लिमिटेड (ईईएसएल) के दूसरे दौर के ऑर्डर से बिक्री में वृद्धि हुई और इनकी डिलीवरी 2019-20 में भी होगी। ईईएसएल ने सरकारी विभागों के लिए 10,000 इलेक्ट्रिक सेडान कारों की आपूर्ति के लिए निविदा निकाली थी। महिंद्रा और उसकी प्रतिद्वंद्वी कंपनी टाटा मोटर्स को ईईएसएस से वाहनों की आपूर्ति के लिए ठेका मिला था। ईईएसएल ने ऑर्डर के पहले दौर में 500 ई - कारों की आपूर्ति की थी। जिसमें से 150 कारों की आपूर्ति महिंद्रा ने और बाकी गाड़ियों की आपूर्ति टाटा मोटर्स ने की थी। कंपनी ने कहा कि फेम - दो पहल से उसके ई - वाहनों को लाभ होगा और ट्रियो और ई - सुपर कार्गो पहले से इस योजना के तहत लाभ के लिए पात्र हैं।

आर कॉम जैसी स्थिति से बचने के लिए एरिक्सन व्यापार सौदों में नए उपबंध डालने पर कर रही विचार

एजेंसी। नई दिल्ली

दूरसंचार उपकरण बनाने वाली स्वीडन की कंपनी एरिक्सन रिलायंस कम्युनिकेशंस के साथ के विवाद जैसी स्थिति से बचने के लिए व्यापार सौदों के प्रावधानों में बदलाव पर विचार कर रही है। कंपनी ने 1,500 करोड़ रुपए के बकाए की वसूली के लिए आर कॉम और उसके प्रवर्तक अनिल अंबानी के खिलाफ मुकदमा दायर किया। इसमें से वह केवल 550 करोड़ रुपए ही प्राप्त करने में कामयाब हुई। एरिक्सन के वरिष्ठ उपाध्यक्ष तथा प्रमुख (व्यापार क्षेत्र प्रबंधित सेवाएं) पीटर लॉरीन ने कहा, हमें लगता है कि अंत में सचाई की जीत हुई। लेकिन निश्चित रूप से हम नया सौदा करते समय उन चीजों से बचने का प्रयास करेंगे....।

उनसे यह पूछा गया था कि क्या कंपनी आर कॉम मुद्दे को देखते हुए व्यापार प्रावधानों में किसी प्रकार के बदलाव की योजना बना रही है। दूरसंचार उपकरण बनाने वाली चीनी कंपनी हुवावेई द्वारा भुगतान मुद्दों के कारण सेवाएं रोकने के बाद एरिक्सन ने आर कॉम के साथ अनुबंध किया था। हालांकि विशेषज्ञों का मानना है कि एरिक्सन को प्राप्त राशि टीआरए खाता (ट्रस्ट एंड रिटेंशनशिप एकाउंट) में जमा करना पड़ सकता है। टीआरए व्यवस्था परियोजना के लिए कर्ज देने वालों के हितों का कर्ज जोखिम से संरक्षण करता है। इसके तहत परियोजना से संबद्ध नकदी प्रवाह को संरक्षित किया जाता है। इसमें भविष्य के नकदी प्रवाह पर नियंत्रण कर्जदाता (परियोजना कंपनी) के बजाए स्वतंत्र एजेंट के पास होता है जिसे टीआरए एजेंट कहते हैं। राष्ट्रीय कंपनी विधि अपीलीय न्यायाधिकरण ने 30 अप्रैल को आर कॉम के खिलाफ ऋण शोधन अक्षमता कार्वाई की अनुमति दे दी। अनिल अंबानी की अगुवाई वाली कंपनी द्वारा इस कदम को चुनौती देने की याचिका वापस लेने के बाद इसकी अनुमति दी गई। स्वीडन की कंपनी की बिक्री भारत से 2019 की पहली तिमाही में घटकर 4 प्रतिशत रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 6 प्रतिशत थी। लॉरीन ने कहा कि भारत एरिक्सन के लिए महत्वपूर्ण बाजार है लेकिन साथ ही यह जटिल और कठिन बाजार है। उन्होंने कहा, भारत के महत्वपूर्ण होने के दो कारण हैं। यह इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि हमारे कुछ बड़े ग्राहक यहां हैं।

पी-नोट्स के जरिए निवेश अप्रैल के अंत तक बढ़कर 81,220 करोड़ रुपए हुआ

नई दिल्ली। अनुकूल बाजार स्थितियों की वजह से अप्रैल के अंत तक में घरेलू शेयर बाजार में पार्टिसिपेटरी नोट्स (पी-नोट्स) के माध्यम से होने वाला निवेश बढ़कर 81,220 करोड़ रुपए रहा। पी-नोट्स पंजीकृत विदेशी पोर्टफोलियो निवेशक जारी करते हैं। यह भारतीय बाजार में निवेश करने की इच्छा रखने वाले उन विदेशी निवेशकों के लिए जारी किए जाते हैं जो यहां सीधे पंजीकरण कराए बगैर निवेश करना चाहते हैं।

बाजार नियामक सेबी के नवीनतम आंकड़ों के अनुसार इक्विटी, ऋण और डेरिवेटिव श्रेणी में मिलाकर पी-नोट्स के माध्यम से अप्रैल के अंत तक कुल 81,220 करोड़ रुपए का निवेश हुआ है। इसमें इक्विटी श्रेणी में 58,820 करोड़ रुपए, ऋण श्रेणी में 21,542 करोड़ रुपए डेरिवेटिव श्रेणी में 123 करोड़ निवेश किए गए। मार्च महीने के मुकाबले अप्रैल में पी-नोट्स के माध्यम से निवेश में 3.98 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। मार्च में पी-नोट्स से कुल 78,110 का निवेश भारतीय बाजार में किया गया था। डब्ल्यूजीसी वेल्थ के मुख्य निवेश अधिकारी राजेश चेरुवु ने कहा कि अप्रैल-2019 में अन्य सभी एफपीआई परिसंपत्तियों से होने वाले निवेश में से पी-नोट्स से किए जाने वाले निवेश में बढ़ोतरी अधिक है। इसकी एक प्रमुख वजह देश की मौजूदा सत्ताधारी पार्टी के वापस सत्ता में आने को लेकर बंधी आशा और नीति एवं सुधारों के जारी रहने को लेकर इक्विटी आवंटन है। पिछले हफ्ते भारतीय जनता पार्टी ने 542 सीटों वाले लोकसभा चुनाव में 300 से अधिक सीटों पर जीत दर्ज की थी। यह 1984 के बाद पहली बार है जब किसी एक दल की सरकार लगातार दूसरी बार पूर्ण बहुमत से सरकार बनाने जा रही है।

मलेशिया के प्रधानमंत्री का साझा एशियाई मुद्रा का प्रस्ताव

एजेंसी। टोक्यो

मलेशिया के प्रधानमंत्री मोहम्मद महातिर ने बृहस्पतिवार को कहा कि पूर्वी एशिया देशों को आपस में व्यापार के लिए एक साझा क्षेत्रीय मुद्रा शुरू करने पर विचार करना चाहिए। उनका सुझाव है कि प्रस्तावित मुद्रा का आधार सोना हो जिससे क्षेत्र में व्यापार का प्रसार हो और अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता खत्म हो। महातिर ने कहा कि यह प्रस्तावित मुद्रा क्षेत्रीय व्यापार के लिए होगी और देश अपनी अपनी घरेलू मुद्राओं का चालन बनाए रखेंगे। टोक्यो में फ्यूचर ऑफ एशिया मंच को संबोधित करते हुए महातिर ने कहा, यदि सुदूर पूर्व को एक साथ आना है तो हमें व्यापार के लिए एक साझा मुद्रा शुरू करने पर विचार करना चाहिए। लेकिन प्रस्तावित मुद्रा का उपयोग स्थानीय स्तर पर नहीं होगा। यह सिर्फ व्यापार संबंधी लेनदेन के लिए होगी। उन्होंने कहा कि अभी हम अमेरिकी डॉलर पर निर्भर करते हैं। लेकिन अमेरिकी डॉलर भी स्थाई नहीं है। इसलिए प्रस्तावित मुद्रा सोने पर आधारित होनी चाहिए जो डॉलर के मुकाबले अधिक स्थाई है। उन्होंने कहा कि क्षेत्रीय मुद्रा की विनिमय दर हर देश के प्रदर्शन के आधार पर निर्भर करेगी। इससे क्षेत्रीय व्यापार को आसान बनाने में मदद मिलेगी। महातिर ने कहा इस तरह से हमें पता होगा कि हमारे ऊपर कितना उधार है और हमें एशिया की मुद्रा में कितना भुगतान करना है। महातिर दूसरी बार मलेशिया के प्रधानमंत्री बने हैं। पिछले साल उन्होंने मलेशिया में एक बड़ी जीत दर्ज की थी।

भारत पहली बार करेगा अक्टूबर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेले की मेजबानी

एजेंसी। नई दिल्ली

सहकारी उपक्रमों के बीच व्यापार एवं प्रौद्योगिकी के आदान - प्रदान को बढ़ावा देने और भारत के उत्पादों एवं सेवाओं को अंतरराष्ट्रीय सहकारी बाजार में प्रदर्शित करने के लिए अक्टूबर में देश में पहली बार अंतरराष्ट्रीय सहकारी व्यापार मेले का आयोजन किया जाएगा। अधिकारियों ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। इंडिया इंटरनेशनल कॉ - ऑपरेटिव व्यापार मेला (आईआईसीटीएफ) 11-13 अक्टूबर को प्रगति मैदान में आयोजित किया जाएगा। विदेश मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (आर्थिक कूटनीति एवं राज्य) मनोज के भारती ने विभिन्न दूतावासों के प्रतिनिधियों , राजनयिकों और राजदूतों की मौजूदगी में यहां मेले की घोषणा की।

उन्होंने जवाहरलाल नेहरू भवन में आयोजित एक कार्यक्रम में कहा ," यह पहली बार होगा कि भारत अंतरराष्ट्रीय सहकारी मेले की मेजबानी करेगा। हम विभिन्न देशों के इसमें बड़े पैमाने पर भागीदारी लेने की उम्मीद कर रहे हैं। मेले का उद्देश्य घरेलू और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सहकारी उपक्रमों के बीच व्यापार को बढ़ावा देना और भारत के उत्पादों एवं सेवाओं को वैश्विक सहकारी बाजार के सामने रखना है। राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) के प्रबंध निदेशक संदीप कुमार नायक ने कहा कि एनसीडीसी तेलंगाना और हरियाणा की सरकारों के साथ सहकारी कार्यक्रम का आयोजन कर रही है। ए प्रमुख राज्य साझेदार है। इसके अलावा इफको , इंडियन पोटाश लिमिटेड (आईपीएल) और अमूल सहकारी क्षेत्र के भागीदार के रूप में काम कर रहे हैं। मेले का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कर सकते हैं। नायक ने कहा , यह आयोजन दुनिया भर के विभिन्न सहकारी समितियों को एक दूसरे के साथ सीधे व्यापार करने की सुविधा देगा। भारत कृषि और खाद्य प्रसंस्करण क्षेत्र से लेकर अन्य क्षेत्रों के लिए विभिन्न देशों से प्रौद्योगिकी लेने पर विचार कर रहा है। इसके अलावा , भारत को अपने उत्पादों और सेवाओं की बिक्री विदेशों को करने का मौका मिलेगा।

शेयर, ऋण-पत्रों से 35,000 करोड़ रुपए जुटाएगी टाटा टेलीसर्विसेज

नई दिल्ली। दूरसंचार कंपनी टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र तरजीही शेयर और गैर परिवर्तनीय डिबेंचर जारी कर 35,000 करोड़ रुपए जुटाएगी। बंबई शेयर बाजार को भेजी सूचना में कंपनी ने यह जानकारी दी। कंपनी के निदेशक मंडल ने इस राशि में से 15,000 करोड़ रुपए अपने प्रवर्तकों से जुटाने की मंजूरी दे दी है। इन प्रवर्तकों में टाटा संस और उसकी अनुषंगियां शामिल हैं। टाटा टेलीसर्विसेज महाराष्ट्र लि. (टीटीएमएल) के निदेशक मंडल ने शेष 20,000 करोड़ रुपए की राशि एक या अधिक किस्तों में गैर परिवर्तनीय डिबेंचरों के जरिए जुटाने की मंजूरी दे दी है। कंपनी के निदेशक मंडल की 29 मई को हुई बैठक में यह मंजूरी दी गई। टीटीएमएल को 31 मार्च को समाप्त बीते वित्त वर्ष की चौथी तिमाही में 579.55 करोड़ रुपए का एकल शुद्ध लाभ हुआ। इससे पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही में कंपनी को 681.5 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। वित्त वर्ष 2018-19 में कंपनी को 667.6 करोड़ रुपए का सालाना घाटा हुआ जबकि 2017-18 में कंपनी को 9,841.99 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था।

अमेरिका को अंदेशा, चीनी सरकार के साथ जानकारियां साझा कर रही है हुआवेई : पोम्पिओ

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिकी सरकार को अंदेशा है कि हुआवेई चीन की सरकार के साथ अहम जानकारी साझा कर रही है, इसलिए वह इस दूरसंचार कंपनी का विरोध कर रही है।

अमेरिकी विदेश मंत्री माइक पोम्पिओ ने कहा कि हुआवेई चीनी सरकार का ही एक माध्यम है। चीन के साथ व्यापार युद्ध को बढ़ाते हुए अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने सुरक्षा चिंताओं के चलते हुआवेई को काली सूची में डाल दिया है। साथ ही अमेरिकी कंपनियों को उसके दूरसंचार उपकरण उपयोग करने पर प्रतिबंध लगा दिया है। इस हफ्ते की शुरुआत में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने चीन के साथ चल रही व्यापार वार्ताओं में हुआवेई के मामले को शामिल किए जाने की संभावना जताई थी।

देश का वित्तीय प्रौद्योगिकी बाजार 2020 में 31 अरब डॉलर पर पहुंचने की उम्मीद

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत में वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक) बाजार के 2020 में बढ़कर 31 अरब डॉलर पर पहुंचने की संभावाना है। नीति आयोग के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) अमिताभ कांत ने बृहस्पतिवार को यह बात कही। उद्योग संगठन एसोचैम की ओर से आयोजित एक कार्यक्रम के दौरान कांत ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर सबसे तेजी से बढ़ते वित्तीय प्रौद्योगिकी बाजारों में से एक है। वित्तीय प्रौद्योगिकी (फिनटेक), बैंकिंग एवं वित्तीय सेवाओं के लिए समर्थन देने में उपयोग की जाने वाली तकनीक है।

उन्होंने कहा कि भारत दुनिया में एकमात्र ऐसा देश है , जहां एक अरब से ज्यादा मोबाइल कनेक्शन और बायोमैट्रिक हैं। वित्तीय प्रौद्योगिकी की पैठ के लिए इतना बड़ा आधार काफी है। कांत ने कहा , भारत का वित्तीय प्रौद्योगिकी तंत्र दुनिया में तीसरा सबसे बड़ा वित्तीय प्रौद्योगिकी तंत्र है। पिछले तीन - चार सालों में इसमें 6 अरब डॉलर का निवेश हो चुका है। 2020 में देश के वित्तीय प्रौद्योगिकी बाजार के बढ़कर 31 अरब डॉलर पर पहुंचने का अनुमान है। उन्होंने कहा कि सरकार ने देश में फिनटेक स्टार्टअप कंपनियों को बढ़ावा देने में अहम निभाई है। कांत ने कहा कि चीन में सारे आंकड़े (डेटा) अलीबाबा के पास है। इसी तरह अमेरिका में डेटा गूगल के पास है। भारत में डेटा का दायित्व सरकार के पास है।

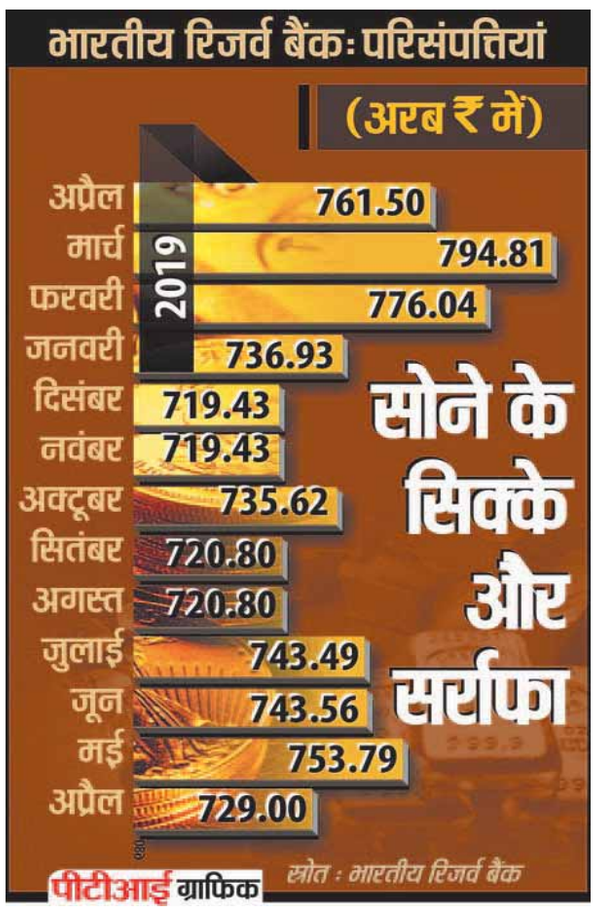

जेपी इन्फ्रा दिवालाः एनबीसीसी की बोली पर आज से वोटिंग

एजेंसी। नई दिल्ली

जेपी इन्फ्राटेक के ऋणदाताओं ने कर्ज के बोझ से दबी रीयल्टी कंपनी के लिए एनबीसीसी की बोली पर शुक्रवार से मतदान कराने का फैसला किया है। सूत्रों ने बताया कि सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी एनबीसीसी ने हालांकि अपनी पेशकश में कुछ शर्तों में ढील नहीं दी है। इनमें भविष्य की कर देनदारियों से संबंधित शर्तें भी शामिल हैं। जेपी इन्फ्राटेक के अंतरिम निपटान पेशेवर (आईआरपी) अनुज जैन दिवाला प्रक्रिया के तहत मतदान कराएंगे। मतदान शुक्रवार से शुरू होकर 10 जून तक चलेगा। ऋणदाताओं की समिति (सीओसी) में 13 बैंकों तथा करीब 23,000 घर खरीदारों के पास मतदान का अधिकार है। खरीदारों के पास करीब 60 प्रतिशत वोट हैं। बोली को मंजूरी के लिए 66 प्रतिशत का सौदे के पक्ष में होना जरूरी है। सूत्रों ने कहा कि एनबीसीसी ने भविष्य की कर देनदारियों तथा यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (वाईईआईडीए) से संबंधित अपनी शर्तों में ढील नहीं दी है। हालांकि, एनबीसीसी ने बैंकों के पास बिना बिके फ्लैटों के मूल्य को घटाकर 1,300 करोड़ रुपए करने की पेशकश की है। पहले यह राशि 1,750 करोड़ रुपए थी। सूत्रों ने बताया कि बैंकों को एनबीसीसी की बोली को लेकर आपत्ति थी लेकिन राष्ट्रीय कंपनी विधि न्यायाधिकरण (एनसीएलएटी) के निर्देश पर सीओसी ने इस पर आगे बढ़ने का फैसला किया। न्यायाधिकरण ने बैंकों से कहा था कि वे एनबीसीसी के साथ बातचीत 30 मई तक पूरी करें, ताकि 31 मई से मतदान शुरू कराया जा सके।

बोइंग-737 मैक्स से जुड़ी समस्याओं को लेकर हमारे भीतर कमी रह गईः मुख्य कार्यकारी

एजेंसी। न्यूयॉर्क

विमान बनाने वाली कंपनी बोइंग के प्रमुख डेनिस मुलेनबर्ग ने बुधवार को कहा कि दुर्घटना का शिकार बने 737-मैक्स विमान से जुड़ी समस्याओं से निपटने को लेकर स्पष्ट तौर पर हमारी ओर से कमी रही और कंपनी ने इस मुद्दे पर नियामक को पर्याप्त सूचना नहीं दी थी। इंडोनिशिया और इथोपिया में इस श्रेणी के दो विमानों की दुर्घटना में कुल 346 लोगों की जान गई। मुलेनबर्ग ने सीबीएस न्यूज चैनल से बाचतीच में संकेत दिया कि फिल हाल मध्य अगस्त तक बोइंग 737-मैक्स विमान सेवा से बाहर रहेंगे।

दोनों दुर्घटनाओं के बाद कंपनी के इन विमानों के खड़े हो जाने के बाद यह पहला मौका रहा जब मुलेनबर्ग ने किसी मीडिया चैनल से बात की है। वह अमेरिकी विमानन नियामक फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन को इन विमानों में एक संकेत को निष्क्रिय करने की में सूचना देने में एक साल से भी ज्यादा समय तक विफल रहने के मुद्दे पर सीबीएस के एक सवाल पर बोल रहे थे। कंपनी ने विमान के एंगल ऑफ अटैक (दबाव का कोण) के सेंसरों की रीडिंग में अंतर से चालक दल को सूचित करने वाले संकेत को निर्षक्रिय किया था। ए सेंसर विमान के डैनों पर सामने से हवा के दबाव का कोण आकलन कर चालक दल को विमान के आसमान में अचानक लम्बवत खड़े हो जाने के जोखिम का संकेत देते हैं। यह सेंसर मैन्युवरिंग कैरेक्टरस्टिक ऑग्मेंटेशन सिस्टम (एमसीएएस) यानी विमान की पैतरेबाजी बढ़ाने की प्रणाली को सूचना उपलब्ध कराते हैं। कहा जा रहा है कि इसी प्रणाली के चलते इंडोनेशिया की लायन एयर और इथोपियन एयरलाइन्स के मैक्स विमानों की दुर्घटनाएं हुईं। फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने लायन एयर की दुर्घटना के बाद बोइंग के विमानों में उजागर हुई इस समस्या से 13 महीने बाद भी कोई सबक नहीं लिया।दुर्घटनाओं की शुरुआती जांच के बाद सामने आया कि दोनों विमान दुर्घटनाओं में सेंसर से मिले आंकड़ों को गलत तरीके से पढ़ने से इस प्रणाली ने विमान की नाक को नीचे की तरफ कर दिया और पायलट के विमान को नियंत्रित करने के प्रयास में विफल रहे। लगातार डिजाइन में त्रुटि की बात नकारते रहे मुलेनबर्ग ने माना कि एंगल ऑफ अटैक सेंसर प्रणाली को लगाना एक बड़ी गलती थी। उन्होंने इन दुर्घटनाओं के पीड़ितों के परिवारों से माफी भी मांगी।इसी बीच 737 मैक्स को लेकर विमानन कंपनियों के मुआवजे की मांग पर मुलेनबर्ग ने कहा कि नकदी के साथ वह सर्विस के रूप में कंपनियों को इसका भुगतान करेंगे। उन्होंने कहा कि वह जानते हैं कि इस विमान की वजह से कई कंपनियों के गर्मियों के उड़ान कार्यक्रम प्रभावित हुए हैं। यह मुश्किल है और दुखद भी। उनके लिए यह ग्राहक आधारित समस्या है जिस पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इसका मुआवजे का भुगतान विमानों की डिलीवरी समय में बदलाव, प्रशिक्षण और सर्विस में छूट और कुछ मामलों में नकदी के माध्यम से भी किया जाएगा।

अंडरडाग का ठप्पा न्यूजीलैंड के अनुकूल: जेम्स फ्रेंकलिन

लंदन। पूर्व आलराउंडर जेम्स फ्रेंकलिन का मानना है कि विश्व कप की छुपा रुस्तम रही न्यूजीलैंड की टीम एक बार फिर दमदार प्रदर्शन को तैयार है और अंडरडाग का ठप्पा उसके लिए अच्छा है। पिछले साल फाइनल में जगह बनाने वाले न्यूजीलैंड ने सात बार विश्व कप के सेमीफाइनल में जगह बनाई है। न्यूजीलैंड की ओर से 15 विश्व कप मैच खेल चुके फ्रेंकलिन ने बुधवार को यहां टूर्नामेंट के औपचारिक उद्घाटन समारोह के दौरान कहा कि न्यूजीलैंड अच्छी स्थिति में है। कोई भी हमारे बारे में अधिक बात नहीं कर रहा। हम हमेशा से अंडरडाग रहे हैं और यह हमारे अनुकूल है। पिछले विश्व कप के बाद से न्यूजीलैंड ने अच्छा प्रदर्शन किया है और इस दौरान टीम आईसीसी रैंकिंग में दूसरे स्थान पर भी जगह बनाने में सफल रही। फ्रेंकलिन ने कहा कि हम विश्व में शीर्ष पर नहीं हैं, मुझे लगता है कि हाल के वर्षों में इंग्लैंड की टीम आगे रही है लेकिन इसके बावजूद हम निरंतर अच्छा क्रिकेट खेले हैं। न्यूजीलैंड ने ब्रिटेन पहुंचने से पहले बांग्लादेश का घरेलू सरजमीं पर एकदिवसीय श्रृंखला में 3-0 से हराया। टीम ने प्रबल दावेदार भारत को पहले अभ्यास मैच में हराया लेकिन दूसरे मैच में उसे वेस्टइंडीज के खिलाफ 91 रन से हार का सामना करना पड़ा। केन विलियमसन की तारीफ करते हुए फ्रेंकलिन ने कहा कि उनकी कप्तानी में उनकी बल्लेबाजी की झलक मिलती है जो प्रभावी और विश्व स्तरीय है।

टिकटों की बिक्री का पैसा दान करेगा हाकी इंडिया

भुवनेश्वर। हाकी इंडिया ने गुरुवार को कहा कि वह आगामी एफआईएच पुरुष हाकी सीरीज फाइनल्स के मैचों की टिकटों की बिक्री से होने वाली कमाई ओड़िशा सरकार को दान करेगा जिससे कि राज्य को चक्रवात फोनी के नुकसान से उबरने में मदद मिल सके। हाकी इंडिया ने बयान में कहा कि टिकटों की बिक्री से मिलने वाली राशि ओड़िशा के मुख्यमंत्री राहत कोष में दान की जाएगी। हाकी इंडिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने कहा कि चक्रवात फोनी से हुए नुकसान और हानि को देखकर हम बेहद दुखी हैं और हाकी खेल के प्रति ओड़िशा के प्यार और समर्थन की राह पर चलते हुए हम मैच टिकटों की बिक्री से मिलने वाला सारा पैसा मुख्यमंत्री राहत कोष, ओड़िशा में दान करेंगे। छह से 15 जून तक होने वाली प्रतियोगिता के सफल आयोजन के लिए 150 स्वयंसेवकों की मदद ली जा रही है। भारत के अलावा इस प्रतियोगिता में पोलैंड, रूस, उज्बेकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका, एशियाई खेलों का चैंपियन जापान, अमेरिका और मैक्सिको हिस्सा ले रहे हैं।

कमेंटेटर के रूप में नई पारी का आगाज करेंगे तेंदुलकर

मुंबई। चैम्पियन क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर आईसीसी विश्व कप के दौरान टीवी कमेंटेटर के रूप में अपने कैरियर की नई पारी का आगाज करेंगे। मास्टर ब्लास्टर इंग्लैंड और दक्षिण अफ्रीका के बीच टूर्नामेंट के पहले मैच में कमेंट्री करते नजर आएंगे। वह स्टार स्पोर्ट्स पर मैच से पहले शो में कमेंटेटरों की पैनल में होंगे। उनका अपना खास कार्यक्रम सचिन ओपंस अगेन होगा। भारत के लिए छह विश्व कप खेल चुके 46 बरस के तेंदुलकर ने 2003 विश्व कप में 673 रन बनाए थे जो एक रिकार्ड है। भारत को पहला मैच पांच जून को दक्षिण अफ्रीका से खेलना है।

स्टोक्स व आर्चर के दम पर जीता इंग्लैंड

अफ्रीका को एकतरफा मैच में 104 रनों से शिकस्त दी

एजेंसी। लंदन

बेन स्टोक्स की अगुवाई में शीर्ष क्रम के बल्लेबाजों की उपयोगी अर्धशतकीय पारियों तथा जोफ्रा आर्चर की कातिलाना गेंदबाजी से खिताब के प्रबल दावेदार इंग्लैंड ने गुरुवार को यहां दक्षिण अफ्रीका को एकतरफा मैच में 104 रन से करारी शिकस्त देकर अपने विश्व कप अभियान का शानदार आगाज किया। इंग्लैंड ने पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर आठ विकेट पर 311 रन बनाए। जैसन रॉय (53 गेंदों पर 56 रन) और जो रूट (59 गेंदों पर 53 रन) ने दूसरे विकेट के लिए 106 रन जोड़कर इंग्लैंड को शुरुआती झटके से उबारा। इन दोनों के लगातार ओवरों में आउट होने के बाद इयोन मोर्गन (60 गेंदों पर 57) और स्टोक्स (79 गेंदों पर 89) ने चौथे विकेट के लिए 106 रन की साझेदारी की। ओवल की पिच पर अपेक्षित उछाल नहीं था और ऐसे में बल्लेबाजों के लिए शॉट जमाना आसान नहीं रहा लेकिन आर्चर ने अपनी शार्ट पिच गेंदों का अच्छा इस्तेमाल करके दक्षिण अफ्रीकी खेमे में दहशत फैला दी। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से क्विंटन डिकाक (74 गेंदों पर 68) और रोसी वान डर डुसेन (61 गेंदों पर 50) ने अर्धशतक जमाए लेकिन उसकी टीम 39.5 ओवर में 207 रन पर ढेर गई। यह विश्व कप में दक्षिण अफ्रीका की दूसरी सबसे बड़ी हार है। आर्चर ने 27 रन देकर तीन विकेट लिए। स्टोक्स ने गेंदबाजी में भी कमाल दिखाया और 12 रन देकर दो पुछल्ले बल्लेबाजों को पवेलियन भेजा। लियाम प्लंकेट ने भी 37 रन देकर दो विकेट लिए। आर्चर की तेजी से उठती गेंद पहले हाशिम अमला के हेलमेट से लगी और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा। इससे दक्षिण अफ्रीका की सारी रणनीति गड़बड़ा गई। आर्चर ने इसके बाद एडेन मार्करम (11) को अतिरिक्त उछाल वाली गेंद पर स्लिप में कैच कराया और फिर कप्तान फाफ डुप्लेसिस (पांच) को मैच की सबसे शार्ट पिच गेंद पर कैच देने के लिए मजबूर किया।

डिकाक ने एक छोर से रन गति बनाए रखने की भरसक कोशिश की लेकिन 15 रन के अंदर तीन विकेट गिरने से दक्षिण अफ्रीका के मध्यक्रम की कलई खुल गई। डिकाक और वान डर डुसेन ने तीसरे विकेट लिए 85 रन जोड़े। डिकाक हालांकि अपने करियर का 22वां अर्धशतक पूरा करने के बाद सीमा रेखा पर कैच दे बैठे। जेपी डुमिनी (आठ) और ड्वेन प्रिटोरियस (एक) के जल्दी जल्दी पवेलियन लौटने से इंग्लैंड ने मैच पर शिकंजा कस दिया। डुसेन ने इसके बाद अपना पांचवां अर्धशतक पूरा किया लेकिन आर्चर ने 32वें ओवर में वापसी करके उनकी संघर्षपूर्ण पारी का अंत कर दिया। अमला ने छह विकेट गिरने के बाद क्रीज पर कदम रखा लेकिन उनका साथ देने के लिए पुछल्ले बल्लेबाज थे। स्टोक्स ने मिडविकेट पर एक हाथ से बेहतरीन कैच लेकर फेलुकवायो (24) की पारी का अंत किया। लियाम प्लंकेट ने अमला (13) को आउट कर दक्षिण अफ्रीका की हार का अंतर कम करने की उम्मीदें भी पूरी नहीं होने दी। इससे पहले लेग स्पिनर इमरान ताहिर किसी भी विश्व कप में पहला ओवर करने वाले पहले स्पिनर बने। उन्होंने 66 रन देकर दो विकेट लिए। उनके अलावा लुंगी एनगिडी (66 रन देकर तीन), कैगिसो रबाडा (66 रन देकर दो) और एंडिल फेलुकवायो (44 रन देकर एक(ने भी विकेट लिए। ताहिर ने अपनी दूसरी गेंद पर ही खतरनाक जॉनी बेयरस्टॉ को गोल्डन डक बनाकर फाफ डुप्लेसिस का फैसला सही साबित किया। ताहिर की गेंद उनके बल्ले का किनारा लेकर विकेटकीपर क्विंटन डिकाक के दस्तानों में समा गई थी।

डेल स्टेन की अनुपस्थिति में दक्षिण अफ्रीकी आक्रमण के अगुआ रबाडा ने सातवें ओवर में गेंद संभाली तो रॉय ने चौके से उनका स्वागत किया। रॉय और रूट ने इंग्लैंड को 17वें ओवर में तिहरे अंक में पहुंचाया। रॉय ने इसके तुरंत बाद वनडे में अपना 15वां अर्धशतक पूरा किया। पिछली छह पारियों में यह पांचवां अवसर है जबकि वह 50 से अधिक रन बनाने में सफल रहे। तेज गेंदबाज प्रिटोरियस के इसी ओवर में रूट ने भी अपना 31वां अर्धशतक पूरा किया लेकिन अगले दो ओवर के बाद ए दोनों पवेलियन में विराजमान थे। फेलुकवायो ने रॉय को आसान कैच देने के लिए मजबूर किया और खतरनाक दिख रही यह साझेदारी तोड़ी। रबाडा के अगले ओवर में रूट ने भी बैकवर्ड प्वाइंट पर शॉट खेलकर अपना विकेट इनाम में दिया। रॉय ने आठ और रूट ने पांच चौके लगाए। स्टोक्स ने जमने में थोड़ा समय लिया लेकिन मोर्गन ने लुंगी एनगिडी पर लगातार दो छक्के जड़कर वनडे में अपने 7000 रन भी पूरे किए। इसके बाद उन्होंने कामचलाऊ आफ स्पिनर मार्करम की गेंद भी छह रन के लिए भेजी और कुछ देर बाद अपना 46वां अर्धशतक पूरा करने में सफल रहे। स्टोक्स ने भी जल्दी लय पकड़ ली। उन्होंने प्रिटोरियस के एक ओवर में तीन चौके जमाकर अपना 16वां वनडे अर्धशतक पूरा करने के साथ ही सही समय पर फार्म में वापसी की। विश्व कप में यह पहला अवसर है जबकि इंग्लैंड के चार बल्लेबाजों ने 50 से अधिक का स्कोर बनाया।

मोर्गन को ताहिर ने लांग आन पर कैच कराया। उन्होंने चार चौके और तीन छक्के लगाए। एनगिडी ने जोस बटलर (18) और मोईन अली (तीन) को नहीं टिकने दिया। डेथ ओवरों की जिम्मेदारी स्टोक्स पर थी लेकिन वह भी रन गति तेज नहीं कर पाए। एनगिडी ने उन्हें बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच कराकर अपना तीसरा विकेट लिया। स्टोक्स ने अपनी पारी में नौ चौके लगाए।

स्कोर बोर्ड

इंग्लैंड : जेसन राय का डुप्लेसिस बो फेलुकवायो 54, जॉनी बेयरस्टो का क्विंटन डिकॉक बो इमरान ताहिर 00, जो रूट का जेपी डुमिनी बो कागिसो रबाडा 51, इयोन मोर्गन का ऐडन मार्करम बो इमरान ताहिर 57, बेन स्टोक्स का अमला बो लुंगी एनगिडी 89, जोस बटलर बो लुंगी एनगिडी 18, मोईन अली का डुप्लेसिस बो लुंगी एनगिडी 03, क्रिस वोक्स का डुप्लेसिस बो कागिसो रबाडा 13, लियाम प्लंकेट नाबाद 09, जोफ्रा आर्चर नाबाद 07
अतिरिक्त : 10
कुल योग : 50 ओवर में आठ विकेट पर : 311 रन
विकेट पतन :1-1, 2-107, 3-111, 4-217, 5-247, 6-260, 7-285, 8-300
गेंदबाजी : इमरान ताहिर 10-0-61-2, लुंगी एनगिडी 10-0-66-3, कागिसो रबाडा 10-0-66-2, ड्वेन प्रिटोरियस 7-0-42-0, एंडिले फेलुकवायो 8-0-44-1, जेपी डुमिनी 2-0-14-0, ऐडन मार्करम 3-0-16-0

दक्षिण अफ्रीका : क्विंटन डिकॉक का जो रूट बो लियाम प्लंकेट 68, हाशिम अमला का जोस बटलर बो लियाम प्लंकेट 13, ऐडन मार्करम का जो रूट बो जोफ्रा आर्चर 11, फाफ डु प्लेसिस का मोईन अली बो जोफ्रा आर्चर 05, रासी वान डर दुसेन का मोईन अली बो जोफ्रा आर्चर 50, जेपी डुमिनी का बेन स्टोक्स बो मोईन अली 08, ड्वेन प्रिटोरियस रन आउट (बेन स्टोक्साईयोन मोर्गन) 01, एंडिले फेलुकवायो का बेन स्टोक्स बो आदिल राशिद 24, कागिसो रबाडा का लियाम प्लंकेट बो स्टोक्स 11, लुंगी एनगिडी नाबाद 06, इमरान ताहिर का जो रूट बो बेन स्टोक्स 00
अतिरिक्त : 10
कुल योग : 39.5 ओवर में सभी आउट : 207 रन
विकेट पतन : 1-14, 2-36, 3-129, 4-142, 5-144, 6-167, 7-180, 8-193, 9-207
गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 5-0-24-0, जोफ्रा आर्चर 7-1-27-3, आदिल राशिद 8-0-35-1, मोईन अली 10-0-63-1, लियाम प्लंकेट 7-0-37-2, बेन स्टोक्स 2.5-0-12-2

हमने स्मार्ट क्रिकेट खेली: इयान मोर्गन

लंदन। इंग्लैंड के कप्तान इयोन मोर्गन ने कहा कि उनकी टीम ने अपने प्रदर्शन में परिपक्वता दिखाई और स्मार्ट खेली जिससे वह विश्व कप के उद्घाटन मैच में दक्षिण अफ्रीका को बड़े अंतर से हराने में सफल रही। मोर्गन ने इंग्लैंड की 104 रन से जीत के बाद कहा कि मैं इस प्रदर्शन से बेहद खुश हूं। हमने जो परिपक्वता दिखाई और जैसी स्मार्ट क्रिकेट खेली उससे पिछले दो वर्षों में हमारी टीम में सुधार का पता चलता है। उन्होंने आलराउंडर बेन स्टोक्स और तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर की विशेष तौर पर तारीफ की। मोर्गन ने कहा, स्टोक्स का प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। आज उसका दिन था और विशेषकर उसने जो कैच लिया वह लाजवाब था। वह हमारी टीम का मैच विजेता है। आर्चर ने धीमी पिच पर तेज और सटीक गेंदबाजी की। इस युवा खिलाड़ी का अपने करियर के शुरू में इस तरह का प्रदर्शन शानदार है। स्टोक्स को मैन आफ द मैच चुना गया। उन्होंने 89 रन बनाने के अलावा दो विकेट भी लिए और शानदार कैच भी लिए। स्टोक्स ने कहा, बल्लेबाजों के लिए संदेश था कि यह पिच बल्लेबाजी के लिए मुश्किल है और ऐसे में हमारा लक्ष्य 300 से 310 रन का स्कोर बनाना था। पारी के आखिर में उसके गेंदबाजों ने वास्तव में अच्छी गेंदबाजी की। बाद में हमारे गेंदबाज भी जानते थे कि उन्हें क्या करना है और उन्होंने परिस्थितियों के अनुसार अच्छी गेंदबाजी की।

तीनों विभागों में कमतर साबित हुए : डुप्लेसिस

लंदन। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान फाफ डुप्लेसिस ने आईसीसी क्रिकेट विश्व कप के शुरूआती मैच में मेजबान इंग्लैंड से मिली हार से निराश थे और उनका मानना है कि उनकी टीम सभी तीनों विभागों में पीछे रह गई। डुप्लेसिस ने कहा, हम आज सभी तीनों विभागों में पिछड़ गए। उन्होंने साथ ही कहा कि मुझे लगा कि 300 रन का स्कोर अच्छा स्कोर था, हम कटर्स गेंदबाजी कर रहे थे, लेकिन इंग्लैंड ने कुछ अच्छा प्रदर्शन किया। इमरान ताहिर विश्व कप के उद्घाटन मैच में पहला ओवर गेंदबाजी करने वाले पहले स्पिनर भी बने। डुप्लेसिस ने इस बारे में कहा, ताहिर को पहले बुलाना रणनीति का हिस्सा था, वे तेज गेंदबाजों का अच्छी तरह सामना करते हैं और आज यह रणनीति कारगर भी रही। गेंदबाजी अच्छी थी, हमें विकेट मिलते रहे। दक्षिण अफ्रीका को लक्ष्य का पीछा करते हुए साझेदारियों की कमी खली और डुप्लेसिस भी इससे सहमत थे।

वेस्टइंडीज से आज भिड़ेगा पाकिस्तान

चैंपियंस ट्राफी के प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी टीम : सरफराज

एजेंसी। नाटिंघम

पाकिस्तान क्रिकेट टीम की फाइल फोटो

पाकिस्तान विश्व कप के अपने पहले मैच में शुक्रवार को जब यहां वेस्टइंडीज से भिड़ेगा तो इंग्लैंड में दो साल पहले चैंपियन्स ट्राफी में अपनी करिश्माई जीत से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगा। पाकिस्तान ने अपने पिछले 10 एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच गंवाए हैं जिसमें आस्ट्रेलिया के खिलाफ 0-5 से व्हाइट वाश और इंग्लैंड के खिलाफ 0-4 की हार भी शामिल है। टीम को इसके अलावा अभ्यास मैच में अफगानिस्तान के खिलाफ भी तीन विकेट से हार झेलनी पड़ी। कप्तान सरफराज अहमद ने हालांकि कहा है कि उनकी टीम 2017 के प्रदर्शन से प्रेरणा लेने की कोशिश करेगी क्योंकि तब भी उसकी स्थिति ऐसी ही थी।

तब टूर्नामेंट से पहले उसे आस्ट्रेलिया ने 4-1 से हराया था जबकि चैंपियन्स ट्राफी के पहले मैच में भारत ने उसे 124 रन से रौंद दिया था। पाकिस्तान ने इसके बाद दक्षिण अफ्रीका, श्रीलंका और इंग्लैंड को हराकर फाइनल में जगह बनाई जहां उसने भारत को 180 रन से रौंदा। सरफराज को साथ ही उम्मीद है कि स्पाट फिक्सिंग प्रतिबंध के कारण 2011 और 2015 विश्व कप से बाहर रहने के बाद अपना पहला विश्व कप खेल रहे तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मोहम्मद आमिर आक्रामक बल्लेबाज क्रिस गेल और बेहतरीन फार्म में चल रहे शाई होप की मौजूदगी वाले वेस्टइंडीज के शीर्ष क्रम को ध्वस्त करने में सफल रहेंगे। आमिर की फार्म पाकिस्तान के लिए अहम होगी क्योंकि चैंपियन्स ट्राफी फाइनल में भारत के खिलाफ तीन विकेट चटकाकर अपनी टीम को खिताब दिलाने वाले आमिर इसके बाद से 15 मैचों में सिर्फ पांच विकेट हासिल कर पाए हैं।

दो बार के विश्व चैंपियन वेस्टइंडीज के खिलाफ 10 विश्व कप मैचों में पाकिस्तान सिर्फ तीन मैच जीत पाया है। वेस्टइंडीज ने 2015 में भी क्राइस्टचर्च में उसे 150 रन से हराया था। रसेल ने तब चार छक्कों की मदद से 13 गेंद में 42 रन बनाने के बाद तीन विकेट चटकाकर अपनी टीम की जीत की नींव रखी थी। रसेल ने मंगलवार को न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में भी वेस्टइंडीज के 421 रन के स्कोर के दौरान 25 गेंद में 54 रन बनाए और होप ने शतक जड़ा। वेस्टइंडीज ने पिछले साल जिंबाब्वे में क्वालीफाइंग राउंड के जरिए विश्व कप में जगह बनाई है और टीम पिछले कुछ समय में फार्म हासिल करने में सफल रही है। वेस्टइंडीज ने अपनी सरजमीं पर दुनिया की नंबर एक टीम और विश्व कप में जीत के प्रबल दावेदार इंग्लैंड के खिलाफ 2-2 से श्रृंखला बराबरी की। टीम हालांकि आयरलैंड में त्रिकोणीय श्रृंखला के फाइनल में बांग्लादेश से हार गई।

गांव की गलियों में खेलकर विश्व कप तक पहुंचे शादाब खान

इस्लामाबाद। कुछ साल पहले तक अपने गांव की गलियों में क्लब क्रिकेट खेलने वाले पाकिस्तान के लेग स्पिनर शादाब खान ने विश्व कप तक का सफर तय किया जिसके पीछे उनका कड़ा अभ्यास और अतुलनीय प्रतिबद्धता है। टी-20 गेंदबाजी रैंकिंग में तीसरे स्थान पर काबिज शादाब पर नजरें पाकिस्तान के प्रधानमंत्री और 1992 विश्व कप विजेता कप्तान इमरान खान की पड़ी। प्रधानमंत्री ने टीम की इंग्लैंड रवानगी से पहले हुई मुलाकात में उनका जिक्र किया जिस पर कोच और खिलाड़ी हैरान रह गए। शादाब के पूर्व क्लब के कोच सज्जाद अहमद ने कहा कि क्रिकेट के लिए शादाब की प्रतिबद्धता अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि वह रात को नौ बजे सो जाता है और सूर्योदय से पहले मैदान पहुंच जाता है।

स्मिथ और वार्नर को सहनशीलता से काम लेना होगा: ली

एजेंसी। लंदन

आस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज ब्रेट ली ने कहा कि स्टीव स्मिथ और डेविड वार्नर को कुछ साबित नहीं करना है लेकिन विश्व कप में छींटाकशी और विरोधी दर्शकों का सामना करने के लिए उन्हें सहनशीलता से काम लेना होगा।

गेंद से छेड़खानी मामले में एक साल का प्रतिबंध झेलने वाले स्मिथ और वार्नर की दोनों अभ्यास मैचों में भी काफी हूटिंग हुई थी। ली ने कहा कि मुझे नहीं लगता कि उन्हें कुछ साबित करना है। वे आस्ट्रेलिया के लिए फिर से खेलने को लेकर खुश हैं। उन्होंने कहा कि हमने देखा कि आईपीएल में डेविड वार्नर के साथ क्या हुआ। उसने सबसे ज्यादा रन बनाकर आरेंज कैप हासिल की। स्टीव स्मिथ ने पहले अभ्यास मैच में शतक बनाया। आस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम ने बांहे खोलकर उनका स्वागत किया। उन्होंने कहा कि आपके पास बार्मी आर्मी है और केविन पीटरसन जैसे पूर्व क्रिकेटर हैं। स्मिथ और वार्नर को छींटाकशी झेलनी पड़ेगी और सहनशीलता से काम लेना होगा। ली ने कहा कि आस्ट्रेलियाई टीम सही समय पर अच्छा प्रदर्शन कर रही है और छठी बार खिताब जीत सकती है। उन्होंने कहा कि हमें लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होगा। मुझे पता है कि विश्व कप जीतने के क्या मायने होते हैं और इसके जैसा कोई अहसास नहीं है।

इंग्लैंड और भारत हैं खिताब के प्रबल दावेदार : पीटरसन

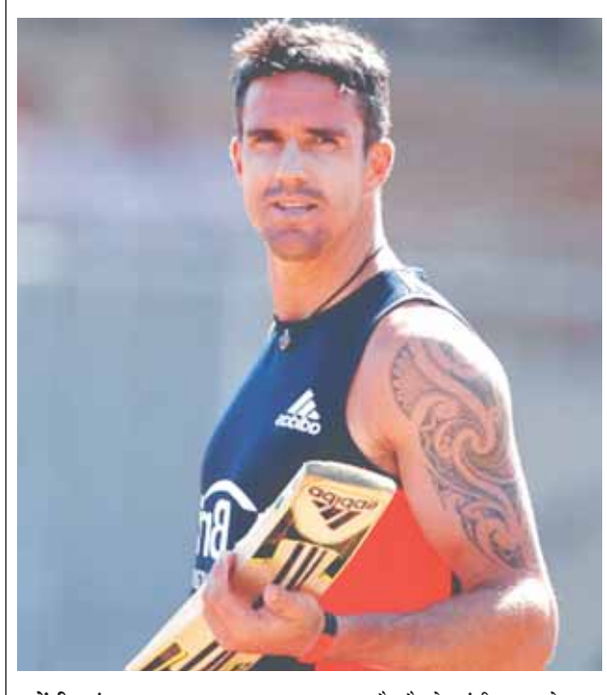

एजेंसी। लंदन

इंग्लैंड के पूर्व कप्तान केविन पीटरसन के अनुसार इयोग मोर्गन की अगुवाई में बदली बदली नजर आ रही इंग्लैंड और भारतीय टीम विश्व कप की प्रबल दावेदार हैं जबकि छिपी रूस्तम आस्ट्रेलिया और उलटफेर में माहिर वेस्टइंडीज की भी संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता। विजेता का कयास लगाने के सवाल पर पीटरसन ने कहा कि इंग्लैंड और भारत प्रबल दावेदार हैं लेकिन आस्ट्रेलिया छिपी रूस्तम है और वेस्टइंडीज उलटफेर कर सकती है। आईसीसी विश्व कप गुरूवार से शुरू हो रहा है जिसमें इंग्लैंड का सामना पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से होगा। मोर्गन के साथ खेल चुके पीटरसन ने मौजूदा इंग्लैंड टीम का कायाकल्प करने के लिए मोर्गन की तारीफ की। उन्होंने कहा कि इयोन मोर्गन ने टीम को बदल दिया। मैं हैरान नहीं हूं क्योंकि मैं उनके साथ खेल चुका हूं। हमने इस बारे में बात की है कि हमें सकारात्मक क्रिकेट खेलना होगा।

शाकम्बरी क्लब फाइनल में

लखनऊ। शाकम्बरी क्रिकेट क्लब ने आरकेबी क्रिकेट क्लब को 43 रन से हराकर अनुराग तिवारी स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। केडी सिंह बाबू स्टेडियम में खेले गए सेमीफाइनल में शाकम्बरी क्रिकेट क्लब ने पहले बैटिंग करके 40 ओवर में आठ विकेट के नुकसान पर 195 रन बनाए। रिपुदमन ने 31, प्रज्जवल वर्मा ने 31, दीपक गुप्ता ने 31, मिसबाह खान ने 30 और आलोक पांडेय ने 27 रन का योगदान दिया7 सुजीत गिरि ने तीन, अंकित गिरि और आदर्श सिंह ने दो -दो विकेट लिए। जवाब में आरकेबी क्रिकेट क्लब की टीम 36.4 ओवर में 152 रन बनाकर आल आउट हो गयी। आदर्श सिंह ने 45, परेवज अख्तर ने 32 और अंकित गिरि ने 19 रन बनाए। दीपक गुप्ता ने चार, कृष्णा पटेल और बृजेश यादव ने दो-दो विकेट लिए।

मेगा ट्रेंड्स को मिले पूरे अंक

लखनऊ। मेगा ट्रेंड्स ने आर्यावर्त क्रिकेट अकादमी को पांच विकेट से हराकर शिवेश रंजन मजूमदार स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट में पूरे अंक हासिल किए। डीएवी ग्राउंड में आर्यावर्त क्रिकेट अकादमी ने पहले बैटिंग करके 24.3 ओवर में 92 रन बनाए। निशांत सिंह ने 22, दीपांशु पाल ने 19 और अभिषेक पांडेय ने 19 रन का योगदान दिया। अनुभव पटेल और राज सिंह ने चार-चार और अंकुर शुक्ला ने दो विकेट लिए। जवाब में मेगा ट्रेंड्स ने 15.3 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 93 रन बनाकर पांच विकेट से जीत हासिल की। अभिषेक अग्रवाल ने नाबाद 47 और जीवेश त्रिपाठी ने 28 रन बनाए।

पैंथर्स अकादमी 112 रनों से जीती

लखनऊ। पैंथर्स क्रिकेट अकादमी ने रामचन्द्र शर्मा स्मारक क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मैच में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब को 112 रनों से हराया। एनईआर स्टेडियम में पैंथर्स क्रिकेट अकादमी ने पहले बैटिंग करके 40 ओवर में 10 विकेट के नुकसान पर 276 रन बनाए। सुमित गुप्ता ने 81, आदिल पाशा ने 75, आशुतोष मिश्रा ने 28 और आर्यन क्षितिज ने 22 रन का योगदान दिया। आकाश कनौजिया ने पांच और ऋषभ शुक्ला ने एक विकेट लिए।
जवाब में फ्रेंड्स क्रिकेट क्लब की टीम 40 ओवर में सात विकेट के नुकसान पर 164 रन बना सकी। अभिषेक वर्मा ने 34, करन गुप्ता ने 25, आकाश कनौजिया ने 20 और अभिषेक वर्मा ने 16 रन बनाए। ऋषभ शर्मा ने तीन और आशुतोष मिश्रा ने दो विकेट लिए।

दीक्षा स्विट्जरलैंड में संयुक्त छठे स्थान पर

पुइडॉक्स (स्विट्जरलैंड)। दीक्षा डागर ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां होल इन वन बनाया और लावेक्स लेडीज गोल्फ चैंपियनशिप के पहले दौर के बाद वह संयुक्त छठे स्थान पर हैं। डागर ने दो अंडर 70 का कार्ड खेला। उन्होंने दो बर्डी बनाई, दो बोगी की और होल इन वन किया। दक्षिण अफ्रीका महिला ओपन की विजेता डागर ने 15वें होल में होल इन वन बनाया। फ्रांस की एरियन प्रोवोट चार अंडर 68 के साथ पहले दौर के बाद शीर्ष पर हैं।

चुनौती के लिए तैयार होंडा रेसिंग टीम

नई दिल्ली। भारत की एकमात्र होंडा टू व्हीलर रेसिंग टीम इदेमित्सु होंडा रेसिंग इंडिया थाईलैंड के बुरिराम के चांग अंतरराष्ट्रीय सर्किट में होने वाले एफआईएम एशिया रोड रेसिंग चैंपियनशिप (एआरआरसी) के तीसरे दौर की चुनौती के लिए पूरी तरह तैयार है। इस प्रतियोगिता के एशिया के शीर्ष राइडर चुनौती पेश करेंगे। भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व राजीव सेतु और सेंथिल कुमार कर रहे हैं। राजीव अभी प्रतियोगिता के एपी 250 वर्ग में 18 अंक के साथ शीर्ष 12 में शामिल हैं जबकि पिछले साल वह 27वें स्थान पर रहे थे।

राहिल गंगजी की खराब शुरूआत

इबाराकी। गोल्फर राहिल गंगजी ने यहां गेटवे टू द मिजुनो ओपन के पहले दौर में दो ओवर 74 का स्कोर बनाया। गंगाजी ने एक बर्डी की लेकिन वह तीन बोगी कर गए। वह संयुक्त 70वें स्थान पर चल रहे हैं।कोरिया के क्युंग तेई किम और डाइलन पैरी ने पांच अंडर 67 के समान स्कोर के साथ संयुक्त बढ़त बना रखी है। शोतारो वाडा 68 के स्कोर से तीसरे जबकि छह अन्य खिलाड़ी 69 के स्कोर से संयुक्त चौथे स्थान पर हैं।

भारत ने मिश्रित टीम स्पर्धा में जीते दोनों खिताब

विश्व कप में अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत ने गुरूवार को जर्मनी के म्यूनिख में मिश्रित टीम स्पर्धा में दोनों खिताब अपने नाम कर कुल पांच स्वर्ण पदक से आईएसएसएफ विश्व कप में अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन दिखाया। भारत पांच स्वर्ण और एक रजत से पदक तालिका में शीर्ष पर रहा जबकि दूसरे स्थान पर काबिज चीन ने दो स्वर्ण, दो रजत और पांच कांस्य से कुल नौ पदक हासिल किए।

भारत के स्वर्ण पदकधारियों में अपूर्वी चंदेला (10 मीटर एयर राइफल महिला), राही सरनोबत (25 मीटर पिस्टल स्पर्धा) और सौरभ चौधरी (10 मीटर एयर पिस्टल पुरुष) के अलावा अंतिम दिन मिश्रित टीम दो खिताब रहे। अंजुम मोदगिल और दिव्यांश सिंह पंवार ने पहले 10 मीटर एयर राइफल मिश्रित टीम स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया जबकि मनु भाकर और सौरभ चौधरी की युवा जोड़ी ने 10 मीटर एयर पिस्टल मिश्रित टीम स्पर्धा में पहला स्थान हासिल किया। इससे भारत ने साल के तीसरे आईएसएसएफ विश्व कप में शानदार प्रदर्शन दिखाया।

बल्कि मिश्रित एयर राइफल में अपूर्वी चंदेला और दीपक कुमार को हमवतन जोड़ी से 2-16 से हार मिली जिससे उन्होंने एकमात्र रजत पदक प्राप्त किया। मनु और सौरभ को एयर पिस्टल फाइनल्स में हालांकि ओलिना कोस्टेविच और ओलेह ओमेलचुक की यूक्रेन की अनुभवी जोड़ी से कड़ी चुनौती मिली लेकिन उन्होंने 17-9 से जीत हासिल की। अंजुम और दिव्यांश ने राउंड एक में 629.1 चौथी टीम के तौर पर क्वलीफाई किया, वे अपूर्वी और दीपक से 0.1 अंक से आगे थे जिन्होंने पांचवें जोड़ी के रूप में क्वालीफाई किया।

भारत को यूरेशिया एथलेटिक्स चैंपियनशिप में छह स्वर्ण

एजेंसी। नई दिल्ली

भारत के एथलीटों ने कजाखस्तान के अस्ताना में गुरुवार को संपन्न अंडर 20 यूरेशिया एथलेटिक्स चैंपियनशिप में छह स्वर्ण और तीन रजत पदक जीते। इस दो दिवसीय एथलेटिक्स प्रतियोगिता में क जाखस्तान,कि र्गिस्तान, उज्बेकिस्तान, ईरान, भारत और ताजिकिस्तान की अंडर 20 राष्ट्रीय टीमों ने हिस्सा लिया। बुधवार को प्रतियोगिता के पहले दिन गुरविंदर सिंह ने लड़कों की 100 मीटर दौड़ में 10 . 42 सेकेंड के समय के साथ स्वर्ण पदक जीता जबकि विक्रांत पांचाल ने लड़कों की 400 मीटर दौड़ में 47 .90 सेकेंड के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया। लड़कियों के 400 मीटर फाइनल में फ्लोरेंस बार्ला ने 54 .73 सेकेंड के साथ स्वर्ण पदक जीता। गुरुवार को श्रीकिरण ने लड़कों की 800 मीटर स्पर्धा में एक मिनट 54 . 62 के सेकेंड के समय के साथ सोने का तमगा अपने नाम किया। लड़कों की भाला फेंक स्पर्धा में 74 . 55 मीटर की दूरी के साथ शीर्ष पर रहते हुए रोहित यादव ने भारत के लिए पांचवां स्वर्ण पदक जीता।

अब्दुल रजाक, प्रिस्किला डेनियल, फ्लोरेंस बार्ला और विक्रांत पांचाल की भारतीय टीम ने चार गुणा 400 मीटर मिश्रित रिले स्पर्धा का स्वर्ण पदक तीन मिनट 30 .58 सेकेंड के साथ जीता।तीन रजत पदक अब्दुल (लड़कों की 400 मीटर), प्रिस्किला (लड़कियों की 800 मीटर) और साहिल सिलवाल (लड़कों की भाला फेंक) ने जीते।

स्टिमक ने छह और खिलाड़ी रिलीज किए

नई दिल्ली। भारतीय फुटबाल टीम के मुख्य कोच इगोर स्टिमक ने गुरूवार को यहां चल रहे राष्ट्रीय शिविर से छह खिलाड़ियों के बैच को रिलीज किया जो एएफसी एशियाई कप टीम का हिस्सा थे। नारायण दास, सलाम रंजन सिंह, धनपाल गणेश, रॉलिन बोर्गेस, कोमल थाटल और चोटिल अनवर अली (जूनियर) को पांच जून से शुरू होने वाले किंग्स कप की तैयारियों के लिए लगे शिविर से रिलीज कर दिया गया।

दास, सिंह और बोर्गेस इस साल के शुरू में एएफसी एशियाई कप के लिए भारतीय टीम का हिस्सा थे जबकि अनवर 2017 फीफा अंडर-17 विश्व कप में भारतीय टीम के सदस्य थे। शिविर 21 मई को 37 खिलाड़ियों के साथ शुरू हुआ था और अब इसमें 25 खिलाड़ी बचे हैं। स्टिमक ने पहले भी छह खिलाड़ियों के बैच को रिलीज किया था। दो जून को थाईलैंड रवाना होने से पहले किंग्स कप के लिए 23 खिलाड़ियों की अंतिम सूची जारी की जाएगी।

साउथम्पटन में कड़े अभ्यास में जुटी भारतीय टीम। भारत का पहला मैच दक्षिण अफ्रीका के साथ पांच मई को खेला जाएगा

सीएसडी ग्राउंड में आयोजित अंडर-16 सुधीर कप को कूह स्पोर्ट्स अकादमी ने स्पोर्ट्स कालेज को 188 रनों से हराकर जीता। पुरस्कार समारोह में पूर्व भारतीय क्रिकेट खिलाड़ी अशोक मल्होत्रा, सहारा इंडिया के हेड-कॉर्पोरेट कम्युनिकेशंस अभिजीत सरकार और सहारा इंडिया परिवार की एग्ज़ीक्यूटिव डायरेक्टर वर्कर श्रीमती कुमकुम रॉय चौधरी आदि मौजूद थीं

लाहिड़ी संयुक्त तीसरे स्थान पर

एजेंसी। मुरीफील्ड विलेज

(**अमेरिका**)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने यहां मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट के 14वें से 16वें होल तक लगातार तीन बर्डी बनाकर शानदार शुरुआत की। लाहिड़ी ने पहले दौर में पांच अंडर 67 का स्कोर बनाया और वह संयुक्त तीसरे स्थान पर हैं। रियान मूर ने सात अंडर 65 के साथ पहले दौर का समापन किया जबकि जोर्डन स्पीथ 15 होल के बाद ही सात अंडर पर थे।

भारत ने सीधे थ्रो में सुधार के लिए राउंड द क्लॉक ड्रिल अपनाई

साउथम्पटन। भारतीय टीम की कैचिंग अच्छी मानी जाती है लेकिन क्षेत्ररक्षण कोच आर श्रीधर आगामी विश्व कप में सीधे थ्रो की सटीकता में सुधार चाहते हैं। रविंद्र जडेजा को छोड़कर भारतीय टीम के अन्य खिलाड़ियों का विकेट पर लगाया गया निशाना अच्छा नहीं है भले ही वे चुस्त और फुर्तीले हैं। श्रीधर ने अब राउंड द क्लॉक क्षेत्ररक्षण ड्रिल तैयार की है जिसमें क्षेत्ररक्षक छह विभिन्न पोजीशन से नान स्ट्राइकर छोर पर विकेट पर गेंद मारता है। श्रीधर ने नेट सत्र के बाद बीसीसीआई.टीवी से कहा, हमने आज दिलचस्प क्षेत्ररक्षण सत्र में भाग लिया। इस सत्र का उद्देश्य सीधे हिट करना था। हमारा ध्यान इस पर था कि खिलाड़ी विभिन्न कोणों से नान स्ट्राइकर छोर पर सटीक निशाना लगाएं। शुरू में हमने एक ड्रिल राउंड द क्लॉक से शुरूआत की जिसमें खिलाड़ियों को छह अलग अलग पोजीशन से 20 बार स्टंप को हिट करना था। अभ्यास सत्र का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू कप्तान विराट कोहली का ऑफ स्पिन में हाथ आजमाना रहा लेकिन बल्लेबाजों को उनका सामना करने में कोई परेशानी नहीं हुई।

रिंकू को बोर्ड ने तीन महीने के लिए निलंबित किया

एजेंसी। नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट बोर्ड ने उत्तर प्रदेश के बाएं हाथ के बल्लेबाज रिंकू सिंह को अबुधाबी में गैर मान्यता प्राप्त टी-20 लीग में खेलने के लिए तीन महीने में लिए निलंबित कर दिया है जिसके कारण उन्हें भारत ए टीम से बाहर होना पड़ा। रिंकू का निलंबन जहां एक जून से शुरू होगा, वहीं बीसीसीआई ने आलराउंडर इरफान पठान को अनुमति लिए बिना अपना नाम कैरेबियन प्रीमियर लीग (सीपीएल) के ड्राफ्ट में शामिल करवाने के लिए चेतावनी दी है। पठान ने बाद में अपना नाम वापस ले लिया था। इसी तरह से अंडर-19 टीम के पूर्व भारतीय कप्तान अनुज रावत पर मारीशस में पाकिस्तानी क्रिकेटरों के साथ गैर मान्यता प्राप्त लीग में खेलने के लिए कोई कार्रवाई नहीं की गई है। रिंकू पिछले दो सत्र से कोलकाता नाइटराइडर्स का हिस्सा रहा है और पता चला है कि आईपीएल समाप्त होने के बाद वह गैरमान्यता प्राप्त लीग में खेला था। बीसीसीआई ने बयान में कहा, भारतीय क्रिकेट बोर्ड के संज्ञान में यह बात लाई गई कि उत्तर प्रदेश के प्रथम श्रेणी क्रिकेटर और भारत ए खिलाड़ी रिंकू सिंह ने अबुधाबी में गैरमान्यता प्राप्त टी-20 टूर्नामेंट में हिस्सा लिया था। बोर्ड ने कहा कि सिंह ने टी-20 लीग में भाग लेने से पहले बीसीसीआई से अनुमति नहीं ली थी और इस तरह से उन्होंने नियमों और शर्तों का सीधा उल्लंघन किया। बीसीसीआई की शर्तों के अनुसार बोर्ड के साथ पंजीकृत खिलाड़ी बोर्ड की अनुमति के बिना विदेशों में किसी टूर्नामेंट में नहीं खेल सकता है। रिंकू सिंह को इसलिए तीन महीने के लिए निलंबित कर दिया गया है। उनका निलंबन एक जून 2019 से शुरू होगा।

जोकोविच और ओसाका तीसरे दौर में

फ्रेंच ओपन टेनिस

एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे

एजेंसी। पेरिस

शीर्ष वरीय और दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने आसान जीत से फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में प्रवेश किया जबकि महिला वर्ग में शीर्ष वरीय नाओमी ओसाका और सेरेना विलियम्स भी आगे बढ़ने में सफल रही। वर्ष 2018 उप विजेता डोमिनिक थिएम ने भी चार सेट की चुनौती से पार पाकर अगले दौर में कदम बढ़ाया और पांचवें वरीय एलेक्जैंडर ज्वेरेव भी तीसरे दौर में पहुंचने में सफल रहे।

जोकोविच की निगाहें दो बार सभी चारों ग्रैंडस्लैम हासिल करने वाला दूसरा खिलाड़ी बनने पर लगी हैं। उन्होंने स्विस क्वालीफायर हेनरी लाकसोनेन पर 6-1, 6-4, 6-3 से जीत प्राप्त कर की और अब अंतिम 16 में जगह बनाने के लिए उनका सामना इटली के क्वीफायर सालवाटोर कारूसो से होगा। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी ओसाका अपने अमेरिकी और आस्ट्रेलियाई ओपन खिताब में फ्रेंच ओपन ट्राफी जोड़ने की काशिश में जुटी हैं, उन्होंने 2-4 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए दो घंटे 50 मिनट तक चले मुकाबले में पूर्व नंबर एक खिलाड़ी विक्टोरिया अजारेंका को 4-6, 7-5, 6-3 से पराजित किया। इस दौरान उन्होंने 52 विनर जमाए और 43 अनफोर्स्ड गलतियां कीं। तीसरे दौर में ओसाका का सामना चेक गणराज्य की कैटरीना सिनियाकोवा से होगा जिन्होंने यूनान की 29वीं वरीय मारिया सकारी को तीन घंटे 10 मिनट तक चले मैच में 7-6 6-7 6-3 से हराया। ओसाका इस तरह 2005 में लिंडसे डेवनपोर्ट के बाद पहली शीर्ष वरीय खिलाड़ी हैं जिसने रोलां गैरां के अपने दो शुरूआती मैच पहला सेट गंवाने के बाद जीत हासिल की हो। सेरेना विलियम्स जापान की क्वालीफायर कुरूमी नारा पर 6-3 6-2 की जीत से तीसरे दौर में पहुंच गई और वह अगले दौर में सोफिया केनिन के सामने होंगी। सेरेना रिकार्ड बराबरी करने वाले 24वें ग्रैंडस्लैम खिताब हासिल करने की कोशिश में जुटी हैं। ओसाका और सेरेना के बीच क्वार्टरफाइनल में भिड़ंत हो सकती है जो 2018 अमेरिकी ओपन फाइनल का दोहराव हो सकता है जिसमें शीर्ष वरीय ने जीत हासिल की थी। वहीं पुरुष वर्ग में थिएम ने कजाखस्तान के एलेक्सजैंडर बुबलिक की चुनौती समाप्त कर लगातार चौथे वर्ष तीसरे दौर में जगह सुनिश्चित की। आस्ट्रिया के चौथे वरीय खिलाड़ी को पांचवां सेट भी खेलना पड़ सकता था लेकिन चौथे सेट में 2-5 से पिछड़ने के बाद उन्होंने वापसी कर 6-3, 6-7, 6-3 7-5 से जीत हासिल की। अब थिएम की भिड़ंत उरूग्वे के पाब्लो क्यूएवास से होगी जिन्होंने ब्रिटेन के नंबर एक काइल एडमंड के घुटने की चोट के कारण रिटायर होने से अगले दौर में जगह बनाई। ज्वेरेव ने स्वीडिश क्वालीफायर मिकाएल वाइमर को 6-1, 6-3, 7-6 से शिकस्त दी। अब वह सर्बिया के 30वें वरीय दुसान लाजोविच और फ्रांस के क्वालीफायर इलियट बेनचेट्रिट के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेंगे। अमांडा एनिसिमोवा सेरेना के बाद तीसरे दौर में प्रवेश करने वाली अमेरिका की सबसे युवा खिलाड़ी बन गई। 17 साल की खिलाड़ी ने बेलारूस की 11वीं वरीय आर्यना सबालेंका को 6-4, 6-2 से मात दी। वहीं पोलैंड की 17 वर्षीय इगा स्वियातेक ने चीन की 16वीं वरीय वांग कियांग को हराकर अंतिम 32 में स्थान निश्चित किया।

तनूजा की हुई सर्जरी, एक सप्ताह तक रहेंगी अस्पताल में

मुंबई। डायवर्टीकुलिटिस नामक बीमारी से पीड़ित होने के चलते मशहूर बॉलीवुड अभिनेत्री तनुजा को सर्जरी से गुजरना पड़ा। यहां लीलावती अस्पताल के एक अधिकारी ने बताया कि सर्जरी के बाद तनुजा की हालत बेहतर है और उम्मीद की जा रही है कि उन्हें एक सप्ताह तक के लिए अस्पताल में ही रहना होगा। डायवर्टीक्यूलिटिस पाचन तंत्र से जुड़ी बीमारी है जिसमें डायवर्टीकुला नामक छोटे पाउचों में सूजन या संक्रमण हो जाता है जो आंतों की दीवारों पर विकसित होते हैं। पेट में दर्द होने की शिकायत के चलते 75 वर्षीय अभिनेत्री को मंगलवार को अस्पताल में दाखिल कराया गया था। काजोल इस दौरान अस्पताल में अपनी मां से मिलने पहुंचीं जिसकी तस्वीरें सामने आईं हैं। इस घटना के महज दो पहले ही काजोल के ससुर और एक्शन डायरेक्टर वीरू देवगन का निधन हो गया था। हाल के दिनों में तनुजा, 'पितृऋण', 'ए डेथ इन द गूंज', 'आरंभ' और 'सोनार पाहाड़' जैसे प्रोजेक्ट्स में अहम भूमिकाओं में नजर आईं। तनुजा 'मेमदीदी', 'चांद और सूरज', 'बहारें फिर भी आएंगी', 'ज्वेल थीफ', 'नई रोशनी' , 'जीने की राह', 'हाथी मेरे साथी', 'अनुभव', 'मेरे जीवन साथी' और 'दो चोर' जैसी फिल्मों के लिए जानी जातीं हैं।

फिटनेस का तात्पर्य फैड डायट से नहीं: नीतू चंद्रा

मुंबई। अभिनेत्री नीतू चंद्रा को अमेरिका में वेलनेस पोस्ट कॉनक्लेव एंड एक्सपो 2019 के लिए ब्रांड अम्बेसडर के तौर पर चुना गया है। नीतू का कहना है कि उनके लिए फिटनेस जिंदगी को जीने का एक तरीका है और इसका तात्पर्य किसी फैड डायट से नहीं है। फिटनेस के प्रति अपने समर्पण के लिए उन्हें सांता क्लारा में वेलनेस पोस्ट कॉनक्लेव एंड एक्सपो 2019 के लिए ब्रांड अम्बेसडर के तौर पर नियुक्त किया गया है। इसकी शुरुआत 8 जून से होगी। इस समारोह में भाग लेने वालों के लिए स्वास्थ्य क्षेत्र से संबंधित वक्ता और सलाहकार होंगे। समारोह के एक मुख्य वक्ता के रूप में नीतू, दर्शकों को फिटनेस के महत्व को समझाते हुए उन्हें इस दिशा की ओर प्रेरित करेंगी और इसके साथ ही उन्हें यह भी बताएंगी कि किस तरह से पिछले कुछ वर्षों में फिटनेस के जरिए उनकी निजी जिंदगी और पेशेवर जिंदगी में बदलाव आए हैं। नीतू ने एक बयान में कहा, मेरे लिए फिटनेस जिंदगी को जीने का एक तरीका है। इसका मतलब यह नहीं है कि हम फीके भोजन का सेवन करें बल्कि संयमित रहकर संतुलित मात्रा में सबकुछ खाना चाहिए।

महान फिल्मकारों को सम्मान देने की जरूरत: जॉन बेली

नई दिल्ली। एकेडमी ऑफ मोशन पिक्चर 'आर्ट्स एंड साइंसेज' के अध्यक्ष जॉन बेली ने मंगलवार को विविधता पर जोर देते हुए कहा कि हर जगह महान फिल्मकार मौजूद हैं और उन्हें स्वीकार करने और सम्मान देने की जरूरत है। बेली ने यहां कई उभरते फिल्मकारों के बीच कहा, दुनिया भर में अकादमी और फिल्म संस्थान विभिन्न मुद्दों पर काम कर रहे हैं.. फिल्मों के निहित कलात्मक मूल्य पर समझौता नहीं करते हुए विविधता को बढ़ावा और समर्थन दे रहे हैं। उन्होंने इस बात पर सहमति जताई कि अकादमी विविधता में अपनी सदस्यता बढ़ाने की जुगत में है, लेकिन गुणवत्ता की कीमत पर नहीं। उन्होंने कहा, पिछले साल, हम अकादमी में 928 नए सदस्यों को लेकर आए। पचास प्रतिशत अंतर्राष्ट्रीय सदस्य थे.. हम इतने लंबे समय तक हॉलीवुड- केंद्रित रहे हैं।

बड़े फिल्मकारों को महिला केंद्रित फिल्में बनानी चाहिए: कैटरीना

एजेंसी। मुम्बई

बॉक्स ऑफिस पर सफलता और अच्छे विषय आधारित फिल्मों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रही कैटरीना कैफ का मानना है कि बड़े फिल्मकारों को दृढ़ चरित्र वाली महिलाओं पर आधारित फिल्में बनानी चाहिए।

कैटरीना का कहना है कि वह अपने करियर के ऐसे मुकाम पर पहुंच गईं हैं जहां ग्लैमरस किरदारों से अधिक उन्हें चुनौतीपूर्ण किरदार आकर्षित करते हैं।

कैटरीना कैफ (35) ने एक साक्षात्कार में कहा, एक अभिनेता के तौर पर और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए, मुझे सीखना होगा तथा अलग-अलग किरदार करने होंगे और प्रयोग करना होगा। मुझे ऐसे किरदार करने होंगे जो मुझे चुनौतीपूर्ण लगे। इसलिए मुझे ऐसे निर्देशकों के साथ काम करना होगा जो मेरे उन पहलुओं को उभार सके, यह मैं बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूं।

उन्होंने कहा, यह सही संतुलन बनाने का मामला है। जिस साल मैंने फिल्म राजनीति की थी, उस साल मैंने ग्लैमरस फिल्म तीसमार खान भी की थी।

अदाकारा ने कहा, हमें चाहिए कि बड़े कमर्शियल फिल्मकार महिला केन्द्रित फिल्में बनाए। मैं चाहती हूं ऐसा हो। मैंने जोया अख्तर और दूसरे दोस्तों को यह कहा है। मैं ऐसा होता देखना चाहती हूं।

कैटरीना की आने वाली फिल्म भारत है। इसमें पहले प्रियंका चोपड़ा उनका किरदार निभाने वाली थी लेकिन अदाकार ने अपनी शादी के चलते यह फिल्म छोड़ दी, जिसके बाद यह किरदार कैटरीना की झोली में आया। भारत एक कालखंड पर आधारित फिल्म है। इसमें सलमान खान भारत का किरदार निभा रहे हैं।

> अभिनेता के तौर पर और अपने करियर में आगे बढ़ने के लिए, मुझे सीखना होगा तथा अलग-अलग किरदार करने होंगे और प्रयोग करना होगा। मुझे ऐसे किरदार करने होंगे जो मुझे चुनौतीपूर्ण लगे। इसलिए मुझे ऐसे निर्देशकों के साथ काम करना होगा जो मेरे उन पहलुओं को उभार सके, यह मैं बड़े पर्दे पर देखना चाहती हूं।

कैटरीना ने फिल्म मिलने पर कहा, यह फिल्म अचानक ही मुझे मिली। मैं ट्रेडमिल पर थी और मुझे अली (फिल्म के निर्देशक) का फोन आया। मैंने कहा, क्या तुम मजाक रह रहे हो?

क्योंकि वह कुछ दिनों में ही फिल्म की शूटिंग के लिए निकलने वाले थे। अली ने कहा कि कुछ कारणों के चलते बदलाव किए गए हैं। उन्होंने मुझे पटकथा भेजी और मुझे वह काफी पसंद आई। मुझे लगा कि फिल्म में मेरे लिए काफी कुछ है। यह बेहतरीन अनुभव रहा। फिल्म ईद पर बड़े पर्दे पर दस्तक देगी।

ट्रोलिंग पर सांसद मिमी चक्रवर्ती ने तोड़ी चुप्पी

कहा, लोग समानता की बात करते हैं, लेकिन बदलाव नहीं देख सकते

नई दिल्ली। संसद में स्टाइलिश कपड़े पहनकर जाने को लेकर सोशल मीडिया पर आलोचनाओं का शिकार बनीं तृणमूल कांग्रेस की नवनिर्वाचित सांसद मिमी चक्रवर्ती ने अपनी चुप्पी तोड़ी है। चुप्पी तोड़ते हुए मिमी ने कहा है कि कहा कि वह ज्यादा बोलने में नहीं बल्कि करने% में यकीन करती हैं। उन्होंने कहा कि ट्रोलर्स के पास कुछ करने के लिए नहीं हैं।

दरअसल सोमवार को मिमी नुसरत जहां के साथ पश्चिमी परिधान के साथ फोटो पोस्ट करके पर बुरी तरह से ट्रोल हो गई थीं। मिमी ने ट्वीट करके लिखा था कि और हम फिर से..संसद में नुसरत जहां का पहला दिन तस्वीर में दोनों अपना पहचान पत्र दिखाते नजर आ रही हैं।

ऐसे में एक्ट्रेस और सांसद मिमी का कहना है कि उन्हें लोगों का पूरा प्यार मिला है, अगर एक महिला सांसद के कपड़ों की पसंद तीखी बहस का विषय बन जाती है, तो महिला सशक्तीकरण की सभी बातें बकवास हैं। लोग सिर्फ समानता की बातें करना पसंद करते हैं लेकिन बदलवा देखना नहीं। मुझे इस बात की खुखी है कि 2019 में लोकसभा में ज्यादा संख्या में महिलाएं होंगी।

हम 33 प्रतिशत महिला प्रतिनिधित्व के लिए लड़ाई जारी रखेंगे,मुझे खुशी है कि तृणमूल ने इस चुनाव में 41 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को उतारा। मिमी ने सारी आलोचनाओं को नजर अंदाज कर दिया है। उन्होंने कहा कि मैंने पहले ही फोकस कर लिया था कि मुझे किस क्षेत्र में और क्या काम करना है।

सोमवार को मिमी नुसरत जहां के साथ पश्चिमी परिधान के साथ फोटो पोस्ट करके पर बुरी तरह से ट्रोल हो गई थीं।

लोकतंत्र लोगों को सवाल पूछने का अधिकार देता है : अनुराग कश्यप

एजेंसी। मुंबई

फिल्म निर्माता अनुराग कश्यप ने बृहस्पतिवार को कहा कि लोकतंत्र लोगों को सवाल पूछने का अधिकार देता है। इससे पहले उन्हें व्यवस्था के खिलाफ टिप्पणी को लेकर उनकी बेटी के साथ दुष्कर्म की धमकी सोशल मीडिया पर दी गई थी। उन्होंने इस पोस्ट की ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का ध्यान आकृष्ट किया था। कश्यप ने कहा कि इस प्रकार की ट्रोलिंग के खिलाफ कानून होना चाहिए और सत्ता में बैठे किसी व्यक्ति को ऐसी घटनाओं की तीखे शब्दों में निंदा करनी चाहिए ताकि सख्त संदेश भेजा जा सके।कश्यप ने संवाददाताओं से कहा कि लोकतंत्र आपको सवाल पूछने का अधिकार देता है। अगर मुझे सवाल पूछने के लिए धमकाया जाता है और बाद में हमले होते हैं, तो मैं ऐसे माहौल को सही नहीं मानता।

देव डी और गैंग्स ऑफ वासेपुर जैसी फिल्मों के निर्देशक अपनी राय को लेकर मुखर रहे हैं। उन्होंने कहा कि भय का जो माहौल उभरा है , वह उसको लेकर चिंतित हैं।

अनिल कपूर ने दी वीरू को श्रद्धांजलि

मुंबई। दिग्गज अभिनेता अनिल कपूर का कहना है कि फिल्म मिस्टर इंडिया इसलिए एक चमत्कारी फिल्म बन सकी क्योंकि इसमें बच्चों के लिए मजेदार ऐक्षन सीन थे और वीरू ने इसमें कड़ी मेहनत की थी। मैं इस फिल्म की 32वीं वर्षगांठ पर इसे उस व्यक्ति को समर्पित करता हूं जिसने इसे इतना लोकप्रिय बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा की। शेखर कपूर और मैं कुछ अच्छा करने पर बात कर रहे हैं। हमारा प्रयास होगा कि मिस्टर इंडिया में हमने जिस प्रकार का जादू रचा था उसी प्रकार हम इस बार भी मिलकर कुछ अच्छा करें।

जैक स्नायडर की फिल्म में नजर आएंगी हुमा

मुंबई। अमेरिकन फिल्म निर्माता जैक स्नायडर की फिल्म 'आर्मी ऑफ द डेड' में काम के लिए बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी को चुना गया है। इसमें काम करने के लिए हुमा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा कि वह शूटिंग शुरू होने का अब और इंतजार नहीं कर सकती हैं। इस फिल्म में हुमा एक महत्वपूर्ण किरदार में नजर आएंगी और शायद इस तरह की भूमिका को उन्होंने इससे पहले पर्दे पर नहीं निभाया है। इस फिल्म में हुमा के साथ एला पुर्नेल, एना डे ला रेगुएरा और थियो रॉसी जैसे कलाकार भी हैं।

'आर्मी ऑफ द डेड' के माध्यम से स्नायडर, जॉम्बी शैली में फिर से अपनी वापसी करने जा रहे हैं, इससे पहले 'डॉन ऑफ द डेड' से उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था।

हुमा ने एक बयान में कहा है, इस अवसर को पाकर मैं अत्यंत विनम्र और उत्साहित हूं। मैं जैक स्नायडर की बहुत बड़ी फैन हूं और शूटिंग के शुरू होने का इंतजार अब मुझसे और नहीं हो रहा है।

'आर्मी ऑफ द डेड' के माध्यम से स्नायडर, जॉम्बी शैली में फिर से अपनी वापसी करने जा रहे हैं, इससे पहले 'डॉन ऑफ द डेड' से उन्होंने निर्देशन के क्षेत्र में कदम रखा था।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अभय देओल का पदार्पण

> अभिनेता **अभय देओल** का मानना है कि वेब स्पेस वास्तव में नए व प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए भगवान की ओर भेजा गया एक अवसर है। हम सभी को मनोरंजन की दुनिया में विविधता और मौलिकता बनाए रखने की दिषा में काम करना चाहिये।

अभिनेता के अनुसार हिंदी फिल्म इंडस्ट्री आज भी उसी फार्मूला आधारित कंटेंट के पीछे भाग रही है और यही कारण है कि आज असफल होने वाली फिल्मों की संख्या काफी अधिक हो गई है। वेब स्पेस वास्तव में नए व प्रतिभाशाली कलाकारों के लिए भगवान की ओर भेजा गया एक अवसर है। हम सभी को मनोरंजन की दुनिया में विविधता और मौलिकता बनाए रखने की दिषा में काम करना चाहिये।

उनसे ये पूछे जाने पर कि क्या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर दिखाई जाने वाली कंटेंट से सिनेमा और थियेटर पर कोई दुष्प्रभाव पड़ सकता है? अभय का उत्तर था, 'यदि आप ये देखें कि हॉलीवुड में क्या हुआ था, टीवी पर आने वाली उनकी कंटेंट इतनी अच्छी थी कि अब थियेटर में केवल सुपरहीरो वाली फिल्में ही रिलीज़ होती हैं। क्योंकि सिनेमा केवल एक प्रकार का तमाशा बन कर रह गया है। लोग सिनेमा हॉल में कुछ बड़ा और शानदार देखना चाहते हैं और सुपर हीरो का इस मामले में कोई तोड़ नहीं है। लेकिन यदि आप अच्छी कहानी देखना चाहते हैं तो आपको एचबीओ या नेटफ्लिक्स पर देखना चाहिये। जबकि भारत में मैं जो रोचक चीज देख रहा हूं वो ये कि यहां फिल्मों ने कभी भी फॉर्मूले से बाहर निकलने के बारे में सोचा ही नहीं, तो अब मुझे लगता है कि हमारे थियेटर में कुछ सुधार होने की पूरी संभावना है। इस बात में जरा भी संदेह नहीं है कि देष में वेब पर आने वाले दिल्ली क्राइम जैसे शोज़ यहां के हिसाब से बड़ी उपलब्धियां हैं, लेकिन मुझे लगता है कि लोग अब आशा करते हैं कि हॉलीवुड की तुलना में बॉलिवुड में भी गुणवत्ता के क्षेत्र में सुधार हो सकेगा। आगे अभय ने बताया, 'यदि आप बॉलिवुड फिल्मों की ओर देखें तो उनमें अधिकांषत: असफल होने का ही रुझान बन चुका है।'

अभय ने अतीत में मसाला सिनेमा के विकल्प के रूप में देव डी, ओए लकी लकी ओए! मनोरमा सिक्स फीट अंडर तथा रोड तथा मूवी जैसी फिल्में की थीं। अभय ने कहा कि हिंदी फिल्मों की बात करें तो दर्षक अब मसाला फिल्मों से ऊब चुके हैं।'

अभिनेता देओल ने कहा, 'ये इसलिये है क्योंकि लोग ऐक्टर्स को हीरो जैसे रोल करते देख रहे हैं लेकिन उनपर विष्वास तभी होता है जब वे आप जैसे ही दिखते हैं, आप जैसा ही उनका व्यवहार है और वे वास्तविक लगते भी हैं। लेकिन अचानक उनमें इस प्रकार का परिवर्तन आ गया कि मैं फिल्मों में वैसा ही देखना चाहता हूं। अब लोगों को अवास्तविक चीजें अच्छी नहीं लगतीं। आज होने भी कुद कुछ वैसा ही लगा है।' अभय ने हाल ही में नेटफ्लिक्स की फिल्म चॉपस्टिक्स, के माध्यम से वेब सीरीज़ की दिषा में कदम रख दिया है।

डिजिटल प्लेटफॉर्म पर क्या अलग लगता है?

अभय ने इस प्रश्न के उत्तर में बताया, 'इस माध्यम पर मौलिकता को लेकर अधिक जागरूकता है। उनके कारण विविधता भी आई है जबकि इससे पूर्व ऐसा कम ही देखने को मिलता था। लेकिन अब मौलिकता के दर्षन होने लगे हैं। अब बॉलिवुड की ही तरह से इसमें भी सफलता के लिए मौलिकता एक फॉर्मूला जैसा महत्व प्राप्त करने लगी है। कई निर्माता तथा स्टूडियोज़ अब इस दिषा में कार्य करने लगे हैं।'

अभय ने जोर देकर कहा कि डिजिटल विष्व में फॉर्मूला कहें तो ये विविधता, उत्प्रेरक, मौलिकतापूर्ण कृतित्व ही फॉर्मूला बनता जा रहा है। कहा जा सकता है कि ये हर कलाकार के लिए भगवान का भेजा अवसर है। आगे अभय ने बताया, 'इससे अनेक लोगों को मदद मिलेगी और हमारी इंडस्ट्री में एक प्रकार की विविधता भी आएगी। हमें इसकी अत्यधिक आवश्यकता है। यदि ऐसा न हुआ होता तो हम आज भी वैसी ही फिल्में बना रहे होते जो हम पिछले 70 साल से बनाते चले आ रहे थे।'

सचिन यार्डी के निर्देशन में बनी फिल्म 'चॉपस्टिक्स' में अभय एक ठग बने हैं और उनकी नायिका बनी हैं मिथिला पाल्कर। उनके साथ तीसरे कलाकार के तौर पर एक बकरी भी अपना चरित्र निभा रही है।

ऐसा पहली बार नहीं हो रहा है कि अभय ऐसा रोल कर रहे हैं। इससे पहले ओए लकी! लकी ओए!, में भी उनका चरित्र कुछ कुछ ऐसा ही था।

'फिल्म चॉपस्टिक्स, में उनका चरित्र अत्यंत सौम्य तथा शहरी है जबकि ओए लकी! लकी ओए! में ऐसा नहीं था। वैसे भी उनके लिए चोरी वो जुनून के साथ करते हैं। उन्हें चोरी में महारथ हासिल है...' उन्होंने बताया।